रिजिस्ट्री संव डी० -- (डी० एम०)-- 73



PUBLISHED & LADIMORITE

सं॰ 18] नई विस्त्रो, शनिवार, मई 5, 1984 (वैशाख 15, 1906) No. 18] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 5, 1984 (VAISAKHA 15, 1906)

इस आग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के अप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part is order that it may be filed as a separate compliation)

पाव III—पाव 1 [PART III—SECTION 1]

उडव न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विमाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached

and Subordinate Offices of the Government of India]

मंघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 नवम्बर 1983

मं० ए० 19014/1/83-प्रणा०-1—श्रीमती एम० थी० नारायणन, भारतीय डाक सेवा 1974 को राष्ट्रपति द्वारा 2-11-1983 से आगामी आदेशों तक, संघलोर्क मेवा आयोग में उप याचिव के पद पर सहये नियुक्त किया जाता है।

> एस० के० एफ० कुजूर उप मचित्र (प्रणासन) संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011 दिनांक 26 नवम्बर 1983

मं० ए-32013/1/83-प्रमा०-I---संघ लोक सेवा आयोग के भी में के० म० मे० के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधकारियों की राष्ट्रपति द्वारा 12-9-1983 से 30-9-1983 तक की अवधि के लिए अवर सचिव के पद एर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये सहर्ष नियक्त किया जाता है:---

ioसंo नाम

- . श्री आर० महाय
- 2. श्री एस० एस० नागर
- 3. श्री एम० पी० जैन-11

एस० के० एफ० कुजूर प्रवर सिषय (प्रणा०) संघ लोक सेवा प्रायोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 मार्च 1984.

सं० ए० 32011/1/83-प्रणा०-1--संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति हारा 14-2-1984 से 29-3-1984 तक 45 दिनों की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों सक जो भी पहले हो, के० स० से० के ग्रेड 1 में अवर सचिव पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिसहर्ष नियुक्त किया जाता है:---

कर सं अधिकारियों के नाम सर्वेश्री

- बी० एन० अरोड़ा
- 2. आई० पी० सुर्ला
- 3. के० एल० सूरी
- 4. बी० डी० गर्मा

ए० जे२ उप सचिव (: मंघ लोक मेवा

-(UN) -75

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 मार्च 1984

सं० ए० 19011/2/77-प्रशा०-I---- उड़ीसा स सामान्य प्रशासन विभाग के कार्यालय **शादेश** सं (9671) अ० भा० से॰ I दिनांक 16-2-1984 द्वारा उड़ीसा ग्रौद्योगिक प्रवर्धन एवं निवेश निगम फिसिटेड, भुवनेश्वर, में जड़्यक्ष के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने के परिणामस्वरूप श्री बी॰ आर॰ पटेल, भा० प्र० से०, जिन्होंने 13-10-1983 (अपराह्न) से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सचिव के पद का कार्यभार छोड़ा था और जिन्हें 29-2-1984 तक अवकाश प्रदान किया गयाथा, की संवाएं 1-3-1984 (पूर्वाह्न) से उड़ीसा सरकार को सींपी जाती हैं, ताकि वह निगमानुसार प्राप्य कार्यभार ग्रहण समय लेने के पश्चात् अपने नए पद का कार्यभार ग्रहण कर सकें।

एम० पी० जैन अवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011; दिनांक 29 मार्च 1984

सं० ए०-32014/1/84-प्रणा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के निम्निलिखित अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट ग्रवधि के लिये अथवा आगामी आदेगों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क. अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:——

त्र० **नाम** अविधि सं० 1. श्री मुदेश कुमार 1-3-1984 से 29-3-84 तक 2. श्री एन० पी० एस० गुजराल — वही—

उपर्यक्त अधिकारी कार्मिक श्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74-सी० एस० I दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के अनुसार ६०75/- प्र० मा० विशेष वेतन प्राप्त करेंगे ।

सं०, ए० 32014/1/84-प्रशा०-III (I)—संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक श्री भगीरथी कुमार को राष्ट्रपति द्वारा 16-2-84 से 1-4-84 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 मार्च 1984

मं० ए० 32013/1/84-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, संघ लोक मेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री डी० आर० मदान को संघ लोक सेवा आयोग में 12-3-84 से 11-4-84 तक या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अवर सचिव के प्रद पर तदर्थ काधाई पर स्थानायन्त रूप से कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> एस० वनर्जी अवर सचिव मंघ लोक मेवा आयोग

गृह मंत्रालय क एवं प्र०सु० विभाग केन्दीय अन्येषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1984 ·

सं० ए/19036/3/75-प्रशासन-5—केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण विद्यालय/पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो/हैदराबाद से प्रत्यावर्तन होने पर, श्री डी० एम० राव, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, ने दिनांक 6 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्म में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में उसी पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

प्रताप नारायण आर्य प्रशासनिक अधिकारी (लेखा) केन्द्रीय अन्वेषण ध्यूरो

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 अप्रैल 1984

मं० 10/6/82-प्रशा०-J—इस कार्यालय की तारीख 6-9-1983 की सम संख्याक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, सहायक निदेशक (प्रोग्राम) श्री प्रदीप मेहरा की नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में उप निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि की तारीख 30-4-1984 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, विद्यमान गर्तों पर सहर्ष ग्रौर बढ़ाते हैं।

2. श्री मेहरा का मुख्यालय दिल्ली में होगा। वी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्टार

वित्त मंत्रालय.

प्रतिभृति कागज कारखाना होशंगाबाद-461005, दिनांक 7 अप्रैल, 1984 ग्रादेश

सं० ए० डी०/83/लिक/13227—जबिक श्री अहण कुमार काजे, निम्न श्रेणी लिपिक दिनांक 14 मई 1983 में अनाधिकृत रूप से बिना किमी पूर्व सुचना/छुट्टी की स्वीकृति के अपने कार्य से अनुपस्थित रहे हैं तथा प्रतिभूति कागज कारखाना को अपना पता-टिकाना भी सुचित नहीं किया।

एवं जबिक उनको तुरन्त कार्य पर उपस्थित होने का निर्देश देते हुये एक ज्ञापन कमांक ए० डी०/83/2.604 दिनांक 34 जून 1983 उनके स्थायी घर के पते ब्लाक नं० 26/4, सी० टी० श्रो० क्वार्टर, बैरागढ़, भोपाल (म० प्र०) पर भेजा गया था ।

एवं जबिक कथित श्री अभग कुमार काजे कार्य पर उपस्थित नहीं हुए तथा लगातार अमाधिकृत रूप से अन्-पस्थित रहे एवं इस प्रकार उन्होंने केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 के नियम 3(i) (iii) के अन्त-गर्त कदाचार का आचरण किया।

एवं जबिक कथित श्री अध्य कुमार काजे को उनके उपरोक्त भोषाल स्थित घर के स्थाधी पत पर आरोप पत्र कमांक ए० डी०/83/लिक/281 दिनांक 14 सितम्बर 1983 पंजी-कृत प्राप्ति स्थीज़ित डाक द्वारा भेजा गया था।

एवं जबकि कथित श्री अरुण कुमार काजे से उपरोक्त आरोप पत्र का कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ ।

एवं जबिक कथित श्री अगण बुमार काजे के विरुद्ध लगाये गये आरोपों की जांच करना आवष्यक समझा गया तथा कदनुसार आदेश कमांक ए० डी०/83/लिक/562 दिनांक 7-12-83 द्वारा एक जांच अधिकारी एवं प्रस्तुत-कर्ता अधिकारी नियुक्त किया गया था।

एवं जबिक जांच अधिकारी ने अपनी दिनांक 22-2-84 की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें यह कहा गया कि श्री अकण कुमार काजे अभियुक्त सरकारी कर्मचारी को जांच के लिए उपस्थित करवाना वस्तुतः असभय था इसलिए जांच अधिकारी एक तरफ की गई तथा आरोपों को सिद्ध पाया गया।

एवं जबिक अधोहस्ताक्षारकर्ता से मामले के अभिलेख एव जांच रिपोर्ट दिनांक 22-2-84 (प्रतिलिपि संलग्न) की सावधानीपूर्वक जांच करने के पश्चात् यह पाया कि आरोप सिद्ध हो गये हैं तथा इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि कथित श्री अफल कुमार काले सेवा में रखने के लिए उपयुक्त नहीं थे तथा उन्हें सेवा से निष्कासन का दण्ड देना चाहिए।

इसलिए अब अधोहस्ताक्षरकर्ता केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1965 के नियम 19 (ii) द्वारा प्रदत्त णक्तियों का उपयोग करते हुए कथित श्री अरुण कुमार काजे को तुरन्त से सेवा से निष्कासित करते हैं। मंजरन:।

श्री ग्रहण कुमार काजे, ब्लाक नं० 26/4 सी॰टी॰ग्रो० क्वार्टर, बैरागढ़, भोपास (म॰प्र०)

भा० राग पाठक महाप्रश्नन्धक

होगंगाबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

सं० 7(57)/368--इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7(57)/11950 दिनांक 5-2-82 के तारतम्य में श्री एम० एन० श्रोरंगानाथन की प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति को दिनांक 31-3-84 तक श्रीर बढ़ाया जाता है।

> ण० रा०पाठक महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली,-110002, दिनांक 9 श्रप्रैल 1984

मं० वा० ले० प० 1/9-81---महा लेखाकार, आन्छ प्रवेण-11, हैदराबाद के कार्यालय में कार्यरत श्री एम बेंकटा राव, लेखापरीका अधिकारी (वा० अपनी अधिवापिता आयु प्राप्त करने पर दिनाक 29-2-84 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 11 अप्रैल 1984

सं बाब्ले पान-1/107-83---अगर उप-नियन्त्रक महालेखा परीक्षक (बाब) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (बाब) को पदोन्नत करके लेखा परीक्षा अधिकारी (बाणिज्यिक के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं श्रीर आगे आदेश दिये जाने तक प्रत्येक नाम के सामने नीचे कालम 4 में लिखित कार्यालयों में नीचे कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं:---

ऋम सं०	अनुभाग अधिकारी (वाणिज्यिक) का नाम	कार्यालय जहां पदोन्नति से पहले कार्यरत थे	कार्यालय जहां पदोन्नति के बाद लेखा∻ परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनात कियेगये	ले०प० अधिकारी केरूप में पदोन्नति की तारीख
1	2	3	4	5
1. Ų	म० आर० कुलकरनी	सदस्य लेखा परीक्षा बार्ड एवम् पदेन- निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, बम्बई	स० लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन-निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, वम्बई	13-12-83
2. ब	गाबू लाल बर्मा	महालेखाकार, राजस्थान, जयपूर	—-वही <i></i> -	28-12-83
	ने ् ग्म० वस्स	भारत के नियन्त्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली	सदस्य लेखा परीक्षा बोई एवम् पदेन- निदेणकः, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, नई दिल्ली	22-12-83
4. Q	एच० भट्टाचार्जी	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन- निदेशक,वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,रांची	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन- विदे शक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, कलकृता	31-12-83
5. ų	स् । एल । अग्रवाल	महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर	भदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन- निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीजा, वस्य	28-12-83 5
6. થ	गे० के० कपूर	महालेखाकार, पंजाब, चर्ण्डागढ	महालेखाकार, अम्मू व कण्मीर, श्रीनगर	28-12-83
<u> </u>			<u> </u>	त्व पी० लक्ष्मण राव

सहायक नियंत्रक महालेखा परीक्षक (वा०)

कार्या दिशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 17 अप्रैल 1984

संव प्रशासन-1/का० आ० संख्या II-इस कार्यालय के सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी श्री राधेक्याम गुप्ता वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणाम स्त्रक्य 30 अप्रैल. 1984 अपराक्ष को भारत गरकार की सेवा से सेवा-निवृत हो आएंगे उनकी जन्म तिथि 11 अप्रैल 1926 है।

> शंकर नरायण उप निदेशक, लेखापरीक्षा (प्रशासन)

इस्पात श्रौर खान मंत्रालय खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपूर, दिनांक 10 अप्रैल 1984

सं० ए-19011(333)/83-स्था० ए०-- श्री सी० एस० राव, सहायक खिन्छ अर्थूणास्त्री (सांख्यिकी) हैं को 4 फरवरी 1984 के पूर्वाह् न ने भारतीय खान ब्यूरों में स्थानापन्न रूप से उप खिनज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) भारतीय सांख्यिकी सेत्रा ग्रेड 3 के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है।

ं आभाराम कम्यय वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी भारतीय खान ब्युरो

आकाशवाणी महानिदेशालयः

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 84

सं० 29/12/83-एस-2-महानिदेशक, आकाशत्राणी, एतद्द्वारा श्री विनोद कुमार सिंह को आकाशत्राणी, पुर-णियांग में दिनांक 19-3-84 (पूर्वाह्न) से फार्म रेडियो अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> रूषिमनी दासगुप्ता उप निवेशक, प्रशासन कते सहानिष्टेशक

ग्रामीण विकास मंद्रालय

विपणन एवं निरीक्षण तिदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1984

सं ए ए 19023/5/82-प्र 111- इस निदेशालय के अधीन नागपुर में विपणन अधिकारी (वर्ग III) के पद पर धी एस एस एस विस्वार की तबर्थ नियुक्ति की दिनांक 30-6-84 तक या जब तक पद नियमित आधकर पर भरा जाता है, जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है।

सं० ए०-19024/1/84-प्र० III-- विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग "ख") की संस्तृतियों के अनुसार श्री वी० ए० तेंदुंलकर, वरिष्ठ रसायनज्ञ को दिनांक 19-12-83 (पूर्वाक्ष) से पद के निर्यामत आधार पर भरे जाने तक केन्द्रीय एगमार्क प्रयोगणाला, नागपुर में स्थानापन्न आधार पर किनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

दिनांक 5 अप्रैल 1984

स० ए० 31014/3/81-प्र०-I--िप्रणम एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन श्री ए० के० सिगला को दिनांक 11-12-82 से सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-II) के स्थायी पद पर मूल रूप से नियुक्त किया जाता है ।

सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग-II) के पद पर मूल रूप से नियुक्ति होने की तारीख से श्री सिगला का निचले पद पर ग्राहणाधिकार यदि कोई हो, तो स्वतः समाप्त माना जाएगा ।

सं० ए०19025/9/84-प्र० III--संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार इस निदेशालय के अधीन गौहाटी में श्री प्रोवेण दास को दिनांक 21-3-84 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 9 अप्रैल 1984

सं० ए० 19025/4/84-प्र०धा--इस निदेशालय के अधीन श्री चरण सिंह दारा सहायक विपणन अधिकारी (वर्गना)

के पद् से दिया गया त्याम अस दिनांक 13-3-84 (अपरान्ह) में स्वीकृत किया गया है।

> गोपाल शरण णुक्ल कृषि विषणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

्ष्रय श्रीर भंषार निदेशालय

धम्बई-400001, दिनांक 5 श्रप्रैल, 1984

मं० डी० पी० एस/2/1(26/7657—इस निदेशालय की तारीख 12-8-1983 की श्रिक्षसूचना सं० डी० पी० एस०/41/1/83—प्रशासन/26264 के श्रम में परमाणु, ऊर्जा विभाग के श्रम श्रीर भग्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी श्रम सहायक श्री के० एल ग्रहलुकैं लिया को रूपये 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—दरो- 401200 के वेसनमान में तारीख 5-3-84 (पूर्वाह्म) से 2-4-1984 (पूर्वाह्म तक के लिए नदर्थ ग्राधार पर तथा तारीख 2-4-84 (पूर्वाह्म) से ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक नियमित ग्राधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप में सहायक श्रम श्रिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 10 ग्रंप्रेल 1984

सं० डी० पी० एस०/41/3/83-प्रशासन/8605— परमाणु ऊर्जा विभाग के कय श्रीर भन्डार निदेशालयं के निदेशक ने सहायक लेखा श्रीधकारी श्री टी० एम० एलेक्जेन्डर की छुट्टी मंजूर किए जाने पर उनके स्थान पर स्थायी सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्त लेखापाल (तदर्थ) श्री जगन्नाथ गोपाल साठे को रुपए 650—30—740—35—880— द० रो० 40—960— के बेतनमान में तारीख 1—3—84 (पूर्वाह्न) में 31—3—1984 (श्रपराह्म) तक के लिए तदर्थ श्राधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्त रूप से सहायक लेखा श्रीधकारी नियुक्स किया है।

दिनांक 11 प्रप्रैल 1984

सं० डी० पी० एस/41/1/83-प्रशासन/8704--परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी ऋय सहायक, श्री कृष्ण लाल श्रहलुवालिया को इसी निदेशालय में 1-12-1983 (पूर्वाह्न) से 18-2-1984 (श्रपराह्न) तक, रूपए 65,0-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के वेतनमान पर सहायक ऋय श्रीधकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री के० वी० नायर, सहायक ऋय श्रीधकारी के स्थान पर की है जिन्हें ऋय श्रीधकारी (तदंथ) के रूप में पदोन्नत किया गया है।

पी गोपालन प्रशासन-म्राधिकारी

भ्रन्तरिक्ष विभाग

श्रीहरिकोटा रेज-524124 गार केंद्र, दिनांक 9 अप्रैल 1984

सं० एस० सी० एफ/ का श्रीर सा प्र०-स्था० I 1.72-निम्नांकित कर्मचारियों को श्रीवत तारीखों से, वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी० के पद पर शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा रेंज में सर्वथा श्रस्थाई तथा श्रततिम रूप में नियुक्ति करने के लिए निदेशक ने श्रपनी प्रसन्नता प्रकट की हैं।

1. श्री डी० राजेश्वर रेड्डी

28-10-1983

2. श्री पी० भाकर चौंदरी

24-1-1984

राजन वी जॉजं प्रधान, कार्मिक श्रीर सामान्यप्र० प्रभाग **कृते** निदेशक, शार केन्द्र

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली-110066, दिनांक 20 मार्च, 1984

स० ए-32013/5/82-६०ए० (पाट-111)—-राष्ट्रपति जी ने निम्नलिखित अधिकारियों की उपनिवेशक/नियन्त्रक विमान क्षेत्र के ग्रेड में की:गई तदर्थ नियुक्ति उनके नामों के सामने दी गई क्षारीख से 26 मई, 1983 तक जारी रखने की स्वीकृति दी है।

म नाम'सर्वश्री ं०						तदर्थ नियुक्ति की अनुमोदित बढ़ाई गई अवधि	स्टेणन
1	2		 			3	4
1. वी० घी० वस्सा		, ,		,		27-1-1983	सेवा-निवृत्त
2. आर ०जे० युराज	•	•	•			20-1-1983	बम्बई ै
3. एम० के० दास		•	•	•		8-5-9183	71

1 2							3	4
4. एम० एस० जी० के०	वारियर						14-1-1983	उ० नि० (मुख्य)
5. पी० के० विश्वास				•			12-1-1983	पालम एयर पोर्ट
6. डी०एन०गुप्ता							5-5-1983	लखनऊ
7. पी० आई० सी० विद	ासागर				•	•	30-1-1983	मद्रास
8. जी०सरकार	•				•		26-1-1983	कलकत्ता
9. आर० एस० सिम्रू		•	•				14-1-1983	वाराणसी
0. पन्ना लाल	•				•		12-1-1983	त्रिवेन्द्रम

जी० ब्री० लाल सहायक निर्देशक प्रशासन कृते महानिर्देशक नागर विमानन

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा भुल्क व केन्द्रीय उत्पादन भुल्क मई दिल्ली, दिनांक 10 भन्नैल 1984

सं० 4/84—श्री सितन्दर सिंह ने, जो पहले राजस्व श्रासूचना निदेशालय, नयी दिल्ली, में सहायक निदेशक के पद पर कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 8-3-84 की फा० सं० ए० 22012/16/84, प्रणा० II से जारी श्रादेश सं० 41/84, ब्रारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में स्थानांतरण हो जाने पर दिनांक 29-3-84 के (पूर्वाह्म) से, सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

> ए० सी० सल्डाना निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्त्तालय

भुवनेश्वर, दिनांक 11 मप्रैल 1984

सं० 3/84— केन्द्रीय उत्पाव एवं सीमाणुल्क समाहर्त्तालयः भुवनेश्वर के श्री मुकदेव नायक, प्रणासनिक प्रधिकारी कार्य निवृत्ति पर दिनांक 31 मार्च 1984, को सरकारी सेवा से कार्य निवृत्त किये हैं।

> चि० शतपथी उपसमाहर्सा केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुस्क,

निर्माण ग्रीर ग्रावास मंत्रालय नगर एवं ग्राम श्रायोजन संगठन

नई दिल्ली-110002, दिनाँक 12 अप्रैल 1984 सं० ए 12020/2/83 टी० सी० पी० ग्रो०/प्रसामन ग्रध्यक्ष, नगर एवं ग्राम भ्रायोजन संगठन ने श्री एम० के विश्वनाथ, श्रनुसंधान सहायक को सहायक भ्रथंगास्त्री (जी० मी० एस० ग्रुप बी, राजवितद्ध के पद पर तदर्थ श्राधार पर 31 मार्च 1984 (अपरा**क्ष**) से अगला आदेश जारी होने तक नियुक्त किया है।

> एच० के**० घोष** प्रणासनिक ग्रधिकारी

नीवहन श्रीर परिवहन मंत्रालय नौवहन महानिदेशालय बम्बई, दिनांक 21 मार्च 1984

सं० 2 एस० एच (3)/83—संघ लोक सेवा भ्रायोग की सिफ़ारिस पर राष्ट्रपति श्री पी० के रोय चौधरी को. 31-10-83 (पूर्वाक्ष) से भ्रागामी भ्रादेशों तक जलपरिवहन विभाग, मद्रास में श्रस्थाई तौर पर इंजीनियर भ्रौर पोत सर्वेक्षक नियुक्त करने है ।

> पी० **पां**ष नौवहन उप महानिदेशक

बिधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पिनियों के रिजस्द्रार का कार्यालय
भ्वालियर-474005 दिनाँक, 9 अप्रैल 1984
िकम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर मेससै हरियानी
इन्वेस्टमेन्टस प्राईवेट लिमिटेड, इन्दौर के विषय में

सं० 15441/पी० एस० सी० पी० 32024—कम्पनी
अधिनियम , 1956 की धारा 560 की उपधादा (3)
के अनुसरण में एत्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस
तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स हरियाणा
इन्वस्टमेन्ट प्राईबेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण
धिमत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा
और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएंगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश ग्वालियर प्ररूप जाई.टी.एन.एस.-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के न्भीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अायुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रोंज, भृषने^{ब्र}वर

भ्बनेश्वर, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निदेश मं० आई० एस० मी० 1984-85/56-57--यतः मुझे, आर० मी० सेठी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसवा उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 3110 तथा 3111 है, जो वेरहमपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्चा में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरहामपुर में रजिस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3 अगस्त 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि संशोपबोंकत सम्पत्ति का उश्वित बाजार मृन्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल जिम्नीनीवत उब्देश्य से उक्त अंतरण निवित में वास्तविक कप में किंग्त नहीं किया गया है:--

- (क) असरण से हुई किथी आब की बाबत खकत अधिनियम के अधीन कर दोने के असरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन मा बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भ्या था किया जाना चाहिए था, कियाने में शावकर की निग्तः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अगूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती जीव चन्द्रावती पत्नी जीव रशृताय राउपाद साही बरहमपुर जीव गन्जाम

(अन्धरक)

(2) श्री प्रफुल्य कुमार पानीग्रही पुत्र हरीहर पानीग्रही पी० वेजपुर (पासपुर) बरहमपुर जी० गन्जाम

(अन्तरिती)

को यह चुचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बर्धी व्यक्तियों प्र त्चना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जुभ्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और घर माप 165 × 10'-6" × 1732.50 वर्गफीट। (दाउला स्ट्रीट, बरहमपुर जी० (गन्जाम) (वार्ड नं० -15 भापुर म्युनिसीपलटी, बरहमपुर घर नं० 136/15)

आर० सी० सेठी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भुवनेस्वर

दिनांक : 7-4-1984

.प्ररूप आइ".टी.एन.एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 फरवरी 1984

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या आर-208/एक्की०---यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिदलाम करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और त्रिसिकी संव खसरा नंव 1-वीं 469 का है तथा जो शेखपुर अलीगंज, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-8-1983

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित-की गृष्ट हैं और मूले यह विद्यमान प्रतिकृत के लए अन्तरित-की गृष्ट हैं और मूले यह विद्यमान करने का अरण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत के एसे दृश्यमान प्रतिकृत का गृह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कि निम्नितिस्त उद्देष्ट से उक्त अन्तरण लिसित में बास्त-विक रूप से अधित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आंध-निषम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) एसी विस्ती आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निया के लिए;

कतः कन, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित स्थितियमें, अधितः (1) 1. श्री देवी प्रसाद बोरा2. श्री पंकज बोरा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रशीदा परवीन

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसको अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हु।

उन्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीज में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्पी

आराजी खसरा नं० 1-वीं 469 का, पैमाइशी 12000 वर्ग फिट स्थित शखपुर अलीगंज, लखनऊ और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जीं संख्या 9425 में विणित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में दिनोक 6-8-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 2-2-1984

मोहुरु ≟

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांवः 2 फ़रवरी 1984

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० जैड--4/एक्की०---यतः मझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं विस्ता नं 1-वीं 469 है तथा जो शेखपुर अलीगंज, लखनक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से बाजित है), रजिस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-8-1983

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरिती की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चहिए था. छिपाने में सृविधा के निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
2—46/31/84

(1) 1: श्री देवा प्रसाद बोरा2: श्री पंक्षज बोरा

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती जरीना कैंसर 2. श्रीमती रंगीदा परवीन

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विक्रित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी खसरा नं० 1-बी 469 का, पैमाइसी 6401 वर्ग-फुट स्थित शेखपुर अलीगंज, लखनऊ और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 9424 में विजास है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 6-8-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहत्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 2-2-1984

मोहर ः

प्ररूप जाईं. टी. एन्. एस. ----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज बिहार पटना पटना, विनास 6 अप्रैल 1984

निदेश सं ाा -921/अर्जन/84-85--यतः, मुझे, प्रबोध कुमार पुरे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० थाना नं० 7 तौजी नं० 388/18858 खाता नं० 97 खसरा नं० 1873 वार्ड नं० 37 सकिल नं० 263 हो० नं० 81/75, 206/81 है तथा जो गर्दनी बाग (बाब्बाजार) पटना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधियारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोंक 13-8-1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से. एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसमें अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिकी दाराण प्रकट नहीं किया गया भा का किया जाना कोहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में,, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः (1) श्री सरोज कुमार चन्द्रा बल्द स्व० विधिन बिहारी चन्द्रा निवासी—चन्द्रा कुटीर गर्दनी बाग धाना—गर्दनी बाग, पो० पटना जी० पी० भो० पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रावती देवी जोजे श्री प्रभू नाथ सिंह निवासी—पो०—थाना—ग्राम, मीरगंज जिला—गोपालगंज ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब सैं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमृसुची

जमीन जिसका रकबा 5 कट्टा 16 धूर साथ में दो मंजिला मकान जो गर्वनी बाग (बाबू बाजार), पटना में स्थित है, जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 6919 दिनांक 13-8-83 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पवाधिकारी, पटना के द्वारा सम्यन्न हुआ है

> प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी [सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज विहार, पटना

दिनांक : 6-4-1984

मोह्र र

प्रकृष बाह्" . टी . एन् . एवं . -----

भाव्यकर जिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 19 फरवरी 1984 निदेश सं० III/919/अर्जन/83--84--यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हो सं० 418/307 (नया) 149 ए (पुराना) सीट ने० 20 सिंकल नं० 6 वार्ड नं 2 न्यू डाक बंगला रोड धाना कोतवाली पटना में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजर्स्ट्राकर्ती अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजर्स्ट्राकरण आधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-8-83

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिक्रस के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बृख्य, उसके दश्यमान प्रतिक्रल से ऐसे दश्यमान प्रतिक्रल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इत: अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात् :----

- (1) श्री विकम केगरी दास पिता स्व॰ श्री गजेन्द्र प्रसाव वास 35 सत्यानगर, भृषनेश्वर, उड़ीसा । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती ओनीका अहलुबालिया जीजे श्री बुजमोहन सिंह अहलुबालिया बारा अहलुबालिया ट्रेडिंग कारपोरेशन, एक्जीबिशन रोड, थाना गांधी मैदान, पटना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त तुम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती. हो, को भीतर पूर्व कित अपिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्नान के राजपण मा प्रकाशन की नारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्वो

जमीन जिसका एकबा 2676 वर्गफीट साथ में गकान जो त्यू डावबंगना रोड थाना को काला लाहर पटना में स्थित है नथा जो पूर्णरूप से वसिका संख्या 6927 दिनांक 13-8-83 में बॉणत है एवं जिलाम निबन्धन जिला अबर निबन्धक पदाधिकारी पटना के ब्रास्ट सम्पन्त हुआ है।

> प्रतीय कुनाम दुवे सन्नम (विधान) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बिहास, फटना

दिनांक : 19-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग, बिहार, पटना पटान, दिनांक 10 फरवरी 1984 निर्देश सं $III_I 918/अर्जन_I 83-84--- यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,$

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० हो० नं० 149 ए (पुराना) 418,307 (नया) सीट नं० 20 स्विम नं० 6 वार्ड नं० 2 है, तथा जो न्यू डाका बंगला रोड, थाना कोतवाला, पटना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्णस्प से विणित है), रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनांक 13-8-1983

को पूर्वोक्त सम्परित से उषित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्विक है भेर नहीं किया गया है:—

- (कः) बन्तरण सं हुइं किसी काय की वाबत उसत अधि-नियम को अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का., जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के बिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री विक्रम केणरी दास पिता स्व० श्री गजेन्द्र प्रसाद दास, 35 सत्यानगर, भुवनेश्वर (उड़ासा) । (अन्तरक)
- (2) श्री बृज मोहन सिंह अहलुवालिया पिता स्व० श्री हरजंग सिंह अहलुवालिया द्वारा अहलूवालिया ट्रेडिंग कारपोरेशन, एनजीविशम रोड, थाना गाँधी मैदान, पटना।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-गव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

मनसर्थी

जमीन जिसका रक्षवा 2676 धर्गफाट साथ में मकान जो न्यू डावधंगला रोड, पटना थाना कोतवाली शहर पटना में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से धर्मका सं० 6926 दिनांक 13-8-83 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन जिला अधर निबंधक पदाधिकारी, पटना के डारा सम्पन्न हुआ है ।

> प्रबोध कुमार **दुवे** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) , अर्जन रेंज, बिहार,पटना

दिनोंक : 10-2-1984

प्रकप वार्दे.टी.एन.एस.,-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० सं10 - 59/रेज-11/बाल 1983 - 84 - -यतः, मझे, एस० के० बनर्जी,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

बीर जिसकी सं० 284 है तथा जो कलकत्ता यशोर रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्राकर्ता अविकारा के कार्यालय एस० आर० व्यासिपुर दम-दम में, रिजिट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांग 12-8-1983

की पृथों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके हरयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री तरित कुमार बल्लभ एवं अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री कान्तिलाल राय एवं अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के मर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा भळागे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा जो उस वध्याय में दिया गया हैं।

मम्स्ची

जमीन :---1 बीघा, 13 कठा जमीन का साथ मकान । पमेः:--मौजा-भालियादह, थाना---लेक टाउन, म्यूनिस्पिल होल्डों नं० 284 कलकत्ता यशोर रोड । दलिल संख्या---एस० आर०-मासिपुर का 1983 का 8484

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज→ , कलकत्ता 54, रफी अहमद किववई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 30-3-1984

मोहर ः

प्ररूप बार्ड . टी . एन , एस , ------

बावकर म्भिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, वालकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1984 निर्देश सं० ए० सी० $60/\hat{\tau}_0/U/$ कल0/1983-84--यत<math>0मुस्रे, एस० के० बनर्जी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसके सं० 26 है तथा जो चिन्डतला मेन रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० आलिपुर में, रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-8-1983

को प्वांवत सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के दरमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार वृस्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) क बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; गरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातु:— (1) श्रीमती माधुरी सरकार

(अन्तरकः)

(2) मेसर्स रिलायेन्स रबर इन्डस्ट्रीज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के ितए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बर्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी विविध वाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त घन्यों जौर पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा क्या है।

लन्त्रची

जमीन:→-18 कठा, 6 छिटाक 40 वर्ग फुट जमीन का साथ फैक्ट्रा रोड ।

पनाः—26 चन्डिनला मेन रोड, कलकत्ता, थाना—बेहाला दलिल संख्याः—एस० आर० आलिपुर का 1983 का 4212 ।

> एस० के० बनर्जी संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, 54, रफी अहमद किदबई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 30-3-1984

प्रस्प बाहा. टी. एन. एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकता

ैकलकता, दिनांक 30 मार्च 1984

निदेश सं० ए० सी० 6क्यू $/(\sqrt[3]{I})$ कल०/1983-84---- यतः मझे, एस० के० बनार्जी

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 26 है तथा जो चन्छितला मेन रोड, बेहाला रिश्वत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-8-1983,

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, जसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह इतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई कि.सी बाय की बाबत, उच्च जिभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियमः की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की नभीतः, निम्निसिचित स्पिक्तियों, अर्थात्

. (1) श्रीमती माधुरी सरकार एवं अन्य

(अन्तरक)

(2) मेसर्स बैल्ड इक्विप

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी व बी 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा ज/ उस अध्यास में विसा गया है।

वनसूची

जमीन:---18 कठा, 12 छिटाक 10 वर्षफुट जमीन का साथ फैक्ट्री रोड,

पा:--26, चान्दीटोला मेन रोड, कलकत्ता, थाना अबेहाला दलिल संख्या:--एस० आर० आलिपुर का 1983 का 4213 ।

> प्स० के० बनाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज⊶II, कलकत्ता । 54, रफी अहमद किदवई रोड,

> > कलकत्ता-16

दिनांक : 30-3-1984

मोहुर 🖫

शक्स नाइ^{*} टी. एस. एस. - - - -

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० सी० 54/रेंज,—II/कल/1983—84— hत: यत: मझे, एस० के० बन।र्जी,

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 61/1 है तथा जो सरत बोस रोइ, कलकत्ता-65 65 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और, पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० काशीपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कब के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वदेय से उन्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के वामित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

अतः अन्., उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रामती माया रांनी देवी

(अन्तरक)

- (2) 1. रसराज पान
 - 2. प्रकाश चन्द्र पाल
 - 3. विकाश चन्द्र पाल
 - 4. सिबास चन्द्र पाल
 - 5. तापस भन्द्र पाल

(अन्त रिती)

का यह सूचना कारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सिष्ट् कार्यवाहियां शुक्त करता हुए।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाः
- (ज) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चुना हैं।

भगसूची

जमीन--2 कठा---13 छिटाक--4 वर्ग फुट जमीन के साथ मकान ।

पता— $-61/_{1}$, सरत बोस रोड, कलकत्ता—65, थाना—दम दम ।

दिलल संख्या---1983 का 8350।

एस० के० बनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नेरीक्षण) अर्जन रोज—11/कलकत्ता 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता—16

·षनीम : 13-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. 🏶-----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 6 फरवरी 1984 निदेश सं० श्राई ए० सी० एक्वी० 32/14/83-84--यतः मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० खेन नं० 4/1 है, जो निम्बोरा जी० अमरावती में स्थित है (और उसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में चिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमरावती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25~8-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ६श्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिधा के लिए।

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
3—46GI/84

(1) श्री नारायण णामराय आम्बेकर वृटी प्लात् अमरावती

(अन्तरक)

(2) श्री धरमदास मुद्दोमल सालोनी कांडे प्लाट्स राजापेठ, अमराबती ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

खंत जमीन जिसका सर्वे नं० 4/1 है और जो निर्माण निभोरा जिला अमरावनी में स्थिन है। जिसका कुल एरिया 5 एकड़ 16 गुठा ।

एम० जी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, नागपुर

दिनांक : 6-2-1984

प्रकृप बाह^र, टी._! एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के म्भीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, राहायक आयक्र आयक्त (निरीक्षण)

अर्गन रोंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 6 फरबरी 1984 निदेश मं० आई० ए० मी० एक्विय 33/14/83-84--यतः मझे, एम० सी० जोशी।

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परनात 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव खेती है, जो खेती नंव सर्वे नं. 25/2 नषसारी कोव में स्थित है (और उसके उपायद अनुसूकी में और पूर्णस्प रूप में बांपत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, अमरावती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-8-1983,

को पूर्वोक्त संपरित् के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

कतः अब, अवसः विधिनियमं की धारा 269-गं के अनूसरणं मों, मीं उक्तं अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् हि— (क्षे श्रीमती चैन्द्रभागाबाई शामरावजी, उकीनकर, शेंगांव

(अन्तरकः)

(2) भिक्त ट्रेडर्ग पार्टनर, श्री डायाभाई कवकड़ अमरावती ।

(अन्तार्र्ता)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्:----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनिश, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य अपिक्त इकार अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्भ होंगा को उस कथ्याय में दिया पराहै।

ननसूची

नयसारी की खेती नं० सर्वे नं० 25/2 नयसारी जिला— अमरावती

> एम० सी० जोणी सक्षम प्राधिकारी सक्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, नागपुर

दिनांका : 6-2-1984

भूकम जाद<u>ी, टी. एवं, एसं, नन्तर</u>------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 28 फरवरी 1984

निवंश सं अर्हि ए० सी० एक्बी०० 35/14/83-84---यतः मुझे, एम० सी० जोशी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विकास करने का काड़न है कि स्वादर सम्बंधित दिनका उद्भित वाचार मूक्य 25,000/-स्त से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट दो जिसका सर्वे नं० 49 है, जो मौजा राजापेट अमरावती में स्थित है (और उसके उपाबड अनुसूची में और पूर्णेंद्र में विणित्र है), रिजिस्ट्रीकर्जा अधिकारी के कार्यालय, अमरावती (शाक्यूमेंट सं० 4336 तथा 4337/83) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अशीन,-दिनांक 16-8-1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के असित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूर्विधा के लिए; औट्ट/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी अन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के सिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री नरेन्द्र कुमार कृष्णरावजी नवाथे 2. श्री पुग्पोतम कृष्णरावजी नवाथे रा० नवाचे बगीचा बडलेरा रोड, अमरावती ।

(अन्तरकः)

(2) श्री रामेण्यर चैन्युखदास अग्रवाल 168, बिद्या नगरी मार्ग, कालीना सांताकुज मम्बई—400098 ।

(अन्तरिती)

- (3) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी गरन या उससे बचने में मुविधा के लिए: और /या
- (4) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 192(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चा हिए था, छिने में सुविधा के लिए;

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुै।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यविसयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व किल व्यवितयों में में किसी व्यवित प्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में क्रकाशन की तारी स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-% में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मन्स्ची

दो प्लाट जिसका मर्थे नं० 49 है और जो राजापेठ प्रगरें के वडणेरा अमरावती में स्थित है। जिसका कुल एरिया पहिला प्लाट 764.75 वर्ग मीटर—दूसरे प्लाट का 815.43 वर्ग मीटर कुल 1580.18 वर्ग मीटर और 17009 वर्ग फीट है।

एम०सी० जोशी

सक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्धन रोज, नागपुर

दिनांक : 28-2-1984

मुक्य नाइ . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन स्वना

प्रारुव सरकार

कार्यालय,, सहायक आयुक्तर आयुक्त≉ (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 23 फरवरी 1984 निदेश सं 34/14/83-84--यतः मुझे, एम० सी० जोशी, अध्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी म० सं० 30 वार्ड नं० 16 है, जो वर्धा में स्थित है है (और उसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्प से वर्णित है), रिजिस्ट्रोकर्री अधिकारी के कार्यालय, वर्धा (डाक्यूमैंट सं० 2717) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-8-1983 को

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्कत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है द्र---

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की वावत, जबत अभिनियम के जभीत कार दोने के जन्तरक के बारियर में अभी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निल्खित क्योंक्तियों, अधित् :—

(1) श्री मनसुखनान जमंतीलान पारेख मालगुजारीपुरा, वर्घा

(अन्तरक)

(2) श्री राम विलास द्वारकादास कोरिया वार्ड नं० 16, विट्ठल मन्दिर रोड, वर्धा ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

जनत सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोष्य--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्विस्ता में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बमस्चीं

म्यू० घर नं० 30, वार्ड नं० 16 वर्धा में स्थित है। जिसका एरिया 30'---19' का है।

एम० जी० जोशी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांबा : 23-2-1984

मोहर 🛪

प्रचन नाइ .टी. एन. एत . -----

प्रायक्षर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के समीन पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रोहतका

रोहतक, दिनांक 4 अप्रैल, 1984

निवेण सं असरसा/1/83-84--यतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास स्नरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसारी सं० भू। में 36क 4 मरले बिल्डिंग सहित है तथा जो सिरसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से बिणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1983.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेदय से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुद्दै किसी जाय की वानता, उक्त ग्रीधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में सृविधा के लिए;

बत: वव, उक्त विधिनियम की भारा 269-न कै वन्तरन मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--- (1) मे॰ पदमावती राजे काटन मिल्स लि॰ 15, इण्डिया एक्सचेंज पैलेस, कलकत्ता क्षाराश्रीमीताराम अग्रवाल पुत्र श्रीभाली राम अग्रवाल, प्रधान फर्म।

(अन्तरक)

(2) श्री मलोक चन्द पुत्र श्री छीतर मल नि०—-सिग्सा ।

(अन्त(रती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री द्वारका प्रसाद पुत्र श्री णिय वयाल मेल पुत्र श्री रतन लाल । नि॰--सिरसा । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति के हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित मों किए था सकोंगे।

स्यक्षीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 36 क 4 मरले बिल्डिंग सहित सिरसा में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय सिरसा में, रिजस्ट्री संख्या 2565 दिनांक 4-8-83 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज रोहतक

दिनांबः : 5-4-1984

प्रस्प , बाई , टी , एन , एस , -----

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 5 अप्रैल, 1984

निदेश सं० सिरसा/3/83-84~-यतः मुझे, आर० के० भयाना,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं ० भूमि 6 कनाल बिल्डिंग सहित है तथा जो सिरसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्वित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया वया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरस अहे दायित्व में अपनी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान ने सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चिन व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैं ॰ पदमावती राजे कॉंटन मिल्स लि॰, 15, इण्डिया एक्सचेंज पैलेस, कलकत्ता द्वाराश्रीसीताराम अप्रवाल पुत्रश्रीभाली राम अप्रवाल प्रधान फर्म।

(अन्तरक)

(2) श्री मुभाष चन्द्र गोयल पुत्र श्री द्वारका प्रसाद पुत्र शिव दयाल मल नि०--सिरसा ।

(अन्तरिती)

- (3) (बह व्यक्ति, जिस अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) पुत्र श्री द्वाकाप्रसादश्री शिवदयमलल रताल नत िलार नि॰—सरसा ।
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताकारी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्पी

सम्पत्ति भूमि 6 कनाल बिल्डिंग सहित सिरसा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिरसा में रजिस्ट्री संख्या 2579 दिनांक 5-8-83 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक ।

दिनांक : 5-4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन सुच्या

भारत मरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निदेण सं० सिरसा/4/83-84--श्रत: मुझे, श्रार० के०

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-र**ः से अधिक ह**ै

भौर जिसकी सं० भूमि 7 कनाल बिल्डिंग सहित है तथा जो सिरसा में स्थित है (भ्रौर इससे उपायब श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय मिरमा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक ग्रगस्त 1983

का पूर्वोक्त संपरित के उप्तित वाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपहित का उचिर बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफास से एसे दृष्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नीलीवत उददोस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया 📽:----

- (क) बलारण से हुई किसी नाम की गायत अवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वजने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभाके लिए;

नत: नन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269- व की उपधारा (1) अके अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं पदमावती राजे काटन मिल्स लि० 15, इण्डिया एक्सचेंज पैलेस, कलकत्ता द्वारा श्री सीताराम अग्रवाल पुत्र श्री भाली राम ग्रग्रवाल प्रधान फर्म

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कृपा राम पुत्र श्री प्यारेलाल पुत्र श्री राम रिष्ठपाल नि०---ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री द्वारका प्रसाद पूत्र श्री शिवदयाल मल पूत्र श्री रतन लाल नि०---सिरसा । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थान वारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्थन की प्रस् कार्यशाहिया करता हुई।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर **व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्**वाराह
- (च) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हुं, वहीं अर्थ होगा जो उस शुध्याय में दिया नया है।

जन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 7 कनाल बिल्डिंग सहित सिरसा में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सिरमा में, रजिस्ट्री संख्या 2580 दिनांक 5-8-83 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायका (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक ।

दिनांक : 5+4-1984

प्रकल बार्ड ्टी. एक. एस.----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 श्रप्रैल 1984

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 4 कनाल बिल्डिंग सहित है तथा जो सिरसा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिरमा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रगस्त, 1983,

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विषयों से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे फिसी आय या किसी धन या अन्य आरिसयों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मैं ज पदमावती राजे कांटन मिल्स लिज,
15, इण्डिया एक्सचेंज पैलेस, कलकता
द्वारा श्री सीताराम अग्रवाल पुत श्री भाली राम
ग्रयवाल प्रधान फर्म

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बिमला देवी पत्नी श्री सुमाय चन्द्र गोयल पुत्र द्वारका प्रसाद नि० गिरसा

(भ्रन्तरिती)

- (3) (वहं व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री द्वारका प्रसाद पुत्र श्री शिव दयाल मल पुत्र रतन लाल नि०--सिरसा । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्तक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राज्य में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रन्त्वकीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁶, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

सम्पत्ति भूगि 4 कमनाल बिल्डिंग सहित सिरता में स्थित है जिसका मधिक विवरण रजिट्टीकर्ता के कार्यालय सिरसा में, रजिस्ट्री संख्या 2581 दिनांक 5–8–83 पर दिया है ।

> श्रार० के० भयाना मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, रोहनक

दर्नाक : 5-4-1984

प्रस्व काई. टी. एन. एस.-----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 संग 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 5 भ्रप्रैल 1984

निवेश सं० सिरसा/6/83-84—-श्रनः मुझे, श्रार० के० भयाना.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मध्यम पाधिकारी को, गर विस्तार संगरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 3 कनाल बिल्डिंग सहित हैं तथा जो लिरसा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सिरसा में रजि-स्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास अध्यक्ष का कारण है कि यथापृथा बत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाम की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के बादित्य में कामी करने या उत्तससे बचने में सृविधा के लिए: और/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्त्रिधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के उक्षीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैं पदमावती राजे काटन मिल्स लिं ।
15 इण्डिया एक्सचेंज पैलेस, कलकत्ता द्वाराश्री सीताराम श्रग्रवाल पुत्र श्री भाली राम श्रग्रवाल प्रधान फर्म ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती कौणल्या देवी पत्नी श्री सतपाल गोयल पुत्र श्री द्वारका प्रसाद नि०—सिरसा ।

(ग्रन्तरिती)

(4) श्री द्वारका प्रसाद पुत्र श्री शिवदयाल मल पुत्र श्री रतन लाल नि०—सिरसा । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप .---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

सम्पत्ति भूमि 3 कनाल बिल्डिंग सहित सिरमा में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिरमा में, रजिस्ट्री संख्या 2582 दिनांक 5–8–82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 5-4-1984

मोहर:

4---46|GI /84

प्रकृप नाहुर ही. एन्. एस. - -- -

जासकर जिपिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 श्रप्रैल 1984

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 8 कनाल 8 मरले बिल्डिंग सहित है तथा जो सिरसा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरस में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन, दिनांक भगस्त, 1983,

को पूर्वोक्त तंपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके अवसान प्रतिफल से ऐसे अवसान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से अवत अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बन्दत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, बौद्र/वा
- (ख) एसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जन, उपत जीधनियम की भारा 269-ग के जनसरम में, में, उकत जिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) मे॰ पदमावती राजे काटन मिल्स लि॰ 15, इण्डिया एक्सचेंज पैलेस, कलकत्ता द्वारा श्री सीताराम ग्रग्रवाल पुत्र श्री भाली राम भग्नदाल, प्रधान, फर्म ।

(भन्तरक)

(2) श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री नथा सिंह नि॰ मोहमम्मदपुर सलार त॰—सिरसा ।

(ग्रन्तरिती)

(4) श्री द्वारका प्रसाद पुत्र श्री शिवदयाल मले पुत्र रतन लाल । नि०---सिरसा । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति के हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करतां हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्धन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रक्रिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बच्च किसी अन्य स्थित दवार, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वंगसभी

सम्पति भिम 8 कनाल 8 मरले बिस्डिंग सहित सिरसा में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिरसा में, रिजस्ट्री संख्या 2584 विनांक 5-8-83 पर विया दिया है।

ग्नार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, रोहतक

विनांक : 5-4-1984

प्ररूप नाड . टी. एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 5 अप्रैल, 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-इक के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० भूमि 7 कनाल, 8 मरले बिल्डिंग सहित है तथा जो सिरसा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, सिरसा में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम (1908 का 16) के मधीन, दिनांक भगस्त, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थानन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य सके स्थानन प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखित नहीं किया गया ही :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः शन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मे॰ पदमावती राजे काटन मिल्स लि॰, 15 इण्डिया एक्सचेंज पैलेस, कलकत्ता द्वाराश्री सीताराम श्रग्रवाल पुत्र श्री भाली राम ग्रग्रवाल प्रधान, फर्म

(मन्तरक)

(2) श्रीमती नीरू जैन पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार पुक्त श्री कैलाश चन्द नि०-हिसार ।

(ग्रन्तरिति)

(4) श्री द्वारका प्रसाद पुत्र श्री शिवदयाल मल पुत्र श्री रतन लाल नि०—सिरसा । . (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्यी

सम्पत्ति भूमि 7 कनाल 8 मरले बिल्डिंग सहित सिरसा में स्थित है, जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सिरसा में, रिजस्ट्री संख्या 2585 दिनांक 5-8-83 पर दिया है।

भार० के० भयाना सक्तम प्राधिकारी भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहातक

विनांक: 5-4-1984

मोह्वर :

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 5 श्रप्रैल, 1984

निर्वेश सं० सिरसा/9/83-84-म्रतः मुक्षे, श्रार० के भयाना,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 8 कनाल है तथा जो सिरसा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रजि-स्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिरसा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त बंतरण लिचित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:----

- (क) शंतरण से हुव् किसी शय की शवत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के शियत्व मं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं में स्विधा के लिए;

भतः जन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निसिस व्यक्तिमों, मुचतिः—

(1) मे॰ पदमावती राजे काटन मिल्स लि॰ 15, इण्डिया एक्सचेंज पैलेस, कलकत्ता द्वाराश्रीसीतारामग्रग्रवाल पुत्रश्रीभाली रामग्रग्रवाल प्रधान, फर्म ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती शशी बाला उर्फ शशी बेन पत्नी श्री कृपा राम पुत्र श्री प्यारा लाल नि०—श्रहमवाबाद ।

(ग्रन्तरती)

(3) श्री द्वारका प्रसाद पुत्न श्री शिव दयाल मल पुत्र श्री रतन लाल नि०—सिरसा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हु।

उक्त संपरित के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, बही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनत्त्री

सम्पत्ति भूमि 8 कनाल सिरसा में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिरसा में, रजिस्ट्री संख्या 286 दिनांक 5-8-83 पर दिया है।

> श्रार० के० भयान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, रोहलक

दिनांक : 5-4-1984

श्रम्य वार्<u>षः दौ, एव . एव .</u> -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

करूत प्रकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 भ्रप्रैल, 1984

निर्देश सं० सिरसा/10/83-84---श्रतः मुझे, ग्रार० के० भयानाः

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त विधिनिवन' कहा पना है), की पाछ 269-इ के वधीन सकान प्राध्मिकारी को वह निष्नाइ करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ र के सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 7 कनाल बिल्डिंग के साथ है तथा जो सिरसा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त, 1983, को पृत्रों कर संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत स्थापित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पेवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मनिवित उद्वेष्य से अवत अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जान की नानत, उनत् अभिनित्त के स्पीन कर दोने के अम्बरक के दायित्व में कभी करने या उससे नचने में सुनिधा के लिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी बाय में किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथं अन्तीरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् हु—

(1) मैं ॰ पदमावती राजे काटन मिल्स् लि ॰ 15, इण्डिया एक्सचेंज पैलस, कलकत्ता द्वारा श्री सीताराम श्रग्रवाल पुत्र श्री भाली राम श्रग्रवाल, प्रधान, फर्म ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दो देवी पत्नी श्रीद्वारका प्रसाद गोयल पुत्र श्री शिवदयाल मल गोयल, नि॰—10 द्वारका पुरी, सिरसा । (ग्रन्तरिती)

(4) श्री द्वारका प्रसाद पुत्र की किवदयाल मल जपुत्र रतन लाल. नि०—सिरसा ।

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्परित को जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा अकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदां का, था सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही वर्ध होगा था उस अध्याय में दिया गुवा है।

अगस्यी

सम्पत्ति भूमि 7 कनाल बिल्डिंग व सहित सिरसा में स्थित है, जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिरसा में, रजिस्ट्री संख्या 2587, दिनांक 5-8-83 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

विनांक : 5-4-1984

प्रकृष बार्च. टी. एव. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 4 प्रप्रैल 1984

निदेश सं० रेवाड़ी/22/83-84-अतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग का 1/4 भाग है तथा जो रेवाड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, रेवाड़ी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त, 1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः, अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री संजय कुमार पुत्र श्री परजन कुमार द्वारा श्री परजन कुमार पुत्र श्री पन्ना लाल नि०—रेबाड़ी ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री परस राम पुत्र श्री थाम्बू राम बन्सल मार्फत मैं० बन्सल ट्रेडिंग कं०, धनाज मण्डी, रेबाडी ।

(भन्तरिती)

कां सह सूर्वना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्पिक्तयों में से किसी स्पिक्त वृत्रायः
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

सम्पत्ति बिल्डिंग का 1/4 भाग रेवाड़ी में स्थित है, जिसका प्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रेवाड़ी में, रजिस्ट्री संख्या 1103 दिनांक 3-8-83 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 4-4-1984

प्रकृप जाइं.टी. एन. एस , ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन सुवना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 श्रप्रैल 1984

निदेश सं० रेवाड़ी/23/83-84--श्रतः मुझे, प्रार० के० भयाना,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' नहीं गया हैं) की भारा 269-ख के नभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रु. से निभक हैं

भौर जिसकी सं विविद्या का 1/8 व्यू भाग है तथा जो रेवाड़ी में स्थित है (भौर इससे उपावद अनसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रेवाड़ी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1808 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान हितफल के लिए कस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निक्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अस्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री संजय कुमार पुक्ष श्री परजन कुमार द्वारा श्री परजन कुमार पुत्र श्री पन्ना लाल नि०—रेबाड़ी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री परस राम पुत्त श्री थाम्बू राम पुत्र श्री भोला राम बन्सल द्वारा मे० बन्सल ट्रेडिंग कं०, ग्रनाज मण्डी, रेवाडी ।

(ग्रन्सरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप उन्न

- (क) इस तुमना के राजपन में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की कविश्व या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर स्मान की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ट स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सम्पत्ति बिल्डिंग का 1/8 वां भाग रेवाड़ी में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रेवाड़ी में, रिजस्ट्री-संख्या 1479 दिनांक 20-9-83 पर दिया है।

म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

बतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :--

विनांक: 4-4-1984

प्ररूप काइं. टी. एम. एस. -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 4 अप्रैल 1984

निदेण र्स० रेवाड़ी/24/83-84—ग्रतः मुझे, ग्रार० के० भयामा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 1/8 वां भाग, मकानका है तथा जो रेवाड़ी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णक्रप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रेवाड़ी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्षास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरण में हुई किसी बाय की बाबत्, उक्त जिमीन्यम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/मा
- (य) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकपर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ल्याने में स्थिधा के किए;

अतः अव, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निरनिस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्री संजय कुमार पुत्र श्री परजन कुमार द्वारा श्री परजन कुमार पुत्र श्री पन्ना लाल निवासी—रेवाडी ।

(श्रन्तरक

(2) श्री बजरंग दास पुत्र श्री परस रामण् पुत्र श्री थाम्बू राम द्वारा मे० बन्सल ट्रेडिंग कं०, ग्रनाज मण्डी, रेवाड़ी ।

(ग्रन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता) है कि वह सम्पत्ति के हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की लविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पद्यों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान का 1/8वां भाग रेवाड़ी में स्थित है जिसका श्रिष्टिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रेवाड़ी में, रजीस्ट्री संख्या 1478 विनांक 20-9-83 पर दिया है।

> भार० के० भयाना सक्षम प्राधिकाीर सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

विनांक: 4-4-1984

प्रकृष जाइ . दी . एन . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/2061/83-84—श्रनः मुझे, एस० एच० श्रब्बास ग्रविदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 8 है तथा जो दूसरी मंजिल, लीमूर्ति को०-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, नार्थ एवेन्यू, मान्ता-कुज (प०), वम्बई 54 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 260 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।, दिनांक 5-9-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल , निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निम्निलिख में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिद्द; और/मा
- (क) एंसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त ऑशनियम, रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था. कियाने में मृतिया के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिस्निलिश्वत व्यक्तियों, अधीन हिस्सिलिश्वत व्यक्तियों, अधीन हिस्सिलिश्वत

(1) श्रीमती मृणालीनी सभरवाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) सुनन्दा ऑडी श्रीर कुमारी सुम्ना ग्राडी । (ग्रन्तरिती)

को यह शुचना जारी करके पुनाँचत सम्पत्ति के नर्चन के तिए कार्यनाहियां करता हो।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांक् भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वाक्षतिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौँ का, जो उक्त अधि-निवस के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैंट नं० 8, जो दूसरी मंजिल, स्नीमूर्ति को० ग्राप० हाऊसिंग मोसायटी लिमिटेड, नार्थ एवेन्यू, मान्ताऋज (प०), बम्बई-400-054 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कं० सं० श्रई-2/37ईई/2061/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1983 को रजिस्टई किया गया है । .

एस० एच० ग्रब्बास श्रविदी सक्षम प्राधिकारी महार्यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 31-3-1984

मोहरु 🖫

प्रस्य बाइं. टी. ध्रम. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुभीन सुचना

भारत सहकार

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/3211/83-84-श्रत: मुझे, एस० एच० ग्रब्बास श्रबिदी,

कायकर.अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 201-बी, है तथा जो दूसरी मंजिल, कल्पना श्रपार्टमेंटर, जेली राजन रोष्ट, बान्द्रा, बस्बई 400 050 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रामकर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिर्ट्री है। दिनांक 2-8-1983,

कार्यालय में रिजिर्दू है। दिनांक 2-8-1983, को पूर्वोक्त संपर्दित के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिपाल से, एसे दृश्यमान प्रतिपाल का बन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिपाल, निम्नोलिया उद्देश्य से उक्त मृन्तरण जिलाक में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी किस्ने या उससे वसमें में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आब या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतिय् आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधिनियम किया प्रकट नहीं किया गया था या किया किया किया के लिए.

म्तः वन, उन्त निभिनियमं की भारा 269-य के अनुसूरण् मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 260-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स नवभारत **४०**हलपमेंन्ट कारपोरेशन (श्रन्तरक)
- (2) बजाज इलेक्ट्रीकल लिमिटेड एम्प्लाइज हाउसिंग वेलफेयर फंड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वानित संपर्तिः के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भन्स ची

पलैट नं० 201-बी, दूसरी मंजिल, कल्पना श्रपार्टमेंटस्, मोर्ली राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/3211/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बन्बई द्वारा दिनांक 2-8-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० श्रब्जास श्रबिदी सञ्जम शाधिकारी महायक आयकर श्रापुका (निरीजन) शर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 7-3-1984

प्ररूप आहे, टी. एन. एस.; -------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्वेश सं० अई--2/37ईई/3186/83--84---अतः मुझे, एस० एच० अञ्जास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुमान नं० 5 है तथा जो तल माला, भारती अपार्टमेंटस-बी, शेली राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिंगत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1983,

की पूर्वोक्त सक्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/या
- (स) एसी किसी आय जा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः मन, उक्त अधिनियम, की धारा 260-म को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के कभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्णात्—

- (1) मेसर्स नवभारत डेवलपमेंट कारपोरेशन । (अन्तरम)
- (2) श्रीमती बिलकी**स अर्ब्ड्**ल्ला काजी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वस्त सम्पत्ति से सर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (का) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकोंगे

स्पद्धिकरण :—-इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

बन्स्ची

दुक्तान नं.० 5, तल माला, भारती अपार्टमेंटस-बी, शेर्ली राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/3186/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायभ धायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-11, बम्बई

दिनां**ग** : 8-3-1984

मोहर 🕄

प्रस्प नार्ड.टी.एन.एस.------

सामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मार्च 1984 निर्देश सं० अई-2/37ईई/3212/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अध्वास अबिदी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह 'विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 302-वं। है तथा जो तीसरी मंजिल कल्पना अपार्टमेंट, गेली राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई- 400 050 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-8-1983,

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्गितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुई जिल्ली बाय की बाबत, उक्क जिल्लीमा के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उद्यक्त बचने में सांवधा के लिए, और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, खिपाने में सुजिधा के सिए;

अतः अव, उत्तरं विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निक्किलिकिन व्यक्तिस्यों, अधीत .--

- (1) मेसर्भ नवभारत देवलपमेंट कारपोरेशन (अन्तरक)
- (2) बजाज इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड हार्ऊासग वेलफेअर फण्ड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, हो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हिल्लबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम सिवित में किए वा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदाँका, जो उक्त जिप्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नमुस्यी

फ्लैट नं० 302 -बी, जो तीसरी मंजिल, कल्पना अपार्टमेंट्स, शेली राजन रोड, बान्बा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/3212/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ्म॰ एच॰ अब्झास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-3-1984

(अन्तरक)

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस. ------

अायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारः 269-ध (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्वेण सं० आई--2/37ईई/3184/83-84--अत: मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301-श्री है तथा जो तीसरी मंजिल, कल्पना अपार्टमेंट्स, शेली राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूणेरूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 1-8-1983,

को पूर्वेक्ति संपिति के उित्वत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से. अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) वस्तरण वे हुई किसी बाव की बाबस उक्त विध-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे वधने में सुविधा के लिए; वरि/वा
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन या जन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसता अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती व्वार प्रकट नहीं किया भया वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के किए;

अत. अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स नवभारत डेवलपमेंट कारपोरेशन
- (2) श्रीमती रेणू सलूजा और श्री विनोद चौपड़ा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं :

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्भव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्हो

फ्लैंट नं० 301 -बी, जो तीसरी मंजिल, क्लमना अपार्टमेंट्स, मोर्सी राजन रोड, बम्बई 400 050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० आई-2/37ईई/3184/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, बम्बई

क्षिनाँक 8-3-1984 मोहर : प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ाा, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्वेश सं० अई- 2/37ईई/2479/82-83---अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अधिकी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका प्रचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लंट नं० 31 है नथा जो तीसरी मंजिल, "रॉक डेल", प्लाट नं० 93, सेंटसबास्टीन रोड, बान्द्रा, बम्बई-400 कं० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 29-8-83,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्थ/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियः को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, भा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मक्रिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शैलीं बी० मेनेजेस

(अन्तरका)

(2) श्री इस्माईल ए० मुकादम और श्रीमती फैजा ईस्माइल मुकादम ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(3) (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियं करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाक्र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्वा है।

जनसंची

फ्लंट नं 31, तीसरी मंजिल, "रॉक डेल", प्लाट नं 93, सेंट सवास्टीन रोड, बान्द्री, बम्बई-400 050 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/1261/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 29-8-1983

एस० एच० अख्यास अविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, बम्बई

दिनांक : 6-3-1984

को रजिस्टर्फ किया गया है।

मोहर ः

प्ररूप बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत बरकार

कार्याजय, शहायक बायकर आग्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पुना, धिनांबा 8 मार्च 1984

निदेण सं० सी० ए० 5/37ई5/532-83-84 —यतः सुक्षे, शशिकांत कुलकर्णी,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3, स० नं० 47/6/बी-2 है तथा जो एरंडवना पूना में स्थित है (और इससे उपाबख अनुसूची में शीण पूर्णरूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक खूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उच्त अधि-नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) मेसर्स राधिका अपार्टमेंटस्,
 47/6/बी-2, प्लाट नं० 1,
 एरंडवना,पूना-29

(अन्तर्भ)

(2) श्री रामचन्द्र यिठ्ठल कोंडालक्सर भालेगांव, तार मुजणी, जिला--पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर की तस्मील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण:---- प्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई/1817/पूना/83-84 अक्तूबर 1983 को सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

णणिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिवारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

विनांका : 8-3~1984

प्ररूप आई. टी. एंन. एस.-----

मायक र अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर पायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांकः 9 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० सी० ए०~5/37 ईई/530/83~84—-यत: मुझे, णाणकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 5, मकान नं० 1120, णिवाजी नगर, है तथा जो पूना-16 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देश्वण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-9-83

को पृथांकत सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषांकत संपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक क्य से अधित नहीं किया गथा है :—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-विवस से अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कनी करने वा जनसं वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जीहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण वें, मैं., उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाग (१) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैसर्स मी० एल० णिरोले1216/6 डेक्कन जिमखाना,पूना-4

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप जा सर्णीस 1141 श्रीवन सोसायटी एफ० सी० रोड, शिवाजी नगर, पूना-16।

(अन्तरिती)

का यह मूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

आफिस नं० 5, मकान नं० 1120, शिवाजी नगर, पूना-16।

(जैसा कि रिजर्स्ट्राक्कत नं० 37ईई/1832/83-84 जो तारीख 3--9-83 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्ष्ण), अर्जनरेंज, पूना के आफिस में निखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

धिनांक : 9-12-1**983** ...

प्रकृप काहाँ, औ. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्स (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांस 25 फरवरी 1984

निर्वेश सं० सी० ए०-5/1091/83-84---यतः, मृज्ञे, शक्षिकात कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बातार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं गट नं 72, आर एस नं 31/1, प्लाट नं 7ए और 7 बी, इचलकरंजी, जिला कोल्हापुर है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक, इचलकरंजी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम ने कम दृश्यमान प्रतिकत के लिए सन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पण्यह प्रतिकात से प्रधिक है और बण्तरक (अन्तरकों) और बण्तरिती (बल्करितिवीं) के बीच ऐसे बण्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकत, जिल्लाकित उद्देश्य से सन्तर प्रतरण निवित में वास्तविक कप से चिता मही किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई जिसी जाय की वावतः, खबसः जिमितियम के जभीन कर दोने के जन्तरक से दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; सांद्र/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय असकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-सार किसी-राम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए; और/या

जत: जब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के अधिनः, निम्निसित अधितयों, अभित ५—-6—46G1/84 (1) नेमर्स डेक्सन की॰ जापरेटिव स्पितिये जिल्हा, उपलक्षरंजी, जिला कोल्हापुर ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स कैलाम पोस सर्स (भागीदारी) भागीदार--श्री विट्ठल रघुनाथ डाके इचलुखरंजी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना **जारी करके पूर्वोक्त** सम्पत्ति के अर्जन के दिलए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व कसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्पन्नीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं कर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिया नया है।

बग्सूची

गट नं ० 72, आर० एस० नं ० 31/1, ब्लाट नं ० 7 ए नया 7 की, इचलक्करंजी, जिला कोल्हापुर ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2605 जो दुब्यम निजन्बक, इजलकर्रणी के वफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनोमा : 25-2-1984

भाहर :

प्ररूप बार्ड . १८, एन५, एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० सी० ए०-- 5/3 7ईई/513/83--84---यतः, मुझे. गशिकांत कृत्यसर्गी,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक ही

और जिसकी सं शाप नं 3 और 4, सर्वे नं 1216/6, शिवार्जा नगर, पूना-4 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज. पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन, दिनांक 22-9-83

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह बिश्वास अरने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंकृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मृन्तरण लिखित में जास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाव की वाबत उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एस। कसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रवट नही किया को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसुर्ण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियत व्यक्तियों, अर्थातः— (1) मेसर्स सी० एन० ग्रिशेन
 1216/6 एफ० सी० रोड, डेक्कन जिमखाना,
 पूना-4 ।

and the state of t

(अन्तरक)

(2) 1. र्था हरी उद्धवदास लुला
2. था पुर्योत्तम उद्धवदास लुला
3. श्री रमेश उद्धवदास लुला
इति हरे राम हरे कृष्ण प्रिट, शहा इंडस्ट्रीयल इस्टेट साकी विहार रोड, अंबेरी (ई०)
बम्बई-72 ।

(अन्तरिती)

कांयह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए 'कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्वी

शाप नं० 3 और 4

1216/6, शिवाजी नगर, पुना-4

(जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 2894/37ईई/83-84, पूना जो तारीख 22-9-83 को सहायक आयकर आय्वत (तिरीक्षण), अर्जनरेज, पूना के आफिस में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर काय्य्वत (तिरीक्षण) अर्जन रोज, पूना

दिनांसाः: 9-12-1983

≀ ्प्रकृष् आर्ष्ट दी. एन. ए**स**. ------

जायकर जिमिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकार आयक्त (निरीकण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 9 विसम्बर 1983

निर्देश सं० सी० ए०-5/37ईई/514/83-84--यतः, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

नायकर निभागम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा में अधिक हैं

और जिसकी गं० पलैट नं० 3, मकान नं० 1120, णिवाजी नगर, पूना-16 है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमे उपावद्ध में अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स, निम्निसित स्व्यक्तिय से उच्छ अन्तरण जिनित में बास्तिबक इस से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाप की वायत, उक्त, विधिनियंत्र के अधीय कर योगे के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीट/या
- (वा) एसी किसी बाय या किसी भग या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के किए;

अतः, अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1)
के वधीन, निम्मनिविक स्वितियों, कर्यात् हिन्स

(1) मंससं सी० एवं० बिरोप्ते, 1216 एक० सी० रोड, डेक्क्रन जिमखाना पूरा--4

(अन्तरक)

(2) श्री विजय गणपत कोकाणे एम० एस० ई० बी० क्वार्टर्स, सेनागती थापट रोड, पूना-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पक्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, मकान नं० 1120 शिवाजी नगर. पूना-16 (जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/1823/83-84 जो तारीख 26-8-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निर्शेक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शणिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज पूना

दिनाकः : 9-12-1983

माहर 🖫

प्ररूप आहें.टो.एन.एस. ------

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्ञय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 24 फरवरी 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37ईई/515/83-84--यतः मुझे, शशिकांत कुलकार्णी,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैटनं० 4 तल मंजिला मी० एस० नं० 6290 से 6292 आर० एस० नं० 379 विलेज ठाकुरली तालुका, कलयाण जिला ठाणे है तथा जो ठाणा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक अगस्त 1983,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एते दश्यमान प्रतिफल का पन्तुष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अश्विरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मलिकिन बंदेश्य में दश्य प्रमुद्धण निकिन में बास्त-

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी बाय की बायत वंबर प्रति-विवस के सबीय कर देने के प्रश्वरक के वार्किय में कमी करने या वक्ष से नजने में तुनिवा के विद्। बीर/वा
- (च) एमी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्ञृत: अज्ञ. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुगरण को. औ. उक्त अधिनियण की धारा 269-च को नयभार। (1) को जधीन, निस्तिकित स्वीक्तयों, व्यर्थात :--- (1) श्री राज कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (फर्म) 24 पावर्ती आग्रा रोड, घाटकोपर बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुब्रमनी राजमानी एन० आर० सी० कोलोनी, मोहने (पोस्ट) जिला—ठाणा ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूनांक्त सम्पत्ति के नर्जन के निए कार्यवाहियां करता हो।

जबत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 विन की अविधि या तत्सवंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पर्धाकरण:--- त्रसमे प्रयुक्त अध्यो और पदा का, जां उका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4 तल मंजिला

सी॰ एस॰ नं॰ 6290 से 6292 विलेज मोहने, ता॰ नल्याण जिला—–ठाणा ।

(जैसी कि रजिस्ट्रीकृत नं. 37ईई/2428/याना जो तारीख अगस्त 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के वफ्तर में निखा है।)

> गणिकांस कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विमोचा : 24-2-1984

मांहर:

प्ररूप बाइ टी.एन.एस -----

बाय्कर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्श्जन रेंज. पूना पूना, दिनांक 27 फरवरी 1984

निर्देश सं० ए० ए० 5/37ईई 516/83-84/---यतः मुझे, शक्षिकात कुलकर्णी,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000'- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं अपनेट नं अ 308 तोसरी मंजिल स्वामीनी ज्योत बिल्डिंग सी उटी अपसे नं अ19 विष्णु नगर डोम्बीवली जिला टाणा है तथा जो डोम्बीवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1983,

को प्रबेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त राम्पति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मा, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध प्रतिफल को प्रवृद्ध प्रतिफल के विष् क्षेत्र अंतरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से केथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की वावत, उनक बिधिनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक की वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एति किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिविसं स्थीक्तयों, असीत्:--- (अन्तरक)

(2) श्री बी० वी० नातू श्रीमती जे० बी० नातू पांचाली बिल्डिंग पंडित दीनदयाल मार्ग डोम्बीवली (वेस्ट) डोम्बक्ली, जिला ठाणा । (अस्तिरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की व्यविध , भी भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधीव्स्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम के अभ्याय 20-के में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याम में दिवा गया है।

नगृत्वी

फ्लैंट नं० 308, तीसरा माला स्वामीनी ज्योत सी० टी० एस० 391, विष्णु नगर डोम्बीवली जिला ठाणा ।

(जैसी कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/1876/83-84 थाणा जो तारीख अगस्त 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> ग्रिकांत कुलकणी सक्तम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 27-2-1984

मोहर 🖫 🔻

प्ररूप जाई.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्<mark>क्त (निरीक्षण</mark>)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 23 फरवरी 1984

निदेश गं० मी० ए० 5/37ईई/518/83-84—यतः मुझे, शिशकांत कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार म्स्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं यूनिट सं 6. शीनाष्ठ इंडस्ट्रीयल इस्टेट प्लाट नं 17 सर्वे नं 30, 31(पीटी), 35 (पीटी) है तथा जो बिलेज नवधर में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्णकप से बिलत है), रिजस्ट्रीकर्ला श्रधिकाशी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 1-10-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्पू से अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाव की वावत, उक्त विधिनियम के वधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मेसर्स स्वस्तिक डेवलपमेंटस, 12, दुभाष लेन, वी० पी० रोड, बम्बई—400004 ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स ई० एल० मेक इंडस्ट्रीज, साईनाथ इस्टेट, बी० यूनिट, गाल नं० 9-10 बी पी० रोड नं० 4 भायंदर (ईस्ट) जिला थाना ।

(ग्रन्तरिती)

को य**ह सूचना जारां करके पूर्वोक्त संप**ित्त कं अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्र्या

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई/1756/थाना/83-,8,4 तारीख 1-10-1983 को सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

दिनांक : 24-2-1984

मोहर ध

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) भ्रजीन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/519/83-84--यत:, म्झे, गिश्वनांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं० प्लाट नं० 421, भ्रों० टी० सैक्शन-3 बी है तथा जो उत्हासनगर, जिला थाना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप में बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (गिरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नयम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से केथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुए किसी जाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्थल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूर्यिधा की निए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की, अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के लगीन, निम्निजिलित व्यक्तियों, अर्थत:—— (1) श्रीमत्ती मनीषा ए० धर्मपाल उल्हासनगर म्यूनिसिपल काउन्मिल, उल्हासनगर—3 ।

(भ्रन्यक)

(2) श्री शागि एम० चोधरानी
पूर्लंट नुं० 201, रुक्मिनी को० श्राप० हाउसिंग,
सोसायटी, उल्हासनगर-4।
(सन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ⊱ 🛩

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पारकोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाधित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मुद्दा हैं।

and whi

प्लाट नं० 421, भ्रो० टी० सेक्शन, 3-बी, उल्हासनगर, जिला-थाना ।

क्षेत्र--- 57". 4 वर्ग मीटर्स

(जैस कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37 र्ष्ट्र/2200/83-84 / थाना, नवम्बर 1983 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णणिकात कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी महायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना ।

दिनांक : 12-1-1984

माहर :

प्रकृप् आप्: ही. एन : एस्:-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, पूना
पूना, दिनांक 27 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई 521/83-84/----यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, 6ठा फ्लोर के० पी० टावर 1 फ्लैट नं० 2, हिस्सा-2, सर्वे नं० 17-ए वानवबडी पूना-13 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक नवस्वर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान इतिफल के सिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय पाया यया प्रति-कल निम्नामिक्त उद्वोक्त से उक्त जन्तरण सिक्ति में वास्तिक कप हे कथित नहीं किया नवा है:——

- (कां अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया प्रया था सा किया जाना आहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अर उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधार (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) नैनर्ल परमार, जन्स्ट्रक्शन 321/3 त्यु तिकार मार्कीत सीत, पूना-2

(ग्रन्तरक)

(2) दडी कैकोद्धाद सुर्ती विल्डिंग नं० 1, फ्लैंट नं० 11 तीसरा माला, बंड गार्डेन रोड, पूना—1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोइ भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नगसची

(जैसी कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2689/पूना 83-84 जो नवम्बर 1983 को सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) क्रार्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी म**हायक श्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक : 27-1-1984

पो**हर**ः

प्ररूप आहाँ . टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-धा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 27 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/37 ईई/522/83-84--- यतः, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, फ्लाट नं० 49, सर्वे नं० 26 डहा-गुकर कालोनी, कोथकड, पूना-29 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वाम करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मेनसं वैभव बिल्डसं
 101/102 कमला चेम्बसं
 687 बुधवार पेठ, पूना:-2

(श्रन्तरक)

(2) श्री एस० बी० सिफालै स्टेट बैंक श्राफ इंडिया (हैड श्राफिस) श्रीरंगाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त धादितयों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उँक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, प्लाट नं० 49 सर्वे नं० 26 डहाणुकर कालोनीन कोथरूड, पूना-29 ।

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2730/पूना/83-84 जो नवम्बर 1983 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकात कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 27-1-1984

महिरु 🖫

प्रकृप बाहुँ, टी. एतृ. एस. - - - - - ह

जायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, पुणे

पुणे-411001, विनांक 27 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ईई/523/83-84—यतः, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपरित, जिसका सचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 107 स्वामिनी ज्योति बिहिंडग,
गुप्ते रोड़, विष्णु नगर डोम्बीवली, (वेस्ट) जिला थाना है,
सथा जो डोम्बीवली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची
में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालम,
सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में
रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,
तारीख ग्रगस्त 1983

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वासः करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीः (अंन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त बन्तरण सिचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी काय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में स्विधा के सिए; और/या
- (क). ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री मैंसर्स ज्योति जिल्डर्स (फर्न) "राधा सदन" तिलक रोड़, घाटकोपर वस्वई-77
 - (भ्रन्तरक)
- 2. श्री प्रकाश एस० बनवाली सीताबाई निवास क्य नं० 2 वीनदयाल रोड़, डोम्बीवली (बेस्ट) जिला थाना

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके शूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्युवाहिको कस्ता हुं।

. अनत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोंड़े भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र कें अकाशन⊹की शास्त्री का से 45 दिन की अवधि वा तस्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्गीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर मृगोंक्स व्यक्तियों में से किसी अधित द्वारा;
- ्रवि इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तादीब वें 45 दिन के भीतर उच्या स्थावद सम्परित के हिल्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्याहस्तावारी के बाब निचित में किए जा सकीं।

श्राव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उपस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याद में विदा गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 107, स्वामिनी ज्योति बिल्डिंग गुप्ते रोड़ विष्णु नगर डोम्बीवली जिला थाणे

जैसी कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/1877/83-84 थाणे जो तारीख ऋगस्त 1983 को सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना, के दफार में लिखा है ।)

> यशिकांत कुलकर्गी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, पूना

तारीख : 27-2-1984

प्रकृष बाह्". टी. एन ु एस् -----

भायकर वरिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-म (1) के मधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निर्देशिण) भर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 जनवरी 1984 निर्देश सं० भाई०ए० सी० एक्यू०/सी०ए० 5/37ईई/526/83-84--प्रतः, मुझे, शशिकांत कुनकर्गी,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'अक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269 के वंधीय सक्षम प्राधिकारी को यह दिख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिस्का उचित बाजार मुस्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, पहली मंजिल, 52, धानन्व नगर है, तथा जो बसई जिला थाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद धनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज; पूना में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख शक्तूबर 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम् के स्थमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य उसके श्वयमान प्रतिफल से, एसे श्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और√या

Č.

(च) एसे किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री कृष्णा मोहन वासुदेवा 101 वर्षा ग्रागर्टमेंट्स, 52, ग्रानन्द नगर, वसई रोड़ (वेस्ट), जिला—थाना । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ज़ेरुसेरी मदाथील पद्मनाभा पनीक्कर विजय कुमार, रूम नं० 2, मिरांजा बिल्डिंग, चुल्ना रोड़, बसीन रोड़, जिला—थाना ।

(अन्तरिती' का यह स्वन जारो करक विवास सुम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यशिक्ष्यं करता हो।

उक्त सम्पत्ति को क्यान को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन-के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिल हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

भ्यंट वर्ष 101, पहली मंजिल, 52, श्रानन्द नगर, वसई (बेस्ट), जिला—थाना । क्षेत्र 59, 62 स्क्वेयर मोटर्म । (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37ईई/थाना 1711/ 83-84/अक्तूबर 1983 को सहायक ग्रायकर पायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दंपनर में लिखा है ।

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम पाधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना

तारीख: 16-1-1984

(ग्रन्तरक)

प्रकृष बाई• ही• एन० एस• ' ' ' '

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-म (1) के धर्धान सूचका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 जनवरी 1984

निर्वेश सं० सी० ए० 5/37—ईई/525/83—84—मतः, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं० सी०टी० एस मं० 1156/2 है, तथा जो शींध पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16') के अधीन, तारीख 28 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्सि,रितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तथ पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आये की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के संतरक के दायित्य में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के निए; बौद/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बीधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में. मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती मोहिनी मोहनलाल जैन, ग्रटेन टाऊन, यू० एस० ए०, कान्स्टीच्यूटेंड ग्रटनीं श्री सी० एस० केरिंग, डिम्बर मार्केट, पूना
- 2 प्रामीन वहीं संघनीं 31 29, चर्तीमिगीं रोड, पूना

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्धि व अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिका गया है।

वन्त्वी

प्लाट जो मी० टी०एस० 1156/2, श्रींध पूना में हैं। क्षेत्र—5771 स्क्वेयर फीट ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 37-ईई/2239/पूना/ 83-84 तारीख 28-9-83 की सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज, पूना

तारीखा : 28−1-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आंगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ⊋69-ख (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 16 जनवरी 1984

निर्देश मं० ,सी० ए० सं/35ईई/524/83-84—यतः मझे, शशिकांत कुलकर्णी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- से अधिक है

भौर जिसकी सं बिल्डिंग नम्बर 776/1, केप नं 3 है, तथा जो उल्हासनगर जिला थाना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रक्तुबर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके दिशमान प्रतिफल से एसे दियमान प्रतिफल का पंदाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (क्षन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में शस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त बीध-नियम के बधीन कर बोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य मास्तिमों को, जिन्हों भारतीय माय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— मैसर्स एम० जे० डेबानी 776, डेबानी भ्रपार्टमेंट्स उल्हासनगर -3, जिला—थाना

(श्रन्तरक)

2. श्री मध भ्रात्माराम टेकचन्दानी भगत कंन्वराम सोसायटी जल्हासनगर, जिला-धाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के, वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी त्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

न्यव्होकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

बन्स्ची

बिल्डिंग नं० 776/1, कैंप नं० 3, उल्हासनगर, जिला थाना क्षेत्र—8740 स्क्वेयर फीट ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/1723/83-84/ थाना/प्रक्तूबर 1983 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के वफ्तर में लिखा है।)

> शशिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रंज, पूना

सारी**ख** : 16—1-1984

प्ररूप बार्द: टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/505/83-84—यत:, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं प्लाट नं 9 दूसरा माला प्लाट नं 4 सर्वे नं व 117/ए है, तथा जो नासिक में स्थित हे (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुख्यों में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भर्धन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृन्य से कम के ख्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके ख्रायमान प्रतिफल से एमे ख्रायमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया चवा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित वे बास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- 1. मैसर्स जे० एन० मस्कारेन्हस्त एण्ड कं० सद्यवानी भवन नासिक रोड़, नासिक

(ग्रनारक)

 श्री जान लोबो द्वारा क्रिटिश बैंक द्वाफ मिडल ईस्ट पी० मो० बाक्स 57 दोहा कतार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अमिश्र या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्णीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

गगृत्त्वी

पर्लंड नं० 9, दूसरा माला, प्लाट नं० 4; सर्वे नं० 117/ए, विकेज देवलाली जिला—-नासिक

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत न० 37ईई/88/नासिक/83-84 जो तारीख 27-9-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दण्तर में लिखा है।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, पूना

तारीख : 11-1-1984

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

परूप नाइ.टी.एन.एस. -----

भायकर निर्धानयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के न्धीन सूचना

शार्त वरकार

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत विधिनियम' कहा नवा है) की भाष 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, विल्डिंग नं० बी मधुकुज को० धाप० हाऊसिंग सोसायटी है, तथा जो उल्हास नगर जिला बाना में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 7 श्रक्तूबर 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उतके अध्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-कन्त् निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्षित में बास्तविक क्य से कि विश्व गृहीं कि वा क्या है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उजत जीभीनवज्ञ के अभीत कर दोने के जन्तरक के वावित्य में कभी करने वा उत्तरी वचने में सुविधा के शिष्ट; आहें देश
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य कास्तियों को, जिन्हुं भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा बन-कर अधिनियम, वा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए हा, छिपाने में ज़िन्ध के सिक्;

बतः भव, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के अनुकरक में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ब्रो स्थीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, शर्मात् ;——

- श्री मधु हरिराम मनयार, ब्लाक नं० 831/1-2, सेक्टर-17 उल्हासनगर-3, जिला थाना (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुनीता रूपकुमार बनवानी, ब्लाक नं ० 1488/ 1, सेक्टर 30-बी, उल्हासनगर-५, जिला थाना (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त स्प्पत्ति के अर्जन के सम्धन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच 'क' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्यों का, जो व्यक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में वृरिधां विश्व है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

प्लैट नं० 7, बिल्डिंग 'बी', मधुकुज को० भ्राप० हाऊसिंग सोसायटी उल्हास नगर-4 जिला-पाना । क्षेत्र---543 स्ववेगर फीट ।

(जैमे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37-ईई/1897/थाना/83-84 तारीख 7-10-1983को सहायक सायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिका**री** सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

तारीख : 2-3-1984

महर:

प्ररूप आई. टी. एन. एसं.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 3 मार्च 1984

निर्वेश सं० सी० श्रार०5/37 ईई/83-84 -- यतः मुझे शिकांत कुलकर्णी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी०-2 मधुबन को भ्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी है तथा जो थाना में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना में, रिजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रिश्चात से अधिक ही और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित् में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सृविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपग्परा (1) चै कथीन. निस्तिलिखित व्यक्तियों, जर्थातुः—— (1) मेसर्स बिल्डींग कन्स्ट्रकशन श्रंड़ फाइनास कपंनी होगोरानी हाउम डा० ऐंने बेसस्ट रोड़, , बरले, बम्बई ~400018

(3:5:5)

(2) श्री रिव भ्रार॰ भ्रय्यर 16, श्री अनंत पेट्रोल पंप के सामने थाना--400602

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरें।

स्पाक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट मं० बी--2, मधुबन को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी छाना क्षेत्र--490 वर्ग फीट ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/25:38/83-84/ थाना/ दिसबंर 1983 को सहायक प्रायकर आयुक्त(निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, पूना के वफतर में लिखा है)

> गशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 3-3-84

मोहर 🖰

प्रस्प बाह् .टी.एन.एक. -----

नामकर निर्मानसम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीत सुनना

भारत दरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 3 मार्च 1984

निर्देश सं० सि० ए-5/37 ईई /508/83-84---श्रतः मझे शशिकांत कुलकर्णी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका लिचत बाजार भूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० ए-4 दूसरी मंजील, सी टी॰ एस नं० 11; 45 फाइनल पलैंट नं० 530/1 है तथा जो शिवाजी नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिश्तियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिकीन, तारीख नयम्बर 1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उभित नाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकत्त के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त से, एसे क्रयमान प्रतिकत का बन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नसिवित उद्देश्य से स्वत बन्तरण निम्नितिवत में बास्तविक अप से अधित महीं किया मुका हैं ---

- (क) अन्तरण संहुदं निकी नाव की वावतः, उपस् अधिनियम के नधीन कर दोने के बन्तरक के वासिस्य में कभी करने या जनसं अपने में सुनिधाः =े किए; जरि/या
- (न) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधिनियम, 1927 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था, छिपाने में स्थिता के जिल्हा

(1) मेसर्स धेवस्थड़े,
करंदीकर ग्रंड ग्रसोणिएटस,
720/2.
जगन्नाथ,
मवी पेठ,
पूना -30

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील सवाशिव गौर,559, सवाशिव पेठ,पूना --39,

(अन्तरिती')

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति भें वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की जबिध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वान की नामील से 30 दिन की खबिध, खों भी वबिध सद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राधित स्वीक्त खबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सर्कोंगे।

स्थानिकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पदों का, को उत्तर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

जनसंदी

फ्लैंट नं० ए-4, दूसरी मंजिल, सी० टी० एस० नं० 1145, फाईनल फ्लैंट नं० 530/1. फर्ग्युसन कालेज रोड, णिवाजीनगर, पूना -/16/8नेब-600 वर्ग फीट ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 37-|इड|1935|पूना|83-84 नवम्बर 1984 को सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दफतर में लिखा है),

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त -(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 3-3-1984

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायंक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 3 मार्च 1984

निर्वेश सं० सी० ए० 5/37 इइ/5 09/83-84-यतः मुझे शशिकांत कुलकर्णी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- राजने जीवक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, राहुल को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, है तथा जो पांचपखाड़ी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजेंन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्टिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के पर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रक्षणान प्रतिफ का से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथिश नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाय की बाबत, उबत अधिशियम के अधीन कर वीते के अन्तरक के दासित्व में किसी करने का उससे त्रपने में सुविधा के लिए; और/सा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्था अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

म्पः अयः उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं की, अनुसर्ण मों, मीं, उपत अधिनियम की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती सुनिता सनिल इनामवार, 17, मंगलमूर्ती, विष्णु नगर नीपाडा , जिला थाना

(अन्तर्क)

(2) श्री सुधीर नारायण पणस्की c/o सी० 45, घंटाली सह निवास, घंटाले, कालीनी थाना

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, ओ उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिका गया है।

मनस ची

फ्लैट नंबर 2 राहुल को-प्रापरेटिव हाऊर्सिंग सोसायटी पंचपोलाडी, थाना क्षेत्र 5772 वर्ग मीटर्स ।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नबर 37इइ/ 2801/ धामा/ 83-84/सितम्बर, 1983 को सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

मारीख: 3-3-1984

.मोहर :

प्रकृप प्रार्ह् ० टी • एन • एस०----

मायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का ६३) के घारा 269-च (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 27 फरवरी, 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) िष्से इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलाट नं० 307, तीसरा माला, स्वामिनी ज्योति बिल्डिंग, गुप्से रोड, विष्णु नगर, डोंम्बीवली (वेस्ट), जिला ठाणे हैं तथा जो डोम्बीवली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वृणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भश्चिकारी के कार्यालय सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उमित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उमित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल सं, एमें दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसिश्चित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिये; हीर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्सियों को, बिन्हूं भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नस अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बत: कथ, उक्त जीधनियम, की धारा 269-ग की जनसरण में, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को जधीन, निस्तिविक्त व्यक्ति थीं, जर्भात ः— मैं सर्स ज्योति बिल्डसं (फर्म)
 319/19, सेमुग्रल स्ट्रीट, हरेण चेम्बर्स,
 बडगाडी बम्बर्ছ-9

(ग्रन्तरक)

2. श्री ए० के० पाठक, श्रीमती ए० ए० पाठक, पंडित; धीन वयाल मार्ग, पांचाली बिल्डिंग, रूम नं० 6, डोम्बंबली, (बेस्ट), जिला थाणे।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्वातीकरणाः चन्द्रसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, बही सर्व होगा, को उस अध्याय में विद्या गया है।

अमृस्ची

फ्लाट नं० 308, तीसरा माला, स्वामी ज्यांति बिल्डिंग, गुल्ते रोड, बिष्णु नगर, डोम्बीवली (बेस्ट) जिला थाणे । (जैसीकी रजिस्ट्री कृत नं० 37ईई/1876/83-84 थाणे जो तारीख प्रगस्त, 1983को सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

गशिकान्त कृलकर्गी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूनी

नारीख: 27-2-1984

मोहर अ

प्ररूप बाइं.डी.एन.एस. -

भागकडु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्काशन)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 फरवरी 1984

निर्वेश सं० सी० ए० 5/37 ह इ/511/83-84----यतः मुझे शशिकांत जुलकर्णी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी। सं० यूनिट नं० 5 शीतल इंड्स्ट्रीयल इस्टेट प्लाट नं० 17 सं० नं० 30 31 (पार्ट), 35 (पार्ट) है तथा जो बनधर, ता० बसई, जिला थाना (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, 6 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्निजिस्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के स्विथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हूं भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मी, मी, उज्जेस अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- मेसर्स स्वस्तिक डेब्लपमेंटस
 12, दुभाष लेन,
 व्ही० पी० रोइ,
 बम्बई -400004

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मायांक इंजिनियरिंग वकसं 25-की परमानन्य बाडी, ठाकूरद्वार रोड़, बम्बई -2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी में से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 5, भीतल इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्लाट नं० 17, सं० नं० 30, 31(पार्ड) ,35 (पार्ट) विलेज नंबधर नं० बसर्ड, जिं० थाना क्षेत्र 425 वर्ग फीट ।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नंबर 37 इ इ/1748/थाना/ 83-84 दिनांक 6 अगस्त 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफतर में लिखा है)

> ो। शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख : 27-2-1983

मोहरू ह

प्रकप् बाइं.टॉ.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सद्द्राह

कार्यासक, सहायक नामकर नामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 फरबरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 इ इ/512/83-84---यतः मुझे शशिकांत कूलकर्णी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव यूनिट नंव 1. णीतल इंडस्ट्रीयल इस्टेट प्लाट नंव 17, महान नंव 30,31 (पार्ट,) 35 (पार्ट) है तथा जो नयधर तहसान वसई जिब्बानों में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय सहायक आयकर आयकत निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जानित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह, प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त ब्राधिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए: बौर/या
- (ख) एेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, डिज्याने में स्विधा के तिरहः

बल: बब, उसत अधिनियम की भाषा 269-ग के समृत्यस्य में, मैं, उपम अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात ६——

मेसर्स स्वस्तिक उन्लपमेंटस
12 दुभाष लेन
न्ही पी० रोड़,
वम्बई -400004

(अन्तरक)

(2) माधवी मनोहर गिंदे 42/44, पहली मंजील, पठान स्ट्रीट प्रेमीला निवास, बम्बई-4

(अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यग्रहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबीध या तत्स नंधी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास भिवित में किसे जा सकेंगे।

बनस जी

यूनिट नं 1, शीतल इंडस्ट्रीयल इस्टेंट, प्लाट नं 17, मकान नं 30, 31(पार्ट) 35(पार्ट), बनधर विलेज ता बसई, जि थाना, क्षेत्र 575 वर्ग फीट

(जैसे की रिजर्स्ट्राकृत नंबर 37-इंड 1749/83-84 ता० 6 अगस्त 1983 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना, के दफतर में लिखा है)।

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारी**ष** : 27--2--1983

मोष्टर :-

प्रस्य बाद् .टी . एन . एस . -----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जुभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 दिसम्बर 1983 निर्देश सं० सी० ए० 3/37 ईई, 396/83-84---यतः मुझे गशिकांत कुलकर्णी

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव प्लैंट नंव 26 सर्वे नंव 128/2 कोथ एड़ पूना 29 तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्स्ट्राक्ति अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1 अक्तूबर 1984

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मूँ कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान भे सुविधा के सिए;

मतः अव, उक्स अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण मी, मी, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री बाय एस देशपांडे श्री एस० एन० देशपांडे एअर फोर्स स्टेशन ठाणे

(अन्तरक)

(2), एस० एस० बन हर्ट्टा, 61/45 औरज्ञवना पूना --4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के मर्जन के संबंध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत् में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के वास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रश्नुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया ही।

मन्स्ची

^{एलाट} नं. 26 सर्वे नं. 128/2 **कोथरूड़ पूना**, पूना ⊶29

(जैंस कि रिजस्ट्रीकर्ता नं० 1750/ 37 ई ई/ पूना/ जो तारिख 1 अक्तूबर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त निरक्षिण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में खिखा है '

> शिक्तांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख :- 27-12-83 मोहर् प्रकल नाहरी ही एन एस .-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पुना, विनांक 27 दिसम्बर 1983 निर्देश सं० सी० ए० 5/ 37 ई ई/400/83~84--- '

यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा '269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

अगैर जिसकी सं० बलदेव अपार्टमेंट प्लाट नं० 9 रूम नं० 302 तिसरी मंजिल वसई (डब्ल्यू) जिला ठाणे हैं तथा जो वसई में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूर्या में और पूर्ण रूप से विणिन हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निसित उच्चेष्य से उच्त अंतरण निचित्त में वास्तिवक कृष से कृषित नहीं किया गया है ---

- (क) अनुसरण से हुई किसी आय की बाबते, उक्त बीधीन्यम के बधीन कर टोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में स्विधा के निए: और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीग, निम्मतिकित व्यक्तियों, प्रथात :—

(1) मेसर्भ भाग्योदय बिल्डर्स स्टेशन रोड भाइँदर (पश्चिम) जिला ठाणे

(अन्तरक)

(2) श्री विजय नारायण अस्पर 99, गिंध सोसाधटी , चेंग्बूर, बम्बई-71 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्माद्धीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

नगुसूची

बलदेव अपार्टमेंट ध्नाट नं 9, आर रूग मर 302 सीसरी मंजिल बसई (वेस्ट), जिला ठाणे

जैसी की रिजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/1885/83-84/ठाणे जो तारीख़ 1-10-83 को सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ं शर्वन रेंज, पूना

विनोकः 27-12-1983 मोहर:

व्यक्त अवर्षः, दी. एव., एव.,------

बासकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकार आयुक्त (गिरीक्रण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 सितम्बर 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/292/83-84---अतः मुझे, मशिकात कूलकर्णी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास कारने का कारण है कि स्थाव्य सम्पत्ति, जिसका उचित्र' माजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, प्लाट नं० 3, सर्वे नं० 248. हिस्सा नं० 2, क्षेत्र 715 स्वने० फीट है तथा जो पूना-411019 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूर्यी में और जो पूर्ण रूप से विणित है) र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूना में र जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983 को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाब करने का कारण है कि स्थापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया प्रतिफल मा निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जलाएन वे हुए कियी बाल की वायक, काक विधिनियन के बचीन कर देने के जलाएक के वाजित्य में कभी करने या उन्तर्स बचने में जियक के लिए; बॉट/वां
- (व) एसी किसी बाव वा किसी धन या बस्य बास्तियों को, विन्हें भारतीय बावकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधनियम, वा बनकर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए

मैएर्र पुर्नेण एसाशिएट्स,
 1225/ई, डेक्न जिमखाना, पुना

(अन्तरक)

श्री दसावय वासुदेव दामोवरे,
 ब्लाक नं 12/7, कालभोर, नगर, चिचन।
 पूना-411019

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यनाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाकोद :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अविधिया तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हिंद नद्भ किसी अन्य स्थिति द्वारा, अभोहरताक्षरी के. पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

रमधारिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, को अक्त गीधनिक्स, के मध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुद्रा है।

नगराची

> गक्तिकान्त कुलकर्णी सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

बतः व्या अक्त अधिनियम की वास 269-ए के वनुसरम में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्वविन्यों, अधीत्:—

तारी**च** : 29-9-1983

मोहर 🙄

मुक्य आहें . टी ्एन् . एस . ------

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सहस्रह

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 3 दिसम्बर 1983

निर्वेश सं० सो ए०5/37ईई/450/83-84--अत : मुझे, शक्तिशन्त कुलकर्णी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अप के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 5, 745, भवानी पेठ, पूना-2 (क्षेत्र 315 स्क्बें० फीट) है, तथा जो पूना-2 में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूर्चा में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के भार्यालय सहायक आयकर आयकत , (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्धान दिनांक अगस्त,83/नं०1298 को पूर्वों करा संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रुथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्वयमान प्रतिफल को पूर्वे क्ष्यमान प्रतिफल का प्रकृत प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) कलारण से हुई फिसी शाय की वावत , उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के बलारक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, खियाने में बृदिया के सिए;

मैसर्स कुमार और गायकवाड,
 783, भवानी पेठ, पूना-2

(अन्तरक)

 मैससं गरीफा इस्माइल, और श्री इस्माईल का भाई 777/69, भवानी पेठ, पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के जर्जन के जिस् कार्यवाहियां करता हूं।

चकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस स्वान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 कि की जनिए मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान को तामील से 30 दिन की समित को भी जनिए बाद में समाप्त होती हैं, क भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्युची

माप नं० 5, 745 भवानी पेट, पूमा-2 (क्षेत्र 315 स्क्ये० फीट०)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत तं० 1298/अगम्त, 1983 को सहायक आयकरआ।युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> मणिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्यक्त अग्यक्त (निरीक्षण) क्रर्जनरेज,पना

अतः र्वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अक्तो, निम्नलिकित व्यक्तियों

मोहर:

तारीख: 3-12-1983

8 -46GI/84

प्रक्त काई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,पूना पूना, दिनांक 3 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी०ए० 5। 37ईई। 451/83-84--अतः मुझे, शिशकान्स कुलकर्णी

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्र 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसककी सं० प्लाट नं० ए-5, सी० टी०एस० नं० 451, प्लाट नं० 1 और 2 गुलटेकडी, पूना-1 (क्षेत्र 860 स्क्या० फीट) है तथा जो पूना-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनोक नं० 1297/अगस्त, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यभान प्रतिष्ठन के लिए प्रन्तरिन की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे दश्यमान प्रतिष्ठल का पञ्चह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिनों (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनन पन्तरण लिखिन न नास्त्विक कृष से कृष्यत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य मो कमी करने या उससे बचने मो स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी कियी पाए रा िमी का या घन्य मास्तियों को, जिस्हें भारतीय पाय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अमोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खियाने में सुविधा के लिए;

भत: संबः उदन शिवनियम की वारा 268 में के भ्रतुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम को घारा 69 म की उपनार (1) के अभीत, निम्नलिकित स्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स कुमार एन्टरप्राइसेस
 1682, आर एस केंदारी रोड, पूना-1

(अन्तरक)

 श्री नगिन्दर सिंहपी बग्गा, सामोली अपार्टमेंट सैलीसबरी, पार्क, पुना-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना ह राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रीहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शको प्रोर पड़ा का, जो उक्त श्रिः निषम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही स्थ हागा, जो उत्त प⇒ाव में दिसा गया है ।

भन्स्ची

प्लाट नं ए-5, भी टी० एम० नं० 451, प्लाट नं० 1 और 2, गुलटेबडी, पूना-1, (क्षेत्र 860 स्क्वे०फीट)।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत ने० 1297/अगस्त, 1983 को सहायक आयक्तर अधिकारी (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के कार्यालय में निखा है।

णियकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 3-12-1983

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/452/83-84—अतः मुझे, शामिकान्त कुलकर्णी

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संब ब्लाट नंब 20, मीं वर्गंव एसव नंब 19-21 मुक्तवार पेठ, पूना-2. (क्षेत्र 458 स्कवाव फीट) है, तथा जो पूना-2 में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और जो पूर्ण कप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नंब 1679 अगस्त, 1983

को पूर्वांक्त सम्मित्त के उिचत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गृई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिथाने में स्विधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों:---

मैसर्स कुमार कन्स्ट्रक्शन्स,
 1682, आर० एस० केदारी रोड,
 पूना-2

(अन्तरक)

 श्री सुरेश बाल कृष्णा गुप्ते, 19-21, शुक्रधार पेठ, पूना-2

(अन्तरिती)

-36 GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

प्लाट नं० 20, सी०टी॰ एस॰ नं० 19-21, मुकार पेठ पूना-2, (क्षेत्र 458 स्क्वा॰ फीट)।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 1679,अगस्त, 1983 को सञ्चायक आयकार अधिकारी (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

गणिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेक्ष रेंज. पुना

तारीखाः 3-12-1985

मोहूर :

प्ररूप नार<u>्षः</u> दी<u>ः</u> एनः एसः : ----

बायकंड मिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के मुभीन सूचना

भारत शहकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निर्दाक्षण) अर्जेन रेंज, पूना पूना, दिनांक 3 दिसम्बर 1983

निर्वेश सं॰ सी॰ ए॰ 5/37ईई/453/83-84—अतः मुझे, शिशकान्त कुलकर्णी

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्या 25,000/- से अधिक हैं

और जिसकी सं० शाप नं० 6, सी० टी० एस० नं० 745, भवानी पेठ, पूना-2 (क्षेत्र 335 स्थ्वा० फीट), है तथा जो पूना-2 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नं० 1853/अगस्त, 1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच / एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण निचिता में बास्तिबक रूप से किथ्स नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दाबित्क में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय मा किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा भन-वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित स्थितियों, अर्थात् :--- मैसर्स कुमार और गायकवाड 783, भनानी पेठ, पूना-2

(अन्तरक)

 श्री जोहरी, एस॰ राम पूरवाल और अन्य 2344, न्यू मोदीखाना, पूना-1

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व सै 45 दिन की जबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्यव्हींकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्यी

शाप नं ० ६, ७४५ भवानी पेठ, पूना-2 (क्षेत्र 335 स्वये फीट)।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1853/अगस्त, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में दफ्त र में निखा है।)

णशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूका

तारीख: 3-12-1983

मोहर 🛮

प्ररूप आहं. टी. एन तर्रेएसा.-----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 दिसम्बर 1983

निर्वेश सं० सी० ए० 5/ 37 ईई:/454/83-84 --- यतः मुझे, शशिकात कुलकार्णी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 605, 1986, कॉन्व्हेंट स्ट्रीट पूना-1 (क्षेत्र 54 स्क्बे फीट) है तथा जो पूना-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1983 है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने यें सृविधा के सिए; और/या
- (क) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मिवधा के किए;

अतः सव, उस्त अभिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मेसर्स कुमार प्रमोटर्स 783, भवार्ता पेठ, पूना-2

(अन्तरक)

(2) श्री ताथाबाई एच्० नग्री 370, रिववार पेठ, पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के शक सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही कर्य होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

नगसची

फ्लैट नं॰ 605, 1986 कार्न्झेंट स्ट्रीट, पूना-1 (क्षेत्र 540 स्क्वे॰फीट) ।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं० 1686 अगस्त 1983 को सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफतर में लिखा है)।

> गशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 3-12-84

प्ररूप बाई.टी.एन.एसं. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्पना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना,दिनांक 3 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 |ईई/455₁83-84---यतः मुझे, शशिकांत कुलकार्णी

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है:

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 412 सीं० टीं० एस० नं० 1986 कान्वेंट स्ट्रीट पूनां→1 (क्षेत्र 810 स्क्वे० फींट) है तया जो पूना-1 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में/पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नं० 1780/ अगस्त 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम क्समान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिदृत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धतिरती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित से नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स कुमार प्रमोटर्स 783, भवानी पेठ पूना⊢2

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरगा हसमत लंबे डी॰-7 लल्बेबल सोसायटी पूना-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से ** दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पत्तक किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसन्त्री

फ्लैट नं॰ 412, 1986, कान्त्रेंट स्ट्रीट पूना-1 (क्षेत्र 810 स्क्ये॰ फीट)।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 1780/अगस्त 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के वफतर में लिखा है)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

ता**रीख: 3-12-83**

भोहर :

प्रकपः बाद्दः टी. एत्. एस. ु -----

नायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना ,दिनांबा 15 फरवरी 1984

निर्देश सं० सं१० ए० 5/37 ई०ई० /465/84-83--यतः मुझै: शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 308 गुरुकृषा, अपार्टमेंटस है तथा जो पंजपाखड़ी थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि श्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित मृं बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है हु—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सूनिका के सिए; और/या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के सधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्षात् :—

(1) मेसर्स गुरुक्तपा बिल्डसें 6 नवीन मंजू, सेवा राम लालवानी रोड़, मुलुडं (वेस्ट), बम्बई-40008

(अन्तरक)

(2) श्री तोषकुमार वर्मा बी०-33/1, गणश निवास, थाना (वेस्ट)--400601

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारक ्रास्ट्र प्रश्नाम् के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुस्ती

फ्लैट नंबर 308, तीसरी मंजील गुरुकृषा अपार्टटमेंस संव नंव 215 हिस्सा नंबर 2, पांचपाखड़ी चाना (बेस्ट) 400602, (क्षेत्र 762 वर्ग फीट ।

(जैसा की रजिस्ट्रीकृत नंबर 37 ई०ई०/घाना/ 2426/83-84/ अक्तूबर 1983 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीखा : 15-2-1983

प्रकृष् बाइं.टी.एन्.एस्.-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष** (1) के **गभी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 16 जनवरी 1984

निर्देश सं० सं१० ए० 5/37 ई०ई०/504/83-84--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैट नंव 102, पहली मंजिल फ्लैट नंव 20 व 21 सर्वे नंव 19,25, 26 और 30 है तथा जो धानानीमन वसई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रैंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वामन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बुख, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-स्म निम्नितियों तुद्द स्थ से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिवक स्था से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अप्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त किपिनियम के जभीन कर येने के जन्तरक के वाधित्य में कमी करने या उससे बजने में सूजिआ के लिए; जरि/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना थाहिए बा, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) मेसर्स गिरनार बिल्डर्स के० टी० चेंबर्स, पहली मंजिल, स्टेशन रोड़, बसई रोड़, जि० शाना

(अन्तरक)

[भाग III --- खेव्ह 1

(2) श्रा टी० बी० कृष्णराजा, सुजाना, एस० आर० रोड, बाद्रा, बम्बई

(अन्तरती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति को अर्थन को सिए कार्यवाहियां करता हुं।

- उक्त सम्पृतित के वर्षन के सम्मन्त्र में कोई भी बाक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जन्धि, जो भी जन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुकारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए वा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों नौर पर्यों का, जो क्यक विधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशाबित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

ममसची

फ्लैट नं० 102, पहली मिजिल प्लाट नं० 20 और 21 सं० नं० 19, 25, 26 और 30, गांव धानानीमन बसई, जि० थाना क्षेत्र 660 वर्ग फीट

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नंबर 37 ई॰ई॰/थाना/1725/ 83-84/सितम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफतर में लिखा है।)

> र्गाणकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 16—ा- ३4

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यातय, महायक आयकर आयकत (निरक्षिण)
श्रजीन रेंज, पूना
पूना, दिनोंक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/538/ 83-84—-श्रतः मुझे शशिकांन्त कुलकर्णी

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उत्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० हिस्सा सर्वे नं० 516/मी, सि० टी० एस० नं० 402, शंकर मेठ रोड़, एस० टी० देवों के सामने, क्षेत्रीय 19490 स्क्कैव० फीट पूना है, तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपप्बद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 19-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण विखित में वास्तियक कृप में किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई िकमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के सायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियानं में मुविधा के लिए;

 श्री रमाकान्त उद्धव राव सोमवंशी, 402, धोरपडे, पेठ, णंकर शेट रोड, पूना-9

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स मकवाना कन्स्ट्रकशन कं०
 डी० बाईन ट्रेस, 911-914, सेनेगाग स्ट्रीट, पूना-1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

1/7 हिस्सा सर्वे नं० 516/सी, सि॰टी० एस० नं० 402, णंकर सेठ, रौड, एस० टी० डिपो के मामने, एरिया 19490 स्क्वायर फ़ीट पुना।

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 1711/83-84 जो तारीख 19-10-1983 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 14-3-1984

मोहर :

प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज, पूना

पूरा, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37%/539/83-84—यतः मुझे शशिकात कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का अपण है कि का पर पर्यात्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 1/7, हिस्सा सर्वे नं० 516/सी. सी० टी० एस० नं० 402, शंकर शेठरोड, के सामने, एरिया-19490 स्वयायर फीट पूना है, तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबख अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण एप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय महायक श्रायकर सायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 19-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिवक एप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण गे हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भों कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः भव, उवत अधिनियम की धारा 269 ग के, अनुसरण में, में, उवत अधिनियम की धारा 269 म की उपभारत (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तिस्यों ,अर्थात :-- श्री चन्द्रकान्त उद्धव राव सोमवंशी, 402, थोरपडे पेठ, शंकर शेठ रोड, पूना-9

(घन्तरक)

 मैसर्स मकवाना, कन्स्ट्रबंशन छी० टाईन, टेरेस, 911-914, सेनेगांज, स्ट्रीट, पूना-1

(प्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- व्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/7 हिस्सा सर्वे नं० 516/सी, सि॰टी॰ एस॰ नं० 402, शंकर शेठ रोड के सामने, एरिया 19490 स्क्वायर फ़ीट, पूना

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 1731 जो तारीख 19-10-83 को महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना के ख्रे स्रार में लिखा है।)

शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख 14-3-1984

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-अ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 14 मार्च, 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/537/83-84—अतः मुझे शशिकान्त कुलकर्णी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 1/7 हिस्सा गर्बे नं 516/सी, सिं टी एस नं 402, शंकर शेठ रोड एस टी डिपो के मामने; एरिया 19490 स्क्वायर फीट पूना है, तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु- सूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकरी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 19-10-1983

को प्वेंत्रित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ः—

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी कर्रने या उससे अभने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियमं की थारा 269-गं के अनुसरण कें. मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) ने वधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, वर्षात् क्र--- श्री प्रकाश उधव राव सामवंशी,
 402, घोरपडे पेठ, शंकर शेठ रोड,
 पूना ।

(ग्रन्सरक)

 मेसर्स मकवाना कन्स्ट्रक्शन कं० ष्ठिवाइन टेरेस 911---914 सेनेगोज, स्ट्रीट, पूना-1

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

1/7 हिस्सा सर्वे नं० 516/6, सि०टी० एस० नं० 402 गंकर सेठ रोड, एस०टी० डिपों के सामने, एरिया 19490 स्थवायर फीट, पूना ।

(जेसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/1712/ पूना/83-84 जो तारीख 19-10-83 सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज पुना

तारीख 14-3-1984 मोहर ः प्ररूप नार्चः टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज, पूना पूना, विनांक 14 मार्च 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37ईई/536/83-84—-ग्रतः मुझे गणिकान्त कुलकर्णी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

भीर जिसकी सं 0 1/7 हिस्सा सर्वे नं 0 516/सी 0 टी 0 एस 0 नं 0 402, शंकर सेठ रोड, एस ० टी 0 डिपो के सामने, पूना-9 है, तथा जो पूना में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनोक 19-10-983

को पूर्वोक्त सम्पर्तित् के उचित बाजार मूल्य से कम कि दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरम से हुइ किसी आयं की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बुचने में सुविभा के शिए; बाद/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- श्रीमती मालन बाई उद्धव राव सौमवंशी, 402, घोर पड़े पेठ, गंकर सेठ रोड, पूना-9

(भ्रन्तरक)

 येससं मकवाना कन्स्ट्रवणन, कं० डोव्हाइन टेरेस 911-914 सीनेगोग स्ट्रीट, पूना-1

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्या

1/7, हिंस्सा सर्वे नं० 516/सी० सि० टी० एस०नं० 402, शंकर सेठ रोड, एस० टी० डिपो के सामने, पूना-9

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/1731/पूना जो तारीख 19-10-83 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख 1 4-3-83 मो**हर** : प्ररूप बाइ दी. एन . एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,पूना

पूना, दिनांकः 14 मार्च 1984

निर्देश सं० सी० ए०5/37 ई०ई०/535/83-84--यतः मुझे, प्रशिकात कुलकर्णी

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/7 हिस्सा सर्वे नं० 516/सी० सी० टी० एस० नं० 402 गंकर सेठ रोड़. एस टी० डिपो के सामने पूना -9 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित-बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती शोभा सुरेश सोभवंशी 402, घोरपडे पेठ, शंकर सेठ रोड़ पूना-9

(अन्तरम)

(2) मेसर्स मकवाना कन्सट्रकणन कं॰ डी. टाऊन टेरेस, 911-914 सीनेगाग स्ट्रीट पूर्ना -1

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उकत जिल्हा कि अधिनयम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

1/7 हिस्सा सर्वे नं० 516/सी सी० टी० एस० नं० 402 शंकर सेठ रोड़ एस टी० डिपो के सामने पूना -9 (जैसे की राजस्ट्रीइत नं० 1714/ पूना/83-84 जो तारीख 19-10-83 को सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफतर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

नारीख : 14-3-84

मोहर 🤌

प्रकृष् नाहर् तो त्यु , युस् , हरारारा

बायकद बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बुधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पुना पूना, विनाक 14 मार्च 1984

न्द्रा, विनास 14 नाथ 1984 निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ई०ई०/534/83--84---यत: मुझे शशिकांत कृतकार्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/7 हिस्सा सर्वे नं० 516/सी सी० टी० एस०नं० 402 णंकर सेठ रोड़ एस० टी० डिपी के सामने पूना -9 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान दिनांक 19-10-1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित् बाजार मूस्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके रहयमान प्रतिफल से एसे दहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की यायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः — (1) श्री शीवाजी राव उद्धवराव सोमवंशी 402, धोरपडे पेठ, शंकर सेठ रोड़ पूमा-9

(अन्तरक)

(2) श्री मेससं मकवाना कन्स्ट्रवशन कं० डीव्हाइन टेरेस 911-914 सीनेगोग स्ट्रीट पूना --1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा बत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उभत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

मन्स्ची

1/7 हिस्सा सर्वे न० 516 शी० सी० टी० एस० नं० 402 एंकर सेठ रोड एस० टी० डिपो के सामने पूना ~9 (जैसे की रिजिस्ट्रीइन्त नं० 37/ई०ई०/1732/ पूना/83-84 जो तारीख 19-10-1983 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा है)

णणिकांस कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पुना

लारीख 14-3-83 मोहर : प्रकृष आहूर. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

शर्णन रेंज, पूना

पूना, दिनोंक १४ मार्च 1984

निर्देश सं० सी० ए०5/37 ई०६०/533/83-84---यतः मुझे गशिकांत कुलकर्णी

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परवात (अकत अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/7 हिस्सा नं० 516/सी० सी० टी० एस० नं० 402 शंकर सेठ रोड़ एस० टी० डिपी के सामने पूना -9 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय में सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 19-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उच्चेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आस की भावत, सक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या जनसे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को 'जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज को उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री अशोक उद्धवराव सोमवंशी 402 घोरपडे गेठ गंकर सेठ रोड़, पूनां-9

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मनायाना नान्स्ट्रकणन कंव डीव्हाइन टेरेस, 911--914 सीनेगोग स्ट्रीट पुना --1 (अस्तोरसी)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवादियां करता हुए।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्त्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/7 हिस्सा सर्वे नं० 516/सी० सी० टी० एस० नं० 402, शंकर सेठ रोड़ एस० टी० डी० के सामने पूना-9 (ज़ैसे की रिजस्ट्रीकृत नं० 37 ई०ई०/1733/83-84 जो तारीख 19-10-1983 को सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पना के दफ्तर में लिखा है)

हा०/— मशिकांत कुलकाणी सडायाः अध्यक्त अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख :- 14-3-1984 मोहर क प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनोक 15 मार्च 1984

निर्देश सं० सी० ए०5/37 ई०ई०/531/83-84--यत: मुझे शशिकांत कुलकर्णी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० फलैंट नं० 202, प्लाट नं० 43, आन्नदनगर है तथा जो तबधर ता० बसई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908, (1908 का 16) के अधिन दिनांक 19 सितम्बर 1983 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखित में सस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/याँ
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म

(1) मेसर्स श्रंजीका बिल्डर्स 7, स्तेह कुंज 11वीं रोड़ साताकूर (ई), वस्तई-30।

(अन्तरक)

श्री शरद दिनकर जोशी
 C/o कैं के आफ बरोड़ा,
 एस० व्ही० रोड़,
 अंड टर्नर रोड़,
 बम्बई~30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० ए० 202, प्लाट नं० 43, ऑनन्द नगर नवधर ता० वसई, जि० थाना क्षेत्र 40.86 स्कवे मीटर्स ।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नम्बर 37-इंड 2838/थाना 83-84 ता० 19-9-1983 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षअ अर्थे रेंज, पूना के दफतर में लिखा है)

> (ज्ञणिकांत कुलवर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षअ) अर्जन रेंज पूना

तारीख : 15-3-1984

मोहर 🗓 .

प्रकप. नार्. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमता

भारत सरकार

कार्बालय, सहाध्यक्त बायुक्त (निर्दाक्तिण) अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 14 मार्च 1984 निर्देश सं० सिं० ए० 5/37 ई० ई०/529/83-84---यत: मुझे शशिकांत कूलकर्णी

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० एफ०1—बी० चौथी मंजील, नूलन एन्टर प्रईजेस सी० दी० एस० नं० 418 है तथा जो नारायन पेठ पूना, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी, के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 11–10–1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में गुविधा के निए; और/या
- (स) नेती किसी आय या किसी धन या जन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

भतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित अयिक्तयों, नर्जात् ६——
11—46GI/84

(1) मेसर्स नृतन एन्तर प्राईकेस 1379, भवानी पेठ, पूना-2।

(मन्तरक)

(2) श्री प्रदीप विष्णुपंत गाडेकर, 2-बी, श्रयल को० श्राँप० हाउसिंग सोमायटी प्रभादेगी, बम्बई-400025।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसंवंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ग किसी सन्य व्यक्ति इवाय, स्थोहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्त्वी

क्लैंट नं० एफ०-1 बी० चौथी मंजील, नूतन एन्टर प्राईजेस, सी० टी० एस० नं० 418 नारायण पेठ, पूना क्षेत्र 368 वर्ग फीठ ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नंबर .37 ई० ई०/2345/पूना/ 83-84 ता० 11-10-1983 को सहायक भ्रायकर भ्रायकत निरीक्षण भ्रर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा है। •

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

ता**रीख** :- 14-3-1984

मोहर् ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 19 मार्च 1984 निर्देश सं० सी० ए०-5/37 र्डई/527/83-84---यतः, मुझे, श्रशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 307 तीसरी मंजिल, हा० नं० 2516, इस्ट स्ट्रीट जं० थमध्या रोड़, पूना है तथा जो पूना-9 में स्थित है (श्रीर इससे उपाधन्न श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नं० 2441/ श्रक्तुबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एक जनार्थ अंतरियम (विश्वा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :— (1) मेसर्स मकवाना ब्रदर्स एण्ड कं०441, सोमवार पेठपूना--411001

(झलरक)

(2) श्री जो० फर्नानडेज 698 ताबूत स्ट्रीट पुना-411001

(भ्रन्तरिती)

र को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि,, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं॰ 307, तीसरी मंजिल हा॰ नं॰ 2516 इस्ट स्ट्रीट जं॰ थम्मया रोड़, पूना-1 (क्षेत्र 665 वर्ग फीट)

जैसाकि ग्जिस्ट्रीकृत नं० 2441/पूना/83-84 ग्रक्तूबर, 1983 को सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दफतर में लिखा है)

> णशिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, पूना

दिनांक : 9-3-1983

मोहर

प्ररूप. आहें. टी. एन. एस. -----

नायकरु विभिन्नियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 19 मार्च 1984 ·

निर्वेश सं० सी० ए०-5/37ई०ई०/528/83-84 यत, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

भायकर सिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 510, हा० नं० 2416 इस्ट स्ट्रीट पूना-411001 (क्षेत्र 1026 वर्ग फीट) है तथा जो पूना में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक श्राकथर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण मिंघनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नं० 3438/जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उमित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (बन्तरित्वां) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कर्मित नहीं किया गया है :—

- (क) ब्न्सुरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त विभिनियम के बधीन कार देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि√या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

नतः अब् उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) मेसर्स मकवाना ब्रवर्स एण्ड कं० 441, सोमवार पेठ, पूना-411001

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कें एम भेहता 37 टाटा गनकस , परेल टंक रोड गम्बई-400012

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची ।

फलैंट नं० 510 हा० नं० 2ं416 इस्ट स्ट्रीट, पूना-1 (क्षेत्र 2026 वर्ग फ़ीट)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकत नं० 37ई०ई०/3438/पूना/83-84 श्रक्तूबर 1983 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा है।)

> भशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी ्सहायक स्रायंकर स्रायुक्त (निरीक्षण) - स्रर्जन रेंज, पूना

दिनाक: 19-3-1**9**84

मोहर 🗓

प्रकृप आहें. टी. ऐन. ऐस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्प्ना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायुकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/37ई०ई०/1095/83-84--यतः, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000∕- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या सर्वे नं० 321/413 मौजे फर्कीरबाडा भिंगार विलेज जिला ग्रहमदनगर है तथा जो भिंगार विलेज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, दुख्यम निबंधक, ग्रहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन, ग्रगस्त 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा, निम्मलिखित उद्वेष्य से उच्छ अन्तरण मिखित में बास्त-विक कप से कश्यद नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई जिसी जाय की वाबत, उक्त विभिन्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कर्मी करने या उसके वचने में त्रिक्षा के सिए: बॉट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तारती बुबारा प्रकट नहीं किया गया का या किया वाला वातिहर था कियाने में स्विता की सिए?

बतः अच, उन्नत अधिनियम की धोरी 269-मं के अनुविरण मों, मीं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मेसर्स गोविन्द पूरा इन्वेस्टर्स के भागीदार श्री गरद मनसुखलाल मुथा 83, माणिक नगर, नगर पूणे रोड़ श्रहमदनगर

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स गजानन गृह निर्माण संस्था चेग्ररमेन श्री शरद मनसुखनान मृथा 83, माणिक नगर, नगर पूणे रोड, श्रहमदमगर

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत् सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियाँ में से किसी स्थिति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिं भिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

वन्सूची

सर्वे नं० 321/413 फकीरवाडा, भिगार विलेज, जिला श्रह्मदनगर

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2330 जो ग्रगस्त 1983 को दुर्यम निबंधक ग्रहमवनगर के दफतर में लिखा

> णशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक : 13-3-1984

मोहर 🛭

प्रस्पे बार्ड, टी., एन... एस... :

ब्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना पूना, दिनांक 13 मार्च, 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ई1094/83-84-- अतः मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० मौजे भिगार सर्वे नं ० 321/3, एरिया 67788 स्क्रियर फीट, जिला अहमद नगर है तथा जो विलेज भिगार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कै।यिलय दुरयम निबन्धक, षहमदनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उख्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किती जान की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर वोने के जन्तरक के वारित्य में कवी करने या उचने बचने में बुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गों, गों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) ते अधीनः निम्नतिषित व्यक्तियों. अर्थातः :--- श्री निवृत्ति किसन प्यार श्री मण्डींद्र किसन प्यार भाई साहेब किसन प्यार किसर वाडा, श्रहमदनगर

(अन्तरक)

2. मैसर्स गोबिन्द पूरा, इन्न्हेस्टर्स (भागीवार), श्री शरद मनसुखलाल मुखा 83, मामिक नगर, जिला अहमदनगर।

(अन्तरिती)

को सह त्वना धारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के हिन्ए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूर्णना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्वकाक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

मौजे भिगार, सर्वे नं० 321/3, एरिया 67788 स्क्वेयर फीट, जिला अहमद नगर।

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत न० 2873 जो अगस्त, 1983 को दुय्यम निबन्धक, अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।)

> शिंग कान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख 13-3-1984

माहर 🍺

प्ररूप वार्धः दी ् एन् . एस् . -

बायकर ऑंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालयः, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग्र, पूना

पूना, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/37ईई/1093/83-84---यतः, मुझें; शश्चिमान्तः कुलकर्णी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 346/1ए (पार्ट), फकीरवाडा, भिगार विलेज, अहमदनगर में है तथा जो भिगार विलेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्प से विणित है) रिजस्ट्रीकर्द्धा अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक, अहमदनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1.6) के अधीन सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, अक्स अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया. था या किया जाना चीहिए था, ष्टिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मैसर्स रजना होमस (आगीदार), श्री रमेश गोनिन्द राव वाबके, सर्जे पुरा, आहमदनगर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रचना को० आप० हार्जिसर्ग सो सायटी चयरमैन, रमेश गोविन्द राव बाबके; फकीरवाडा, भिगार विलेज, अहमदनगर। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

सर्वे नं० 346/1ए (पार्ट), फकीरवाडा, भिगार विले ज ुं जिला सहमदनगर।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3056, जो सितम्बर, 1983 को दुर्यम निबंधक, अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

दिनांक 13-3-1984 -भोहर : प्रकल माई. ती. एनं. एस. ------ग्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-थं(1) के ग्रामीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, विनांक 27 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/520/83-84---अतः मुझे; श्राफ्तान्स कुलकर्णी

बायकर अधिनियम, ~ 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें, पश्चात् 'जकत् अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 7, तीसरा माला, के० पी० टावर-ा पर्लाट नं० 2, सर्वे नं० 17 ए, वानवड़ी, पूना-13 है तथा जो, पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर, 1983 करे पूर्वा क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रनिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (इस्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पामा गया प्रतिक्का, जिम्लीसित उद्देश्य से टक्त अन्तरण कि बित में शस्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) होती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, धिनहाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में स्विधा के निष्ट;

कालः जन्म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कभीन, निम्निविश्वित व्यक्तियों, नर्भात् — गैसर्ग परमार कन्स्ट्रक्शन कं० 321/3, न्यू टिम्बर मार्केट रोड, णांती नगर, सोसायटी, पूना-2

(अन्तरक)

 शाम आर० होम राजानी
 702, गंज पेट, टिम्बर मार्केट, रोड, पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी** आक्षेप:——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी क्विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया सवा है।

नग्त्रभी

फ्लैट नं० 7, तीसरा माला के० पी० टाबर नं० 1, प्लाट नं० 2, हिस्सा नं० 8, सर्वे नं० 17-ए, वानवरी, पूना-3 । (जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2691/पूना, 83-84 जो तारीख नवम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा है।

> शशिकांत **कुलकर्णी** सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त ृ(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख :-- 27--1-1984

मोहर:

प्रस्त बाई. थी. एन ु एस :=----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज, पूना

पूना ,विनांक 29 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ६० ६०/540/83-84--यतः मुझे प्रशिकांत मुलकार्णी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आफीस नं० 11, 12, 13 और 5 प्लाट नं० 12 सी० एस० नं० 14 सर्वे रोड़, पूना -4 क्षेत्र 1000 क्वेर फीट है तथा जो पूना 4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)अर्जेन रेंज, पूना,में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख नं० 2071 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य,, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का वेबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियाँ), के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः खब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) भे मधीन. निम्मिसित व्यक्तियों, वर्षात्ः— (1) मेसर्प ए० भही० मुक्ते अन्छ कं०
1141, शिवाजी नगर
एफ० सी० कालेज रोड़,
पूना ~16 (अन्तरक)
2. श्री प्रकाण व्ही, औटी

 श्री प्रकाण ब्ही, औटी और विष्णू ब्ही औटी 1205/5 साई कृपा, आपटे रोड़, पूना --4

(अन्तरिती)

को यह सुकता बारी कृत्ये पूर्वीयव अंपरित के अर्णन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क)। इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकरेंगे।

स्थव्हीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्धों जोर वर्षों का, जो उक्त अधिनयमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिय गया हैं।

नम्सनी

आफ्रीस नं० 11, 12, 13 और 5 प्लाट नं० 12, सी० एस० नं० 14, कर्ये रोड़ पूना (क्षेत्र 1000 धर्ग फीट)

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं० 37 ई०ई०/2071/पूना/ 83-84 दिनांक 24 अगस्त 1983 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफतर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज, पूना

तारीख :- 29-2-1984

मोहर :

प्रस्य नाइं. टी. एम. एस. -----

आयकर स्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अभीन् सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकार नायकत् (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना-4 पुना, दिनांक 3 मार्च, 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/541/83-84-यतः मुझे शशिकांत कुलकर्णी

ष्ट्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त वृधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित गाजार मुख 25,000/- रत. से **अधिक हैं**

और जिसकी संख्यापलैंके नं० 4, इसरी मंजिल, राढिका अपार्च में देस सं० नं० 47 है तथा जो एरंडवना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबदा अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण, म्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्नीत दिनांक प्राप्त 83 -को पर्नोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहूप्रतिवत संअधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल निम्नलिखित उददोस्य से उक्त अन्तरण लिक्सित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और ∕या
- (ख) एेसी किसी अगय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय अायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा को लिए:

बत: बब, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--₁2—46GI|84.

(1) मेसर्स राधीका भ्रपार्टमेंटस, सं० नं० 47, एरंडवना, पूना -4

(अन्तरक)

(2) श्री विनय कुमार श्रीराम ग्रत्ने नं 469, राविवार पेठ, पूना -2

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सर्केंगे।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

प्रसीट नं. 4 दूसरी मंजिल, साधीका अपार्टमेंटस, सर्वे मं 47 एरडवना, पौड रोड, पूना-4/ क्षेत्र-898 स्कर्व फीट ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नंगर 37 ई०ई०/1967/पूना/ 83-84 ता 24-10-1983 को महायक स्रायकर भ्रायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफतर में लिखा है ।)

> शशिकांत कुलकणीं सक्षम अधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारी**ख** :- 3-3-1983

सोहर 🙄

प्रकृष काइ", टी. एव. एस्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जासकर आयुक्त (निरक्षिण)

घर्जम रेंज, पूना

पूना, विनांक 24 मार्च 1984

निर्देश सं० सी० ए-5/ 37 ई०ई०/542/83-84-यतः मुझे शशिकांत कुलकर्णी
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचाव 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य
25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलैट नं० 1, प्लाद नं० 5 ग्रम्बनी भ्रपार्ट-मेंटस है तथा जो कोय कड पूना में स्थित है (भौर इससे उपाबज्ज अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर (निरीक्षण)भाष्युक्त, ग्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), के ग्रधीन दिनांक 21 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ह में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में भविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) में अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेससं श्रश्विनी बिल्डसं,
 1488, सवाभिव पेठ,
 पूना. -30

(मन्तरक)

(2) डानियल मनोहरन 343, रास्मा पैठ पूना~11

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्थित के वर्षकृष्णे विश्वष्ट कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपृत्ति के वर्णन संबंध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख ार्खें 45 विन की सबीध या तत्क्रमण्डी स्विन्तर्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्वित व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हित्बन्ध किसी जन्म स्थावत स्वारा नंगभोहस्ताक्षरिकों के संख् तिवित में किए वा सकर्षे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं वर्ध होगा, जो उन् अभ्यास में विका कवा है।

मन क्यो

फ्लैट संबर 9, भाशिविनी भपार्टमेंटस प्लाट नं० 5, हंपी कालोनी, कोयरूा, पूना -11

क्षेत्र 1020 स्मेषे० फीट बिल्ड अप एरिया (जैसे की रजिस्ट्रीकृत मंदर 37 इ०ई०पूना/ 3618/83-84 ता० रा-1-1984 को सहायक आयकर घायुत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफतर में खिखा है।)

> स्विधिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूना

तारी**का** :- 24-3-84 मोहर : वक्त कार्ं ु टी. एत., एत. -----

बाजकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्थान

मस्क सरकार

कांबिसब., सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/543/83-84—प्रतः मुझे शक्षिकान्तः कुलकर्णी

कारकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, बिल्डिंग 'सी', शिव गंगा, को-भाष० हाउसिंग सोसायटी है, तथा जो बिबवेबाडी पूना में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भिश्वकारी के कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण भश्वित्यम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन विनांक 7-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्विष्य से उक्त अन्तर्ण सिचित में भारतिक है कीयत नहीं किया गया है:—

- (का) कम्तरण से हुइ किसी धाय की वायत, उक्त अधिनियम के नभीन कर दोने के सन्तरक की यायित्थ में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; नीर/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उसते अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण को, को, उसते अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रीमतीं सरला किरन बंब, 252, नाना पेठ, पूना-2

(ग्रन्तरक)

2. श्री एन० पी० ग्रच्युतन, 10, श्री शंकर सोसायटी , गुलटेकडी, पूना-37

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पाका करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

नन्स्ची

फ्लैट नं० 4,, ग्राउन्ड फ्लोर बिल्डिंग (सी' शिवगंगा की-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी बिबवेवाडी, पूना-37/क्षेत्र-770 स्क्ष्ये० फीट ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० $37\frac{$}{5}/1715/$ पूरा/83.84 सा० 7-10-83 को सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), भ्रजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शणिकान्त कुलकर्गी सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेज, पूजा

तारीख 8-3-1984 मो**ब्र**ू ३ प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 20 मार्च, 1984 निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/544/83-84--श्चतः मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चान् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, प्लाट नं० 21/13, एफ० पी० नं० 473, गुलटेक डी है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर जा पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि म्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल के अपित से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहर्ष िकसी आय की गावत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोर के अन्तरक के दायित्व में कमी करले या उपसं अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एभी किसी आप या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धन-इर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

बतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैंसर्स गिरीनार कन्स्ट्रक्शन,
 321/9, शान्ती नगर सोसायटी पूना-2

(भ्रन्तरक)

 श्री रामविलास क्षेड बुब लक्ष्मी स्टोग्नर्स, मोदी मैनशन, 37/2, गंकर सेठ रोड, पूना-37

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कायवाहियां करतः हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया स्या है।

अन्स्ची

पलैंट नं० 1 प्लाट नं० 21/बी, एफ० पी० नं० 473, गुलटेकडी, पूना ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं 37ईई/1440/ पूना, जो तारिख 12-9-83 को सहायक ग्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफतरर लिखा है 1)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, पूना

तारीख :- 20-3-84

मोहर:

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा 269-घ (1)** के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज,पूना

पूना, दिनांक 8 मोर्च 1984 निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ई०ई०/54583-84---यतः मुझे, शशिकांत कूलकर्णी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित धाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लंट सी. एस० नं० 147/3 फार नल प्लाट नं० 162 टी० पी० एस 1 है तथा जो पांचपाखड़ी जि० थानामें स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है,), रिबस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में सहायक आयकर अधिनयम, (निरीक्षण), अर्जन् रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीक्रण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12~10~83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः - (1) राधेण्याम जोधराज भाटीया
40 एस० एस एम कन्स्ट्रक्शन बिल्खींग
क्यांनट्रक्सं, पहलज राय बिल्डींग,
लेहार मली
थाना

(अन्तरमं)

(2) श्री रमेश नारायण कामय, 3री, मंजील, छी० पी० वाडी, घोडपदेव, बम्बई-400033

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयोकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि यद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यकथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, श्रो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियां गया ही।

वन्स्पी

फ्लैट जो स० नं 147/3 फाईनल प्लैट मं 162 टां पीं एस नंबर 1, पांचपाखड़ी, धाना में है। क्षेत्र 44.15 स्कें मीर्टस

(जैसे की रिजस्ट्रीशृत नंबर 37 ई०ई०/1989/याना 83-84 तारीख 12-10-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफतर में लिखा है।)

> पशिकांत कुलकर्णी समम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

्रहार्रत्खः . 8--3-1984 मोहरः प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूला पूना, दिनांक १ मार्च 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ई०ई०/546/83-84--

यतः मुझे, माशिकाति कुलकाणी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उज्ति नाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 4 पहली मंजिल बिल्डिंग ए संव नंव 36 सीव टीव एसव नंव 159 है तथा जो एरंडबना पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य क्या दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल किन्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित व वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायरा, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे अधीने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- भेसर्स गायवी कन्स्ट्रकशन्स
 1262/2, जंगली महाराज रोड़,
 पूना -4

(अन्तरक)

(2) श्रोमती सीमा सुभाष दानार 678 शुक्रवार गेठ, पूना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरिके पास् तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यो

पर्नैट नं० 4, पहली मंजिल, बिल्डिंगए, सर्वे नं० 36, सी०टी० एस० नं० 159, एरंडवना, पूना-4 ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/1271/पूना/83-84, स्नितम्बर, 1983 को सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

ग्राणिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख 9-3-1984 मोहर : प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 29 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/547/83-84---यतः मृक्षे, शिक्शान्त कुलकर्णी,

नावकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1 बी, सी० टी० एस० 47/30, फ्लाट नं० 8, पर्वती, अरण्येश्वर रोड, पूना (क्षेत्र 400 स्नवा० फोट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नं० 1558/अक्टूबर, 1983

को पूर्विक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्मित का उचित बाजार बुल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ)। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; जोर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स भान चन्द्र लैण्ड डेवलपपर्स, 2051, सदाणिव पेठ, पूना-30 ।

(अन्तरक)

एस० मही० छोले,
 'सीता-स्मृति', 83/2, वृन्दावन सोसायटी,
 पूना-9

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी विश्वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो जुन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विश्व गया है।

जन्स्वी

फ्लैट नं 1-बी , प्लाट नं 8, स . नं 47/30 सी, अरण्ये श्वर रोड, पर्वती, पूना-9 (क्षेत्र 400 स्ववा० फीट) । (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं 37ईई/1558/पूना/83-84, ता० 1-10-83 को सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दैपत्तर में लिखा है) ।

शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूमा

-नारी**ख**: 29-2-1984

मोहर 🖫

प्रकप काइ . टी. एन. एस. ----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूरं, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी०आए०-62/38389/83-84—यतः मुझें, मंजु माधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

हौर जिसकी सं० 74 है तथा जो केंपापुर, अग्रहार, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री राम पुरम् में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-8-1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिबित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बाराविक रूप से किएत नहीं किया गया है:——

- (७) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त बाँधितिसम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बाँर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बतः जब उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) की अधीन, निस्ति किया व्यक्तियों, अर्थीत् :--

 श्रीमती वी० आर० ६ श्रुमिणी, वै०/आफ श्री वी० आर० संतानम् नं० 22, ब्लाक II, राजाजीनगर, बंगलूर-10।

(अन्तरक)

 श्रीमती निर्मला बि० रामनाथ, नेशनल रेयान कार्पेरिशन कालोनी, मोहोने पोस्ट, थाने जिला महाराष्ट्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना और। करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकींगे।

स्पब्तीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1315/83-84 ता० 15-8-1983) वह सभी संपत्ति जिसकी सं० 74, भीर जो केंपापुर भग्रहार बंगलूर में स्थित है।

मंजू माधव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर ।

सारीख: 4-4-1984।

मोहरः

प्रस्प बाहें दी. एनं. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-भारा 269-व् (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर गागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 4 अप्रैल 1984

सं० सी०**था**२०-62/41029/83-84---यतः मृङ्गे, मंज् माधवन

मायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वाम करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिक वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कार्पोरेशन मं० 682/2 है सथा जो ई० नं० 17, कारा, इंदिरानगर, वंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुभूची में श्रीर पूर्ण छप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-5-1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण की सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिश्वित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बावत, उक्त जिम्हीनयम के जभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-जार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, किया में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-म के अग्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-घ की अग्यास (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों अर्थात :---- 13—46 GI/84

 श्री बी० एस० बेंकट रेड्डी, नं० 101, क्रिभेड रोड, वंगनर।

2. शी ईम् मियांम् चांम् अलियास एउताई नांम्, नं० 51/17-ए०, 2री मंजिल, आस्तोडर्न रोट, वंगलर- 42।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त, संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकरेंगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पृत्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1199/83-84, ता० 15-8-83) वह सभी संपत्ति जिसकी संख्या है का० नं० 682/2, श्रौर जो ई० नं० 17 कास, II स्टेज, इन्द्रा नगर (बिलसंगला) बंगलूर डी० नं० 50।

> मंजु माधावन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर स्नासृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 4-4-1984

मोहर 🛭

प्रकप बाइं. टी. एत. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निर्देण मं० मी० आर०-62/39020/83-84—यतः मुझे मंज् माधवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 537/ए० है तथा जो IV ब्लाक, कौर मंगल बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर

(व) नालुक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन नं ० 4007/83-84 ता ० 31-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्कित स्पिक्तियों. अधीत् :--- श्रीमती टि० बिजबलक्ष्मी, वै०/बा० के० जी० लक्ष्मनू, के०/आफ के० तिम्मप्पा नं० 40, होसुर रोड, आडुगोडी, वंगलूर-30।

(अन्तर्क)

 श्रीमती के० जी० नागरत्ना, बै०/आ० के० गोपालकृष्ण गुप्ता, नं० 438, 7वां क्रास, I- ब्लाक, जपनगर, बंगलूर-III

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (₹) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सबोंग।

स्थळ्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में निगम गया हैं।

नन्स्यो

(दस्तावेज सं० 4007/83-84 ता० 31-8-83) सैंट नं० 537/ए०, जो IV ब्लाक, कोरमंगला में स्थित है।.

मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर ।

नारीख: 4-4-1984

मोहर:

श्रुक्त आहें. टी..एन्..एस्........

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

बाउव बुदबाउ

कर्मानय, सहायक भागकर भागकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बंगलूर,

बगलुर, दिनांक 5 अप्रैल 1984

सं० सी० आर० -62/41310/83-84—-यतः मुझे, मंजु माधयन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के भ्रष्टीन संसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० सैट नं० 1852 है तथा जो बनशकरी II- स्टेज्, बंगलूर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-8-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त कन्तरण सिक्त में बास्तविक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की वानता, अचल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्यिक में कमी करने या अधिसे वृज्यमें में सृतिधा के तिहर; और/जा
- (क) ऐसी किसी नाव वा किसी भून वा बन्य बास्तियों की, जिन्हीं भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत विभिनियम, या भनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बन्दारिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया ना जाहिए था छिपाने में श्रीवधा के लिए;

सतः सन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) इं अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों अर्थात् ः—

- 1. (1) पांडय राजेंद्र
 - (2) श्री जितेन्द्र,
 नं० 41/3, 14 कास,
 VII-व्लाक, (म), जयनगर
 बंगलुर।
- श्री टी० वेंकटेश,
 नं० 1852, 11 मेंन रोड,
 वन शंकरी, 11-स्टेज,
 बंगलूर।

क्को यह भूचना चारी कारके पृत्रोंकत संस्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिधा गया है।

अनुमुची

(वस्तावेज सं० 1736/83-84, ता० 20-8-83) वह सभी संपत्ति जिसकी सं० है 1852 छीर जो 11 मेन रोड, 33 कास बन संकर्रा, 11-स्टेज, बंगुलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; बंगलूर 2

तारीखः: 5-4-1984

मोहर 🖫

प्रसम्ब भार^म् द**ी**ः एम्_ः एस_ः----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांस 4 अप्रैल 1984

रां० सी० आर-62/38971/83-84 - यतः मुझे मजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 73, है, तथा जो विजितापुर, कोतूर ग्राम, बंगजूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिट्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वंगलूर (द०) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों). और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी कड़ने या उत्तसे दचने में सुविधा औ सिए; ऑड़/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् हु---

- 1. (1) श्रीमती धर्मपाल
 - (2) एन० एस० मणीः
 - (3) एन० एस० धिजय कुम(र
 - (4) एन० एस० शेखर
 - 5) एन० एस० भास्कर
 - (6) एन० दर्वास (एन० डी० दासू) नं० 145, नामराज्यांड, बंगलूर-42

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री नारायण एल० पटेल
 - (2) देवासी एल० पटेल
 - (3) स्थामजी एल० पटेल राजूपात पेट, होसकोटे टाँन, बंगलूर जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पृति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों आहर पर्यों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया हैं।

अन्**स्ची**

(दस्तावेज 2859/83-84 तारीख 20-8-83) वह सभी संपत्ति जिसकी सर्वे नं० है 73, और जो विजनापुर, कोतुर ग्राम वे० आर० पुरम् होबली, वंगलूर (द) ता० में स्थित है।

मंज माधयन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 4-a-1904 ।

मोहर ः

प्ररूप आई ० दी० एन० एस०----

बॉयकर अधिनियम, 1961 (१९61 कॉ 43) की 2**69-ण** (1) **के जभी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/38979/83-84---यतः मुझे मंजु माधवन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. में अधिक है

और जिसकी सं० एच० ए० एस० के 943 और 943/ए है, तथा जो तिप्पसंद्र बंगलूर (द) ता० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर (द) तालुक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-8-83

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी भाग या किसी भण या अत्य जारिसयों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट इहीं किया गरा था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब े उक्त आधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण भे , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अभीत् ह—— 1. श्री यु० मुनिरेड्डी, नं० 2453, बनशंसरी II, स्टेज बंगलूर।

(भ्रन्तरक)

 (1) श्रीमती सुंदरम्मा, सुत्त्र, नजनगुड तालुक, मैसूर जिला।

(2) श्री कें ० एम० शिवानंद स्वामी; कालनदुल्ली; नंजन गुड तालुक मैसूर जिला।

(3) श्री बसप्पा कालनछल्ली, नंजनगुड तालुक, मैसूर जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त निधानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

(दस्तावेज 2872,83-84 ता० 5-8-83) बह सभी संपत्ति जिसकी सं० एच० ए० एस० के० नं० 943 और 943/ए०, और जो तिष्प संन्द्रा, ग्राम के० आर० पुरम् बंगलूर (द) तालुक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 4-4-1984

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, धहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बंगलर, दिनांक 4 अ प्रैल 1984

निर्देण सं० सी० आर०-62/39595/83-84—यतः मुझे मंजु माधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 444 है, तथा जो करिके प्राम, मिडकेरी में स्थित है (और इसते उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मिडकेरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-8-1983

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्ति का उधित नाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय ण्या गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई फिसी नाय की वावत , उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी कारने या उत्तरे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन जन्म शास्तियों को जिन्हों भारतीय शासकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिधा के लिए;

कतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें. में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की बंधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात्:---

- 1. (1) पी० अय्य माड
 - (2) के० अब्दुल्ला
 - (3) पी० मोहमब
 - (4) कै० अतुरामन्
 - (5) पी० मोईदीन कुट्टी
 - (6) पी० के० अब्दुल रक्षाक पुत्तुर अमसम्, कडग चूर देणम्, केरल ।

(अन्तरक)

- 2. सर्वर्था (1) वी० अहमद
 - (2) टी० अबूबेबर
 - (3) टी० उमर
 - (4) सी० कुन्अहमद
 - (5) पी० अब्दुल हाजी
 - (6) टी० बी० उस्मान्
 - (7) के० राधा कृष्ण राजू नृपंगहर अमसम्, तेलिचेरा तालुक, केरला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकरी।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पर्दों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं मधी होगा को उस अध्याय में दिवा नया है।

नग्स्ची

(दस्तावेज सं० 780/83-84 ता० 31-8-83) सभी संपत्ति जिसकी सं० है काफी एस्टेट सर्वे नं० 444 और जो० कैरिके ग्राम में, मिडिकेशी तालुका कोडगु में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

नारीख : 4-4-1984

मोहर 🕫

वरूप भार्द . टी. एन्. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगल्ड

बंगलूर, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निदेश सं० सि० आर०-62/41132/83-84—-यतः मुझे मंजु माधवन,

णायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परकास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए. से अधिक है

और जिसकी सं० 555 है, तथा जो न्लाक कोरमंगल ले ओट, बंगलूर में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर (द) तालुक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वमान् प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तय पावा गवा प्रतिक्षक कि निकित्यों। के बीच ऐसे अन्तरण के किए तय पावा गवा प्रतिक्षक कि निकित्यों। के बीच ऐसे अन्तरण के किए तय पावा गवा प्रतिक्षक कि कि निकित्यों। के बीच एसे अन्तरण के किए तथ पावा गवा प्रतिक्षक के कि कि कि कि कि निविद्या के वास्तिवक्ष के परिवार के किया गया है दि——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचक अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वयः, उक्त वर्षिणियमः, कौ धारा 269-ए के अनुसूरण भौ, मी, उक्त वर्षिणियम् की धारा 269-ए की उप्धारा (1) वे संधीन जिल्लीसचित व्यक्तियों, वर्षात्र ह— श्री पी० के० कुप्पुस्वामी,
 नं० 21, झेवियर, ले ओट,
 बंगलूर - 7।

(अन्तरक्)

 श्रीमती गि(रजा जॉन, नं० 26/1, लेबली रोज, बंगलूर - 1 ।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उचत सम्पत्ति के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बनिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की बनिश, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराष्ट्र
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किती बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए का सकेंगे।

स्पर्कां करणः इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 7416/83-84 ता० 15-8-1983) बह सभी संपत्ति जिसकी सं० 555 है और जी III ब्लाक, कोरमंगल ले औट में स्थित है।

> मंजू माधवन ,मक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसुर

तारीख: 4-4-1984

मोहर:

प्रकल आई टी. एन . एस .-----

मायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुधना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 मार्च 1984

निदंश सं० 743—यतः मुझे श्रीमती मंजु माधवन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें समके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. में अधिक है

और जिसकी मं० है तथा जो पणजी गोंवा में स्थित हैं (और इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इल्हास गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 8-8-1983 को प्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य में उक्त अन्तरण लिखिन में अस्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के **शायित्व में कमी कर**ने या उससे वचने में स्विभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आया उर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करूरियों ब्लारा प्रकट नहीं किया कवा था ता किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविशा के लिए;

करा: अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्ता गिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निरमीक्तिक व्यक्तियों अर्थात् :-- मैसर् आलकोन बल्स्ट्रक्शन, बेल्लो बिल्डिंग, पणजी (भोवा) ।

(अन्तरक)

 करंघ को० आपरेटिय हाउमिंग सोगागदी, लिमिटेड,
 डाक्टर आत्मा राम बोर्बर रोड.

डाक्टर आरमा राम बोरवार रोड, पणजी (गोवा) ।

(अन्सरिती)

कदंव को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
 डाक्टर आत्माराम बोरकर रोड,
 पणजी गोंघा ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ष) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए का संकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया। है।

मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 54/283-84 ता० 8-8-1983) संपत्ति जिसका नाम है "कदंब अमार्टमेंट" संपत्ति डाक्टर आत्मा राम बोरकर रोड पणजी गोवा में स्थित है) सर्वे चलता नं० 101 और 102) ।

> मंजु माधघन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलर

तारीख : 30-3-1984

मोहर 👸

प्ररूप बाइँ, टी. एंन., एस,,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मधीन स्पना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगसूर

बंगलूर, दिनांक 29 मार्च 1984

निवेश सं० सी० आर० 62/39038/83-84---यतः मुर्झे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करवे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- र. स नाधक हैं

श्रीर जिसकी सं० 21 है, तथा जो डिफेंस कालोनी, एथ० ए०
एल० II, स्टेंज, इंदिरानगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे
उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक अगस्त, 1983
को पूर्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के द्ध्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूख्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्
प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया
प्रतिफल, निम्नीसिवत उद्विवयों से उक्त अन्तरण सिवित
में वास्तिक रूप से किंभत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से शुद्द किसी आय की आंब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्रीमती जनक मूर्ति, नं० 6, l मैन रोड, जयामहल एक्सटेंशन , बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एन० पी० कल्पाकावल्ली ईश्वर निवास पद्माप्पा, गारडन. बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कून्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरों के पास सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नप्स्पी

(दस्तावेज सं० 1332/83-84 विनाक अगस्त 1983) सम्पत्ति है, जिसका सं० 21, जो डिफैस कालोनी, एष० ए० एल०, II स्टेंज, इंदिरानगर, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 29-3-1984

माहर 🛭

प्ररूप आहें , दी. एमं . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 मार्च 1984

निदेण सं० मी० आर० 62/39009/83-84---यतः मुझें, मंजु माध्यन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 704 है, तथा जो VII मैन एच ए एल II स्टेंज, इन्दिरा नगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कभी करने या उससे वजने में स्विभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिचित व्यक्तिमों, अधीत :— (1) श्रीमती गौरम्मा | नं० 700, एच० ए० एल० II स्टेज, इन्विरा नगर, बॅगलूर-38 ।

(अन्गरक)

(2) श्री एस० सैय्यद अलीम, नं० 18, कन्निगहाम रोड, बेंगलुर।

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनसची

(दस्तावेंज सं० 1120/83-84 विनोक 1-8-83) सम्पत्ति है, जिसका सं० 704, VII, मैन, एव० ए० एल०-II स्टेज, इन्दिरा नगर, बंगलूर में स्थित है ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 19-3-1984

मोहर :

प्ररूप शाई, टी. एन्. एस.-----

नायंकार म्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिमांक 21 मार्च 1984

वंगलूर, दिनाक 21 माच 1984

मिदेश सं० सी० क्षार० 62/39026/83-84--यतः मुझे, मंजु माधवम,

शायकरे अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के लधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित वाजर मूक्स 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 9 श्रीर 72 है, तथा जो बन्काराहरूली, होलाबनाहरूली होबिल कोगटागेरे तालुक, तुमकूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोगटागेरे में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-चिक रूप से कारति नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के सिए;

बतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण जो, मी, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्मसिविद व्यक्तियों, जभीत है— (1) श्रीमती सी० एन० अध्यात नारायण मेट्टी, नं० 178, वाह०, III क्लाक, बारयाम सर्केल, राजाजीनगर, बेंगसूर-10 ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० के० राधाकृष्ण, सन/आफ बन्डिमने कारे रंगप्पा, निम्मानाहल्ली, चिक्कानावाकनाहरूली तालुक ।

(अन्सरिता)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोच्छ सम्मत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियों कारका हुए ।

ब कर सम्पत्ति के कथन के सम्बन्ध में कोई बासेप्य-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

(बस्तावेज सं० 527/83-84 विनांक 20-8-83) सम्पत्ति है, जिसका सर्वे सं० 9 भौर 72, गो बन्काराहरूली होबलि, कोगटागेरे तालुक, तुमकूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

> मृंजु माभधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 21-3-1984

भोहर

प्रकृष् भार^क् द**ी**ं एक_ं एस्,-----

नायकर निमित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वना

भाउत स्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1984

निवेण सं० सी० आर० 62/38967/83-84-- यतः मुझे, मंजु माधवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 16, 17, 18 तथा 18/1 है, तथा जो 4 कास, गांधी नगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का: 16) के अधीन, दिनांक 22-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिता की गई हैं और मुक्ते यह विश्वस्स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बौर्/या
- (च) ऐसी किसी जाय या जिल्ही भन वा जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, डिपाने में सुविभा के दिसए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा— (1) श्रीमती एवा आरे एव्यान्गार, नं 18, 4 कास रोड, गांधी नगर, बेंगलुर—9

(अन्तरक)

(2) मेसर्स स्वरूप रानि फाउम्डेशन्स प्रा० लिमिटेड, स्वर्रूप भवन, एस-1718, II स्टेज, राजाजीनगर, बेंगलूर-10, रेप्रसेंन्टेड, वाई उसका प्रेसिडेंट श्री के० वि० नारामन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ण) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यमा है।

जन सची

(दस्तावेज सं० 1499/83-84 दिनांक 22-8-83) सम्पत्ति है जिसका सं० 16, 17, 18 श्रीर 18/1 जो 4 क्रास गांधी नगर, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

विनांक : 26-3-1984

मोहर ः

प्रकल् नाही. दी: एन. हत.-----

आयकर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज बंगलूर बंगलौर, दिनांक 26 मार्च 1984

निवेश सं० सि० आए० 62/39011/83-84--यत: मुझे मन्जु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हो

स्रौर जिसकी सं० 8 स्रौर 9 (139/1 में) है, तथा जो वोम्लूर लेक्षाउट (भगत सिंह नगर, बेंगलौर डिवीजन नं० 51 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय णिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं। उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतामें, अधीत् :--- श्रीमती एस॰ पी॰ शारादम्मा, 165, दोश्लूर, बेंगलुर।

(अन्तरक)

 डाक्टर मोहम्मत अकाशीम जोसफ वालिस, रेप्रैसेंटिड वाई० आर० की० कुरज, 399, कोरामंगला, बेंगलूर। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वत्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय अर्थ दिया गया है।

बनसूची

(दस्तावेज सं० 1177/83-84 तारीख 8-7-1983) सम्पत्ति है जिसका सं० 8 श्रीर 9 (139/1 में) जो दोमलूर लेखाउट, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधयन, मक्षम अधिकारी सहायक अ।यकर अ।युक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, बंगसूर

तारीख: 26-3-1984

माष्ट्र 🛭

प्ररूपं आहें . टर्डि., एन् , एस .-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर बंगसूर, दिनांक 26 मार्च 1984 निदेश सं० नोटिस नं० 38966/83-84:--यतः मुझे, मंजु माध्ययन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे धसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गाए हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

अौर जिसकी सं 15/5 है, तथा जो I मैन रोड, गंगेनाहल्ली हे ब्बाल, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 अगस्त, 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर्म के व्हर्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्हर्यमान प्रतिफल से, एसे व्हर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरक लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरक लिए तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अपनी करने या उत्तर बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिटी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्न लिखित व्यक्तियों, अधीत :--- श्री जे० निक्तर सन/म्राफ लेट श्री जोसफ नं० 15/5
 मैन गंगेनाहल्ली हेम्बाल, बंगलूर-32।

(अन्तरफ)

 श्रीमती ग्रेस कमला, पान्डयन नं० 28/489, बेंगलूर रोड, अनन्तपुरा, ए० पी० i

(अन्तरिती)

को यह स्वा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पंति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जर सर्ची

(दस्तावेज सं० 1511/83-84 सारीख 31-8-83) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 15/5 जो 1 मैन रोड, गंगेनाहरूली, हेडबाल, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधधन; सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर।

ता**रीख: 26-- 3--8** 4

मोहर 🛭

प्ररूप माई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैगलूर
बंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1984
गोटिस सं० 39040/83-84:—यतः मुझें मं
माध्यन

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 47 हैं, तथा जो कब्बन रोड क्रास सिविल स्टेंगन बैंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इस से उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीक्सी अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीक्सण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-8-1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित अपिक्तियों, अर्थात् :--- श्री आर० एन० कृष्णमूर्ति, नं० 49/21 गोबिन्दणः रोड, बसवनगडी, बैंगलर।

(अन्तरक)

2. श्री टी० के० प्रसन्नकुमार, श्री टी० के० विनोद कुमार, नं० 48, कब्बन रोड, म्युनिसिपल डिबीजन नं 59, बैंगलूर।

(अन्तरितीः)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित दूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्त्री

(दस्तावेज सं० 1396/83-84 तारीख 31-8-83) सब सम्पति है जिसका सं० 47 जो कब्बन रोड म्युनिसिपल डिवीजन नं० 59 बैंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **बै**गलूर ।

तारीख: 26-3-1984

प्ररूप बाद . टी. एन . एस . ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 29 मार्च 1983

निर्देण सं॰ नोटिस नं॰ 41218/83-84:--यत: मुझें, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 1025 हैं, तथा ओ एक ए० एल II स्टेंज, इन्दिरा नगर बंगलूर-38 में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विध्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके दश्येमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिनिस मे वास्तिमक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाद की वायस, दयस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिक्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मं, मं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, नृष्ति :---

- 1. श्री श्री० के० सुभ्रमण्यम, सन/आफ वडिवेल, नं० 125, VI ऋम II स्टेज, इदिश नगर, बेंगलूर। (अन्तरक)
- 2 श्रीमती वसन्ता नग्जप्पा वैफ/आफ श्री ए० पीठ नन्जप्पा, नं० 552, 16 श्राम, II स्टेज इन्दिश-नगर, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीकत सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यनाहियों करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की पारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भौतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्थव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

वन्त्र्यो

(यस्तावेज सं० 1236/83-84 तारीख आगस्त, 83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 1025 जो एच० ए० एल० II स्टेंज, बेंगलूर में स्थित हैं €

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 29-3-1984

शक्य बार्च. टी. एन. एस. ------

शायकाः अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन मुचन

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1984

निर्देश सं० नोटिस नं० 735/ 83-84:—यक्त: मुझे, श्रीमती मंजु भाधवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परेचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार बुस्थ 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० आर० एस० नं० 138/1, है, तथा जो गंजीहाल ग्राम में स्थित है (ग्रौर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, डुनगुंद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के बाधीन, तारीख 22 बागस, 1983

को पृत्रों कत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वों वत सम्परित का उचित बाजार मृत्य उत्तर इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की नागत, उक्त गाँधनियम के अधीन कर योगे के अम्तरक के गाँधरण में कमी करने या खबतें वचने भें सूर्विधा भी जिए; गाँग/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से स्विभा के बियर;

जतः अव, उक्त विभिन्नमं की धारा 269-गं के अनुब्रक मी, मी उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षात् ह—— 63—46GI/84 भी अन्यासाहेब कृत्याराज सङ्गीरसाय शेस्ट गंजी-हाल, ताल्क इनगंद, जिला बीजापुर ।

(अन्तरक)

अी चन्नणा चनमलस्या कोलप्यनवर आर भ्रो गंजीहाल ग्राम, ताल्क डुनगुंज, जिला बीजापुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिए कार्यग्राहियां करता हुं।

उनत सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्मृजना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जन्मि सा तत्त्वस्थान की तारीख के स्वाप्त की तारीख के स्वाप्त की तासील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उस्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त् वर्षिनियम, ने वध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याद में दिखा नवा है।

अमृस्ची

(बस्तावेज मं० 628/83-84 तारीख 22-8-1983) शेलकी जमीन जिसका आर० एस० नं० है 138/1 जमीन गंजी हाल ग्राम. इनगुंद तालुक में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्तम प्राधिकाणी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलुर।

मारीब: 26-3-19\$4

मोहरू 🥫

प्रस्प बाहाँ . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 26 मार्च, 1984 निर्देश सं० नोटिस नं० 736/83-84:—यतः मुझे श्रीमती, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है")., की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० आर० एस० नं० 633/2 2 ए है, तथ जो जमखण्डी, जिला बीजापुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जमखण्डी में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्विक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित र दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथिय। नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएव मों कभी करने या उससे बचने मी सियधा के लिए: और/धा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्टियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, एक्स अधितियम की धारा १६०-ग के अवसरण माँ, माँ, उक्त अधितियम की धारा १६०-ए को लुक्तास (1) ् को स्रधील, तिम्नलिणित स्योकस्यों, सर्धातः —— श्री गमग्रदीन शेदुसाहेब आवनी आर/यो जमलण्डा.
 जिला बीजापुर।

(अन्तरक)

 श्री गुक्ताथ पुक्रणोत्तम बाखे आर/श्रो बाटवे वाडा मेन रोड, जमखण्डी, जिला बीजापुर 587301। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 3(दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी व पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा था उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1148/83-84 ता० 2-9-1983) श्रोतकी जमीन जिसका आर० एस० नं० है 633/2B+ 2 ए जमीन जमखण्डी तालुक, बीजापुर जिले में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 26-3-1984

प्रस्प आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कामलिय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1984 सं० नोटिस नं० 737/83-84:---यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंद्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मर्वे नं 434/2 है, तथा जो उलकट्टा, तालुक चिलापुर, जिला गुलबर्गा में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जिलापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-8-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उच्चेंद्र्य से उक्त अन्तरण निम्लिखत से संस्कृतिक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण म हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसित व्यक्तिमों, अर्थात् —

- शी कैलाश सन आफ देवप्पा दण्डीइण्डे बार/प्रो बाडी (जे०एन०) तालुक चिलापुर, जिला गुलबर्गा। (अन्तरक)
- 2. श्री मास्टर पंडित एम/जी श्री महदेव सन आफ शिवराय आर/ग्री वाडी (जेन) तालुक चिलापुर जिला गुलवर्गा।

(अन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके पृथिक्त संपर्शित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्तर संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (स) इस सूचना कं राजपथ में प्रकाशन को तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपोक्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकीन।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और ५दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यगस्यी

(दस्तावेण सं० 897/83-84 तारीख 30-8-83) शेतकी जमीन जिसका सर्वे नं० है 434/2 जमीन हलकट्टा, तालुक चिलापुर जिला गुलबर्ग में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 26-3-1984

ं अरूप जाईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 26 मार्च, 1984

सं नोटिस नं 738/83-84.-- अतः मुझे, श्रीम मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहत से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 434/2 है, तथा जो हलकटा ग्राम, तालुक जित्तापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है,) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जित्तापुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथम्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं शुर्क किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (ए957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूनिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिंस म्यक्तियों, अधीत् ---

- श्री कैलाश सन पुत्र देवप्पा दण्डीहण्डे निवासी वाडी (जेन०)-तालुक--चित्तापुर जिला गुलबर्गा! (अन्सरक)
- थः मास्टर शिवपुत्र नावालिंग श्री महादेश पुत्र शिव राय निवासी वाडी (जेन्) तालुक-चित्तापुर किला गुलवर्गा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि माद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में से
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्पाक्षरी के पास तिकित में किमे जा सकरी।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेण सं० 896/83-84 तारीख 30-8-1983) कृषि जमीन जिसका सर्वे नं० 434/2 है और जो हलकट्टा तालुक-जित्तापुर, जिला--गुलवर्गा में स्थित है।

> श्रीमती मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

मारीख: 26-3-1984

प्ररूप आइं.टो.एन.एम.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 के 4%) का काल 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय , महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक ७६ मार्च, 1981

स० नोटिस नं० 739/83-84---यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवेन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वान कारने का सारण है कि स्वाप्तर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार प्रवस 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० है तथा जो साँता इनेज पणजी तालुक तिसवाड़ी सब डिस्ट्रिकट इलहास गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप ने बणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिवारी के कार्यालय, इलहास गोवा में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10 अगस्त, 1983

को पूर्नेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम क दश्यसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उयत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबन, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में समिषा के लिए;

क्तः त्रनः अक्त अधिनियम की भाग 269-ग के जनुसरण हो, भी अक्त क्षितियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीम, निम्मलिकित स्पवित्तयों, अर्थातः :--- (1) श्री जोमे दिनिज (2) श्रीमती मारीया जोझाना दिनीज (2) श्री पेट्टो दिनोज (4) श्रीमती गंजा पाइडाई दिनीज द्वारा श्रीमती मारीया जोझाना दिनीज (5) श्री लुईस गोनसालो दिनीज (6) श्रीमती प्लोरेंटीना दिनीज (7) श्रीमती जाक्यूना क्यामील टेक्सेरिया (8) श्री कामीली टेक्सेरीया सभी निवासी बेन्युलीम तालुक सालसीटी, जिला-गोग्रा।

(अन्तरक)

2 श्री णेक लियाकत अली निवासी सन्ता इनेस पण्जी, गोवा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए जामवाहियां करता हा।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तलाम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जर सकेंगे।

स्पट्टोक रण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो अक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वरुस्वी

(दस्तावज म० 519 तारीख 10~8-1983) मपत्ति जिसका नाम है ''श्रीजीयो डेनानोमीनाडो ज्यौनों'' संपत्ति सन्ता इ नेम पणजी, तालुक तिसवाडी सब जिस्ट्रीकट इस्हास गोवा में स्थित है।

> श्रीमती मजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी राहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ग्रंगसूर

तारीख: 26-3-1984

प्ररूप भार्च, टी. एन्. एस .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज(1) के अभीन स्चना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बगलूर, बिनाक 26 मार्च, 1984

सङ नोटिस नंद 740/83-84:----प्रथा मुझे श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 75,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो डाबोरलीम. में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सामसीट गोवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्सविक रूप से कथिस नहीं किया पया है:--

- (क) अन्तरण में हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के अधित्य में कानी करने या उससे जभने में सुनिधा के लिए; आर/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितया को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण को अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निय्नीसिक व्यक्तिकींऽ अर्थात् ह—

- (1) श्री नेसेसीडाडे अफोन्सो (2) श्रीमती अलेगजेंड्रीन विगास आर/श्री० बोंडोरीम द्रामापुर गोवा। (अन्तरफ)
- 2. (1) श्रीमती सोफीयाबी पत्नी शेख अब्दुल करीम
 - (2) श्री शेख अन्दुल करीम, आर/मो० मारगाम्रो, गोर्या।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्संप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

यगस्त्री

(दस्तावेज सं० 1199/83-84 तारीख 22-8-83) संपत्ति जिसका नाम है "मोरोड्डा" (प्लाट नं० 5) डावोलीम ग्राम में स्थित है।

> मंज् माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

ता**रीख**ः 26-3-1**984**

मोहर 🛭

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्**म**ना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मार्च, 1984

सं० नोटिस नं० 741/83-84, यतः, मुझे, श्रीमती मंज माधवन,

मायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रु. से अधिक है

ग्रीर जिमकी मं० □ है तथा जो संता इनेज पणजी तालुक (निसवाडी सब डिस्ट्रिक्ट इलहास गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलहास गोवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-8-1983

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों का जिल्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सृविधा के लिए;

1. (1) श्री जोसे दिनीज (2) श्रीमती मारीय जोजाना दिनीज (3) श्री पड़े। दिनीज (4) श्रांमती रोजा पिडाडे दिनीज । श्रीमती मारीया जोजाना दिनीज (5) श्री लुईंस गोनमालो दिनीज (6) श्रीमती प्लोरेटीन दिनीज (7) श्रीमती जाकीना कार्माल तेकसीरा, सभी निवासी बेनालीम, सालुक—सालसीट, जिला, गोवा (8) कामीलो तेकसीरा, निवासी बेनालीम, सालुक—सालसीट, जिला, नावा (8) कामीलो तेकसीरा, निवासी बेनालीम, सालुक—सालसीट, जिला—गोवा।

(अन्तरकः)

 श्री गोक लियाकत अली। निवासी भाता इनेज, पणजी गोवा।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथीयत संपत्ति के अर्जन के लिए आर्थवाहियां करता हों।

जनत सम्परित को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सविधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इरामे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

(दस्तावेज सं० 518/187 तारीख 8-8-1983) संपति जिसका नाम है "प्रेडीयो डेनोमीनाडो अरबानों "डी कासस" संपत्ति साता इनेझ, पणजी, तालुक तिसवाडी, सब डिस्ट्रीक्ट इल्हास गोवा में स्थान है।

> श्रीमती मंजु माधवन राक्षम प्राधिकारी, राहायक **क्षा**यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

अत: अच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की रणधारा (1) के अधीन, निम्निशिखित व्यक्तियों. अधीन: ----

तारीख: 26-3-1984

प्रमुप आहु^र स्त्री एन् एस --- (5) कसारी वंगापुरमा सपन्नी सुर्घात कर्म

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सुबना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अंगल्र

बंगलूर, विनांक 26 मार्च, 1984

नोटिस सं० 742/83--84:---- मुझे श्रीमती मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ऋ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 27 है, तथा जो महापुर गुलबर्गा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण, रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय गुलबर्गा डाकुमेंट सं० 1639/83-84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफास को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापनिका समित का किए जाता है। जाता का पत्रह कि प्रधापनिका समित का किए जाता है। जाता प्रतिफाल को पत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर क्षेत्र अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 77) की प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना था, छिपाने में मुनिया के निए.

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती मल्लम्मा पत्नी देवेन्द्रप्पा उर्फ गोपालराव दप्पाल झार/श्रो ब्रह्मपुर गुलश्रगी।

(अन्तरक)

- (1) श्री अशोक कुमार सन आफ त्काराम, मनोकर आर/श्रो भोई गली गुलबर्गा।
 - (2) श्री जरूणकुमार सन आफ तुकराम मनोकर भोई गली गुलबर्गा।
- (3) श्री तुकाराम भग आफ जालजी मनोकप आर/श्रो भोई गर्ला गुलबर्गा।
- (4) श्रीमती नरसम्मा पत्नी तुकाराम मनोकर आर/श्रो भोई गल्ली गुलबर्गा।

- (5) क्रुनारी वंगाएम्ना सुपुत्री सञ्चोक क्रुनारमनोकर एन/जी णगीकपुत्तार वकाराम सर्वोक्तर आर/भी भीई गली गुलनर्गा।
- (6) अक्ष्मीकांत सन आफ अशोक कुमार मनोकर एम/जी अशोककुमार तुकाराम मनोकर आर/ग्री भोई गल्ली गुलक्षमां।
- (7) श्रीमती तुलाजम्मा पत्नी अरूण कुमार मनोकर आर/श्रो भोई गल्ली गुलबर्गा।
- (8) श्रीमती जीजाबाई पत्नी अशोककुमार मनोकर आर/श्रो भोई गल्ली गुलबर्गा।
- (9) श्री सैबण्णा सन आफ देवेन्द्रप्पा उर्फ गोपालराव इप्पल गुलबर्गा।
- (10) श्री हेमन्त मन आफ देवेन्द्रप्पा उर्फ गोपाल राव दणल आश्रश्रो ब्रह्मपुर गुलवर्गा।

्(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृर्वीक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळकिरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया हैं!

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 1639/तारीख 2-8-1983) जमीन जिसका मर्वे० नं० है 27,4 एकड़, श्रीर 33 गुंठा जमीन ब्रह्मपुर, गुलबर्गा में स्थित है।

> ं मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर।

सारी**ख**: 26-3-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.,------

नायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 मार्च, 1984

नोटिस नं० 734/83-84---- प्रतः मुझे श्रीमती

मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 192 है, तथा जो गदग बेटा गैरी कसवा गदग में स्थित (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय गदग में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 19-8-1983

को पूर्वोवत सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया एका है:---

- (क) जन्तरण से हुए किसी जाव की वावत, बक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों ने , जिन्हें भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के किए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मे-. मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— । 16—46GI|84. 1, (1) श्री शरणप्पा वीरू, मुदेनगृडी, कोटन, मार्केट रोड गदग

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री फकीरप्पा हनुमप्पा तलवार श्रार/श्रो० वेटगेरी
 - (2) श्री सुरेश शिवप्या नरेगल शाहपुरपेट गदग
 - (3) श्री हनुमप्पा फकीरण्पा तलबार उर्फ नामक श्रार/स्रो० बेटगरी कुराट्टी पेट तालुक गदग
 - (4) फकीरप्पा हनुमप्पा तलकार उर्फ नायक बेटगेरी तालुक गदग

(थम्तरिती)

को यह सूचना बादी करके पूर्वांक्य सम्परित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

ंडक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों शीर पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होता के उस अध्याय में दिया गया है।

ननुस्यी

(दस्ताबेज सं० 991 ता० 19-8-1983) खेत की जमीन रिजस्टर ऊपर पास नं० है 192 जमीन गदग बेटगटी कसवा मांदम कलसापुर रोड नदम में स्थित है।

> मंजु माधवन् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीब : 20-3-1984

मोहर 🕄

प्रक्य नाही ही प्रा. -

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्यन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 6 मार्च, 1984

नोटिसनं ० 728/83-84-यतः मुझे श्रीमती मंजु माधवन भायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंड्रॉनें इसके पश्चात् 'स्वतः मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अभीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृज्य 25,000/-रत. संगीधक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 2/2 है, तथा जो गाँव एक्सोसिम इल्हास गोवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इल्हास में रिकस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, ता॰ 24-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित काषार मृत्य से कम को उरुयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित की उर्थित बाजार मुख्य, उसके व्ययमान प्रतिकल से, ऐसे व्ययमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक ही और बन्तरक (अंतरकाँ) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया नवा है है---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त विध-नियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के सिए; गर∕या
- (क) एोसी किसी काय या किसी भन वा अन्य शास्तियों का, जिन्हें भारतीय सायकर संधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मीधुनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का '27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भावाकिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिरिक न्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) 1. श्री मोर्टी केशव भंडारे लक्मी एम० मंडारे, मार/भो० क्षोना पोला,

इसहास गोबा

(ग्रन्तरक)

(2) सेंड में ब्यूस क्लब घाफ एक्सोसिम प्रेसीडेंट मिस्टर पी० फरनोडस, एक्सोसिंग इल्हास, गोवा

(बन्तरिती)

का बहु ब्याना कारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाद्यियं करता हूं।

बक्त सम्पति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप2---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की बनीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वाराह
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा वधाहस्ताक्षरी 🕏 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिक्ताः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ਰਥਰ है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 627/83-84 सा० 24-8-83)

खला जगह जिसका सर्वे नं ० है 2/2, संपत्ति एक्सोसिंग ग्राम पुराना गोवा, एक्सोसिय रोड, इल्हास गोवा ।

> मंजु माधवम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलर

तारीख: 6-3-1984

प्ररूप आहं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलुर, दिनांक 6 मार्च, 1984

निर्वेश सं० 729/83-84—यतः मझे, श्रीमती मंजुमाधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- व के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर समंति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ज्ञाला नं 1 से 7 है तथा जो भ्रात्माराम रोड पणाजी गोवा में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय इल्हास में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन ता 6-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) 1. श्री बामोदर विनायक महात्मे 2. श्रीमती कुंदा वामोबर महात्म श्रार/श्रो पणजी गोवा

(अन्तरिक .

(2) मैं० कामत रियल एस्टेट खेवलपर्स पारटनरिशप फर्म जिसका कार्यालय इंद्रा प्रपार्टमेंट, सिरानी ग्रलबुकर्क रोड पणजी गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्रक्किरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जे उस कथ्याय में किया गया है।

अनुसूची

(वस्ताकेज सं० 517/83~84 ता० 6—8-83) सम्पत्ति जिसका चलता नं० 1 से 7, संपत्ति का नाम है "सोनार बट्टा" भ्रात्माराम बोरकर रोड पणजी गोवा में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्रिष्ठि सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर

तारीख: 6-3-1984

नोहर ः

प्ररूप नाइ ै.टी. एन. एस : ------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-न (1) के नभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 मार्च, 1984

नोटिस नं० 730/83-84---यतः मुझे, मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 177 श्रीर 178 है, तथा जो हेमक्की ग्राम कलसा होबली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मडीगिरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ता० 16-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जेचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिस्बित में शस्तविक रूप से क्यार गहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी बाब की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृतिभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोज-नार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को लिए;

भतः जन, उक्त अधिनियम भी भारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती गंगम्मा कोफी प्लांटर, गावम्मने एस्टेट हेमक्की ग्राम, कलसा, मुडीगैरे तालक विकमंगलूर जिला

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रारोजम्मा कोफी प्लांटर सुलीमाने एस्टेट हेमक्की ग्राम, कलसा, मुडीगेरे, तालुक चिकमंगसूर जिला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ंडक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में को**र्ड भी वाक्षे**प :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील भेरे 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्वकाकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 363/83-84 ता० 16=8-83) कोफी त्यांड जिसका सर्वे नं० है 177 और 178 संपत्ती हेमक्की ग्राम, कलसा होबली, मुडीगेरे तालूक में स्थित है।

> भंजु **माधव**न सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्**त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बंगलुर

तारीख : 15-3-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सारकार

कार्यासय, सहायक भायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगसूर, दिनांक 5 मार्च, 1984

नोटिस नं० 731/83-84-यतः मुझे श्रीमती मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 14/1 है, तथा जो गाडीकोप्पा ग्राम, कस्बा हुबली शिमोगा तालुक में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शेमोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 3-9-1983

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मैं केमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन, निम्निनिसत व्यक्तियों, अधित :----

- 1. (1) श्री के० वाई० पवार उर्फ के० यशवन्ता राव पव
 - (2) श्री अशोक राव पवार
 - (3) ईश्वर राव पैवार
 - (4) कुमारी पुष्पाबायी सुपुत्री श्री के बाई व पवार आर/ओ । कास संड टैक मोहल्ला शिमोगा
- शांतिनिकेतम सोसायटी ग्राम सी० बी० एस० आश्रम बंगलीर होनावर रोड शिमीगा, रिप्रजेंटेड बाई० प्रेसीडेंट फादर जोसेफ पूपीलिल

(श्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्टेंगे

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

(दस्तावेज सं॰ 1816/83-84 ता॰ 3-9-1983) खेल की जमीन जिसका आर॰ एस॰ नं॰ है 14/1 जमीन गाडीकोप्पा ग्राम कसवा हुबली शिमोगा तालुक में स्थित है।

> मजुमाधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, बंगलूर

तारीख: 5-3-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक गामकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 15 मार्च, 1984

नोटिस नं ० 732/83-84-यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अभिक ही

ग्रीर जिसकी सं सी० टी० एस० नं 1277 है, तथा जो नागागेट्टी कोप हुदली ब्लाक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में अीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुबली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 5-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के करवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जान की वावत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए: और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्रह्म: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण मीं, भीं, उस्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) **क** अधीन नि≭नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३——

1. श्रीमती एन० बी० नरेमल विद्यागिरी धारवाड

(अन्तरक)

- (1) श्री मुकेश कुमार धीरजलाल शाह
 - (2) श्री दीपक कुनार धीरजलाल शाह
 - (3) ललितकुमार प्रमोद राय शाह
 - (4) श्री राजेंश कुमार प्रमोद राय शाह
 - (5) श्री गिरीशकुमार प्रमोद राय शाह आर/मो महब्ब नगर हबली

(अन्तरिती)

को यहस्चनाजारीकरकेपूर्वोक्त सर्म्पात्तकेवर्जनके निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी वाक्षेप ु--

- (क) इस सुभाना के राजपत्र में प्रकाशन की **तारीच से** 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यागः;
- (ख) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारी**ख से** 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1063/83-84 ता० 5-8-1983) भंपत्ति जिसका सी० टी० एस० नं० है 1277 । सम्पत्ति नागाशेट्टी, हुवली तालुक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्ष**ण) ्अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 15-3-1984

मोहार 🖫

प्ररूप भाइ. टी. एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्वेश सं० 733/83-84---यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन्,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 5161/9 श्रीर सर्वे नं० 86/2/2 है, सथा जो अयोध्या ट्राम, हुबली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुवली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-8-1983 को पूर्वोभित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्तक श्रियमान प्रतिफल का पत्तक प्रतिमात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी गांव की शावत, उक्त विभिन्नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी काय या किसी भन या जन्य जारिसकों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म कौ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्रीमती जैतुनबी बा०/आ० बुडनसाव कौलगेरी श्रोहड हुबली, कृष्णापुर, हुबली।

(अन्तरक)

 श्री अफण सन ग्रॉफ संकष्पा अण्णीमेरी, एम/4, संकष्पा तवनप्पा अण्णीगेरी, आर०/ग्रो० विद्यानगर, हबली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के जुर्वन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संविध, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपात्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसभी

(दस्तावेष सं० 1169/83-84 ता० 19-8-1983) संपत्ति जिसका सर्वे नं० हैं 5161/9 और 86/2/2, संपत्ति अयोध्या ग्राम, हबली तालूक में स्थित है।

> मंजु माधवन् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 15~3-1984

प्ररूप आई टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन स्पृना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 मार्च 1984

निर्देश सं० सि० आर० 62/41194/83-84---यतः मुझे, मंजु माध्यमः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पस्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ ह. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० 275/ए, कारपोरेशन नं० 15, है, तथा जो I मैन रोड़, सगयापुरम, में स्थित है, (फ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-8-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुजिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- नं 219, VIII काम, सगायापुरम, बेंगल्र-5।

(अन्तर्क)

2. श्री हस्तीमल

(2) श्रीमती चंद्रां बाई,
 नं० 5,
 फ्रेंजर टीन,
 बेंगसूर-5।

(अन्सरिती)

क़ो यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में **कोई भी आक्षेप** है---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्त्रम्थन्थी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मरित में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकेंगे।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, गहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वाहाँ।

अनुसूची

(दस्तावेश सं० 1390/83-84 ता० 27-8-83) संपत्ति है जिसकी सं० 275/ए, कारपोरेशन नं० 15, जो I मैन रोड़, सगयापुरम ।

मंजु माधवन् सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

नारीख: 29-3-1984

मोहर 🛭

वक्ष बाइं.टी.एन.एस.....

नासकर निभ्तिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुभीन सुमृता

MICH REPLE

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 21 मार्च 1984

निर्देश सं० सि० भार० 62/39081/83-84--- मनः मुझे, मंजु माधवन्

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी सं० 296 (294/20) है, तथा जो XII कास, विल्सन गार्डन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपा-बढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयानगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-8-1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के स्थमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्त का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल से एसे दृश्यमान श्रीतफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या श्रीतफल, निम्नलिकत उद्वेष्य से उकत जन्तरण लिकित में बास्तर्विक रूप से किंगत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट्र/बा
- (क) एसी किसी नाम मा किसी भन मा अन्य आस्तिमों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः जब, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---- 17.—36G1/84

भी कें द्राधाक्ष्र⁰⁰,
 श्री कें भिलागेशन,
 नं 294/20, 12 कास,
 त्रिणसैन गार्डन,
 नेंगलूर-27।

(अन्तरक)

श्रीमती एस० माजि,
 बाइफ/भाफ श्री बार० सरदार,
 नं० 5, शिवाजी सर्कल,
 बेंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सन्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के दे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की अवधि, को भी वचिष नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुची

(दस्ताबेज मं० 1885/83-84 ता० 25-8-83) सम्पत्ति है जिसका मं० 296 ($^{1}294/20$), जो XII कास, विलसन गार्डन, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधयन् सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख , 21-3-1984

माहर :

प्ररूप मार्द्र, टी. एन .पुस ., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृष्णा

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वेंगलूर वेंगलूर, दिनाक 19 मार्च 1984

निर्वेश सं ० मि० आर० 62/39036/83-84--यतः मृझे, मंशु माधवन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,900/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 716, है तथा जो VIII मैन, एच० ए० एल० II स्टेंज, इंदिरानगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, णिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-8-1983

की पूर्वीक्त संपितित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्फ (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वान्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी, भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

श्री टी० ए० सूर्यानारायण राम,
नं० 264, VII क्रास, 1 ब्लाक,
ज्यानगर, बेंगलूर-11।

(अन्तरक)

2. श्री लूइस डामिनिक गनस्लेयस,
मैसरी सिनतिया लियोनिन गनस्लेयस,
पि० ए० होलंडर रा० जे० लस्राडो,
नं० 22, माग्रस रोड़,
बेंगर्लुर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्ति के अर्जन के जिए कार्यगाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी कन्य क्यक्ति द्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ति।

स्पच्छीकरणः--इसमें त्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्त नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिवा गया है।

नन्स्थी

(वस्तावेष सं० 1278/83-84 ता० 20-8-83) सम्पत्ति है जिसको सं० 716, जो VIII मैन, हेच० ए० एस० II स्टेज, इंदिरानगर, बेंगसूर में स्थित है।

> मंजु माधवन् सक्षम **माधिनारी** सहाय**क अ**ध्यकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वेंगलूर ।

तारीख: 19-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. -----

नायकर नौधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

बैंगलूर, दिनांक 19 मार्च 1984

निर्देश सं० सि० आर० 62/39004/83-84---यतः मुर्झे, मंजु माधवन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 341 है, तथा जो विश्वामंगला, I स्टेज इंदिरानगर, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-8-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अद देने के अन्तरक के बायित्व में कमी अदने या उससे वचने में त्रीवधा के सिए; और/या
- (च) एंची किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः असः, उनत निर्मानयम की भारा 269-ग के नमुसरण में, में, उन्त अभिनित्सम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्मात् क्ष— श्री टि० एंन० नरेन्द्रा रेड्डी, नं० 1/11, अलसूर रोड़, बेंगलूर-42।

(प्रन्तरक)

श्री जोसेफ मोरास,
 (2) एडना मोरास,
 नं० 12, बेनसन क्रास रोड़,
 बेंगसूर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिता में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्वी

(दस्तावेज सं० 1163/83-84 ता० 8-8-83) सम्पत्ति हैं जिसको सं० 341, जो बिन्नामंगला 1 स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलुर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) **अर्जन देंज,** बेंगलुर

तारीख: 19-3-1984

नोहर 🛭

प्ररूप आर्च. टॉ. एम.- एस.-----

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारतः सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 21 मार्च 1984

सि० आए० 62/38965/83-84 — यस: मुझे, मंजू माधवन,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का खरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

अपीर जिसकी सं० 16/65, है तथा जो बेनसन क्रास रोड़, बेंगलूर में स्थित है (और इससे श्रन्बद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, गांधिनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पित के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अंसरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्र प्रतिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण के हुई कि की आभ की वाबत, उसत निविध्य के स्थीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य के अर्थी करने ना अव्यक्त करने में कृतिभा के जिए; और/वा
- (स) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, आ धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निकासिकित व्यक्तियों, अभीन :---

श्री आर० जयारामन,
नं० 2~2~647/225, सेंट्रल,
एक्सटैंसन कालोनि,
भाग श्रंबरपेट,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री के० कुरियन,
 केयर आफ मेसर्स एस० जनारधन एंड कम्पनी (बेंगलूर),
 नं० 5, म्द्रा प्रसाध,
 नेहरू नागर, नेहक सर्कल,
 बेंगलूर-20

(अन्तरिती)

चां यह सूचना चारी करकं पृक्षींवस सम्बन्ति के अर्जन के अवस् कार्यवाहिया करता हूं।

उन्तर सम्पर्तितः के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्रः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकावन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्प किसी जन्म स्थित व्वारा अधोहस्ताकारों के पास चिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—-इससं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, को अध्याय 20-क़ में यथा परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यी

(दस्सावेज सं० 1449/83~84 ता० 18-8-83) सम्पत्ति है जिसका मं० 16/15, जो बेनसन कास रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मजु साधवन संक्षाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

नाराख: 21-3-1984

मोहर 🚁

प्ररूप बाइं. टी. एन. एव.----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-व् (1) के अभीत सुचना

भारत बरकार

का**यीलय,** सहायक आयकर आयुन्त (निरी**क्षण) ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली**

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-भ्रार०-3/9-83/302--श्रतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थावर त्रिक्ष जिसका उधित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं एम-3, है तथा जो एन डी एम ई-11, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितौ (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंशरण से हुई किसी बाय की बायत, उच्च बीधीन्यम के अधीन कर दोने के अंत्रक की बाबित्व में कमी करने वा उद्युखे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भून या बन्य बास्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंगरिती द्वारा प्रघट नहीं किया गया भा या किया जाता बाहिए था, श्रिपान में सुविधा के सिए;

(1) श्री हरी सिंह सुपुत्र एस० नवनिहाल सिंह ग्रीर श्री शमशेर सिंह मुपुत्र एस० हरी सिंह, निवासी-ग्राम-श्रीर पो०-डाबरा, तहसील भ्रीर जिला--हिसार,

manager of the second of the s

(2) श्री प्रवीप कुमार जैन,
मुपुत्र श्री महिन्दर कुमार जैन,
निवासी ई-41, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली,
श्रीर श्रीमती उमा श्रग्रवाल,
पत्नी श्री बृज बिहारी श्रग्रवाल ग्रीर,
सुपुती श्री सुखमेल चन्द जैन,
निवासी-बी०-47-एन० डी० एस० ई० भाग-1,
नई दिल्ली।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीश से 45 दिस की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्युक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस्त-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अशंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्षीकरण:---इसमें प्रयासत शब्दों और पदों का, को उनक जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय जें दिया गवा है।

वन्सूची

ग्रविभाजित 1/2 भाग प्लाट नं॰ एम-3, एन॰ डी॰ एस॰ ई॰ भाग-2, नई दिल्ली, तादादी 1122 वर्गगज,

यी० के० गुप्सा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्राजन रेंज-3, नई विल्बी

जतः, अब, अक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अधीन, निम्नसि**ष्टि व्यक्तियों, वर्धातः**—

दिनांक: 20-3-19#4

मोहर ᠄

प्ररूप आई. टी. एन. एस,------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज 3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1984 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-श्रार-3/9-83/ 303--श्रत: मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एम-3, है तथा जो एन० डी० एस० ई० भाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकिर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर 1983।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथात नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविजा के किए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अपकर अधिनियम या अपकर अधिनियम, 1957 (1957 दा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री एस० हरी सिंह सुपुत एस० नवनिहाल सिंह, श्रीर श्री शमशेर सिंह, निवासी-ग्राम-श्रीर पो०-डाबरा, तहसील-ग्रीर जिला-हिसार,

(ग्रन्सरक)

(2) मैं हनेम्प प्रोपर्टीण प्रा० लि०, जी-12, न्यू दिल्ली साउथ एक्सटेंशन भाग-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पस्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

^० जनुसुची

श्रविभाजित 1/2 भाग प्लाट नं एम-3, ताबादी 1122 वर्गगज, स्थापित-न्यू दिल्ली साउथ एक्सटेंशन भाग-2, नई विल्ली।

> बी० के० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 3, दिस्ली नई दिल्ली 110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धील :—

दिनांक: 20-3-1984

मोहरः

प्ररूप आर्ह, ही. एन. एसं,------

भायकर भिभित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीत सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 श्रप्रैल 1984

निर्वेश सं ० भ्राई० ए० सी ० / एक्यू ० / 2 / एस० भ्रार० - 1 / 8 - 8 3 / 377 — भ्रत: मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 8/8, है तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध भनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण श्रिष्ठितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक अगस्त 1983

को पूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्वमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा ग्या प्रतिफल, न्मिनिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिलिस में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आरि/या
- (ज) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री बृज जाज मुपुक्ष श्री गनपन राय, निवासी-8/14. पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(क्रजरक)

- (2) श्रीमती कान्ता कपूर पत्नी श्री ग्रार० पी० कपूर,
 - 2. श्री योगेन्द्र कपूर, श्री बलदेव कपूर,
 - 4. श्री कुलदीप कपूर, श्रकाश कपूर सुपुत्रगण, श्री श्रार० पी० कपूर, निवासी--8/8 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

असलकी

1-1/2 मंजिला हाउस, प्लाट नं० 8, रोड़ नं 8, तादादी 275.4 वर्गगज, पंजाबी बाग, एरीया बमईदारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली ।

बी० एस० धवन, संक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 2-4-1984

मोहर 🕄

प्रकप बार्च , टी , एन , एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) शर्जन रेंज 2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 प्रप्रैल 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार-1/8-83/ 378—ग्रत: मुझे, बी० एल० धवन,

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निभिन्यम' कहा गया है), की भारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 71, ब्लाक 'बी' है तथा जो राणा प्रताप बाग, दिल्ली, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1983।

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदमों से उनत अन्तरण जिचित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त निध-अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आग्रेकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत सिंधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के निष्

जतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिकित व्यक्तियों. अर्थातः :---- (1) औं जसबन्त सिंह गैमी, में श्री हेम चन्दर सैनी, निवासी-8/301, मोहत्ला काम्बु कटरा, राहारनपुर, (यू० पी०)।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री श्रोम प्रकाश,
 - 2. हरी प्रकाण,
 - श्री सतीश कुमार सुपुत्रगण श्री पन्ना लाल,
 - 4. श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री श्रोम प्रकाश, श्री शकुन्तला देवी पत्नी श्री हरी प्रकाश श्रीर. श्रीमती शशि रानी पत्नी श्री सत्तीश कुमार, सभी निवासी बी/74, सी० सी० कालोनी, राणा प्रताप वाग, दिल्ली-7.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके क्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध नाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के जाग लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

एक भाग भूमि ताक्षादी 220 वर्गगज, प्लाट नं० 71, ब्लाक 'बी' कोपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लि० दिल्ली राज्य, प्रपोजिट--राणा प्रताप काग, जी० टी० रोड़, दिल्ली।

> बी० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

विनांक : 2-4-1984

मोकर 🥴

1.7

प्ररूप बाइ टी एनं एसं.

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

जारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भाग्वत (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 ग्रप्रैल 1984

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० प्रार०-1/8-83/ 380—श्रतः मुक्षे, बी० एस० धवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार भूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 3136, है तथा जो दिर्या गंज, नई बिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक श्रगस्त 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करते का कारण है कि यथापर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के सिए;

- (1) 1. श्री ज्वाला प्रसाद सुपुत्र श्री महावेष प्रसाद,
 - 2. बद्री प्रसाद,
 - 3. मुकन्दी देवी पत्नी श्री बदरी प्रसाद, निवामी-1052 फाटक मुफ्ती वालन, दिरया गंज तिराया बेरमखा, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रशोक कुमार सैनी सुपुत्र श्री रतन लाल सैनी, निवासी-716 चांदनी महल, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, त्रही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक दुकान ग्राउन्ड फ्लोर प्रो० नं० 3136, बमय तहत भ्राराजी लगभग 18.37 वर्गगज, बमय चबूतरा जो उपरोक्त दुकान के भ्रागे हैं बाक्या तिराया बेरमखा, इलाका नं० 11-वरिया गंज, विल्ली।

> बी० एन० घवन, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 2-4-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, बिनांक 2 श्रप्रैल 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार-1/8-83/ 381--श्रत: मुझे, बी० एल० धवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी मं० बी/22, है तथा जो घादर्भ नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रगस्त 1983

को पृशंकित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके हरयमान प्रतिफल से, ऐसे हरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; आर्थित्या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्त जास्सियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कें अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, वर्षात् [—— (1) श्रीमती कमला गुप्ता पत्नी श्री दत्तन लाल गुप्ता, निवासी डी-13, राजन बाबू रोड़, ग्रादर्ण नगर, विल्ली-33, ग्रीर निवासी बी-4ए/10, ग्रार० पी० बाग, दिल्ली-7,

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती उमा रानी पत्नी श्री मोहिन्दर सिंह, निवासी 12-डी, हकीकत राय रोड़, ग्रादणं नगर, दिल्ली-33,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सीं वधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंग्य अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नग्त्वी

प्लाट मं० बी/22, मोती लाम रोड़, श्रावर्ण नगर, दिल्ली-33, एरीया 215 वर्ग गज,

> बी० एत० धवन, सझम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 2, नई विल्ली

विनांक: 2-4-1984

प्ररूप आहुरे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) प्रजंन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 ग्रप्रैल 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ई-27, है तथा जो किर्ती नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजि-स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :— (1) श्रीमती प्रकाशनती पत्नी श्री एम॰ पी॰ धनन, निवासी--टावर हाउस ग्रोल्ड विजय नगर, ग्रागरा, ग्रौर ई--38, किर्ती नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राम प्यारी,
पत्नी स्व० श्री केसर मल सचदेवा श्रौर
श्री प्रेम प्रकाश सचदेवा,
सुपुत्न स्व० श्री केसर मल सचदेवा,
निवासी ई-27, कितीं नगर,
नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिनी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र, में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्**ची**

हाउस नं० प्लाट नं० ई-27, कितीं नगर, ग्राम-वसर्ददारापुर $_{i}$ दिल्ली राज्य दिल्ली ।

बी० एल० धनन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आगुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 2-4-1984

प्रकथ आहेत की तु एम तु एस तु ------

भायकर भिधिनयम; 1961 (1961 को 43) की धारा 269-इ (1) के मुभीन सुचना

भारत बहुकाड

कार्यान्य, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 भ्रप्रैल 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एत्रयू०/2/एस० न्नार-1/82-83/ 383--ग्रतः मुझे, बी० एल० धवन,

बायकर मुश्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 4120, है तथा जो अजमेरी गेट, मेन रोड़, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण् से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीध-जियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कर्ण या उत्तव क्वने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री राज कुमार कपूर, श्री राम मोहन कपूर श्रौर, श्रीमती टोटो देवी, निवासी—57, बाबर रोड़, बंगाली मार्केट, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजेण्वर कुमार गुप्ता, निवासी भार-34 एन० डी० एस० ई०-11, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्थान जारी कारके पूर्वीक्स संपृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरण ६---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ शोगा जो उस अध्याय में दिया न्या हैं।

मनुसूची

सोप नं० 4120 मजमेरी गेट बाजार, दिल्ली, तादादी-40 वर्गगज ।

वी० एल० घवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,नई दिल्ली

दिनांक: 2-4-1984

प्रकृष् कार्यः द्वी प्रमृत्युत्तः स्टब्स्टन स्टब्स्ट

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्थीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्िक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/8-83/ 384--अतः मुझे, बी० एन० धवन,

नायकर मिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् भाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-257, है तथा जो भरौला, मजलिस पार्क, आजादपुर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वा कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स जिस्तिगृत, के क्षीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृदिभा के निष्रुः

बतः वय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के बनुसरण में, में जनत अधिनियम को भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, सर्थात्:— (1) श्री शिव चरन सुपूत श्री बंसी लाल और, श्री बीर सिंह एसीयस विर सिंह, सुपुत श्री टेक राम, निवासी-मकान नं० 7340/1, प्रेम नगर, एस० मंडी, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र कुमार,
राज मोहृत सुपुत्रगण श्री एस० आर० चौहान,
निवासी मकान नं० बी-257,
मजिस पार्क, नियर आजादपुर,
विल्ली।

(अन्सरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्वन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त संपत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी वदिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तादीन के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्म व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पत्ति सिनित में किए जा सक्तेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे पूर्वों का, का जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिवा क्या है।

बन्स्ची

मकान नं० बी-257, खसरा नं० 19, ग्राम-भरौला, अबादी मजलिस पार्क, नियर आजादपुर, दिल्ली, एरीया-100 वर्गगज।

> बी० एस० धवन, [सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2,नई विल्ली।

दिनांक: 9-4-1984

प्ररूप आई टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्कायक जायकर जायुक्त (निद्धीक्षण) अर्जन रेज 1, नई विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-1/8-83/ 392-अतः मुझे, की० एस० धवन,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4348/बी-1, है तथा जो 4-सी, मदन मोहन स्ट्रीट, दियागंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिनित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचित के बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) जम्तरण से हुई किसी आम की बाबत., उक्त जिसीनयम के अंधीन कर दोने के अंतर्क के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय शायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

कतः जव, उक्त जीभीनयम कौ भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपवास (1) वै सभीत, निम्निसिति व्यक्तियों, जर्मात् क्र- (1) श्रीमती संतोष कुमारी अग्रवाल, पत्नी श्री बी० एंस० अग्रवाल, 116 स्टेट बैंक कालोनी, नियर राणा प्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० जी० एल० रोहतगी एंड संस (एष० मू० एफ०) द्वाराकर्ता श्री जी० एल० रोहतगी, सुपुत स्व० श्री मानु मल रोहतगी, निवासी सी-1/56, सफदरजंग डेवलमेपट एरीया, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त संपर्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वार्शेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्रित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्तिं में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

बेसमेंट नं० 2, कमन डब्ल्यू०/सी० ग्राउन्ड फ्लोर सादादी 192 वर्गफीट, प्रो० नं० 4348/बी-1, 4-सी, भवन मोहन स्टीट अंसारी रोड, दरियागंज, नई विल्ली, खसरा नं० 58.

> बी० एल० घवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली, 110002

वित्तोबः: 2-4-1984

महिद्र 🕽

प्रस्य नाहै. टी., एक., एस. ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृपना

भाउत् स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांच 2 अप्रैल 1984

निर्देण सं• आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/8-83/393---अतः मुझे, बी० एल० धवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रहे से मुभिक हैं

और जिसकी सं० 4348/बी-1, है तथा जो 4-सी, मदन मोहन स्ट्रीट, दिया गंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के निए; और/या
- (व) ऐसी किसी आयु या भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया भना या किया जाना चाहिए था, कियाने के हिन्धा के हिन्धा के हिन्ध;

कतः अब्, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भं की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती संतोष कुमारी अग्नवाल, पत्नी श्री बी० एस० अग्नवाल, निवासी-116, स्टेट बैंक कालोनी, नियर-राषा प्रताप वाग, दिल्ली-7,

(अन्तरकः)

श्री पंकज सेठ श्रीर श्री वीपक वी सेठ, सुपुत्रगण श्री बी० जी० सेठ, निवासी 5-ए/24, दरियागंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का नह सूचना नारी करके पूना नत तम्मीत्व के वर्षन के निष् कार्यनाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाकरणः —— इतमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो जनक जीवनियम, के जभ्यान 20-का में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नवा हैं।

नग्तुची

वेसहृट नं ० बी-3, कमन डब्स्यू०/सी ग्राउन्ड फ्लोर तादाकी 588 वर्गफीट, प्रो० नं ० 4348/बी-1, 4-सी, मचन मोहन स्ट्रीट, अंसारी रोड़, दरिया गंज, नई विस्ली (खसरा नं ० 58),

यी० एस० धवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज∉1 दिल्ली,नईदिल्ली-110002

विनांस: 2-4-1984

मोहर 🖫

प्रस्प बाहै, टी. एन. एस. -----

णायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/8-83/ 394--अतः मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्कितरी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25, 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० जी-17, है तथा जो नर्दनं सीटी एक्स० स्कीम, जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से कैधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में मास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) मंतरण से हुई किसी बाय की बायत्, उक्त बिधिनियम् के ब्रुपीन कर देने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रॉट/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री राज कुमार जैय नारायण, निवासी 89-ए, कमला नगर, दिल्ली - 7

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सविता रानी जैन, निवासी 8357/2, माङल बस्सी, नई दिल्ली-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्शि के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दियो जा सकते।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में

अनस चौ

प्लाट नं० जी-17, नार्दर्न सीटी एक्सटेंशन स्कीम, नं० 1, जवाहर नगर, चन्द्रावल रोड़, दिल्ली-7

> बी० एल० घवन, सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-2 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

दिनांक 2-4-1984 मोहर द

प्ररूप जार्ष हो एन एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यानयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-2. नई विल्ली

नई दिल्ली । दिनांक 2 अप्रैल 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/2/एस० आर०-1/8-83/ 396--अतः मृत्ते, बी० एस० ध्रयन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनायम' कहा गया हैं), की आरा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 98-ए, है तथा जो मुकुट राय निवास, जाघरी बाजार, विस्ती में स्थित हैं (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से विजत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्योलय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इत्यझान प्रिक्षिण के लिए अन्सरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिसित उच्चित्रय में उच्च अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत. उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृषिधा के सिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धर्न या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाता था, स्थिति में मुस्थित के निष्

अतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, मिन्निसित व्यक्तियों, अर्थात :----

(1) श्री सीता राम मुकुट राय वाले, (सुपुत श्री किशन दास, मुकुट राय वाले, निवासी ए/17, स्वास्थ्य विहार, विकास मार्ग, दिल्ली-2. अनिल कुमार गुप्ता, मुपुत श्री सीता राम गुप्ता (एच० यू० एफ०), विकास, मुकुट राय निवास, बडशाह बुला. पावरो बाखार किली। 🕻

(अन्तरमः)

(2) श्री ज्याम सुन्दर गुप्ता और,
श्री लाजपत राय गुप्ता मुकुट राय वाले,
सुपुत श्री श्रीराम,
निवासी एफ-52. ग्रीन पार्क,
नई दिल्ली।
और श्रीमती उषा गुप्ता पत्नी श्री पी० के० गुप्ता,
मुकुट राय वाले,
निवासी 96, चावरी बाजार,
दिल्ली।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करिके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शंब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनस्वी

तीन मंजिली मकान नं० 98-ए, मृक्षुट राय निवास बङ्गाह बूला, चावरी बाजार, दिल्ली, तादादी 42 वर्गगज

> भी० एस० धवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज-2 टिल्मी, नई दिल्मी-110002

दिनांक : 2-4-1984 नोहर

--463I/84

प्रकृषः, आहु^र, क्षीः, एसः, एसः, - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आर 269-ध (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एस्यू०/2/एस० आए०~1/8~83/397~~अस: मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं 98-बी, है तथा जो मुकुट राय निवास, चायरी बाजार, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध, अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में बास्सविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जॉंशनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चे अं स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर ऑधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया उन्हें भा या किया जाना चाहिए था लिपाने में सविधा के लिए.

वतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अस्ति कुमार गुष्ता मुकुट राय ताते, सुपुद्ध श्री सीता राम गुष्ता, निवासी ए/17, स्वास्थ्य विहार, विकास मार्ग, नर्ष दिल्यी।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री हेम चन्द्र गुप्ता: मुकुट राय वाले, मुपुत्र श्री लाल श्री राम गुप्ता. निवासी ई-542, मेटर कैलाम~2, नई दिल्ली।
 - 2: श्रीमती सुधा रस्तांगी, पत्नी श्री भूपेन्द्र प्रताप रस्तोगी, निवासी एफ-52,ग्रीन पार्क, नई दिल्ली,
 - श्री प्रनेश कुमार गुप्ता,
 सुपुत्र श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता,
 १६ सामरी वाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्यी

तीन मंजिला मकान का भाग नं० 98-वी, मुकुट राय निवास, बड़शाहबृला, चावरी बाजार, दिल्ली, तादादी-41 'वर्गगज,

> बी० एल० धवन, सक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर शायुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-2 ∤दिल्ली, नई विल्ली-110002

दिनोक: 2-4-1984

मोहर:

प्रकप भाई • टो॰ एन• एस•----

भायकर प्रश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निर्देण सं० आई० ए० ब्रेसी०/एक्यू०/2/एस० आए--1/8-83/ 398--अत: मुझे, बी० एल० धवन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है,) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/रुएए से प्रधिक है

और जिसकी सं० 99, है तथा जो मानसरायर गार्डेन, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, अगस्त 1983।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम कं दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिमक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त जिम-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

भतः अबः उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के, प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् हु---- (1) श्री यं गिन्द्र कुमार सुपुत्र श्री बंसी लाल, निवासी मेडिकल क्याटर्स, ग्राम—पो० मेहरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीरा अरोड़ा पत्नी श्री एसं० के० अरोड़ा, निवासी उन्त्यू० जेड०-46, रतन पार्क, नई विल्ली-15, स्थाई पता-402 जय कल्पना कोंपरेटिय हाउसिंग सोसायटी, राम दास पेठ, नागपुर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ ♥ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्भाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कों।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गया है।

जनसंख्ये

प्लाट नं ० 99, तादादी 288 वर्गगज, खसरा नं ० 2362. मानसरोवर गार्डेन, दिल्ली । ्र

> बी० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2 विल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 2-4-1984

मोहर 🗯

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.------अनयकर ऋभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) जे अभीन सुमना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरोधण) अर्जन रेंज 2, नई विस्ली नई विस्ली, विनांक 2 अप्रैल 1984

निर्वेश सं अार्ष ० ए० सी ०/एक्यू ०/2/एस० आ२०-1/8-83/400--- अतः मुझे, बी० एस० धवन,

वायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के विभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से विभिक्त है

और जिसकी सं० सोप नं० 6, है तथा जो रमेश नगर, म्युनिसिपल मार्केट, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक श्य में किया गया है . —

- (क) अन्तरण संहुइं निस्ती नाय की नान्त, उन्ह निविध्य में नवींन कर पीने की नन्तरक के वासिएय में कती करने या उससे नजने में सुविधा के लिए; बार/या
- (वा) एंसी किसी नाम या किसी भग या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, भाभन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हिष्या ने खिए;

कतः, तकः, उक्तः विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कै, वै, उक्तः श्रीधिनियमं की धारा 260-य करी तप्धारा (1) के कुषीन, निस्तृतिवित स्पृतिसर्यो, अर्थात् — (1) श्रोमती लीना पत्नी श्री चरनजीत सिंह, नियासी एम-64, किर्ती नगर, नहीं दिल्ली।

(अन्तरकः)

(2) श्री मदन लाल मिलक सुपुत्र श्री बाल मुकन्दे, निवासी 53-ए, रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना आरो करके पृत्रांचित सम्मत्ति के कर्चन के जिए कामवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: — इसमें प्रमुक्त सन्दों और उदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्ची

सोप नं 6, तादादी 451. 5 वर्गफीट, स्थापित स्युनिसीपल मार्केट, रमेश नगर, नई दिल्ली ।

> बी० एल० धवन, राक्षम प्राधिकारी, राह्ययक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

हिनाक: 2-4-1364

माहर .

प्रक्य काइ टी. एन्. एव.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई विल्ली, विनांक 2 भग्नैल 1984

निर्देश सं ० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० घ्रार०-1/82-83/400—स्त: मुझे, बी० एल० धवन,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/-रु. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2349, (नया) है तथा जो पुराना नं० 3017, कुचा चेलन दिर्या गंज, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तिरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उन्त का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उन्त का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रतिकृत का प्रतिकृत और बन्तिरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक कृप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी नाव वा किसी वन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना चाहिए था जिया के सुविधा के सिए;

कतः अस्त उच्य अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण आ. ते जुक्य अधिनियम का धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसियत स्पितियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती भागवन्ती कत्याल, विधवा पत्नी दुनी चन्द कत्याल, निवासी 11/2349, गली श्रमबीया कुचा चलन. दिख्या गंज, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुमत प्रसाद जैन,
गुपुत श्री बिणम्बर नाथ जैन,
निवासी--2282 कुचा पेलग, दरिया गज,
नई दिल्ली-82।

(भन्तरिनी)

कां<mark> यह सूचना जारी करक पू</mark>र्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी बाधांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए वा सकेंगे।

रचक्कोक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं कुर्व होगा जो उस अध्याय में विया ज्या है।

नम्सूची

एक मकान का पुराना नं० 3017, नया नं० 2349, कुशा फेलन, दरिया गंज, नई दिल्ली, 2, तादादी 242.77 वर्गगज,

> बी० एल० धवन, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजेन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

विनांक: 2-4-1984

मोहरु 🛭

प्रकृप वार्द्रः टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 श्रप्रैल 1984

निर्देश सं ० त्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० स्नार०-1/8-83/ 407—स्रत: मुझे, बी० एस० धवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज र 25,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० 825, है तथा जो कटरा बिशर गंज, कालीमार वें दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाक्द श्रनसूची में : में बिशत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याज्ञ () में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित को गई के और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशानुकांक्त समाति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आग की गायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उसत् अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्क अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रफताब श्रहमद सुपुत श्रलतार-उल-रहमान, निवासी-1104 बालीमारन, दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) मैं० एम० एस० वायर इंडस्ट्रीज 5938 बालीमारन, दिल्ली ।

(अन्वरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथांत्रित सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसची

सोध न० 825, तादादी 18. 88 वर्ग गंग, कटरा वाशिर गंज, शालीमारन, दिल्ली ।

> बी० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 2-4-1984

मोहर ः

अक्षप आही. टी. एन. एस.

नायुकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्थीन स्चना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निर्वेण सं ० आई० ए० मी०/एबयू०/2/एम० आर०—1/8—83/ 410—प्रतः मुझे, बी० एन० धयन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25 000/ रा. से अधिक है

्रश्रौर जिसकी सं ० 4852/24 है तथा जो हरबंस स्ट्रीट, दरियागंज, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस निम्निविषक उद्देश्य ने उक्त बन्तरण सिचित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बनारण से हुई किडी बाव की वावत, अक्त विधिष्णव के विधीन कर दोने के वस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिक्श करि/बा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के एयं किया अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गढ़ा था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुभरण माँ, माँ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) को अभीन, निम्मिलिका स्यक्तिमाँ अर्थात्--- (1) श्रीमती विद्यायती विश्ववा पत्नी श्री गोती नात. निवासी 4858-ए/24, हरबंस सिंह स्ट्रीट, दिख्यागंज, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम नाथ अरोड़ा सुपुत्र श्री गनपन पाम, निवासी डी-28, निजामुदीन इस्ट, गई दिरुली।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना आर्थ कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध्या तत्संबंधी अस्तितयों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविध्या भी जबिथ बाद में सजापत होती हो, के मीतर पूर्वों कर स्थानतयों में हो किसी स्थानत व्याचरा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपर्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्रोपर्टी एमा सील नं ० 4852/24, हरबस सिंह स्ट्रीट, दरिया गंजा नई दिल्ली, लादादी 294.5 वर्गगण ।

> बी० एल० धवन, गुडाम प्राधिकारी, महायक ऋध्यकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रार्जन रेंज 2, नई दिल्ली

ं विनांक : 2—1-1984 मोहर ः

प्ररूप आई टी एन एस ----

जायकर अधितियर 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत संग्लार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 भ्रप्रैल 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० म्रार०-1/8-83/ 411—यतः, मुझे, बी० एल० धवन,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियत्र' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित क्रिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रा. में अधिक है

भौर जिसकी सं० 4852/24 है तथा जो हरबंस सिंह स्ट्रीट, दिर्यागंज, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित ये वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-बार आधिनियम, या धन-बार आधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया अ। जा निराप नीता बाहिए धा, कियाने मी स्पूर्णण के निए;

 (1) शीमती विद्यानती विश्वता नन्ती श्री गोनी ताय िवासी— 1858ए/ 24, हर्ग्यम सिंह रहीत.
 वरियागंज, नई विल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रनिल फपूर सुपुत्र श्री जे० सी० धुपर, निवासी-120/9, रेलवे कालोनी मिन्टो ब्रिज, नई बिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवागः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्थ किसी अन्य स्थावत द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, श्रो अक्त अधिनियम के अध्याद 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गवा है।

वन्स्पी

एम० सी० तं० 4852/24, हरबंस सिंह स्ट्रीट, दरियागंज, नई दिल्ली, तादावी 294. 5 वर्गगज ।

बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज=II, नई दिल्ली

्रतः अक्षात्रलः । अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक भैं भैं, ताकत कथिनियम की भारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीतः जिस्तिनिकित व्यक्तियों, अधीत् अ

विनांक: 2-4-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 प्रप्रैल 1984

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार-1/8-83/ 412--श्रतः मुझे, बी० एल० धवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जी-17/87, है तथा जो राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- . (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती संतोष लता पाल पस्नी श्री एम० डी० पाल, निवासी डी-1/180 सत्य मार्ग चाणक्यापुरी, नई दिल्ली।

(श्रन्सरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र चोपड़ा सुपुद्ध श्री ग्रनन्त राम चोपड़ा, निवासी ए-103, हरी नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (क) इस सूचना के राजपण यो प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्रची

मकान नं० प्लाट नं० जी-17/8ए, तादादी 140 वर्गगज, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली, ग्राम-बसईदारापुर, दिल्ली ।

> बी० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपकारा (1) डे अधि निकारिकासित व्यक्तियों, अर्थात् :---

20-46 GI/84

विनांक: 2-4-1984

भांहर:

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउा 269-भ (1) के विभीन सुचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II नई विल्ली नई विल्ली, विनांक 2 अप्रैल 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एसआर-1/8-83/ 413—अत: मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० के/47 है, तथा जो कीर्ति नगर, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुनिधा के लिए; भीर/पः
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में संविधा के सिए;

नतः अन , उक्त क्षिनियम की धारा 269-ए की अनुसरक को . को स्वान धरिनीनधम की भारा 259-च की उपधारा (1) है अधीन, निम्नुलिक्ति व्यक्तियाँ, अर्थात् :----

- (1) श्रीमती सकुन्तला देवी पत्नी श्री सिकन्दर लाल मनचन्दा, द्वारा जी० ए० तथा उनके पुत श्री राज कुमार मनचन्दा, निवासी के-47, कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- डा० जगदेव सिंह सुपुत्र श्री मदन सिंह, निवासी जै-37, कीर्ति नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

बनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत हैं 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपर्तित में हितवयुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० एस० हाउस प्लाट नं० के/47, ताबावी. 150 वर्ग गज कीर्ति नगर, एरिया, ग्राम-बसईदारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।

> बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज 2, नई विल्ली

तारीख: 2-4-1984

मोहर 🖫

त्ररूप् बार्ड. टी. एन्. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक, 2 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एस०आ२०-1/8-83/ 431---अतः मुझे, बी० एल० धवन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क. से अधिक है

भौर जिसकी सं० बी-5/13 है. तथा जो राणा प्रताप बाग, दिल्ली-7 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त. 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस यचने में सृष्टिशा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी जाय मा किसी धन मा बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती गोबिन्दी वेबी पत्नी श्री लक्ष्मी नशुयण माता,निवासी बी/277, डेरावाला नगर, विल्ली ।

(मन्तरक)

(2) श्री बाल किशन दास सुपुत्र स्व० श्री रघुवीर सिंह 2. श्रीमती शकुन्तला देवी विधवा पत्नी श्री रघुवीर सिंह, निवास 309, कुंचा घासीराम, चांदनी चोक, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, भी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय स्वारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित-वद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोह-नाक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींन।

स्पव्योक एण: — इसमें प्रयूक्त एक्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

2-1/2, मंजिला भवत; नं० बी-5/13, तादादी 1178 वर्ग फीट, या 130.88 वर्ग गज, एरिया राणा प्रताप वाग, दिल्ली-7।

बी० एत० धवन सक्षम प्राधिनारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (लिटीक्षण), अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख: 2-4-1984

मोहर:

प्ररूप. बार्च. टी. एत. एस्. - - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्धिमण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल, 1984

निर्वेश सं० छाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० छार०-1/8-83/ 433—अत: मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 380 तथा जो हवेली, हैवर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाथ की बाबत, जनत बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए, बौद्ध/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब. उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, वर्षात् —

- गिरधारी लाल सुमेर चन्द जैन धर्मार्थ चेरिटेबल ट्रस्ट दिल्ली, द्वारा :
 - (1) आनन्द कुमार जैन
 - (2) श्री गौतम कुमार जैन,
 - (3) श्री विनोद कुमार जैन, सुपुत्रगण स्व० मुनेर चन्द जैन,
 - (4) श्रीमती तारामनी पत्नी स्व०श्री सुमेरचन्द जैन
 - (5) श्रीमती जिलता देवी पत्नी पदम जैन, निवासी-43, बाग दिवार, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री बालिकणन बंसल, पदम कुमार बंसल, सजन कुमार बंसल, सुपुत्रगण श्री शंकर लाल बंसल, श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री गनेण लाल बंसल, निवासी 9074, कटरा रोणन उदाला किनारी बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्रो० नं० 380, तादादी 175 वर्ग गज, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली ।

> बी० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 2-4-1984 मोहर: प्ररूप आर्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० /एययू/2/एस०आर०-1/8-83/ 435—-अतः मुझे, बी० एन० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० 15 है, तथा जो मानसरोवर गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित ध्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री भूणन प्रसाद जैन सुपुत्र श्री घासीराम जैन, निवासी 117, एस० एफ० एस०, मुनिरका इनक्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री अवतार सिंह श्रौर मोहिन्दर सिंह सुपुत्र एस० केसर सिंह, निवासी मकान नं० बी-150, मानसरोवर गार्डेन, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकरी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट नं० 15, ब्लाक एस०सी०-11, ताबादी 166.7 वर्गगज खसरा नं० 2329, मानसरीवर गार्डेन, नई दिल्ली। 🛊

बी० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

ारीख 2-4-1984 मोहर : प्रक्ष बार्द, टी. एत्. एस.----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अथीन सूचना

थारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 स्रप्रैल, 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०म्रार०-1/8-83/ '446—म्रत: मुझे, बी० एल० धवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमें कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षण प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उदित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दूकान नं० 4 है, तथा जो शक्ति नगर, ऋसिंग विल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रश्चिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक श्रगस्त, 1983

को पूर्वेक्स संपत्ति के उण्जित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उण्चित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्य में कमी करने या उससं बचने से सुविधा कें निष्: वारि/वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य नास्तियाँ कां, जिन्हों नारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, था धनकर अधिनियम, था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था पा जिया जाना चाहिए था स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अला, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री चिराग-उद्दीन कुरेशी सुपुत श्री एच० इशलामुद्दीन, निवासी 7144, कसबपुरा, कुरेशी नगर, सदर बाजार, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री चेतन दास सुपुत श्री मोती राम निवासी मुकान नं० 480, निमरी कालोनी, दिल्ली श्रौर श्रोदर्शन लाल सुपुत्र श्री मोती राम निवासी सी-7/127, लारेन्स रोड, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वा क्त संपरित कं वर्णन के जिए कार्यवाहियां कारता हो।

जकत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 5 ---

- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपिकत द्वारा सभोहस्ताक्षरी को पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पटकीकरणः — इतमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपच विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

णोप नं० 4, णिवन नगर, क्रासिंग , दिल्ली तादादी 131.67 वर्ग फीट ।

> बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 2-4-1984 मोहर : प्ररूप बाह्र . टी. एनः एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 श्रप्रैल, 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस०भार०-1/8-83/448—ग्रतः मुझे, बी० एल० धवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी मं० दुकान नं० 96 है, तथा जो माल रोड, के० कैम्प, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1983

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और बत्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;---

- श्री मुकुन्द लाज मुपुत्र श्री मोहन लाल, निवासी 96, माल रोड, किंग्जब कैंग्य, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री भोला राम सुपुत्र श्री सन्त राम, भ्रौर श्री रामजी दास सुपुत्र श्री सोहन लाल, निवासी 96, माल रोड, के० कैम्प, दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनस्त्री

दुकान नं० 96, नादादी 62 वर्ग गज, मालु रोड, के० कैम्प, दिल्ली।

बी० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक **भायकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-2, न**ई दिल्ली**

दिनांक 9-4-1984 मोहर 🖫 प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 ग्रप्रैल 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०ग्रार०-1/8-83/449--ग्रतः मझे, बी० एल० धवन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी-25 है, तथा जो ब्रादर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्णरूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के कार्यानय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ब्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन दिनांक श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर दिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए, और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्ह ने भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को, जिन्ह ने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विभा औ (कए;

अतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, पिन्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 ..

 श्रीमती विद्यावन्ती, पत्नी श्री उपदेश लाल निवासी मकान नं० 632, कादर बिल्डिंग मलका गंज, विल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री सत प्रकाश गुप्ता, मुपुत्र श्री किशोरी लाल श्रौर श्रीमती पुष्प लता पत्नी श्री सतप्रकाश गुप्ता निवासी-4829, श्रर्यापुरा, रोशनश्रारा, रोड, दिल्ली-7 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी कारके पृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अयिक्त्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए था सकोंगे।

स्वक्रीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया पदा है।

जनस्ची

प्लाट नं० सी-25, खसरा नं० 35, 36, 38, 263/ 258/217/4 भौर 262/258/217/4/3, तादादी 200 वर्ग- गज, श्राचार्या कुपलानी रोड, श्रादर्शनगर, दिल्ली।

बी० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजैन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 2-4-1984 मोहर : प्रकार प्राद्ध[‡]. टी. एन. एस.: -----

भाग 269-प (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भारकर भारतक (निरीक्तक)

भ्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लीं दिनांक 2 अप्रैल 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०ग्रार०-1/8-83/451—ग्रतः मुक्ते, बी० एल० धवन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० 5/ब्लाक डी-1 है, तथा जो माडल टाउन, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिल्लिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अभिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा वो लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 21-46GI/84

- श्री गुरबचन सिंह सचदेवा भीर कुलदीप सिंह सचदेवा, सुपुत भी करणार सिंह, निवासी एफ-11/13, माइल टाउन, दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री मान चन्द जैन, श्रौर श्री राकेश कुमार जैन, सुपुत गण श्री राजिन्दर कुमार जैन, [नियासी सी-1/21, माङल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी कड़के पूर्वेक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
 - (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 बिन के भीतर उक्त स्थानार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा कर्यो।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः से अध्याय 20-कः पें परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

एक खाली प्लाट नं० 5, ब्लाक नं० डी-1, माइल टाउन, दिल्ली, ताबादी 450 वर्ग गज, यानी (384.62 वर्ग मीटर)

बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली।

तारी**व** 2-4-1984

प्ररूप आई..टी.एन.एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुणना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

• भ्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली विनाक 2 भ्रप्रैल, 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०भ्रार०-1/8-83/454---श्रन: मुझे, बी० एस० घवन.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 823, है तथा जो किवार बिल्डिंग सब्जी मन्डी, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाँणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय विल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक श्रगस्त, 1983

को प्वें क्ति सम्पत्ति के उषित चाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्धा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः—

- 1. श्री तीरथ राम सुपुत्र श्री बसन्त राम, निवासी थी-213, भाग-1, प्रशोक बिहार, दिल्ली-52 (ग्रन्तरक)
- श्रीमती राज रानी अग्रवाल पत्नी श्री अशोक कुमार अग्रवाल निवासी-6020, गली आर्मी समाज, नमा अभेस, खारी बायबी, विल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी क<u>र</u>के पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरे भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गवा है।

नगत्त्री

2-1/2, मंजिला बिल्डिंग तादादी 100 वर्ग गज, प्रो० नं० 823, प्राइवेट नं० 3, 5, ब्लाक 'के' किदार बिल्डिंग, सक्जी मंडी, दिल्ली।

> बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

तारी**ख** 2-4-84 **मोहर** : प्ररूप आहें. टी. एत. एस. ----

जायकर जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्व, सहायक भायकर आयुक्त (नि.श्रीक्षण) मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 ध्रप्रैल, 1984

मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के जचीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 808 है, तथा जो मैन बाजार संज्जी मन्डी, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन दिनांक अगस्त, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्च है और मृझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उधत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तारण से हुई किसी बाय की वाधत, उच्त विधानिक के बधीन कर दोने के बस्तरक की दावित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भने या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

ब्द्ध वंद द्वयं क्रिपीनियमं की भारा 269-ए के बनुसरण में, भें, उत्तर अभिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के सभीगा, निम्मणिकित व्यक्तिकों, वर्णात हुन्। श्री बिहारी लाल झुनझुनवाला, बेरीटेवल ट्स्ट ।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० जनरल सेंह्स प्रा० लि० सुभाष रोड, नागपुर, द्वारा श्री मार० बी० शर्मा (डाइरेक्टर) । (मन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुने।

उक्त संपत्ति के कर्ज़न के संबंध में कोई भी अक्षेप ु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्माच्यीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं नहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नन्स्ची

एक गोडाउन ग्राउन्ड, क्लोर नं० 808, मैन बाजार, सम्जी मंडी, दिल्ली, तादादी 872.55 वर्ग गज.।

> बी० एत० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनोषः : 2-4-1984 -

मोहर 🛭

प्रक्ष् बाइँ, टौ⊴ हुन ह एक् ह - + - - --

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस ०ग्रार०-1/8-83/

465-अतः मुझे, बी० एल० धवन

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अभिक ही

मीर जिसकी सं० जे/203 है, तथा जो राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रामान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आयुकी वावत, उन्हें जिभीनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कनी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; बाँद/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- . 1. श्री इन्दर सिंह सुपूत्र श्री गरदीत सिंह
 - (2) श्री जगमोहन सिंह सुपूर्वे श्री सतनाम सिंह
 - (3) श्री श्रमरजीत सिंह श्रीर श्री गुरदीप सिंह सुपुत्रगण श्री सतनाम सिंह, निवासी-जे/203, राजोरी, गार्डन, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
 - श्री रोगन लाल गोयल, सुपुत्र श्री चान्दी लाल, निवासी-10/42, सुभाष नगर, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों कंरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

नगत्त्री

पुरामी एक मंजिला मकान प्लाट नं० जै-/203, राजोरी गाउँन, नई दिल्ली तादादी 303 विर्मगज, एरिया बसई दारापुर; दिल्ली राज्य, दिल्ली।

वी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

तारीखः: 2-4-1984ः

माहर:

इक्ष्य कार्ष्ट्र टी. एक् एक्.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के स्थीन स्थान

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल, 1984

निर्देण सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०म्रार०-1/8-83/

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० ए-32 है, तथा जो डा० मुकर्जी नगर, किंग्जबे कैंम्प, नार्थ, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किन निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की वावत उक्त विभ-नियम के लभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जरि/वा
- (वा) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री राजिम्दर कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री राम भज गुप्ता, राम भज गुप्ता, सुपुत्र श्री राम चन्दर गुप्ता, निवासी श्री-79, ग्रेटर फैलाश, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- मै० प्रीती इन्टरप्राइसेज,
 भागीक्षार : शशी बाला मग्रवाल, पत्नी श्री पी०सी०
 मग्रवल, निवासी, एस-139, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।
 (श्रन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना जारी करके पृश्वेंक्त सम्बद्धिक के वर्धन के किए कार्यनाहियां कारता हूं।

सक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वन! की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिम के भौतर उक्त स्थावर संपरित में हित्त विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकनी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नेपा हैं।

बन्स्ची

प्रो॰ नं॰ ए-22, कम्युनिटी सेंटर डा॰ मुकर्जी नगर, किंग्जबे नार्थ, दिल्ली, तादादी 101.44 वर्ग मीटर।

बी० एस० धवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजैन रेज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्न

तारीच: 2-4-1984

मोहर ध∞

प्ररूप भार है . टी. एन. एस.-----

बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 अर्प्रेल, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/8-83/ 44--अतः मुझे बी० एल० धवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जी-3/ए-1/2 है, तथा जो नैनीवाला बाग, स्राजादपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए ध्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में आस्तिक रूप से किया गया है ं—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कुड़ दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी कर्ष या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

- 1. मै० टी० एम० भ्र*पार्टमें*ट, प्रा० लि० श्रादिनाय श्रीं हाउस, कनाट सर्कस, नई दिल्ली। (ग्रन्सरक)
- श्रीमती हरजीत कौर और श्री कंवर विजय सिंह, मार्फत एफ० एल० श्री ग्रार० एस० सेखन, ए-74, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- ्क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाछ विस्ति में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहाे अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह¹।

अनुसूची

फ्लैट नं० जी-3, प्लाट नं० ए-1/2, स्नाजावपुर नैसीवासा-बाग, कर्माशयल कम्पलैक्स, दिल्ली, तादादी 504 वर्ग फीट!

> बी० एल० झवन संसम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख . 2-4-1984 **मोहर** ∺ प्रस्प ना

प्स .-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत् सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिस्सी नई दिल्ली, दिनांक 2 ग्रप्नैल, 1984

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/ 8-83/45— मतः मुझे बी० एल० धवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूफ. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 129 है, तथा जो 2-मैन नेताजी सुभाष मार्ग, दिखा गंज, दिल्ली, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रगस्त, 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्कह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अंतारितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, जिम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिम्हियन के जभीन कर दोने के जन्तरक के बाबिरच में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए; जौर/बा
- (प) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर लिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनयम या भनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शांक्ष्मा प्रापटी प्रा० लि० श्राक्ष्माथ थो हाउस, अपीजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कम, नई दिल्ली

(अन्तरक)

श्रीमिती मरोज लता गुप्ता,
 मैं० रती राम गुप्ता एंड कं०
 3616, चावरी बाजार, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिवस कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबब्ध िक सी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त ज्ञानी और पदों की, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 129, जैना इलैक्ट्रिक मार्केट, 2 मेन नेताजी सुभाष मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली, तादादी 23 वर्ग फुट।

> बी० एल**० धवन,** सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली

णतः जन्, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ने, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपराण (३) के अभीन, भेगम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् र—

तारीख: 2-4-1984

मोहर ः

प्रकल् नाइ ् दी, एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर भागूक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 श्रप्रैल, 1984

निर्देश सं० ब्राई०ए०सी०/एक्यू/2/37ईई/8-83/46— यत:, मुझे, बी० एल० धवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 55.000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ-101 है, तथा जो दिरागंज, जैना मार्केट, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण कप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रजैन रेंज 2, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक ग्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह् प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिएाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण औँ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— जैना प्रोय श्रादि नाथ श्री श्रपीजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती कान्ता रानी,
 निवासी 3/9, ६५ नगर, दिल्ली ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त ह्यंती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्तुची

प्रो॰ नं॰ एफ-101, पहली मंजिल, जैना एयर कन्डीशन मार्केट, दरीयागंज, नई दिल्ली, तावादी-67.6 वर्ग फुट।

> बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 2-4-1984

मोहर 🛭

प्रकथ आर्थः और एवः एसः - - - ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालये, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1984
निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ई०ई०/8-83/47.—श्रत:, सुझे, बी० एल० धवन,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुस्य 25,000/-रा. से अधिक है

25,000/-रा. स आधिक है जौर जिसकी सं० एफ-132-133, है तथा जो जैना ए० मी० मार्कोट, वरीयागण, नई विस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप स वर्णित है), रिणस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज नई विस्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन विनांक अगस्त 1983 का पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रूयमान प्रतिफान के सिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रूयमान प्रतिफाल सं, एसे श्रूयमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल किम्मिसिस उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में अस्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत जीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिक्त व्यक्तियों, अधित:--22---46 GI/84 जैता प्रोपरीज पाउ ति । आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार, कनांट सर्जस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती शिंश मांसी, निवासी 3/9.
 रूप, नगर, दिल्ली-8. ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंचत सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या मत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अत्रिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पात निमास में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुपी

प्रो० नं० एफ०-132 श्रीर 133, पहली मंजिल, जैना एसर कम्डीजन भार्केट दरीया गंज, नई दिल्ली, नादायी---

> बी० एस० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 2-4-1984

भोहर :

त्रकर बार्च. ही. द्व. प्र. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

भाषकर मिंभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें पर्वात 'उक्त मिंधनियम' कहा गया हैं), की धाष 269-व में अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उपित बाबार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिमकी सं० एफ०-135, है तथा जो जैना ए/ मी० मार्केट, दरीयागंज, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूनी में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली, में भारतीय श्रायकर श्रीधितयम 1961, के अधीन दिनांक, श्रगस्न 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान श्रीतफल के लिए बन्तरित को गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्त्रयमान प्रतिफल का गन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलियत उद्देश्य से जक्त अन्तरण किवात में बास्त-विक कप में किवात मुद्री किवा पर्या है?--

- (क) जन्तरण वे हुई किसी आयु की बाबत स्वयु सीध-नियम के अधीन काए दोने के अन्तरक के दायित्व में सानी करने वा उत्तरी वचने में सुविधा के नियो; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अत्र, उत्रत अधिनियम यति भाग 289-ग के अनुसरण मों, मौं, उत्कत अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अतिन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---- अँन प्रोपर्टील प्रा० लि०, श्रादिनाथ श्री हाँकस, श्रपोजिट सुपर वाजार, कर्नाट सर्कम, नर्ड दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री कमल कुमार निवासी-3/9, रूपमगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्मिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासने इ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्वान के रावपत्र में प्रकावन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए वा सकींगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का जो उक्त सिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं. कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

नगत्त्री

प्रो० नं० एफ०-135, पहली मंजिल, जैना ए० सी० मार्फेट, दरीयागंज, नई दिल्ली, सादादी 67,7 वर्ग फीट ।

> बी० एरा० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन र्रज-2, विक्ली नर्ष विल्ली

नारीखः : 2-4-1984

मोहर:

प्रकृत भाइ . टी . एन . एस . ------

बाब्कार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थापर 269 व (1) के अधीन मुचना

HISE COURS

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ला, विनास 2 अप्रैल, 1984 निदेश सब् आई० ए० गीव,एक्यूव/2/37ईई/8-83/49 असः, मुझे, बीव एलव् धवन,

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-च के अधीन संक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं गि० एफ० एफ०-6 है, तथा जो विलखुण इन्डस्ट्रीयल, इस्टेट, आजादपुर, दिल्ला में स्थित है (और इसम उपाधद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बणित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आर्यालय, अर्जन रेंज 2, नई दिल्ला, में भारतीय आयक्तर अधिनयम 1961 के अधीन दिनांक अगस्त, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, इसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तुह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्वेष से उन्ते अन्तर सन्तरण लिखित में वास्त-कल निम्नलिखित उद्वेष से उन्ते अन्तर सन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी श्राय की वायत, उक्त जीभनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दारियल में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; जीह/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अंसल प्रोपटींज, एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०,
 115,अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग,
 नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

मै० गर्ग एण्ड अम्पर्ना,
 10-अम्युनिटी सेन्टर, नं०-2,
 अशोक बिहार-2, दिस्सी ।

(अन्तरिती)

की ग्रह सूचना चारी करक पूर्विक्त सम्पन्ति के अर्थन के शिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में काही भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीश शं 45 दिन की अविध मा तत्स्य मन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुतां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरें।

स्यव्योकरणः — इसमें प्रमृक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस सभ्याय में दिया गया ही।

जनस्वी

भनैट नं॰ सी॰ एक॰ एक॰-६, दिलंखुश इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, जी॰ टी॰ रोड, नियर आजादपुर, दिल्ली तादादी---350 वर्ग फीट ।

> बी० एल० धबन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्थन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

बतः बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुतरण कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अभृति क्र---

तारीख: 2-4-1989

मोहर ध

इक्न नार्षे , द्वीः, एवं , एवं , ० - - ----

नावकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की याज 269-म (1) के वधीन सूचना

नारव वहस्थार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/2/37ईई/8-83/50---- अतः, मुझे, बी० एल० धवन,

भावकर बाँभिनियन, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से बाँभिक हैं

और जिसकी सं० सी० एफ० एफ०-6 है, तथा जो दिलखुश इन्डस्ट्रायल इस्टेंट, जी० टी० रोड, विस्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-2, नई दिस्ली, में सहायक आयकर अधिनियम, 1961 के अर्थान दिनांक अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार जुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नितिष्ठित उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिषित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (का) जन्तरण संबुद्ध किली जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कनी करने वा अवखे बचने में तृतिभा के लिए आप/वा
- (क) एती किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अव, उभत अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर जिल्लानिकित अधिनत्याः, अधीन श्री अंसल प्रोपटींज एण्ड इन्डर्ट्शज प्रा० लि० 115, अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नहीं दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स गर्ग एण्ड कम्पर्नाः, 10-कम्युनिर्दा सेन्टर. नं०-2, अशोक बिहार-2, नई विल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना कारी करक पूर्वोक्स संपत्ति कं अर्थन के निर्कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच र 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 80 दिन की अवधि, जो भी मवधि बाद में समाप्त हनती हो, के भीतर प्रविकत स्यक्तियों में से किसी न्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पादीकरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों मीर पदों का, जो उनस मीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में निया गया हैं।

अन्सूची

पलेट नं नं सी० एफ० एफ०-8 दिलखुश इन्डस्ट्रीयल, इस्टेट, जी० टी० रोड नियर आजादपुर, दिल्ली ।

> की० एस० धवन, सक्षम प्राधिकारी, राहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण), अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

विनांक : 2-4-1984

मार्ड्ड

प्रकृप नाई. टी. एन्. एस.------

मायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य्०/2/37ईई/8-83/52---अतः, मुझो, बी० एल० धथन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

सं० फ्लैट नं० 1, है तथा जो ब्लाक बी जैना पार्क विल्ली: में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में पूर्ण रूप में बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1) नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त 1983.

को पूर्वोक्स सम्मित के उपित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बानत, उन्तर जिथिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिहए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कत जय उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरभ से, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के क्षींम, जिस्मीनिकत व्यक्तियों, वर्षात् :--- श्रीमती ऊषा शर्मा
पत्नी श्री स्थाम मुन्दर शर्मा,
श्री नुकल शर्मा सुपुत्र श्री इन्दर सेन गर्मा,
निवासी 3221,
वार्गाचा रश्रुनाथ, सदर बाजार
दिल्ली,

(अन्तरक)

श्रीमती हरबंस कौर विरदी, पत्नी श्री स० करतार सिंह विरदी, निवासी-38/4, वेस्ट पटेल नगर , नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्त में किए जा सकी

स्यख्डोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उतस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

समस्यी

प्लाट नं०-16, खसरा नं० 8/15, जैन पार्क, ब्लाक बी, दिल्ली-सादादी 200 वर्गगज,

बीं० एल धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिस्सी.

तारीख : 2-4-84

मोहर:

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस . ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई०ई०/8-83/ 53--अत: मुझे, बी० एल० घवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000′- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव सी-6 है तथा जो मानसरोवर गार्डेन, नई दिल्ली। में स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णिन है) रजिस्ट्राकर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, में भारतीय आयार आधिनियम 1961 के अधीन दिनाक अगस्त 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पावा ग्या प्रतिफल, निम्निसिवित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुरिया के लिए;
- (क) ऐसी किसी आव या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :— श्री बी० के० लम्बा, निवासी—एफ०-18, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री भंबर लाल जैन.
 श्री मानमल जैन,
 श्री पुखराज जैन.
 निवासी—इी०-191
 मानसराबर गार्डेन,
 नई दिल्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील है 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अधिकत्यों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

्लाट नं० सी—6, मानसरोवर गाडन, नई विल्ली, वादावी 800 वर्ग गज।

> वी० एत० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) श्रुंअर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली,

तारीख : 2-4-1984

मोहर

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ----

भावकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ थारा 269-थ (1) के अधीन भृषता

शारक बरकान

कार्यालय, राहायक आयक्तर अध्युक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल, 1984

निर्वेण सं० স্মার্ছ০ ए० मी०/एक्यू०/2/37ईई/8-83/54----শ্বন:, मुझे, बी० एस० धवन,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि,स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० यू० जी०-20 है, जो जैना क्लाथ (ए० सी०), मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर दूससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली, में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 के ग्रधीन दिनां क ग्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की नह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रशिक्त से कथिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किती शाय की वावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; बीर/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंक्त अभिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए:

अन्यः अवः, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिकित स्पिक्तियों, अर्थातः :--- (1) गै० टी० एम० ग्रपार्टमेंट प्रा० लि०, श्रादिनाथ श्री हाउस, श्रपोजिट मुपर वाजार, कनाट सर्कंस, दिल्ली।

(ग्रस्त रफ)

(2) श्री मदन मोहन सेठी, निवासी—-बी-60, गुजरन वाला टाउन, दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना चार् करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्थन के निए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीन के 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी, बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास निस्ति में किए जा सकोगे।

स्पक्कीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है ।

अनुसुची

प्रो० नं व यू ० जी०-20, श्रपरग्राउन्ड-जैना क्लाथ (ए० सी०) मार्केट, णक्ति नगर, चौक, दिल्ली, तादादी--65 वर्ग फीट।

> बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भनन रेंज-2, नर्ड दिल्ली

तारीख: 2-4-1984

भोहर 🛭

प्ररूप आर्थ ही एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/क/2/7ई/8-83/55 अत:, मुझे, बी० एल० घवन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 122 से 124 है, तथा जो जैना इलैक्ट्रिक मार्केट, दिखागंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे जपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उसस् बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अय या किसी अन या अन्य आस्त्यों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनिकत स्थितसर्थों, अर्थात् :— (1) तैना पोपरींन पाल निक.
 श्रादिनाध श्री हाउस. सपोजिट सृपर वाजार,
 कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजेश विज मार्फत शिल्मा इलैक्ट्रीकल्स ट्रेडर्स, 3271, देश बन्धु गुप्ता रोड, पहाड़गंज, नई दिल्ली।

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हु।

लक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकींगे।

स्मष्टिकरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्त्रची

प्रो० नं ० 122, 123, 124 जैना इलैक्ट्रीक मार्केट, 2-मेन, नेताजी सुभाष मार्ग, दरीयागंज, नई दिल्ली, तादाबी, 69 वर्ग फीट ।

बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक : 2-4-1984

मोहर:

प्रक्रम् बार्डः, टी. एम्., एस.,-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक घायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेंज, 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 ग्रप्रैल, 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/8-83/56---म्रतः मुझे, बी० एल० धवन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जी-34 है, तथा जो 2-नेताजी सुभाष मार्ग, दरीया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्णन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिवित्यम 1961 के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 83

को पूर्वित्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रुवयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया ग्या है :——

- (क) जन्मरण संहुदं किसी जाय की भावत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; अडि/वा
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेजिलित व्यक्तियों, अधीत्:——
े 23—4661/84

ज (1) मैंसर्ग जैना प्रोपर्टीज, प्रा० लि० श्रादि नाथ श्री हाउस, श्रपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रमित गर्ग, निवासी एम-7, मालबीय तगर, नई दिल्ली-17 (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी कर्ड पूर्वोक्त संपृतित के अर्चन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मूर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाशेष्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारत की तारीय के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टींकर्षः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित यही अथ होगा जो उस अध्याय में विया वृत्या हैं।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ जी-34, जैना (ए॰ सी॰), मार्केट, 2-मेन नेताजी सुभाष मार्ग, दरीया गंज, नई विल्ली तावादी 2-2 वर्ग फीट ।

> बी० एल० घवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 2-4-1984 मोहर 🛭 प्ररूप बार्द्,टी पुन, एस ५०००००

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अभीन सुप्ता

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक जायकर जाय्क्स (निरीक्क)

ग्रर्जन रेंज,-II मद्राग

मद्राग, दिनांक 7 मार्च, 1984 ्

निदंश सं 19048-श्रतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रापये से अधिक हैं

स्रौर जिसकी मं० सरवे नं० 19/17, 19/2, 19/3, 19/4, 19/6, 19/7, है, तथा जो नसरत पेंट, पूनमरूली में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर जो पूणस्प से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय पूनमल्ली, (जाकुमेंट 4127, 4128/83 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1983

को पूर्वेक्ति संपति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में शस्तिब्द क्ष्य से कि पन नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण तं हुई किसी जाय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बादित्व में कमी करने या उससे वसने में मृविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधं अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपानं भें सविधा के लिए;

अतः अब उक्त आधानयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिकित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री पी० राम ग्ररविन्द,

(धन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ता कुमारी, विवकानन्द रायल कारभ

(अन्तरिती)

कारे यह सूचना जारी कार के पूर्वोक्स संपरित के वर्जन के जिल् एतद्द्वारा कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति ध्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि सरवे नं 1 19/3, 19/2, 19/7, 19/2, 19/6, 19/1ए, नसरतपेट, पूनमल्ली, (डाकुमेंट 4127, 4128/83) ।

न्नार० पी०पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज 2, मद्रास

दिनांक : 7-3-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

नायुक्त दुनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-धु (1) के नुभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निर्देशका) अर्जन रेज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1984

निदेश सं० 19016—यतः, मुझे, स्रार० पी० पिल्लै, बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से बिधिक है

ग्रोर जिसकी सं० टी० एस० 14, हैं, जो वेलचेरी रोड, घिठी मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास सीत (डाक्यूमेंट 2513, 2488, 2489/83) में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक ग्रगस्त 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निक्यास करने का कारण है कि सथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निवित उद्देश्य से उक्त कन्तरण निवित में वास्तिक क्य से कियान नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण वे हुई हैंकती नाय की नावत उक्त अधि-नियम में क्षीन कड़ दोने के अन्तरक के दायित्व में कती कड़ने ना उत्तरी अवने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एनी किसी आव या किसी अन था अन्य आसितवों का, जिल्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया चाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा से सिए?

(1) श्री बी॰ शान्ता ग्रीर पठमा

(ग्रन्सरक)

(2) राजा चेरिटी ट्रस्ट

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वायस संपरित के वर्जन के निष्यु कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के नुर्वन् के सम्बन्ध् में कोई भी भाक्षेप् :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र के प्रकाशन की शारीच र 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताकारी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्थाबिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, को उक्त कथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

वमुस्ची

भूमि ग्रीर निर्माण-टी॰ एस०-14, वेलचेरी रोड, धिनठी मब्रास (डाक्यूमेंट 2513, 2488, 2489/83)

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन्हुरेंज,- , मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिश्वस व्यक्तियों, अर्थात् ः—

ियनांक : 5-3-1984

मोहर 🛭

त्ररूप आहें त दी हु पूर्व हु पुस_{्तर} - अ अवन्त

नायकुदु निभृतियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मुभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1984

निवेश सं 18944,—यतः मझे, श्रार० पी० पिल्लै, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट 67 ए, VII एवेन्यू, वेलानगन्नी है, जो चर्च रोड, वेस्ट नगर मद्रास—90 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रठ्यार (डाक्यूमेंट 2181/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रगस्त 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उषित नाजार मृत्य से कम् के दश्यमान प्रतिफल् को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्न्लिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसीं भाय की बाबत, उक्त जीभीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के पूष्ण, और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिएक

अतः अबः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, जिस्लेलिकिन अधिकत्यों, जधारा —— (1) श्री सी० सरोजा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में काई भी आक्षेष् :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्ण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट 67 ए, VII एवेन्यू वेलानगन्नी चर्च रोड, मब्रास—90 (डाक्यूमेंट 2181/83)

> म्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज- , मद्रास

दिनांक अ 5-3-84 मोहर अ प्रकल बाह्रीत टी तु एस हु एस हु =====

भायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरुकार

कायीलय सहास्क आय्यर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० 19014——यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आर 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 81, है, जो मेठली रोड , मद्रास—17 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणक्ष है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास सौत (डाक्यूमेंट 2540/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) दिनांक श्रगस्त 1983,

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्स में कसी अन्तरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा की लिए:

सतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंख व्यक्तियों, अर्थात् ≟— (1) श्री उन्निकृष्ण

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राधाकृष्ण

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ननत्त्रची

भमि—8/1, मेठली रोड, मद्रास-17 । (डाक्युमेंट 2540/83)

> श्रार० पी० पिरूलै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, II, मद्रास

विमांक : 5-3-1984

मांबर 🖫

प्ररूप **आ६<u>*.</u>टी..एन**..एस ु------

प्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की कारा 269०म (1) के सधीन सुमना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, II, मदास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1984

निदेश सं० 19015—यत: मुझे, ग्रार० पी० पिल्ल, आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० सर्वे 210/32, हैं, जो तिख्यानियूर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्राससौत (डाक्यूमेंट 25 4/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रगस्त 1983, को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पतिकत के लिए अन्तरित की गर्वे हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

- पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी अपने वा उत्तरे अवने में सुविधा के विध, और/मा
 - (च) ऐसी किसी आय मा किसी धन या धम्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आय हर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अस्तिरिती आरा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था कियाने में भूषिका के किए।

वरः वत्, स्वतः विधिनियम् वर्षे भारा 269-त् वर्षे अन्वरकः मी, मी, उपत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अभीत, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल्:चर् (1) श्री रगुराम शैही

(अंतरक)

(2) श्री उस्मान ग्रली कान

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अवन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस यूचना के राजरत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी प्रक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की भवति, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगराची

भूमि -सर्वे 210/2, तिख्वानमियूर (धाक्यूमेंट 2554/83)

> म्नार० पी० पिल्लै संसम प्राधिकारी सहायक म्नायक भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, II, मद्रास

दिनांक : 5-3-1984

मोहर 🔞

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-II, मद्वास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० 19026—यतः मुझे, घार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० 24, है, जो वेंकटाचल मदली स्ट्रीट, मब्रास-5 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, ट्रिप्लिकेन (डाक्यूमेंट 569/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, दिनांक ग्रीयस्त 1983,

को पूर्वित्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल हे एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बौर अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) सन्धरण वीह्यू किसी नाम् की नावस्, अवस अभिनियत्र के अभीन कर दोने के जन्तरक की दावित्य में कमी करने वा जबसे बचने में सुविधा के से सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जिनाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (ा) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अधीत क्रम्स (1) श्रीमती मीनाक्षी भ्रौ कनगम

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वजरवती भौर घदर्स

(म्रतरिती)

स्त्री वह भूषना थारी करके पृशाँक्त सम्मृत्ति को वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थ्वतिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यथिनिवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्वी

भूमि श्रीर निर्माण—24, वेंकटाचल भुवली स्ट्रीट, मब्रास-5 (डाक्यूमेंट 569/83)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सेहायक द्यायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 5-3-0984

प्रकृष बार्च _ टी. प्र. पुर्स _=--===

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सुपना

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-U, मद्रास

मद्रास, विनांक 5 मार्च 1984

निवेश सं० 19031—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर शृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निववास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृष्य 25,,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 97, डाक्टर बेसनट रोड है, जो मद्रास-14 में स्थित है (और इससे उपाबक्क में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, द्रिष्लिकेन (डाक् मेंट 605/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983,

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोच्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित के बास्तविक रूप से करीकत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे व्यूने में सुविधा के किए; ब्रोडिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सृविधा के निए;

(1) श्री ह्यंत वाणा और अदर्श

(अन्तरक)

(2) श्री दमराज बी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचमा के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिनता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस् सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थळ्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विया गया है।

जनसूची

भूमि और निर्माण--97, डाक्टर वेसन रोड, मब्रास-14 (डाक्यूमेंट 605/83)

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलेखित स्वत्वियों, अर्थातु:---

दिनांक : 5-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

मायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1984

निदेश सं० 19033— यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 161 है, जो पोन्नेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णक्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सौत (डाक्यूमेंट 2643/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (पा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

(1) श्रो धनेस चेट्टि और अदर्स

(अन्तरक)

(2) वी० जी० पी० फाउंडेशन

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पार लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

भूमि-सर्वे 161, पोन्नेरी (डाक्यूमेंट 2643/83)

अगर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11, मब्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 24—46GI/84

दिनांबर : 5-3-1984

मोष्ट्र 🕄

प्ररूप नाइ. दी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के बंधीय धूपका

भारत सुरुकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

भद्रास, दिनांश्र 5 मार्च 1984

निदेश सं० 19044—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- के. मं अभिक हैं

और जिसको सं० सर्वे 66/6 ए है, जो सीनिरकुप्पम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सौत (डाक्यू मेंट 2578/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिलांक अगस्त 1983,

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क का निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नलित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिबाँ करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: धव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के कन्सरण में, मैं, अंबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (↑) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती शान्त कुमारी और कतकसवापती (अन्तरक)
- (2) श्री विजय दुगार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की अविभ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी, अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूंजों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिए-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टोकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

मन्स्ची

भूमि-सर्वे 66/6ए, सीनिरकुप्पम श्री पेरुमबदूर (डाक्यूमेंट 2578/83) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

दिनांक : 5-3-1984

सोहार 🛭

प्रक्ष बार्च . टी . एन , एक ,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मुधीन सुचना

बारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नित्रीक्षण) अर्जन रेंज II, मदास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निदेश सं० 19284—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मून्य 25,000/-रा से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 165, है, तथा जो 94 स्ट्रीट, 15 सेक्टर के० के० नगर, मद्रास-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-भूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडमवाखम (डाक्यूमेंट 2710/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयं मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिल्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबत, उक्त किथिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के दियायित भी कभी करने ये उससे ब्यने में सुविधा के लिए, और या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग्नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अक, उन्दर अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात :—

(1) श्री पी० कासिनातन

(अन्तरम्)

(2) श्रोमती राजीवलोसनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्मध्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दियाः गया है।

सनसर्थी

भूमि और निर्नाण—-ज्लाट 165, 94 स्ट्रॉट, 15 सेक्टर, के० के० नगर, मद्रास-78 (डाक्यूमेंट 2710/83)}

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि, 11, मद्रास

विनांक : 2-∙4--84

मोहार 🖫

· प्ररूप भार टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निवेश सं 19296—यतः, मुझे, आर० पी० पिरुलै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1, 92 स्ट्रीट, है तथा जो मन्नास-83 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडमबाखम (डाक्यूमेंट 2472/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिखी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित न वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० एस० गुनपाडियन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० सिगामनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख , से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्ची

भूमि और निर्माण--1, 92 स्ट्रीट, मद्रास---83 (डाक्यूमेंट 2472/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 2-4-1984

मोहरु ⊴

प्रकृप आहु . टी . एन् . एस . ---------

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायेक आयंकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

ा 18974----यत. ॗ मुझे, आर० पी० पिल्लै, निदेश सं० मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एत. सं अधिक **ह**ै भीर जिसकी प्लाटनं० 11, है, जो तथा कतीडल रोड, मद्रास-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्राम जारत (डाक्य्मेंट 3161/ 83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसं अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-

कन निम्नलिसित उद्दारम सं उत्तर बान्तरण लिखित में बास्तिब्र

क्प से कथित नहीं किया गया **ह**ै:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

बतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरक मों,, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नोलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एन० वीरास्वामी ।

(अन्तरक)

(2) श्री छार० नगराजन ग्रीर भदर्स।

(अन्सरिती)

को-यह सूचना चारी करके प्योंक्त सम्पृत्ति के वर्चन के जिल् कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के इस लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land at Plot 11, RS 1223|4, Cathedral Read, Madras-6. (Doc. 3161|83)

आर० पी० पिल्लौ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, मद्रास

इंदनांक : 2--4--1984

मोहर ः

प्ररूप 'बा**६** . टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना (1) श्री हार्तिम बाय श्रीर अदर्स

(अन्सरक)

(2) श्री सिवसुत्रमनिय

(अन्तरिती)

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निदेश सं० 19220--यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिर जिसका उचित बाजार मृत्य, 25.,000/- कि. से विधिक है

भीर जित्त हो सं 0 15, है, जो बारती रीड, मझा - (नेरनरूर) में स्थित है (और इसने उताबद्ध अनुपूर्वा में और पूर्ण का में विणक्त है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरसवाखम (डाक्यूमेंट 1826/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण निवित्त वे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय था किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1:) र उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रेकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ब) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपिद्ध में हित-बद्ध किसा सन्य न्यांका तवाना अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकांगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्याहै।

मन्सूची.

भूमि श्रीर निर्माण—-15, बारती रोड, मद्रास—]] (डाक्युमेंट 1826/83)

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–11, मद्रास

अत: अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 2-4-1984

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

कार्याल्य, ब्हायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--ॉ. महास

मद्रास, विनांक 2 भन्नैल, 1984

निदेश सं० 19198---यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

बावकर मिश्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्त मिश्तियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 79, है, जो डाक्टर रंगाचारी रोड, मद्रास-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक्यू-मेंट 1148/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सिसम्बर 1983

को पूर्वे विस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बियत्व में कभी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; बीर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

(1) श्री वी० नरसिह्मन ग्रीर अदर्स

· (अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० रमा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त तम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नासंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवार;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास व्यक्ति में किए जा सकारी।

स्वक्तीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, वा उवत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण---79, डाक्टर रंगाचारी रोड, मद्रास---4 (डाक्यूमेंट 1148/83)

> आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंक-11, मद्रास

वत: वाव, उक्त कींधनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात रूल

दिनांक : 2-4-1984

प्रस्प बार्च टी.एन.एस.--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा - **269-व (1) के प्रधीन सूचना**

भारत सरकारु

काथिलय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निदेश सं० 19195—यतः मुझे, जार० पी० पिल्लै, भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अभीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क• से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० 2/49, है, जो राठवरठ राल्लियटस रोड, मद्रास-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्त में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक्यूमेंट 1108/ 83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1.6) के अधीन, विनांक सितम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि य्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूह्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से प्रधिक हैं और भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तबिक इप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त नियम के प्रश्नीत कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचा में सुविधा के लिए। धीर/का
- (ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भूमा था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

शतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के सभीन, निम्नीलिखत व्यक्तियाँ, अर्थातः :-- (1) श्री संजय के० पटेल श्रौर अवर्स

(अन्तरक)

(2) श्री एस कुष्ण

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वों क्त सम्पर्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां गुरू करता हो।

बनत सम्पत्ति से अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की जनिध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्व व्यक्तियों में में किसी अपनित द्वारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट—2/49, राठवरल राल्लियटस रोड मद्रास—4 (डाक्यूमेंट 1108/83)

> आए० पी० पिस्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्राख

दिमांक : 2-4-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(प) (1) के अभीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरोक्तण) अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निदेश सं० 19222---थतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

25,000/- र $_{5}$. से अधिक ही

श्रीर जिसकी संब प्लाट 16, है, जो बेसनट एवेन्यू रोड, मद्रास अरूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत ग्रन्सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, सठयार (बाक्युमेंट 2586/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मृल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से., ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और पन्द्रहेप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी अाव की वावत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उन्नसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसे किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय जायकर जिम्ही मारतीय जायकर जिन्ही भारतीय (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए 🗅

बत: अब उक्त अधिनियम की धार्य 269 न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 2,69-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---25-46(G1/84

(1) भी सी० बी० नरसितान

(अन्तरक)

(2) श्री गीथा राधवन

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधिया, तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त अयिक्सयों में से किसी व्यक्ति द्वार,
- (स) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकों गे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्वो का, **जो उक्त** अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, ब**ही कर्थ हो**गा जो उस अध्याय मे⁻ दिया गया हैं।

भिम-प्लाट 16, बेसट एवेन्यू रोड, अरूर मद्रास । (डाक्यूमेंट 2586/83)

> आर० पी० पिल्ली -सक्षम प्राधिकारी सुष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 2-4-1984

मोहर 🌣

प्ररूप आई. टी. एन. एसं. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-**ण** (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्वेक्षण)

अर्जन रेंज—ा।, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निदेश मं० 19194—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चान् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

, और जिसकी मं० 19,1 मेयन रोड, है जो सी० आई० टी० कालोनी मद्राम--4 में स्थित है और इससे उपावज में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्द्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक्यूमेंट 1107/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1983

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्युष्ट्य से उन्तर अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एस था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनयम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् ६(1) श्री मुख्यलकणमी

(अन्तरक)

(2) श्री सातजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाय।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगत्त्रपी

भूमि और निर्माण---19, I मेयन रोड सी० आई० टी० कालोनी, मद्रास---4 । (डाक्यूमेंट 1107/83) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

क्ष्तांका : 2∺4-1984 ि

¹मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त ((जिल्लीक्षेत्र)) अर्जम रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निषेण सं० 19268—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लैं, बायफर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12, है, जो वाठलस रोड मद्रास--10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीमर्ता अधिकारी के कार्यालय पुरसवाद्धम (डाक् मेंट 1602/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सित्तम्बर 83,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से शुद्ध किसी जाय की बाजत, उक्त जिथितियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

(1) श्री आत्मराम और अदर्स

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती रंजना नायर और प्रेमकुंद्रा

(ग्रन्तरिती)

की यह स्वामा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्**ची**

भूमि और निर्माण-12 वाठलस रोड मद्रास-10। (डाक्सेंट 1602/83)

आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधीकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 11, मद्रास

बतः अव, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिका स्वीकतमों, असीतः—

दिनांक : 2-4-1984

मोहर 🖹

प्रकार बार्ड . बी . एवं . एवं . -----

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की वाहा 269-व (1) के स्थीन स्वना

मारत सरकाह

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल, 1984

निवेश सं 19236—यतः मुझे, आरं पी पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं ० 85,85ए, राम के रान है तथा जो रोड, मद्रास — ` 32 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेवापेट (डाक्यू - मेंट 1575/83) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तिः का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्निलिक्त उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिवित में वास्त-विक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरक ते हुई किवी बाद की बावस, उपक विभिन्न के वधीय कर देने के जन्तरक के राजित्व में किसी करने या उक्कस वचने में सुविधा के किए; कर्तर/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या क्या वास्तियों को , चिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, या धनकर अधिनियन, या धनकर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए ना कियाने में बुनिया के हैकए;

(1) श्री बेंकटरामन

(अन्सरक)

(2) श्रीमती भुवनेषवरी कारपीरेणन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्रावेत्त सम्पत्ति के जर्बन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष ३--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पाम निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

भूमि---और निर्माण---85, 85 ए, राम के रान रोड, मद्रास---32। (डाक्यूमेंट 1575/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-11, मद्रास

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के, बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीत ध—

विनांक : 2-4-1984

मोहर 🔞

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक गायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-गुमब्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निवेश सं० 19233—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्तित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं अार ० एस० 2-2ए, है, जो उत्तठी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अठयार (खाक्यूमेंट 2697/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983,

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पर्शि का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- , (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
 - (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाक्षतार्थ अन्ति क्या गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

बतः बद, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बेंकटनारायन

(अन्तरक)

(2) श्री वरदनातन और अदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

नन्त्रनी

भूमि-आर० एस०-2-2ए, उतन्छी । (डास्यूमेंट 2697/83)

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, मद्रास

विनांक : 2-4-1984

मोहर 🤢

प्ररूप बाइ टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निदेश सं० 19225—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 15, अस्तूरबाय नगर, है, जो कोंडू र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णक्ष्म से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अठयार (डाक्य्मेंट 2651/ 83) में भारकीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिक्ति उक्वेश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुइ किसी आग्न की बाबत, उसत , अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के निष; औद/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधी न, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीर ---

(1) श्रीमती लीला सेलवराज

(अन्तरक)

('2) श्री टी० एस० मन्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

3 - 3 / S

मनुसूची

भूमि और निर्माण-कस्त्रबाय मद्रास । (डाक्यूमेंट 2651/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—11, मंद्रास

दिनांक : 2-4-1984

मोहर 🛭

प्राक्य काई . टी . एन . एस . --------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन मुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नद्रारा

मद्राम, दिनांक 2 अप्रैल, 1984

सं० 19193-- यतः मुझे आर० पी० पिल्लै

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० आर० एस० 3595 है, जो 51 लंस जिबन्यू मन्नास-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर डाक्युमेंट 1106/83) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के झधीन नारीख सिलम्बर, 1983

पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिकाल के लिए बन्तरित की गई है और मुम्ने सह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपयमान प्रतिफाल सं, एरेंग रूपयमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफाल, निम्निश्चित उद्वेषय से उक्त अन्तरण कि बिता गया है। ---

- (क) नन्तरण से हुई किसी अप की बाबत, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

बतः जब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न्न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री श्रीधर

(अन्तरक)

2. श्रीमती पद्मा रामानजम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास निष्ति में किएं जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अमच की

भूमि— आर० एस० 3595/16, 51, लस अवेन्यू मद्राय-4 । (डाक्मेंट 1106/83)।

> (आर० पी० पिल्ली) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख : 2-4-1984 ।

प्रकल आहें . ही . एत् . एक . ------

नामध्यप्र विभिनियम 1961 (1961 का 43) की भाषा

269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

सं० 19179—यत: मुझे आर० पी० पिल्लैं **बायकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं श्रौर जिसकी सं० 3 है, जो III-मेन रोड यू० ग्राई० कालोनी, मद्रास-24 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास साऊथ (डाक्मेंट 2830/83) में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील सितम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारन का कारण है कि सभापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभकं दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे रश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- 🚛) बन्तरक से हुई किसी जाय की वावतः, 🗸 उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की द्यायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बत:, बब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग की जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कंधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

औ पी० वी० नारायसस्वामी

(अन्सर्कः)

2. भीमती सुबब लक्ष्मी

(अन्तरिती)

को बहु हुचना बादी करुके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्षन के निध कार्यवाहियां करता हो।

उनत संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ रर-सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोष्टस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

भूमि ग्रौर निर्माण---- 3, III-मेन रोड, यू० ग्राई० कालोमी, भद्रास-24।

(डाक्मेंट 2830/83) ।

क्षार० पो० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) **अर्जं**न रेंज-II, मम्रास

तारीख : 2-4-1984।

मोहर ः

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस. -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन समाना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (नि<u>र्</u>क्षिण) अर्जन रेज, मदाध

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

सं० 19218—यतः मुझे आर० पी० पिहले जामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 59 है, जो पिल्लयार कोयिल स्ट्रीट, मद्रास-5 में स्थित है (भौर इससे उपाधद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्रिपलिकेन (डाक् मेंट नं० 676/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख सिसम्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बीभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

1. श्री क्रगनामकी

(अन्तरक)

2 श्री मोख मायत

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पळिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगस ची

भूमि ग्रौर निर्माण-59, पिल्लेयार कोयिल स्ट्रीट, मद्रास-5 (डाक्मेंट 676/83) ।

> आए० पी० पिल्सै सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज - II, मद्रास

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण मों, मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

26-46GI/84

तारीख: 2-4-1984

प्रकृप मार्ड टी. एन : एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)) की: धारा 269-च (1) के अधीन सूचना 1. भी टी० भी० टी० नंजाप्पन

(धन्तरक)

2. श्री सुनामनियम श्रौर अवर्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज- I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल, 1984

सं॰ 19342---यतः मुझे, आर॰ पी॰ पिर्स्स,

भावकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रहे. में अधिक हैं

मौर जिसकी सं० सर्वे 24/3, 26/1, 22/1, 35/1, 35/2, 27/2, 27/3, 35/3, 36/1 36/2, है जो अपनुरुलूर धुम्मिठि-पूठी में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूपा हो विज्ञात है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेंट्रल (डाक्मेंट नं० 154-156, 159 से 161/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन: सारीख सितम्बर, 1983

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूरमाना प्रतिफल के लिए कस्तरित की गई है जौर मुझे वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निचित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी नाम की बाबत उक्त कािंध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के साबित्व के कमी करने या उससे वचने में सुविका के किसे; जार या/
- (क) एँसी किसी अग्र या किसी धन या कस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था, क्रिपाने में सूपिधा के लिए;

की यह जुना पारी कर के पूर्वों कर वंगीरत के सूर्वन के दिवस

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र के प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामीस से 30 दिन की जविध, वो बी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-विशे किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, वधोहस्ताक्षदी वें पास लिकित में किए या सकींग।

स्थळीकरण:---इसमें प्रयुक्त करूरों और पदों का, को स्थल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्स्ची

भूमि-सर्वे 24/3, 26/1, 27/1, 35/1, 35/2, 27/2. 27/3, 35/2, 36/1, 36/2, भयनस्लूर बुम्मिठिपूठी (शक्सेंट 156-156, 159-161/83)

> भार० पी० पिल्लै सक्तम अधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज - II, मद्रास ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

तारीख: 2-4-1984।

मरूप नाइ. टी. एन. एस.------

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत तरकार

कार्बासक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिलांक 14 मार्च 1984

निवेंस सं 192861—यतः मुझे, श्रार पी पिरुले स्विकार अधिनियसः, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें स्विक प्रचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269 वा के जधीम सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 147 तथा जो ग्रीनमस रोड मद्रास में स्थित है (भीर इससे उपावद में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, तौसनटर्जंटस (डाक्यूमेंट 97/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक सितम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूस्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधीनयम, या धन-कर आधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

कंत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, विकासिक्षक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विमल ठी० रंका और अदर्स

(अन्तरक)

(2) श्री हरिकिशनदास बिमल कुमार जलन और अदर्स (अट्रुनरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ट्रताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि--147, ग्रीमस रोड, मद्रास । (डाक्यूमेंट 97/83)

> आर् पंकि पिल्ली सक्षत पानिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण), अर्जन रोजना, महास

दिनांक : 2-4-1984

मोहर ;

प्ररूप नाइं. टी. एन. एस.------

कार्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 2 अप्रैल 1984

निवेश सं० 19259—यतः मुझे, आर० पी० पिस्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- हर से अधिक हैं

भौर जिसकी सं 0 3 है, जो बरिकट रोड मज्ञास—17 में स्थित है (और इससे उपाबद में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्ता व्यक्षिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्यूमेंट 1210/83) में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्यक्षीम, विजाक सितम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उषित बाजार मृस्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्होश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते हुई फिली जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को जभीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात :--- - (1) श्री सिवाबुसनामल

(अस्तरक)

(2) श्री जगन्नातन

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

असस्ची

भूमि और निर्माण--2, बरिकट रोड, मद्रास--17 (डाक्यूमेंट 1210/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांचा: 2-4-1984

मोहर 🖫

प्रारुप आई. टी. एम. एस.------

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्—।।, महास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निदेश सं० 19202—यतः मुझे, आर० पी० पिरली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 4, है, जो श्री निवास एवेन्यू महास-28 में स्थित है (और इससे उपायद्ध में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक्यूमेंट 1182/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखत मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उन्स्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, या धन-(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री चन्द्रराजम

(अन्तरक)

(2) श्रीभक्षी मीमाककी सुन्दरम

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पक्कीकरणः → इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वो का जो उक्का अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वया है।

वन्स्ची

भूमि और निर्माण---4, भी निवास एवेन्यू, महास---28। (डाक्यूमेंट 1182/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-11, मन्नास

दिनांक : 2-4-1984

मोहर 🕹

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निवेश सं 19224- प्यतः मुझे, आरं पार पार पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं क्यों 79/2 ए, हैं, जो निक्तकरें में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अठ्यार (डाक्यूमेंट 2641/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था हा किया नाता चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

गतः जग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रीम, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) रोहिनी डेयरी फार्रामन

(अन्तरक)

(2) रामपी बिस्ट्रिलरीस (प्रा०) लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखिस में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

भूमि-सर्वे 79/2ए, नोलकरे । (डाक्यूमेंट 2641/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, महास

दिनांक : 2-4-1984

प्रस्प नाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II,मद्रास मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निवेश सं 19251——यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 8, कस्तूरी ईस्टेट है, जो मद्रास 86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिवर्ट्र दर्श अधिकारी के कार्यालय, भद्रास सेंट्रल (डाव्यू मेंट 114/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितस्थर, 1983,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विभिन्न है बौर बन्तरक (बन्तरकों) और वंतरिती (बन्तरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का निम्नसिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में बास्तिक क्या से कथित नहीं जिया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी जाब की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा था का किया वाना-वाहिए वा, धिनान अं सविधा के निए;

जतः जब उक्त अधिनियम की भाष 269-ग के अनुतरक जो, जो, अक्त अधिनियम की भाष 269-ग की जपभाष (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गोपीचन्द ईदनदास और अदर्स

(अन्तरक)

(2) श्री बारती राम माथानी

(अन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**इ भी आक्षेपः--**

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों नद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में दिलवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाकीकरणः --इसमें प्रमुक्त सब्दों और वर्षों का, वो डक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि--8, कस्तूरी एस्टेंट, मद्रास--86। (डाक्यूमेंट 114/83)

> आर० पी० पिस्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक भावकर भावक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 2-4-1984°

प्ररूप अरूई.टी.एन.एस..----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार् 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत बर्काइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निवेश सं 19082---यतः मृझे, आर पि पिल्ली, नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्र्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी मं० मलमंडा है,जो 108, नृंगमबन्तम हाई रोड, मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबक भनुसूर्च में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थौजैंडलाइट्स (डाकूमेंट 69/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1983,

को पूर्नोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (बन्तरितयों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबस, जक्द जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कते, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूविधा के लिए;

कतः संब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थन् :--- (1) श्रा नल्लेन्द्रम पिल्लै ।

(अन्तरक)

(2) श्री गंग-या नायडू

(अन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि⊸क्तपसंडा, 108, तुंगमयक्षम हाई रोड, मद्रास-34 । (डाकूमेंट 69/83)

> ृंबारः पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

विनाम : 2-4-1984

मोहर ३

प्रकल बाह्र", टी . एव . एस . ------

मायक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

मब्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निदेश सं० 19078—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित्व जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कलमंडा है, जो 107, नुंगमबक्तम हाई रोड. मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थौजैंडलाइट्स (डाकूमेंट 64/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्मनिक्ति उद्देश्य से उन्त मन्तरण सिवित में वास्तिक इस से किना महा हिस्सा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आम की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (w) इसी किसी बाय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैं० सेंचुरी फ्लोर मिल्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री पदमनाभ रेड्डा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के मंबंध में कोर्ड भी काक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास निवित में किए जा सकरो।

स्पष्डिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-अलमंडा, 107, नुंगमबक्कम हाई रोड, मद्रास-34। (डाक्मेंट 64/83)

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-- , मद्रास

दिनांक : 2-4-1989

मोहरः

प्ररूप आहुँ दी एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनोंक 2 अप्रैल 1984

निदेश सं० 19303—यतः मुझे, आर० पी० पिस्लै, काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० 242, है, जो पीटर्स रोड, मद्रास—14 में स्थित है

आराजसका सर्व 242, ह, जा नाटस राड, मश्रास—14 नार्यत है।, (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज्ञाही नतीं अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंद्रल (डाक्सेंट 139/83) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1983

का 16) के अवान, सितम्बर 1983 को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजाण मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण मे हुई किसी आयं की बाबत, उकल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुआरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने से मुविधः के सिए;

जतः जज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण जो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, नियनिमुक्ति व्यक्तियों, स्थात् :---

- (1) श्री सैयद खलील अहमद और अदर्स ।
- (अन्तरक)
- (2) श्री फरीदा परवीन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जार करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य में हिस्सी करता हो।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से .15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एाम निजित में जिंग का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—242, पीटर्स रोड; मद्रास-14। (डाक्मेंट 139/83)

> आर० पी० पिल्लै नक्षम प्राधिकारी सहाबक ग्रायकर स्राबुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज–II, मद्रास

दिनांक : 2-4-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निषेश सं० 19307—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 67 है जो मेकनिकोल्स रोड महास में स्थित

और जिसकी सं० 67, है, जो मेकिनिकोल्स रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रेल (डाक्यूमेंट 165/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983,

की पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विश्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, इसके दृश्यमार प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमार प्रतिकत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निविधित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निखित में वास्तिवक इस ने कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः :— (1) श्री मुरली कृष्णा और मोहनकृष्णा

(अन्तरक)

(2) अमुदा और अदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उन्हरू अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

भूमि और निर्माण---67, मेक निकोल्स रोड, चेट पुट, मद्रास (डाक्यूमेंट 165/83)

> आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मन्नास

दिनांच : 2-4-1989

प्ररूप जाई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निर्धिण) अर्जन रेंज--II, मद्राष्ट्र

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निदेश सं० 19305-अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 98/3बा, है, जो मोन्नेस रोड, मद्रास-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल (डाक्यूमेंट 146/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्थ में कसी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का विकास जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(6) श्री राम एण्टरप्राइसिम

(अन्सरकः)

(2) अशोक असरानी

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त , अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—98/3वी, मोब्रेस रोड, मद्रास-18 । (डाक्यूमेंट 146/83) ।

दिमांक : 2-4-1984

प्रकार कार्ये हो . एक , एक . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मन्नास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निर्देश सं० 19304—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी। सं० 98/3वीं, है, जो मोक्रेस रोड मब्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंद्रल (डाक्यूमेंट 145/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983,

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेद्यों से उक्त अंतरण लिकित में शास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है ं—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबता, उत्क अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) रामा एण्टरप्राइजेस

(अन्तरक)

(2) रमना मसवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्य में प्रकाशन की तारी से 45 विम की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्च से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्र ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बन सची

भूमि—98/3बी, मोन्नेस रोड, मद्रास—18 (डाक्यूमेंट 145/83) ।

आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मब्रास

दिनांवः : 2-4-1984

मोहर 🕍

त्रस्य भार्यः, द्वीः, एवः, एवः, प्रयासन्यान

भाक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सहकाह

नवयलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 **अ**प्रैल 1984 निदेश सं० 19306--यत: मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अभिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं प्लेट एम० है, जो टी० बी० रोड, मद्रास-35 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल (डाक्यूमेंट 149/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक्त संप्रित का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिंधिनियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट रहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्रिस्था के सिए।

(1) श्री शार० राजगोपालन ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर॰ शान्ता ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वन्स्वी

फ्लैट एम 3, टी॰ बी॰ रोड, मद्रास-35। (डाक्ट्मेंट 149/83)

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

जतः जज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, :---

दिनांफ : 2-4-1984

मोहर 🔞

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निवेश सं० 19343—यतः मुझे, आर० पी० पिरुलै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ज्लाट सी ज 5 है, जो मो श्रेस I क्रांस स्ट्रीट, श्रीरामनगर मद्रास—18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण क्षा में विणत है), रजिस्ट्रे कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंद्रल (डाक्यूमेंट 59/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्र्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से विधक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कर निम्निलिखत उद्बंध्य से उक्त बंतरण निचित में बास्तिक रूप से किया गया है है—

- (क) अन्तरण स हुई किसी बाय की बाबस, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्षे एमी किसी आय या किमी धन या अन्य वास्तियों को जिल्हों भारतीय काय-कर प्रथितियों, १०१० (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला का निर्देश नाहिए था जिल्ला था स्विभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिक्त स्पिक्तयों, अर्थात् :---

(1) लक्ष्मी रामचन्द्रन

(अन्तरक)

(2) डाक्टर एस० मृतुराजन

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पर्तिः क वर्जन क सम्बन्ध में करेड् भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्था के राषपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिम की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति सूनाए।
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ट में जिल्ला में जिल्ला के जिल्ला में जि

स्थार्ट्याकरण:--धुममं प्रयुक्त शब्दा और पृथा जा, भी उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हा, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हा।

मनसची

भूमि—स्लाट सी०-5, मोक्रेस I कास स्ट्रीट, श्रीराम नगर, मद्रास—18 । (डाक्य्मेंट सं० 131/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--11, मद्रास

दिनांक : 2-4-1984

प्रकृष् बाइं.टी.एन.एस.-----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के विधीन सुचना

भारत मुर्कार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास महास, विनांक 2 क्षत्रील 1984

निदेश सं० 19355—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टी० एस०-20, है, जो ऊरूर, बेसॉट नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अड्यार (शक्यूमेंट आई-1112/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908

16) के अधीन, दिनांक सिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वासं करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्मिलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तनिक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कंमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, विश्व किया गर्या प्रतिपतियम, विश्व कर अधिनियम, विश्व कर विष

(1) श्री बी॰ लक्ष्ममम

(अन्तरक)

(2) श्री अध्युत भार० चुनदर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित को कर्जन के सिड् कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिवाँ पर सूचना की तानीस से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क्षे 45 विन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बब्ध फिसी अन्य न्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के एाम लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकिष्ण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस मध्याय में खिया गया है।

अनुसूची

भूमि—टी॰ एस 20, बेसांत नगर (डाक्मेंट आई० 1112/83)

> आर० पी० पिस्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I^I, मद्रास

अतः उकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात कः

विनांक : 2-4 1984

प्रकथ भार्षः, दी, प्न, एस...----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन मुचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-41, मद्रास मद्रास, हिनांकः 2 अप्रैल 1984 निदेश सं० 19201---येतः मझे, आ२० पी० पिल्लैं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम पाधिकारी की यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 4,कामराज सालै है, जो मब्रास—28 में स्थित है (श्रीर इससे उपायक में श्रीर पूर्णस्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक्य्मेंट 1181/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक सितम्बर 1983,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल में एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और मा
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए-

(1) भी नक्सराक्त

(अन्तरकः)

(2) श्री जी० वैद्यनाथन

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेविस सम्पास के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध द्वींगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बनुस्ची

भूमि ग्रीर निर्माण----4, कामराज सालै मद्रास----28 । (ज्ञाक्यूमेंट 1181/83)

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--II, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अ्मृति :---

28 ---46/01/84

विनोक : 2-4-1984

मोहर ः

प्रकप बाद्य . टी. एन. एस.-----

नायकर नौधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ध (1) के अधीन सचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, मद्रारा

भद्रास, दिनांक ६ अप्रैल 1984

निवेण सं० 19258---यतः मुझे. आ२० पी० पिरुलै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 113 है, जो उसमान रोड, मद्रास-17 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायद अनुमूची में ग्रीर पूर्ण हप से विजित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी॰ नगर (डाक्स्मेंट 1064, 1065, 1066, 1067/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके त्र्यमान प्रतिफल सं, एसे श्र्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है जौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

- (1) श्रीमती सीक्षालध्यी, बेंकडेसन श्रोष्ट उसा देवी । (अस्तरक)
- (2) श्री चेल्लप्पा, क्रूप्नमाचारी, राजगोपाल, चोकालिगम, संभानशमन ।

(अन्धरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों:

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीब में 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थिवतयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकीये।

स्वष्ठीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित सूँ, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मनसची

भूमि—113, उसमान रोड, मद्रास-17। (डाक्मेंट 1064, 1065, 1066, 1067/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

अगः अघ, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के, अन्सरण भी, भी, उका अधिनियम् की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिष्यत व्यक्तियों, अधृति :--

विनाक 3--4--1984 <u>मोहर</u>

प्रक्ष नाइ . टी . एत . एस् . ------

1. श्री दोरौरंगम।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन समना

2. श्रीमाध्यन ।

(अन्तरिती)

भारत तरकार

कार्याक्रम, सहायक नामकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज ।।, मक्षास

मधास, विनांक 6 अप्रैल 1984

निवाश सं 19081--यतः, मुझं, आर. पी. पिल्लै, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुभ्यति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से **मीधक है** और जिसकी सं. 27 है, तथा जो वीरभद्र स्ट्रीट, मद्रास-34 में स्थित ही (और इससे उपाबवुध अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्वाणत ही), रिजस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटलैटस (डाक् मेन्ट सं. 73/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस सितम्बर, 1983 को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्भदेश से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बंतरण से हुए किसी जाम की नावत, अक्त विधिनियम के संधीत कर बोने के अंतरक के दायित्व में कभी कारने या उससे वचने में सुविधा के लिए; कोर/वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाचकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने सें सविधा के सिए;

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी ग्राक्षंप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति वृत्रारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु निर्भ होगा जो उस मध्याय में विद्या ग्याहै।

म्∮म--27, बोरभद्र स्ट्रॉट, मब्रास-34 (डाक भेंच्ट सं . 73/83)

> आर. पी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मदासा

वृतः वृष, उक्त विधितिषम की धारा 269-ग के वर्नुसरन हैं. मैं. उक्त विधिवयम की भारा 269-ज की उपभारा (1) 🔑 तारील्: 6-4-1984 . हें नधीन, निकालिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मोहर 🖫

प्रकप नाहाँ . टी. एन. एसं. - - - ----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजना।, मदास

मद्रास, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निद्या सं. 19241--यतः, मुझे, आर. पी. पिल्लै, गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमे इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है और जिसकी सं 28 है, तथा जो 5 मेयन रोड, राजा अन्ता-मलैपुरम, मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप संवर्गित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्रमेन्ट सं. 1195/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह पतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिसी (अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त नस्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी अरने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया नाना चाहिए था. कियाने में सिन्धा से निन्धा

1. श्री जम्बुनाधन।

(अन्तरक)

2. श्री एस. राममूर्ति तायगम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांई भी वाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पर्दा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यो

भूमि और निर्माण—-28, 5 मेथन रांछ, राजा अन्नामलं-पुरम, मद्रास-28। (डाक्रूमेन्ट सं. 1195/83)

> आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, महास

सतः सवः, उक्त सिभिनियम की धारा 269-ग के बनुसरंग में. तै. लक्त अधिमियाय की धाल 269-य की लुपधाल (1) के अधीय, विक्रमिसिया स्थितियों, सर्धात

लारीख - 6-4-1984 मोहर . प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र³ज-।।, मद्रास

मन्नास, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निवश सं. 19246—यत:, मुझे, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. सं अधिक हैं और जिसकी सं. आर. एस. 3991/22, 59 हैं, तथा जो ।। मेयन रोड, मद्रास-28 में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप सं वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैलाप्र (डाक्सेन्ट सं. 1221/83) सें रिजस्ट्री-करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पृथेवित सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किन्ती बाव की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविभा के लिए बार/वा
- (प) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिसी ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए:

अंतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ह , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् क्र--

1. श्रीकातिक चन्दर/

(अन्तरक)

2. श्री राजन और श्रीमसी लक्ष्मी राजन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जोरी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टोकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

भूमि और निर्माण--59, ।। मेयन रोड, मन्नास-28। (डाक)मोट सं. 1221/83)

> आर. पी. पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

तारीख: 6-4-1984

मोहुरु 🖁

प्रकप काइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर मायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, महास

मद्रास, विनांक 6 अप्रैल 1984

निवंश सं 19288--यतः, मुझे, आर पी पिल्लै, शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रतः से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. 64 है, तथा जो नंगमबासम हाई रोड, मद्रास-34 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसंटलैटस (डाक्र्यान्ट सं. 92/83) मो रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारील सितम्बर, 1983 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गर्ड है। और मभ्रे यह विदेवास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तविक

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

रूप से कथित नहीं किया गया **ड**ै ध—

(स) एसी किसी आय या किसी अन या जन्य का स्सियों को, जिस्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ग में., मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित स्यक्तियों, अभीत् :— 1. श्रीमतीपी. ललिताः

(अन्तरक)

2. श्रीमती जयप्रदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बनत् सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अमृजुची

भूमि और निर्माण--64, न्गमबाखम हाई रोड, मन्नास-34 है। (शक्मोन्ट सं. 92/83)

> आर. पी. पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज-।।, मन्नास

तारीख: 6-4-1984

मोह्रुद्ध ध

प्रकार वार्'. टी. एन. एस.-----

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।, मद्रास

मदास, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निवंश सं. 19252—यतः, मृझे, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-छ. से अधिक है और जिसकी सं. आर. एस. 1415 है, तथा जो विजयराधवधारी रांड, तेनामपेट, मदास में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल (डाक्र्मेन्ट सं, 116/83) में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार

मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मे, एसे दश्यमान प्रतिफल के पेस्न प्रतिफल के पेस्न प्रतिफल के पेस्न प्रतिफल के पेस्न प्रतिफल के अंद अन्तरक (अन्तरकों) आदि अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को श्योजनार्थ अंतरिनी दकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा वै विए;

अतः शव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अनुसरण** में, मैं, अक्त अभिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीर, निम्निजिक्त व्यक्तियों, **जर्यात्** एक्स

-) इंस्ट कोस्ट कन्स्ट्र**क्शन्स और इन्डस्ट्री**ज। (अन्तरक)
- श्री मोहम्मद आजम जन,
 श्री मोहम्मद अमगर जन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यतिह के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उमरा सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्वीं , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति है।
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

भूमि—–आर. एस. 1415, विजयरागवाचारी रोड, तेनामपेट, मद्रास। (डाक्रूमेन्ट मं. 116/83)

> आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मदास

तारीष : 6-4**-1984**

प्रकृष आहें ही एन एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-११, मदास

मदास, विनांक 7 अप्रैल 1984

निवास सं, 13186—यतः, म्भों, आर. पी. पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 15/10-4, बारती पारक रोड, तेलुग्पालयम है, तथा जो कायम्बट्टूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टूर (डाक्रूमेन्ट सं. 3327/83) में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1983

को पृत्रोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रक के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रहें प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बाक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/मां
- (क) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिमने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थान :--- 1 श्री जार टामोदरनः।

(45 (TE)

2. श्री काट्टोरी टोक्स्टाइल्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके धूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तहसंबंधी व्यक्तियों पर मृषना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति गांति
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को 'पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगसची

भूमि और निर्माण—-15/10-4, बारती पारक रोड, तेलूंगुपालयम, क्रोयम्बट्टूर।

(डाक मेन्ट सं. 3327/83)

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मदास

सारीस : 7-4-1984

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. -----

1. भी मत्तरमात।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजना । महास

मन्नास, विनांक 14 मार्च 1984

निष्येष सं. 13155—यतः, मुक्षे, आर. पी. पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. टी. एम. 9/123, अन्ष्यरपालयम हैं, तथा जो कीयम्बट्टूर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कीयम्बट्टूर (डाक्रूमेन्ट सं. 3448/83) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983 को पूर्वोक्त संपृत्ति के उधित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास

को पूर्विक्त संपृत्ति को उभित बाजार मृत्य से कम को प्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था दर किया जाना चाहिए था, हिल्पाने में स्विधा की लिए;

2. श्री प्रनचन्द्रन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीत से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

ग्यूषा

भूमि और निर्माण--टी. एस. 9/123, अन्परपालयम। (डाक]मेन्ट सं. 3448/83)

> आर. पी. पिल्लें सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-ाा, मद्रास

अतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्न<mark>तिसित व्यक्तियों, कर्यात्ः—</mark>

नारीख : 14-3-1984

श्ररूप बाइं.टी.एनं.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-११, मदाम

मद्रास, दिनांक 24 मार्च 1984

निदोश सं. 19080--यतः, मूझे, आर. पी. पिल्ली, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं. कलमंठा, आर. एस. 106/2, 105 है, तथा जो नंगमबासम हाई रोड, मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबवुध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता आधिकारी के कार्यालय, तौसंटलैटस (डाक् मेन्ट सं. 71/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीस सितम्बर, 1983 को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई िकामी आय काँ बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, पक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्धातः श्री सिवबागसम, चोचिलिगम और अदर्स।

(अन्तरक)

2. श्री टी. टी. विसुवासमा।

(अन्सरिती)

को यह स्चना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गमा है।

नग्स्ची

भूमि—कलर्मठा, आर. एस. 106/2, 105, न्ंगमबालम हार्ष्ट रोड, मद्रास-34।

(शक् मेन्ट सं . 71/83)

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आय्**क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉअ-।।, मद्रास

तारीय : 2े4-3**-198**4

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

वानकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-≀।, मदास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1984

निवंश सं, 19197—यतः, मुभे, आर. पी. पिल्लै, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- राज. से अधिक हैं और जिसकी सं. 36 हैं, तथा जो सर सी. पी. रामस्यामी रोड, मद्रास-18 में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,

राड, मद्रास-18 म नस्थत ह (आर इसस उपाबव्ध अनुसूचा म और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक्र्योन्ट सं. 1118/83) में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण ितिस्ति में नास्तियक रूप से बाधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— डा. ई. राजेश्यरन
 36, सर सी. पी. रामास्वामी रोड, भद्रास-18 ।

(अन्तरक)

 श्री एल . एस . गापालकृष्णा, एल . एस . लक्ष्मीनारायनन, एल . अरमामब्लम, 233, ए. आर . के . मुटरांड, मद्रास-4 ।

(अन्तिरिसी)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्स में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्वी

भूमि और निर्माण—36, सर सी. पी. रामस्वामी रोड, मद्यास-18। (डाक्रूमेन्ट सं. 1118/83)

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, मद्रास

तारीख: 19-3-1984

भोहर ;

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायश्र आयक्तर आगुक्त (निरीक्षणे) अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 मार्च 1984

नियंश सं. 19196—यतः, म्झं, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ. से अधिक हैं और जिसकी मं. आर. एस. 1075/4 हैं, तथा जो एडवर्ड इतियटस रांड, मद्रास में सिथत हैं (और इससे उपावस्थ अन्-सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के

कार्गालय, मैलाप्र (डाकूमेन्ट सं. 114/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील सितम्बर, 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हुए या किथान नहीं जिल्ला ग्या है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के निए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियें को, रिजन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (†) के अभीन, निम्नीविक्ति व्यक्तितयों, अर्थात् --- श्री संजय के. पटल और श्री कृमबसेल चंट्टी।

(अन्तरक)

2. थी आर. शंकरनः।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निक्तित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अन्स्ची

भूमि और निर्माण——आर एस. 1075/4, एडवर्ड इलियटम रोड, मद्रास।

(डाक्रूमेन्ट सं . 1114/83)

आर पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-११, मद्रास

सारीख : 14-3-1984

भोहर 🗳

3 47 1 2

त्रक्य वार्डं.टी.एन्.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण)

अर्जन रंज-११, मद्रास

ॅमद्रास, दिनांक 19 मार्च 1984

निदेश सं. 19234---यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै, बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात 'जक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकार को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- एत. से अधिक हैं और जिसकी सं. टी एस 14,15, है, जो प्लाट 27, सैदापेट मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध मों और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदापेट (अकूमेड 1554/ 83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1983 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) शौर अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाम या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना व्याहिए था. खिपाने में मुनिधा के लिए;

णतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की अनुसरण भी, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् थे— (1) श्री सनथानाागोपालन

(अन्तरकं)

(2) श्री नामासिवायम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्थन के जिय कार्यनाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोब :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पास चिकित मों किए जा सकाँगे।

स्पर्काकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया वृता हों। 、

नन्त्रीय

भूमी-टी. एस. 14,15, प्लाट 27, सँदापट, भंद्रास (अक्रमेंड 1554/83)

भार. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मद्रास

ना्रीब : 19-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री जी लीलाधरन

(अन्तरकं).

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

(2) श्री मृतुकासिम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन राज-।।, मद्रास

मन्नास, दिनांक 26 मार्च 1984

निदंश सं. 19300—यतः म्फ्रे, आर. पी. पिल्लै, क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. एम. एस. जी. फ्लंट 2 हैं, जो अशोक नगर मद्रास 83 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय कांडमबाखम (डाक्रूमेंट 2508/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1983

को पूर्वेक्ति संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथितं नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की वाब्द, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

बतः, अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वह अधीन, निम्नजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीसं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास (लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूचि

भूमी और निर्माण-एस एम जी फलेट 52/2, अशांक नगर, मन्नास-83 (शक्रमेंट 2508/83)

आरः पीः पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

नारी**य** : 26-3-1984

प्रक्ष्य आइर्. ट्रॉ. एन . एस . -------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की यारा 269-घ (1) के अधीन म्चना

बाइंड इंडक्ड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 मार्च 1984

निविश सं. 19079---यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ले, अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का **कारण ह**ैकि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार. म्ल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं। और जिसकी सं 106 है, जो नुंगमबाखम हाई रोड मदास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालग थाइसैन्ड लाइटस (डाक्र्मेंट 65/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभिन्न बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विद्वास करने का कारण है कि यभाष्यिक सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उपके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंसरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंशरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्दोश्य से उक्त मन्तरण सिवित में मास्तविक ⊫प से व:**भित नहीं किया नवा है ड**——

- (क) अन्तरण में हुई किसी माय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; बाँद/वा
- (श) ऐसी किसी भाष या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-अर अधिनियम, 1932 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए 'शा, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अतः उका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधिन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थीत् धि— (1) जी पी गोलिंदारवामी

(अन्तरक)

(2) श्री एम कृष्णमोहन

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकी।

स्थव्हीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूचि

भूमि-कलमंडा, 106, नंगमबालम हार्ड रोड, महास-34 (अक्.मेंड 65/83)

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मन्नास

भ**्रोल : 24-3-1984**

प्ररूप. बाहें. टी. एत. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मद्रास, दिनांक 23 मार्च 1984 अर्जन रंजन्या, मदास

निवाश सं. 19211--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ले, भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एत. से अधिक ही और जिसकी सं. 12, सौंकथ माडा स्ट्रीट श्रीनगर कालनी, है, जो वॅकटपुरम, मद्रास-15 में स्थित है (और इससे उपाबव्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्रमेंट 2492/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया॰ गया प्रतिकल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया ह':---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मो सुविधा के लिए;

(1) श्री लक्ष्मी शंकर और के. शमवेर

(अन्तरक)

(2) श्री जयलकशमी और अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (७) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्याध्वीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्य

भूमि और निर्माण—12, सौज्ञथ माडा स्ट्रीट, श्रीनगर के कालनी, वेंकटप्रम, मद्रास-15

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, मद्रास

अतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात् :----

ता्रील : २:४-3-1984

प्रकप आहरै, टी. एन. एस. ------

पायकप प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 289-व (1) के ग्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1984

निवंश सं । 19151---यतः मुक्ते, आरः पी. पिल्लैं, ग्रायंकर प्राव्यतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-प॰ से मधिक है

और जिसकी सं. 2, हनुमंत राव राड़ है, जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उणबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के काार्यालय, टी नगर (डाक्र्मोंट 862/ 83) मं भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

का पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यभान प्रतिफल का पंग्रह प्रक्षिपाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिक्षियाँ) के दीच एसे अंतरण के दिए तय पाया गया प्रति-फल, िम्नलिखित उद्यवदेश से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क.) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में के लिए; और/या
- (न) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

(1) भी भाग पंची अहंगर

(अन्तरका

(2) थी ग. धादेवी

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए . कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष :---

- (क) इस सूचना के <u>शा</u>जपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियो पर मुचनाकी तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधौहस्ताक्षरी के लिखित में किए जासकेंगे।

न्युब्होतरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो **उन्त** प्रधिनियम के प्रध्यार 20-कर्मे परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया 🥞 ।

भूमी और निर्माण-2, हन्मत गव गड, मज़ास-17 (डाक में ट 862/83)।

> आर. पी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रीज-।।, मन्नास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , उक्क अधिनियम की धारा 269-ध की उप-धारा (1) 🛋 अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् 😁

तारीख : 19-3-1984

प्ररूपः जार्दः हीः एनः एसः -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यः तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मद्रास मद्राग, दिनांक 19 मार्च 1984

गिवांच गं. 10488--यगः मभ्ते, आर. पी. पिल्ले. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / - फ. से अधिक है^{*} और जिसकी सं. आर. एस. 77/1,2,3,5,6,7,8,9, 10, 11, 12, 14 है, जो मादमपालयम, सती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मनजैमलियमणढुटी (डाक मेंट 1049/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रत्यमान प्रतिफल से, ऐसे रत्यमान प्रतिफल का पंचेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसिक्ति उददोश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तीयक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, जब्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

जत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जनसरण भं, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पोरियमुतुस्वामी और सिवस्वामी

(अन्तरक)

(2)। श्री रामस्वामी और अवरस

(अन्तरिती) चिक्र

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, स्थोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्कत जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनस्चि

भूमी-आर. एस.. 77/2,3,5,6,7,8,9,10,11, 12,14, मादमपालयम (डाक्र्मेंट 1049/83)

आर. पी. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (जिरीक्षण) अर्जन रंज-११, मदास

गारीस : 19-3-1984

प्ररूप आर्ड्. टी. एन. एस. - - -

a nakazakenn ye saweren maana, ee aa erreka ee ee

नायकर निभिन्यक, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मदास मद्रास, दिनांक 20 मार्च 1984

निदंश सं 19035--यतः मुभ्ते, आर पी पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **६सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),** की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. प्लाट सं. प्लाट 102, सर्वे 58/1, 58/3है, जो तिरुकलक ठम में स्थित है (और इससे उपाबक्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारने के कार्या-लय मंद्रास सीत (डाक्रमेंट 2661/83) में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1893

को पूर्विक्त सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित खद्दंच्य से उक्त अन्तरण लिखित मे नास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसो प्राय या किसो पन या लग्य प्राक्तियाँ को, जिन्हें भारतीय पायकर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या चन-कर ग्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क धन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, क्रिपाने में सुविधः के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) जिन्नम्मास

कार्यवाहियां करता होता

(अन्तरक)

(2) श्री सुबद्धा गलास्त्र

(अन्तरिती) को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कांड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्याक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धाकरण:--इसम प्रमुक्त शल्या अहि प्रया का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

भूमि-प्लाट 102, सर्वे 58/1, 58/3, सिर्कल्कांठम (अक.मेंट 2661/83)

> आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज-।।, मद्रास

तारीख: 20-3-1984

अरूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।, मदास

मब्रास, दिनांक 13 मार्च 1984

ंनि<mark>दोर सं. 19-149---यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ल</mark>ै, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्लास करने का **कारण है कि** स्थावर समं**रि**त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं. 6, है, जो रामनातन स्ट्रीट मद्रास-18 में स्थित है (और इससं उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी नगर (डाक मेन्ट 855/ 83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वोक्स संपत्ति के उच्चि बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विच्यास करने का कारण है कि यथामुबोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के निए सब पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखिल उद्देश्य सं उच्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से **कथित नहीं** किया गया **है**:---

- (क) अन्तरंण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग की उपधारा (।) भू अधीन, निम्निनिक्त जानिस्तातीं, तथीत् :--- (1) श्रीमती के. सावित्री

(अन्तरकं)

(2) श्रीमती एस. जयलकशमी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अंतमीत

भूमी-6, रामनातन स्ट्रीट, मग्रस-17 (डाक्रमेंट 855/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, मक्सस

तारीख 19-3 1984 **मोहर**ः प्ररूप बाह्य टी. एन. एस. -----

(1) श्री बी समबंठम

(अन्तरक)

भागकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के सभीन सूचना

(2) श्री वी. बाल, सूब्मिनियं

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर कार्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, मद्रास मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1984

निविध सं. 19169—यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ले, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ष्टें इसके पश्चात उकत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करंने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु. में अधिक है

रा. म अभिक हैं
और जिसकी सं. 19, हैं, जो सोमसुंदरम मुदली स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित हैं (और इससे उपादद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी नगर (डाक् मेंट 886/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने मा उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अमिस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

इतः वर्षः, स्वतं विधितियमं की धारा 269-ग की वनुसरण कों, मीं उक्तं अःभीनयमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधित :--- को यह सूचना जारी करके पृवांक्त संपत्ति के अर्जन के निए कार्यशाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ए
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितनव्थ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अथोहस्नाक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सचि

भूमी-19 सोमसुंबरम मुबली स्ट्रीट मग्रस-17 (डाकामेंट 886/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।।, मन्नास

तारींख: 19-3-1984

प्रकम बाई. टी. एन. एवं.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत् बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, विनांक 19 मार्च 1984

निदेश सं. 19154—यतः मुर्फे, आर. पी. पिल्ले, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक हैं

और जिसकी सं 8 है, तथा जो डाक्टर तिरुम्रती नगर, 4 स्ट्रीट, मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबक्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तोसलैंटस (डाक्र्मेट 39/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

का पूर्विवत सपित के अचित नाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्। किसी बाय की बाबत उक्त वर्षिन निवस के अधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिये; और/वा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तिनों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

- (1) श्री जी. सुंदरोसन, जी सुबुमनियन, एन शंकर (अन्तरक)
- (2) श्री आर. शफी अहमद फरीठा सफी (अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओद :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (च) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-सव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया जवा हैं।

अनसीय

भूमि और मिर्गण--8, डाक्टर तिरुम्रती नगर, 4 स्ट्रीट, मुदास-34 (डाक्रमेंट 39/83)

> भार. थी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 19-3-1984

प्रकल् बार्ड . दी . क्य . एव . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन सुचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिकण) अर्जन रजेन्।, मदारा

मद्रास, दिनांक 22 मार्च 1984

निव का सं. 19106--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ली. भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित गाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. प्लाट ए 53, है, तथा जो तलखनकोरी में स्थित है (और इससे उपोबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलंठूर (डाकर्नेट 2743/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए से दृश्यमान प्रतिफल पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स निषित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरण के बाक्सिय में कमी करने या उससे अपने में सुविधा चे निए; जॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननाथ बन्नारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए:

अतः अप्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थत् :-- (1) श्री नारायन

(2) श्रीमती सरसवती

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्राव्यत सम्मतित के अर्जन की लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबक्थ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिसित में किए जो सकारों।

स्पन्नीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और वयों का, जो उक्त जिमिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषया गया ही।

भग्सूची

भूमि-प्लाट ए 53, तलखनघरी (झकूमेंट 2743/83)

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[ो]ज-१।, मद्रास

तारीस : 22-3-1984

अरूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजि-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मार्च 1984

निवाश सं 19099-- यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ली आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृ**ल्य 25,000/-रत. से अधिक है और जिसकी सं. आर. एस. 3671, ही, तथा जो बाबा शकतर रोड भन्नास-18 में स्थित है (और इससे उपाबव्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सन्द्रल (डाक् मेंट 78/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार -पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तः अंतरण लिखित में **वास्तविक रू**प से क**ियत नहीं किया गया ह**ै:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के स्वीयत्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्थिभा के सिए;

अतः अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, रक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियो. अर्थात्:—— (i) जी बी नवाकर

(স্কাইন্ট)

(2) श्री मोहनलाल और अधरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन की मविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

सरमधी

भूमि—–आर. एस. 3671, बाबा राकतर रोड, मदास-18 (डाक]मेंट 78/83)

> आर. पी. पिल्लै राक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{*}ज-।।, मक्सस

तारीख : 17-3-1984

प्रकप **शहर**े. टी. रन्, **एस्** कृष्टान्त्रकरून

भायकारु मिश्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मद्रास, विनांक 19 मार्च 1984

निद्धे सं. 10457—यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ले, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं सर्वें 2271/1ए 3वी है तथा जो कृनूर में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उन्ट्टी (शक्समेंड 1063/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, इस दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतिरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी. किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

*

बत: जब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिट व्यक्तियों, अर्थात् :--31 -46GI|84

- (1) श्री महनेद्र कुमार कीरित लाल अहमसाली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती स्कीला राम जेयन बँद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्मृतिक के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्वधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्वास्:
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किये पा स्कोंगे।

स्यष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शुक्तें आहे वर्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमी-सवे 2271/1ए 3 बी, कानूर (अकामेंड 1063/83)

आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्कर (निरीक्षण) अर्जन र ज-।।, मग्रास

तारीख: 19-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, मम्रास

मद्रांस, पिनांक 19 मार्च 1984

निद्ये सं. 10483—यतः मृभे, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, (1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/र रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं 2/143, सर्वों सं 566, 568/2, 569, है, तथ्य जो विलिखी, कायमब्द्दूर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण क्या से विणित हैं), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रीरियनायम्बनपालयन (डाक्रूमेंट 1686/83) में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 (1908 का 16) के अधीन, अस्ति 1983

को पूर्वोदत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के ब्रियिब्ल में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः जब, उक्त जिभिनियमं, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री एन. जोगी और अवरस

(अन्तरक)

(2) एम . चंद्रसंकरन और अदरस

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पह्लि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष्) इस स्पूचना के पाजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण. — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-2/143, सर्वे 566, 568/2, 569 विलिखी (डाकूमेंट 1686/83)

आर. पी. पिल्लै मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मक्सस

तारीख : 19-3-1984

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 मार्च 1984

निद्धा सं. 18979—यतः म्फो, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, १1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

शौर जिसकी सं. 40, है, तथा जो दनपाल श्वेट्टि स्ट्रीट, मद्रास-33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजरीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सौत (डाक् मेंट 2559/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

का पूर्वाक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तिषक रूप से किथा गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारटेया उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना भाहिए था, छिपाने में मुजिधा के लिए:

(1) श्रीमती रूफमनी

(अन्सरक)

(2) श्री सुंदरकाबु और उकारानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में की इं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया है।

अनुसूची

भूमी-40, वनपाल चेट्टि स्ट्रीट मद्रास-33 (डाक्रमेंट 2559/83)

> आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-१।, मग्रास

अतः अत्र, उत्तर अधिनियम की धारा २६९-ग की, अनसरण मी, मी उत्तर अधिनियम की धारा २६९-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

जारोब : 20-3**-**1984

प्रकाष नाहाँ हो हो । पुरुष पुरुष ---

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुवना

भारत सहस्राह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रोंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1984

निद्येश सं. 13179—यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृष्य 25,000/- रतपयं से अधिक है और जिसकी सं. टी. एस, 104/2, है, तथा जो सनगनूर, कायमबट्टूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय घांदिप्रम (डाक मेंट 3057/83) में भारतीय रिज्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विश्वास करनेकाकारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मल्य, उसके धर्ममान प्रतिफल से एसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशंत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में मृबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यिति द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए;

(1) श्री राजवार^{*}

(अन्सरक)

(2) श्री सूबूमनियम

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होति। हो, के भीतर पूर्वीकत, व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकर्गे।

स्पर्ध्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि—टी. एस. 12/104/2 कोयमब्ट्टूर। (डाक्रमेंट 3072/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन र**ंज**-।।, **मद्रा**स

अतः वयः, उक्तः अधिनियमं की धारा २६९-गं के अनुसरणं भो, भी, उक्तः अधिनियमं की धास २६९-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

नारीस : 19-3-1984

मोहर ः

प्रकृष बाह् .टी.एन.एस. ---

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-।१, मक्सस

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1984

निव श सं. 13190—यतः, मुभे, आर. पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/-, रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं टी. एस. 1277, 193/2 है, तथा जो घनपती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्षणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घादिपुरम (डाक्ट्रॉट 3573, 3574, 3576 3577/83) में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तिरित की गई है और मुझे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का डाचन बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रविक्त है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) चौर अन्तरितां (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण संदुई किसी माय की बाबत, उक्त घोड़ नियम के प्रधीत कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए। भौर/या
 - (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

जतः जब, उत्तर अधिनियम की भारा 269-य के जनुसरण में, में उत्तर अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (३४ के अधीन, निम्निशिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री के. दामां परस्वामी और अदरस

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीनाक्षी सुन्वरम और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के क्षिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

भूमि टी. एस. 183/2 11/1277, गणपती। (डाकर्मेंट 3573, 3574, 3576, 3577/83)

> आर पी पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मन्नस

दिनांक : 15-3-1984

भाहर 🛭

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 माार्च 1984

निविश सं. 13158—यतः मुफे, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 16/280, 281, 282, 283, 283ए, (रंगर्ड घाँडर स्ट्रीट) है, जो मेहतूपालयम रोड, कोयमबट्टूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कार्यमबट्टूर (डाक्रूमेंट 3525-3527/83) में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के इश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के सर्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूळे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे सस्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिक्षत से अधिक है बार अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित बहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बादत उक्त जिंद-नियम के बभीन कर दोने के अन्तरके के दायित्व में कमी करने या उत्तसे दक्ते में तृविभा के लिए; जौर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री बा. एस. शनमूहम और अदर्स

(अन्सरक)

(2) श्री सावलवास मादवदास

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की दारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट्रोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—16/280, 281, 282, 283, 283ए, रंगर्इ घाँडर स्ट्रीट, मेहुपालयम रोड, कायमबट्टूर (डाकूमेंट 3525, 3526, 3527/83)

आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मन्नास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :—

तारीख: 26-3-1984

माहर ः

प्रकृष बाहै, दी, एम, एस, -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के मधीन सूचना

भारत परकाड

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्काक्षण) अर्जन रंज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 26 मार्च-1984

निदश सं. 13152—यतः, मुफ्तं, आर. पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी मं. सर्वे 264, 267 है, जो सिनगनल्लूर पोल्लाच्ची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से अधिक है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के काार्यान्त्य, पोल्लाच्ची (डाक्रूमेंट 1870, 1871/83) में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोक्ष अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरज कि मिन से नाम्तिक कप से किश्त नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से इंद्र किसी नाम की बाबत, जनत विभिनियम के अभीत कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने वा लक्के वचने में तृतिका के निए; और/या
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्टियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना भाहिये था, स्थिनने में समिना के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26**9-ग की उपधारा** (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

- (1) श्री जार. सूब्रमिय क्षोयन और अवर्स (अन्तरक)
- (2) त्री एसः क्रिकान (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृतेषित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सुवंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर पूर्वीक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्कतेकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---(डाकाूमेंट 1870, 1871/83)

> आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) अर्जन रजनाा, महास्य

तारीम : 26-3-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।↓, भद्रास मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1984

निदोश सं 19146--यतः, मुक्ते, आर. पी. पिल्ले, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, - जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 /- रु. से अधिक हैं। और जिसकी मं. 9 है, तथा जो को-आपरेटिव कालोनी, आलवारपेट, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सुकी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रिकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, मदास सेंट्रल (डाक्यमेंट 95, 96/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देषच्य से उक्त अन्तरण निश्चित

में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री नेठ्यारन और औदंखल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

जयत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूषी

(भूमि--9, को-आपरेटिव कालोनी, मन्नास। (डाकरूमेंट 95, 96/83)

> आरः पीः पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जुन रोज-। राष्ट्रास

तारीख: 19-3-1984

.

प्रकृत नाह^र. टॉ. एन्_र एस.-----

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रोज-।।, मद्रास

मन्नास, विनांक 26 मार्च 1984

निदंश सं. 19097—यतः मूझे, आर. पी. पिल्लै, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- क. से अधिक हैं और जिसकी मं. 4ए, 4वी, क्रेसन्ट स्ट्रीट, अदयार, मज़ास में स्थित हैं (और इसमे उपावव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, मज़ास में मूल (डाक् मेंट 71, 82/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब अगस्त,

1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से अधिक रहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के जिए; बार/बा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिचित अपनितयों. कर्णानः :--- 32-46GI84

(1) श्री सी, जी. रामनातन और सी जी. गोपालन

(अन्तरक)

(2) डाक्टर ए. नट'सन, सरस्वती

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पृत्राँकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उन्तर् सम्मति के वर्षन के सम्मन्ध् में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-4ए, 4बी, क्रेंसेन्ट स्ट्रीट, राबीराम एवेन्यू, अदयार, भद्रास। (डाकुमेंट 71, 72/83)

> आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।।, मद्रास

तारीष: 26-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस, -- ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मद्रास, विनांक 26 मार्च 1984

निवेश सं. 19161--यतः, म्फे, आर. पी. पिल्लै, जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 ⋅ 000 / - रु. से अधिक है **और** जिसकी सं. आर. एस. 34 है, जो अदयार, इनजम-बासम में सिथत है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से यर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अघिकारी के कार्यालय, अवयार (डाक मेंट 2474, 2425/83) में रिजस्ट्रीकरण अर्थिनियम, 1908 (1908 का 16) के अपीन, तारीस अगस्त, 1983 को पूर्वीक्त संपर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित आजार भूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती ^{(क}रारितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित न्हीं किया गया 💅 :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिल्हों भएन्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 जा 11) या उच्ल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिग्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धारिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

(1) श्री के. एस. कृष्नम्रती

(जन्तरक)

(2) श्रीमती अखम्मा कृष्नमृरती

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंबस सम्पत्ति को वर्षन को निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ट्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन क्षी तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुस्ची

भूमि आर. एस. 19, सैदापेट, **इन्जमबासम।** (डाक्रमेंट 2474, 24**7**5/3)

> आर पी पिल्ली सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मग्रास

भतः अतः अक्त अधिनियम की धारा 269-**न के अनुसरण** में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की **उपधारा** (1) **डे मधीन** निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :----

तारीख : 26-3-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

--- 400. (4004 -- 40) --

नायकर मिभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मदास, दिनांक 26 मार्च 1984

निदंश सं 19176--यतः, मुक्ते, आर पी पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-वा को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 25,000/- फ. से अधिक है बॉर जिसकी मं. सर्वे 18/2, 32/2, 33, 26/2 बी, 21/7, 21/8, 21/4, 21/3 ए ह², जो पोन्नेरी में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय , मद्रास साउथ (डाक्रमेंट 2896, 2757, 2819, 2820/83) में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींच अगस्त 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है के और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मे, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एने अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर विने के अन्तरक के श्रियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सूर्विधा को लिए।

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण बं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मनिस्थित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1)श्री जी कन्नुबाय और अवरस

(अन्तरक)

(2) श्री बी जी. पी. गोल्डन फारम

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के हिन्दू कार्यवाहियां चूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीब दें 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी स्पित्तरों पद सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पित्तरों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मनस ची

भूमि सर्वो 18/2 32/2, 33, 26/28, 21/7, 21/8, 21/4, 21/3ए, प्ल्सिनालम, पोल्नेसी। (अक्मेंट 2816, 2757, 2819, 2820/83) ।

आर. पी. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आवंबर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।. सक्षम

सा्रीख: 26-3-1984

प्रकल काइ[‡]. टी. एन. एस. ----

आयकर अभितियन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

बारुत बरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-।।, मन्नास मन्नास, दिनांक 23 मार्च 1984

निद्या सं. 19177--यतः, मुक्ते, आर. पी. पिस्ली, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रा. से अधिक है और जिसकी सं. 3762/3 है, जो पारसन कामप्लैक्स, मद्रास-6 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, मद्रास साउथ (डाक्ट्रमेंट 2960, 2961/83) में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक अगस्त, 1983 को पर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (मंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तब पाया गया प्रति-

फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मंतरण लिखित में धास्त-

विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किती आब की बाबत उक्त अधि-रिनयम के जभीन कर बेने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) पारसन फाँड शन और इंजीनियरिंग कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर डी. अरुलसेलवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह[ू]।

उक्त सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन को तारोब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिद बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं

अनुसूची

भूमि आर. एस. 3762/3, पारसन कामप्लेकस, मदास-6 (डाकर्चेट 2960, 2961/83) ।

> आर. पी. पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मद्रास

तारील : 23-3-1984

प्रकृप आहें.टी.एन.एस.-----

नायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मधास, दिनांक 13 मार्च 1984

निवोश सं. 19485--यतः, मुभ्ते, आर. पी. पिल्ली, **बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसमें इसके परचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. 81 है तथा जा तिल्लौनगर, 7 क्रास सनदरमिपल्ले नगर, ट्रिकी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध/ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, बारियर (डाक्रमेंट 2062/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त, 1983 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य उसके धरयमान प्रतिफल से एसे धरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मलिकित उद्देश्य ते उक्त अन्तरण सिवित में शास्त्रीक्क मप्से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य लास्तियों का, जिन्हें भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरिती हुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए जा कियाने में सुविधा के लिए;

नतः अनं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमसी सुलोचना

(बन्तरक)

(2) श्री चिन्न अलगप्प चेट्टियार

(अन्तरिती)

को बहु बुचना चारी करके भूगों का सम्मात्त के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

भूमि और निर्माण---81, तिल्लैनगर 7 कास, द्रिबी। (डांकूमेट 2062/83)

> आर. पी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजना।, मद्रास

तारी**स** : 13-3**-**1984

त्राक्य वार्ड.टी.एन्.एत.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-।।, मद्रास
मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1984

निक्षेत्र सं 10545—स्वतः, म्फे, आर. पी, पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 15-18 है तथा जो जवाहरलाल नेहरू रोड, विल्लूपूरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्य, विल्लूप्रम (डाक्र्मेंट 1479/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपति का उचित बाजार बूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य में उक्त अन्तरण किसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ते किंधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक की दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/मा
- (क) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों की खिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती पेरुनदोवी और अदर्स

(बन्तरक)

(2) श्री नटराजन और अदर्स

(अन्तरिती)

को बहु सूचना भारी करके पूर्वोंक्स सम्पृतिस् से वर्धन के विष् कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी बाध्हेय ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से**45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवास में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्तुची

भूमि और निर्मीण—-15-18, जवाहरलाल नेहरू रोड, विल्लुप्रमा। (डाक्रुमेट 1479/83)।

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, मद्रास

तारीय : 15-3-1984

मांहर :

प्रकल् बाह्रों, टी. एन. एस. -------स. १००१ (१००१ च्या १२) चरी भारत

ः अग्रयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र ज-II, मद्रास

मदास, विनांक 14 मार्च 1984

े निष`क सं. 10544---यतः म्फ्रे, आर. पी, पिल्लै, बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इतके पक्चात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह व्हिटवास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से विभिक्त हैं और जिसकी सं 21, ई. थी. एस. स्ट्रीट, रंगनातप्रम श्रीरंगम है, जो घांदि गांड, दिची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरंगम (अकूमें ४ 2587/ 83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983 को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिकात से व्यधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई िक सी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौड़/वा
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा रा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्तों, अर्थात् :----

(1) श्री दोरैराज और अदर्स

(अन्तरक)

(2) श्री अनतोनी उडयार चिन्नप्पन और कामराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिश्ण: ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

वनसूची

भूमि और निर्माण—-21, ई. बी. एस. स्ट्रीट, रंगनास-पूरम,, श्रीरंगम द्विची । (डाकूमेंट 2587/83)

> आर.्पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, मद्राद

तारील: 14-3-1984

भोहर :

अरूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 मार्च 1984

निबोध सं. 10459--यतः, सुभी, आर, पी. पिल्ली, अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है^{*} और जिसकी सं. सिरज्वाट्र, है, जो नागपट्टिनम में स्थित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुवाट्र (अकृ-हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के काार्यालय, तिरुवाट्रेर (डाक्ट्र-मेंट 1805/83) में रिजस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1983 को पूर्वोक्त संपरित के उमित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान ैप्रिंसिफल के लिए अन्तरित की गई है अरि मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीक्त सम्परित को उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रहं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उदद्देय से उद्धत अन्तरण लिखित में शस्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

> (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा

> (क) एसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सत: सब, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त सिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों अधीत:--- (1) मोहमद हुसेन

(अन्तरक)

(2) श्री जी कुमार

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुत्रीक्त सम्पर्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्विखित में किए जा सकोंगें।

स्पाक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि--तिरुवाट्र नागपट्टिनम। (डाक्मेंट 1805/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-II, मदास

तारीब : 13-3-1984

प्ररूप बार्ड ्र टी∴ पुन ् पुरायुक्तकर====

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर कायुक्त (निरीक्षण). अर्जन र^{पेज- II}, मन्नास

मद्रास, दिनांक 14 मार्च 1984

निद्योश सं. 13148—–यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अभिक हैं और जिसकी सं. आर. एस. 1179, ही, तथा जो कर्नूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से र्वाणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के काार्यालय, उत्ट्रटी (डाक मेंट 1064/83) में रिजिसीट्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक अगस्त, 1983 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफले के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वीक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और जंतौरती (अंतरिदियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्यदेश्य से उक्त जन्तरण लिसिन में अस्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है '--

- (क) बल्लरण से झुई किसी बाय की शाबत उकत बिल-नियम के कथीन कर दोने के बल्लरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— 33—4631/84 श्री जोराण प्रत्

(अन्तरक)

2. श्री पी. सनकरन

(अन्सिरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

भूमि—-आर. एस. 1179, कूनूर। (डाक्र्मेंट 1964/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-11, मंद्रास

नारीख: 14-3-1984

गोहर:

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयक ड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मन्नास मद्रास, दिनांक 14 मार्च 1984

निद्येश सं. 13146--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्लैं, वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- एत, से अधिक हैं और जिसकी सं. सर्वे 843/आर. 9, छिकाचासापयालयम है जो मेट्ट गालयम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय , मेट्ट्यालयम (डाक्मेंट 1656/83)। में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोंक 16 अगस्त, 1983 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह थिक्वास कारने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जुन्तद्रण से हुई किसी आय आर्थ साजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या जससे वचने में मृतिधा के सिए; और/धा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्यत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

1. श्री रामस्यामी

(अन्तरक)

2. लक्ष्मना काट्टम सपन्निंग और प्रासिसंगे (पि.) लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लि**६** बार्यवाहिया करता हो_।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :⊸

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो तम अध्याय में दियह गया है।

अमसची

भूमिं-सर्वे 843/आर 9, चिम्बदासमयालयम मेट्ट्यालयम (डाक् मेट 1656/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रौज-।।, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीन :---

तारीख : 14-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

क्षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) को अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यास्त्रग, सहायक जायकर जायुक्स (निरीक्षण) अर्जन र³ज-।।, मेद्रास मन्नास, दिनांक 14 मार्च 1984

निविश सं. 19011--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै, अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), अरे धारा 2/69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रह. से अधिक **है** और जिसकी सं. 6, है, तथा जो होनसमेन रोड मक्कस-17 में स्थित है और इससे उपाबद्ध में और पुणे रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी. नगर (डाक्र्यमें ट 899/ 83) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असको ध्ययमान प्रतिफल से, एसे ध्ययमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

> (क) अन्तरण संहुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

> (म) एसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के स्वार्थ अवर्षि अवर्षि विद्या गर्भ धा या किया जाना चाहिए था, छिपान मो स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मीं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— 1. श्रीफरूक

(अन्तरक)

2. श्रीअलगुअम्माला

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोड़ों भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पस्ट्रीक रणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण-6, होनसमेन रोड, मद्रास-17 (डाकुमेंट 899/83)

आर. पी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मन्नास

हारांक : 14-3-1984

माहर :

प्ररूप नाइ , दी , एन . एस . - - - ---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, मधास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1984

निवंश सं. 19111—यतः मुफे, आर. पी. पिल्लै, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. सं अधिक हैं और जिसकी सं. 23, जठज जमबृलिंगम मृद्दित्यार रोड हैं,

और जिसकी सं. 23, जठज जमजूलिंगम मूदिलयार रोड है, तथा जो मद्भास-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेलापूर (डाक्र्मेंट 1049/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सविधा के सिए?

अतः अब, उच्नत अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्तत अधिनियम की धारा 269-ध की संपधारा (1) के अभीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अधृत् ३── 1. श्री के वी. रामनातन और अदरस

(अन्तरक)

2. श्री जय श्रीनिवासन

(अन्तिरती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर दूकी का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थार अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण-23, जठज जमबुलियम मुद्दलियार रोड, मन्नास-4 (डाक्ट्रमेंट 1049/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन रोज-11, मन्नास

तारांचा : 19-3-1984

प्ररूप आइर , टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मन्नास

मन्नास, दिनांक 17 मार्च 1984

निद्रोश सं. 5 अगस्त 83--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ले, **जायकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. एस. सं. 356/1, ही, तथा जो मुत्तुगपट्टी गांव में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेन्दमंगलम दस्तावेज सं. 962/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 कारे पूर्वीकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रक्रिफेल के लिए अस्तरित की गई है और स्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्दलिसित उत्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित भी नास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाब की बाबत, सकत सिंपिनियम के अभीत कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कनी अपने या उत्तको बचने में सुविधा के बिए; बीद/बा
- (ख) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला जातिए था रिक्रारों में सूरिशी के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा /ि के अधीत, निक्तिनियमित व्यक्तियों, अर्थात् कि 1. श्री रामस्वामी गौन्डर और अन्यो

(अन्सरक)

2 श्रीमती कालियम्माल .

(अन्तिरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वाकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यावसायिक भूमि एसः सं 356/1, मूस्तृगपट्टी गांव। (दस्तावेज सं 962/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक आगकर अध्वतः (जिमीसण) अर्जन रजे-।, मदास

तारीख : 17-3-1984

त्ररूप बाइै. टी. एन. एस. ----

श्रीमती सिवगामी अम्माल और अन्यों

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना 2. श्री जी. पन्नीरसेलवम और अन्यों

(अन्तरिती)

269-ष (1) के अधान सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर मायुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, मद्रास

मद्रास, विनांक 17 मार्च 1984

निद्शे सं. 8/अगस्त/83— यतः मुक्ते, आर. पी, पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-एउ. से अधिक हैं और जिसकी सं. प्रानी टी. एस. मं. 5, आडिपट्टी गांव हैं, जो अनतनापट्टी मंदूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ताटगपट्टी (दस्तावेज सं. 2498, 2527/83), मे

कार्यालयः, ताडगपट्टी दस्तायेज सं. 2498, 2527/83 में अधीन. अगस्त 1983

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देश्यों से उक्त जन्तरण सिक्ति में नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

> (क) अन्तरण वं हुर्इ किली थाय की बादत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाजिल्य में कमी करने या उसले अचने में सृष्टिया के लिए; और/मा

(क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्सियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अक्षः अब उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्भात् :---- को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सञ्चित के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता है।

उम्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अव्धि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मृन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकाँगे।

स्वक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कुर्थ होगा की उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

अनुसुची

भूमि पुरानी सं टी. एस. सं 5, आस्डिपट्टी गांव अ अनन्तनापट्टी, मधुर (दस्तावोज सं 2498, 2527/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मद्रास

तारीख : 17-3-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

1 श्रीए एम पान्डी

(अन्तरक)

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ष (1) के अधीन सुचना

2. श्री धी. स्वामीनाथ्म

(अन्तिरती)

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सार्च 1984

निद्धाः सं 24/अगस्त/83--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ले, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000,⁷- रत. से अधिक है और जिसकी सं. आर. एस. सं. 314, मनलूर गांव है, जो माना मधर तालका में स्थित है (और इससे उपाबदध में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदामन्डपम दस्तावेज सं. 450/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित क्षाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :~-

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (ख) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सप्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अम्स्ची

भूभी आर. एस. सं. 314, मनलूर गांव, मानामध्र जिला (दस्तावेज सं. $450^{6}83$)

आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयव्त (निरीक्षण) · अर्जन रोज-।, मद्रास

कारील : 17-3**-**1984

प्रकृष कार्ष. टी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत खरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मन्नास

मदास, दिरांक 17 मार्च 1984

निवंश सं. 36/अगस्त/83—-यतः म्फो, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें बस्के परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- एउ. से व्यक्ति हैं

और जिसकी सं. प्लाट सं. 412 है, जो के. के. नगर, तल्ला-क्म उत्तर मध्र तालका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाक्लम दस्तावेज सं. 3505, 3506/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को प्रेक्टिन सम्मिति के उचित बाजार मन्य से कम के दहरायान प्रितिकल के लिए अल्लिश्ति की गर्ड है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बच्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निस्तिमीकत उद्गुबद्ध में उच्क बंतरण मिनिक में बास्तविक कर से किंक्ट नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण चे हुई किसी जान की बाबत उक्त क्षि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए बीड/कर
- (ब) इसी जिसी बाब वा किसी धन वा बन्य जास्तिकों को, चिन्हें भारतीय आसकर निधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उन्तं भृधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया ग्या का या किया जाना चाहिए था, जियाने में युविधा के सिकः

1. श्री थे. एव उसा

(अन्तरक)

2. श्री सोहमद मर्जुक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्यीक रण:--६समें प्रयुक्त करों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमी प्लाट सं. 412, के. के. नगर, तल्लाक्ल्स, उस्तर मध्रै ताल्का (दम्ताब्ज सं. 3505,3506/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जे~।, मग्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ंग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ंग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--

वारीख : 17-3-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

 $2 \cdot 1$

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मन्नास

मद्रास, दिरांक 17 मार्च 1984

निदेश सं. 51/अगस्त/83--यत. म्भे, आर. पी. पिल्ले, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मुख्य 25,000/- रुत. से अधिक हैं और जिसकी सं. एस. सं. 456/2, डोर सं. 17 कुलावाकी-वार पुरम गांव कोआपरोटिव बिल्डिंग सोसायटी जो तीसरा स्ट्रीट, प्लाट सं. 48 में स्थित है (और इससे उपाबव्ध में और पूर्ण •रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलपालयम ए. सं. 116/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्भवेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है":---

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स जिथीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; जॉर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सूविधा के लिए;

। भी ओं, एसा <mark>बोलिस्स् पि</mark>र्नी

(अन्तरक)

2. श्री पी. आन्डरू जासफ

(अन्तरि**ती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से कि भी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध िक सी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि और निर्माण सं. 17, प्लाट सं. 48, तीसरा स्ट्रीट, कोआपरेटिव बिल्डिंग सोसायटी, क्लानालीवारपुरम (ए, सं. 116/83)

आर. पी. पिल्लै स्क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुब्द (दिरीक्षण) अर्जन रोज-।, मद्राम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

ारीस : 17-3-1984

मोहर 🧸

बरूप भाषी, द्री. एन., एस.,------

जायकर जेपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, भन्नास मन्नास, दिनांक 17 मार्च 1984

निव श सं. 52/अगस्त/83---यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ली, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- फ. से मिथक **ह**ै और जिसकी सं. 19, वार्ड सं. 29, क्लबनिगपूरम गांव है, जो पालयमकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेल-पालयम ए. स. 131/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास **करने** का कारण है कि यथापृष्धित सम्पत्ति को उचितः बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंप्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा जै लिए; औद्र/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्रीटी. वी. अप्पस्वामी

(अन्तरक)

2. श्री आर. सुब्बरामन

(अन्तरियी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

नक्त सम्पत्ति के अर्जन के गंबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि और निर्माण सं. 19, दार्ड सं. 29, कुलविनिगप्रम गाँव, पालयमकोट्ट (ए सं. 131 $^{\prime}$ 83)

आर. पी. पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।, मद्रास

जतः बाब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, विस्नितिकी स्पिक्तियों, अधीत :----

तारीख: 17-3-1984

प्रथम नार्दे, टौं, हुन, हुन्, = = = ====

शायकर श्रीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के सभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यासन, सङ्गयक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मदास

मद्रास, विनांक 17 मार्च 1984

निवंश सं 82/अगस्त/83 -- यतः मुक्के, आर, पी. पिल्ली, नायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ रा. से अधिक है और जिसकी सं. 13, वेनुगोपाल अवेन्यू, चेटपट, एग्मोर हैं, जो तालुका, मन्त्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पॅरियमेट दस्तावंज मं. 890/83) में भारतीय ,रीजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उपदोश्य से उक्त मन्तरण निकित वें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्ध क्याने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनेकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्भ अभ्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के विवद्ध

1. श्रीमती अन्तम्मा वर्गीस

(अन्तरक)

2 श्रीमती रागी सुन्दरराज

(अन्ति स्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाधन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः इसमें प्रयुक्त बन्दों और पर्वो का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भगत्तची 🤏

भूमी और निर्माण सं. 13, वेनुगोपाल अवेन्यू, चेटपट, एग्मोर तालुका, **अंग्रास**। (दस्तावेज सं. 890/83)

> नार. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-१, मद्रास

सत्तः अत्र, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए के बन्तरण वो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को वधीन, निम्नितिस्त व्यक्तियों, वर्धात् ह—

तारीस : 17-3-1984

प्ररूप आहं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रंज-।।, मदास

मद्रास, विनांक 14 मार्च 1984

निदंश सं. 19134--गतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पल्चात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह^क कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्*ल्य* 25,000√-रुः से औषिक हौ और जिसकी सं. प्लाट 115, है, जो के के नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबासम (डाक्ट्रमेंट 2305/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) - के अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वीक्स सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए'से दृश्यमान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य भे उक्त अन्तरण लिखिश में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुनिधा के ख़िए।

1. जे नदराजन

(अन्तरक)

2. श्री महोश का मार दानुका

(अन्ति;रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षोप :---

- (क) इस 'सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमी और निर्माण-प्लाट 115, के के नगर मद्रास (डाक्रमेंट 2305/83)

> आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।।, महाम

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों अर्थात ----

तारीख : 14-3-1984

प्रकप बाइ . टी. एन. एस.----

नावनद् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, महास

मद्रास, दिनांक 14 मार्च 1984

निदंश सं. 19162--यतः मुफ्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. 50, है, जो धंगा नगर, मद्रास 24 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काठमबासम (डाक्रमेंट 2682/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुला से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपतित का उचित बाजार मूख्य उसके रूप्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पौगा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उवधे देश से जन्त भन्तरण लिखित 🛣 नास्तिनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, चक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे जचने में सुविधा के निए; जीर/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती सामबम्रती और उमामहस्वरी

(अन्सरक)

2. श्री मुरली प्रसाद राव और कमला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए वा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त ... अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विया गया हैं।

नन्त्वी

भूमि और निर्माण--50, धंगा नगर, मद्रास-24 । (डाक्-मेंट 2682/83)

> आर. पौ. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजना, मन्नस

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारील : 44-3-1984 भोक्षर : प्ररूप आई. टी. एन. ५स. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 च (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रोज-।।, मद्रास

मग्रास, दिनांक 14 मार्च 1984

निद्रेश सं. 19119--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-एड. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. 92, है जो जी एन चेट्टि रांड मदास-17 मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी नगर (डाक मेंट 824/ 83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थितने में सिवधा के लिए;

1. श्री मनोहर पी बजाज और अवरस

(अन्तरक)

2. इस्टि कास्ट कन्स्ट्रकशनसं

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय ? ()-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसंची :

भूमी और निर्माण-92, जी एन. वेट्ट राड, मग्रस-17 (डाक् मेंट 824/83)

आर. पी. पिल्लै स्क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, मद्रास

कराः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की एपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिक्षित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :---

तारीम : 14-3-1984

मांहर:

प्ररूप आह⁵. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन र्जा-।।, मद्रास

मकास, विनांक 14 मार्भ 1984

निदोश सं, 19165--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं. 12, 43 स्ट्रीट, 6 एवेन्यू है, जो अशोक नगर मदास-83 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से दर्णित है), रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, काठ-मबाखम (डाक्रमेंट 2227/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) को अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एमें इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरियी (अन्तरिनियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ववेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसे किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-बन् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिधा के लिए;

शी आरं थी रामलन

(अन्तरक)

2. श्रीमती संबापती

(अन्तरिंग्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उन्न अध्याय में दिया गया है।

अवस्थी

भूमि और निर्माण~+12, 43 स्ट्रीट, 6 उबेन्यू, मद्रास-83 (डाक्रमॉट 2227/83)

आर. पी. पिल्ली संक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (दिरीक्षण) अर्जन रॉप्प-।।, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीव, निम्मीलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :---

कारीख: 14-3-1984

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुखना

भारत तरकार

कार्बालय, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मन्नास स्द्रास, दिनांक 14 मार्च 1984

निद्या मं. 19118--यतः म्भे, आर. पी. पिल्ली, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं। और जिसकी सं. 11, हिन्दी प्रचार सवा रोड ही, जो मद्रास 17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता अधिकारी के काार्यालय, टी नगर (डाक मेंट 826/ 83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरमें का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपरित का उचित भाजार मुख्य, उत्सक्ते दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (अन्तरिसियों) के बीच एेसे अन्तरण केलिए तय पाया गया

प्रतिफल निम्निसित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में

बास्तविक रूप से कथित नष्टी किया गया है ----

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उचल अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्व में कजी करने क उसने क्याने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जोना चाहिए था, खिपाने से मृतिभा खे बिए;

- । पी कें. गृजना लग्गाल और के बेनकट्राम आखु (अन्तरक)
- 2. श्री निधासन और अंदरस

(अन्सरिती)

को यह स्थना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यशाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्साक्षरी के पास सिसित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिरियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

. भूमी और निर्माण-।। हिन्दी प्रचार सबा रोड, मदास-15 (डाक मेंट 826/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-।।, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 14-3-1984

भाहरुः

. प्ररूप काईं. टी. एस. एस. -------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

नारत सरकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मन्नास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्वोद्या सं. 19172—यतः मुक्ते, जार. पीं. पिल्ली, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 16, ही, जो 6 कास स्ट्रीट, त्यू कालीनी, मद्रास-44 में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पल्लवरम (डाक्र्मेंट 3788/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निम्नल में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व के कभी करने या उत्तसे त्वने में सूबिधा के सिए; बीर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के निए:

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 35—46GI[84.

1. श्री जगिषका एल. एम

(अन्तरक)

2. श्रीमती विजय लकक्षमी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उप्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकिस में किए का सकी गे।

स्यक्टीकरणः—इसमें प्रश्वत शक्यों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हो।

अनुसूची

भूमी और निर्माण-16, 6 कास स्ट्रीट, न्यू कालौनी, मन्नास-44 (डाकर्ज़ोंट 3788/83)

> आर. पी. पिल्ली सक्षम प्रापिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{*}ज-।।, मद्रास

तारीख: 12-3-1984

प्र**रूप बार्ड**ु दी, एन, एस,------

शायकतः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के स्थीन त्याना

नारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मन्नस

मद्रास, विनांक 15 मार्च 1984

निर्वोध सं. 19155—यतः मुक्ते, आर. पीं. पिल्लै, आयकार अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विद्वास करने का धारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 8, लेक एरिया राजाजि ।। स्ट्रीट, है, जो मदास-34 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसबफ्लैटस (डाक् मेंट 33/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिकाल से, एसे दर्यमान प्रतिकाल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिवा) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकाल निम्नसितित उच्च स्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किवत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी नाम की नामत्, उपस अधिनियम ने स्थीन कर दोने के बन्तरक ने यायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एके किसी जाय या किसी धन वा जन्म शास्तियाँ की, केल कूँ भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा थी किए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीके. सुब्धम्मा

(अन्तरक)

2. श्री शार. जगन्नाथन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्थब्द्रीकरण:---इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

 \mathfrak{C}_{i}

अम्सुची

भूमी और निर्माण-8, राजींजि ।। स्ट्रीट, लेक एरियक मदास-34 (डाकूमेंट 33/83)

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन र्रज-।।, मद्रास

तारील : 15-3-1984

माहर :

प्ररूप आह्र . टी. एन. एस.-----

भायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के लभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मद्रास

मदास, विनांक 15 मार्च 1984

निवेश सं. 19166—यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं प्लाट 19, है, जो उसमान रोड मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी नगर (डाक्रूमेंट 887, 881/83) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरण के लिए स्य पाया गण्ड प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उपनत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उपसे बचने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

1 शीमती पठमावती और अवरस

(अन्तरक)

2 श्री श्रीनिवासन और पठमा श्रीनिवासन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्राष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 विन की जविध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-यद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

भूमी-प्लाट 19, उसमाण रोड, मन्नास-17 (डाक्र्मोंट 881, 887/83)

> आर. पी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी म हायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रॉज-।।, मन्नस

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 15**-**3-1984

मोहरू 🥫

प्ररूप. आर्घ. टी. एन. एस्. - - - -

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मुद्रास, विनांक 15 मार्च 1984

निद्येष सं. 19253—यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लं, आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 63, प्रसन्न विनायगर हैं, जो कोयिल स्ट्रीट, मन्नास-14 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मन्नास सेंट्रल

1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 को प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, एमे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

डाक में ट 115/83) में भारतीय रिअस्ट्रीकरण अधिनियम,

- (क) अन्तरण सा शृहि किसी अन्य की बाबत उथल अधिनियम के अधीन कर घोने के अन्तरक के दायित्व मी कभी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; बार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) हो संधीन, निम्नसिंखित व्यक्तियों, अधीर करा 1. श्रीमती कन्नियम्माला और अदरस

(अन्तरक)

2. डाकटर शिव बृशन शर्मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्सूची

भूमी और निर्माण-63, प्रसन्त विनायगर कारियल स्ट्रीट, मग्रास-14 (डाकूमें ट115/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज-।।, मक्सस

तारीम : 15-3-1984

महिर:

प्रारुप आहं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, मद्रास

मद्रास, विनांक 15 मार्च 1984

निदंश सं. 19010---यतः मृभ्हे, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. 104-106, नुगमबासम है रोड है, जो मक्रास-34 में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण क्य से वर्णित ही,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसंटलैटस (डाक में ड 70/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरयमान प्रतिफल से ए'से धरयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

खतः अबः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नतिखित व्यक्तियो, अर्थात :--- 1. श्री देवम्मा और पी. भोविंठस्वामी

(अन्तरक)

2. श्री एत. रमेश

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण-104-106, नुंगमबासम है रोड, मदास-34 (डाक्रमेंड 70/83)

आर. पी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।1, मद्रास

तारीख :15-3-84

प्ररूपः बार्दः, टी. एतः एतः -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-।।, मदास

मुद्रास, विनांक 9 मार्च 1984

निदोश सं. 19101—यतः मुभ्ने, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. आर एस 3884/96, है जो जठनम राकस्टन-नंधा मधास मों स्थित है (और इससे उपाबस्थ मों और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय मदास सेंट्रल (आकूमेंड 87/83) मों भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 र (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृषिधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म कौ अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्रीमती अफटब बेगम

(जन्तरक)

2. शीके. अमुदा

(अन्तरिती)

को यह त्यना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींक्त । व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पाद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, चो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

भूमी और निर्माण-आर एस 3884/96, नंठनम राकस्टनशं मग्रस (डाक्रमेंड 87/83)

> आर. पी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11, मद्रास

तारील : 9-3-1984

प्रक्**य वार्ड**् टी. एन. एस. = - - ---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के स्थीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 मार्च 1984

निवाश सं. 19108--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ली. नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं 72, अविरामपुरम ।। स्ट्रीट, ही, जो मदास-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, मैलापर (डाक मेंट 1078/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथीयत संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविशा के लिए; आर्/या
- (म) एंगी किसी जाय या किसी धर्न या अन्य आस्तियों कते, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्यिन में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भ", माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, सर्थात् :--- 1 श्री एन कोलम्माल

(편

2. डाक्टर रा. वसन्ता

(अन्त

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि ज अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्यों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि ह⁹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में गया है।

यमसची

भूमी और निर्माण-72 अविरामपुरम ।। स्ट्रीट, मन्नास (अक्मेंट 1078/83)

> आर. पी. सक्षम प्रारि सहायक आयकर आयुक्त (निर अर्जन र^{र्}ज-।।,

तारीब : 9-3-1984

्प्राह्म बा**र्** दी एन एस

ा. श्रींबी. स्टनम

(अन्तरक)

2. एस. बीना

(अन्तरिती)

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मन्नास

म्द्रास, दिनांक 9 मार्च 1984

निवंश सं. 19029-यतः मुभ्ते, आरं. पी. पिल्ले,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट सं. 2, रंगाचारी रोड, है, ओ मद्रास-4 में ,स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक्र्मेंट 1002/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में स्रुविधा के लिए; और∕या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए वा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया न्या है।

अमसची

भूमी और, निर्माण-2, डाक्टर रंगाचारी रोड, मद्रास-4 (डाक् मेंड 1002/83)

्वारः पीः पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, मग्रस

नारीख : 9-3-1984

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

1 . श्री वी . श्रीनिवासन

(अन्तरक)

2. एम. ए. श्रीनिवासन

(अन्तरिती)

मास्फर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।, मन्नास महास, दिनांक 9 मार्च 1984

निदश सं. 18942—-यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ले, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 17, ।।। मेयन रांड है, जो मद्रास 20 में स्थित है (और इससे उपाइव्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अठयार (डाक्ट्रमेंट 2144/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीतिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्ति में अस्तिक क्य से किया नहीं किया नवा है "----

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गण अराज प्रकार का किया गण अराज प्रकार का किया गण के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
36—46GI|84.

को यह सूचना बारी करके पूर्वों भरा सम्परित के मर्थन के शिष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में रेस्प का सकते।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा मृता हैं।

अनुसूची

भूमी-17, ।।। मेयन रोड, मद्रास 20 (डाकर्मोट 2144/83)

> आर. पी. पुँल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-१।, मद्रास

तारींख : 9-3-1984

मोहर 🥲

प्रस्प बार्ष ु दी ु एष ु एष ु-------

वायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-पू (1) के वृधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 9 मार्च 1984

निदोश सं. 19059--यतः, मुक्ते, आर. पी. पिल्ली, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार 25,000/- रत. से अधिक है[®] और जिसकी सं. सर्वे 217/2 है, जो कोन्नूर विल्लिवारकम मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम-बट्टर (डाक मेंट 3852/83) में रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सांपर्तित का उचित बाजार मुल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

जतः अज, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ए की अनुसरक में, में, उक्त ऑधोनयम को धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्यार्त :--- (1) श्री सुबुमनियम पुपल्ली

(अन्तरक)

(2)श्रीमती रवती

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के किस् कार्यवाहियां कंप्रता हूं हो

उक्त संपत्ति को वर्षन को संबंध के कोई भी बाकोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति म्यक्तियों में से किसी न्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकासन की लारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्त्रव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त कथ्यों जीर पर्यों का, औ उपके अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—सर्वें 217/2, कोन्न्र विल्लिबारकम (डाक् मेंट 3852/83)

आर. पी. पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आगकर आगुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, मद्रास

तारीस : 9-3-1984

इक्ट बाईंड दोड एवड एक.-----

मानकार मन्तिन्त्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में स्पीन श्चना

भारत चरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मदास

मदास, दिनांक 9 मार्च 1984

निवोध सं 19094---यतः, मुक्ते, आर. पी. पिल्लौ, बायकर अधिनियम, 1,961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारिक है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से **वधिक है** और जिसकी सं. 7, अमया पिल्लै स्ट्रीट है, जो मन्नास-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विश्वित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल (डाक्र्मेंट 60/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1983 की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार म्रस्य से कम के अस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार ब्रुच, उसके रायमान प्रतिफल से. एसे रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती **(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के** लिए तथा पाया गया **वित्रफलः, निम्नलिखित उद्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित** चे **वास्तविक रूप** से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-वियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कसी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आरित्यों की, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जन्ता चाहिए था, छिपाने में ख्रिका के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधीत :---- (1) श्री के वी ्श्रीराम्ल्

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हुसेन अमीना बीबी

'(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वृर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारी स से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----त्समाँ प्रयुक्त जन्तां और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

-

भूमि और निर्माण—-7, अयसा पिल्ली स्ट्रीट, मदास-5। (आकामीट 60/83)

> आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी महायक आनग्रर आय्यल (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

तारीख: 9-3-1984

प्ररूप आई ् टी., एन्,, एस्., -----

(1) श्री हरमीक के. पल्लून

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्**भ**ना

(2) श्रोत^{*} इनवेस्टमें ट और श्रापटी कम्पनी (पी.) लिमिंटेड (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजन्।।, मद्रास

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अरक्षेप :---

मद्रास, दिनांक 9 मार्च 1984

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निर्दोश सं. 19095—यतः, मुभे, आर. पी. पिल्लें, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं आ वेनगठमंगल्लम में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल (डाक् मेंट 61/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिकारों के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल (डाक मेंट 61/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्ष यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार

(स) इस ग्रचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

स्पष्टोक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनतें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के सिए; और/मा

अमृसुची

(क) एसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भूमि---सवें सं. 80, वेंनगठमंगल्ल्म (डाक्यूमेंट 61/83)

> आरः पीः पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-। ाः मन्नास

अतः अवः उक्त विभिन्नियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 9-3 1984

्रत्य आई.टी.एन.एस.-----

(1)श्री वी. पठमनाबन

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

(2) श्री एस रधुनाथन

(अन्तरिती).

सारक ब्रुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 मार्च 1984

निवास सं. 19017—यतः, मूके, आर. पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्स्, 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वें 53/2ए, 53/2बी है, जो तलखन-परी में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य आलठूर (डाकूमेंट 2807/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1983 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएवंकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत बन्तरण निसित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क्) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरण के बाबिरण को कनी करने या उससे अधने में सुविधा के मिए; बीर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए जा, जियाने में स्विधा के निए,

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रकास की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (७) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर स्वत स्थावर सम्मरित में हितबव्ध किसी अस्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकरी के पाच्छ सिन्दित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षिरणः -- इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं... यही कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।.

नन्स्वरे

भूमि और निर्माण--प्लाट 65, तलखनचेरी। (डाक्रमेंट 3788/83)

> आर. पी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 9-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

(1) श्रीमली इनेस मेरी लोबा

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रामकृष्णन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 9 मार्च 1984

निदर्भा सं. 19114--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ली, **बायकर विधानियम,** 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269- व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण 🕫 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- राम अधिक है आरि जिसकी सं. आर. एस. 2588/2 ही जो निम्मो रोड, मदास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक्रूमोट 1059/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1983 को पूर्वोक्त सम्मिति को उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यक्षान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके शरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नक्रह प्रतिकास से अधिक हैं और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफास, निम्नसिवित उव्दोव्य से उक्त अन्तरण लिवित में **बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--**

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसके अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितं । बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है हैं

बन सची

भूमि--आर. एस. 2588/2, निम्मो रोड, मद्रास-4 (डाक् मेंट 1059/83)

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मक्सस

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

सारीस : 9-3-1984

प्रस्तु शाही, टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के विभीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-।।, मन्नास

मद्रास, दिनांक 9 मार्च 1984

निदोश सं. 19153—यतः, मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं. 3, रटलेंड घेट, 5 स्ट्रीट ही, जो मदास-6 में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित ही), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, तौसंट-लैटस (डाकूमेंट 46/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त, 1983

(1908 का 76) के अवान, ताराख अगस्त, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तम बाबा गया प्रतिफस निम्निसिवत उद्देश्य, से उक्त बंतरण किवित से वास्तरिक क्यां की विष्

- (क) नन्तरण से हुई किती नाव की वावत, कक्त निधीनसम के नधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बॉट/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया समा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बतः जवा, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग को जनुसरण जै, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) की अधीन, निकाधिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री स्वीकर बिल्डरस (पी) लिमिटंड

(अन्तरक)

(2) इनठा टोक रालकद्रिक कम्पनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिया भवा है।

अनुसूची

भूमि—-आर ंएस 58/30, 3, रटलेंड घेट, 5 स्ट्रीट, मद्रास-6 । (डाक्र्मेंट 46/83)

आर. पी. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।, मन्नास

सारी**स** : 9-3-1984

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, महास

मद्रास, दिनांक 9 मार्च 1984

िनिवरेश सं, 19129—यतः,मुफ्ते, आर. पी. पिल्लै, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25000/- र० से प्रधिक है और जिसकी सं. आर. एस. 38,39 है जो पल्लावरम में स्थित है (और इससे उपाबब्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकुमेंट 3419/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983 को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपरित का उचित बाजार म्ल्य, उसके रहयमान प्रतिकल से, एसे रहयमान प्रतिकल का गन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरिशियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-भारत निम्नालिसित उददिषय से उक्त अन्तरण में लिसित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

(1) श्री बाबू बाम टी. खुचेठा

(अन्तरक)

(2) ओरियंटल होटलस लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विशा गया है।

वम्स्ची

भूमि और निर्माण—आर एस 38, 39, तं. 6, आफिसर्स लैनस, पल्लावरम । (डाकूमेंट 3419/83)

> आर पी पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आगकर औंगुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।!, मद्रास

अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् रि—

तारीख: 9-3-1984

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जा-।, सदास

मद्राम, विनांक 6 मार्च 1984

निदंश सं. 43/अगस्त/83--यत:, मभ्हे, आर. पी. पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

और जिसकी सं. 67/1, पेटियूर गांव है, तथा ओ चगपट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चनपट्टी दस्तावेज सं. 546, 547, 548/83 में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अगस्त,

1983

25,000/- रु. से अधिक है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचिन बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि युथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एंसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिस्ति उदुदोश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हु^{द्द} किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या -
- (स) एेसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिल्पाने में सुविधा. केलिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण .मों, मौं, **चक्त अधिनियम** की धारा 269-घ की उपधारा (1). के अधीन , निम्नलिक्षिण व्यक्तियों , अभीत :---37 -46GI 84.

(1) श्रीपी. आरंके पाजस

(अन्सरक)

(2) श्रीमती ए. इसुन्द्रा और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचनाकी सामील से 30 दिन की अवधि, जीभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकरी।

श्य**ण्डीकरणः — इ**समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा नया है।

अन्स्ची

व्यावसायिक भूमि एस सं 67/1, पेटियूर गांव, दस्ता-बेज मं. 546, 547, 548/83 ।

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्राम

कारीस - 6-3-1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, मदास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च 1984

निदंश सं. 61 और 62/अगस्त/83--यतः, मुभ्ते, आर. पी. पिल्ली, आयकर अधिन्यिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. एस. सं. 162/1, 162[/]2, 168[/]2 ਵੀ, तथा जो प्रेरिययटिककम गांव, वानियम्बाडी तालुका उत्तर आर्काट जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मब्रास-। दस्तावेज सं. 2671 और 2672/83 में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचितः बाजार मूल्य संकमं के इक्समान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई है और मफ्ते यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भन्ना पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वारतिबक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) शी के मोहम्मद उमादाद्वीन

(अन्तरक)

(2) श्री स्. अस्मत शरीफ और अन्य

(अन्सरिमी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना । की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसर्ची

व्यावनापिक भूमि एस. सं. 162/1, 162/2 और 168/2 पेरियवटिक्कम गांव, वानियम्बाडी तालुका, उत्तर आर्काट जिला (दस्तावेज सं. 2671, 2672/83) ।

आर. पी. पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-१, मद्रास

ता**रीय** : 6-3-1984 गाँहर प्ररूप बाद्दे. टी. एट एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज्-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च 1984

निष्यं सं 64/अगस्त/83—यतः, म्फॅ, आर.पी.पिल्लै,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-■ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपर्तिस जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रत. से अधिक है

और जिसकी सं , नयी सं , 69, तान्डवराय ग्रामीण स्ट्रीट ही, तथा जो तोन्डेयारपेट, मद्रास-81 में स्थित ही (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-।।, दस्तावेज सं , 2605/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983

जवान, ताराब जगरत, 1983 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित साजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल किल निम्नलिखित उद्दोस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिधित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एस. एम. जिंकया और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री मोहमद श्रमीम

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण नयी सं,, 69, तान्धवराय ग्रामीण स्ट्रीट तान्डियारपेट, मद्रास-81 (दस्तावेज सं. 2605/83) ।

> आर. पी. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र्रज-1, मद्रास

. तारीस : 6-3-1984

प्ररूप आर्हे. टी. एन. एस.------

(1) श्रीमती प्रेम क्मबट

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस. मैना भाई

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन र्यज्-।, मद्रास

मन्नास, दिनांक 6 मार्च 1984

निवंश सं. 68/ाअगस्त/83--यत:, मुभ्ते, आर पी पिल्ली

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण ह**ै कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रह. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं. नयी सं. 192, एन. एस. सी. बोस रोड, है, जो मद्रास से स्थित है (और इससे उपाबद्रध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रीजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लग, मौकारपेट, दस्तावेज सं. 364/83 में रजिस्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) केअधीन, तारील अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य सं कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिसिस उद्देश्य से अवस अंतरण जिस्तिन मैं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त निधिनियम को नधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में समिशा के लिए; गौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-**कर मधिनियम, 1957 (1957 का** 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिल्लाने में मिथिया नौसिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निमिसिन व्यक्तियों, अर्थात '---

को यहस्थानाजारीकरकेपृबोंकल सम्पत्तिके अर्जनकेलिए कार्यवाहिया शुरू करता हुई।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप 🐃

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर 🤻 सुचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समुपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्तीक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अथ धांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नयी सं. 102, एन. एस. सी. बोस रांड, मदास (वस्तावेज सं. 364/83)।

> आर. पो. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिंज-।, मद्रास

नारीस : 6-3-1984 मोहर .

प्ररूप बार्षं. टी. एन. एस. -----

बाय्कड् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-१, मद्रास

भद्रास, दिनांक 6 मार्च 1984

निदंश सं. 70/अगस्त/83--यतः, म्फे, आर. पी. पिल्लै,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उप्तत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बांजार मूल्य 25,000/~रा सं अधिक ही

और जिसकी सं नियों सं, 405 है, तथा जो मिन्ट स्ट्रीट, मद्रास-79 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूप रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकारपंट, दस्तावंज सं 384/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृत्रिधा के सिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बरबुलाल भाइ चन्य सोनी

(अन्तरक)

(2) श्री जंटमाल दातिचन्दजी

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यित्यों में से किसी व्यविस ब्वारा;
- (क) इस सूचना क्रि राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्टाक्षर? के पास सिवित में किस आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण नयी सं 405, मिन्ट स्ट्रीट, मदास-79 (दस्तावेज सं 384/83)।

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधीकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मन्नास

तारीख : 6-3-1984

प्ररूप गाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 मार्च 1984

निदंश सं. 78/अगस्त/83—–यतः, मुक्ते, ·आर.पी.पिल्लै, आयकार अर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. आर. एस. सं. 1624 है, जो पान्स्यिन रोड, मन्नास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, पोरियमेट, दस्तावेज सं. 857/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर्न, अगस्त, 1983 को पूर्वीक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और

अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्सविक रूप से अधित नहीं किया गया हैं.....

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती ज्योत्सना नन्दा और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एल टी. हलिमा

(अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं. आर. एस, सं. 1624।मी, पन्ति-यन रोड, मग्रास (वस्तावेज सं. 857/83)।

> आर पी पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सह्चियक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।, मद्रास

तारी**ख** : 6-3-1984

माहर :

प्रक्ष्य, आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, मदास मदास, दिनांक 6 सार्च 1984

निवोध सं. 86/अग्स्त/83—यतः म्फे, आर. पी. पिल्लै,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रत. से अधिक है और जिसकी मं. 4, हारिनाटन रोड, चेटपट, मद्राम ही, मक्रास में स्थित ही (और इसमें उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परियमेट, दस्तावेण सं. 911/83 में रजिसीदकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, प्रारीय अगस्त, को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मक्ते यह विख्वास करने करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदद देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे धणने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय अप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैसर्स इस्टि कास्टि कन्स्ट्रक्शन्स एण्ड इण्डस्ट्रीज (अन्तरक)
- (2) डाक्टर एन . इक्बाल अहमद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृभना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रसम्ब

भूमि सं. 4, हारित्गटन राष्ट्र, चंटपट, मद्रास (दस्तावेज सं. 911/83)।

आर. पी. पिल्लैं मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।, मद्रास

तारीख : 6-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-भ (1) के अधीर स्थ**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, महास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च 1984

निद्येश सं. 89/अगस्त/83——यतः म्फ्रे, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह, विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 1, डाक्टर टी. वी. नायख रोड है, जो चेटपट, मदास-31 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट, दस्तावेज सं. 948/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त 1983

की पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक म्प से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कभी करने या उससे अचारे में सुविधा के सिए; बीट्र/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं. उक्रम अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री एव गोपालकृष्णन और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्रीभती जी. तारा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बदुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे:

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नदा हैं।

अभ्सूची

भूमि और निर्माण सं. 1, डाक्टर टी. **वी**. नायङू रोड चेटपट, मद्रास-31 (दस्तावेज सं. 948/83)।

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, सद्रास

वारीब : 6-3-1984

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्दाश सं. 96/अगस्त/83 यतः म्भे,

आर. पी. पिल्लै,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ. 154, प्लाट सं. 305 है, जो अन्ना नगर इंस्ट, मद्रास-102 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के काार्यालय, अन्ना नगर, मद्राम, दस्तावेज सं. 2735/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें दचनें में सूविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री वंगल श्रीनिकासन

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती सांगा माम्मेन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितया पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर अविकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मं किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम: के अध्याय 20-क में परिभाषित हुर, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुरें।

अगस की

भूमि और निर्माण सं. एफ.-154, प्लाट सं. 305, अन्ता नगर र्इस्ट, मद्रास-102 (बस्तावेज सं. 2735/83)।।

> आर . पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मदाम

तारीख : 6.3-1984

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-का (1) के अभीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालयः महायक <mark>श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रॉजना, मद्रास 🗸

मदाग, दिनांक 6 मार्च 1984

निदोश मं. 97/अगस्त/83--यतः म्कॅ, आर. पी. पिल्लं.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट सं 17, कायम्बेड गांव है, जो धन्नालपेट जिला में म्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप सं विणित हैं)।, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्त नगर, दस्तावेज सं 2736/83 में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अपिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

(1) श्री के नारायन आचारी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अम्बिका रामकृष्णन नायर

(अन्तरिती)

को मह सूचना चाड़ी करके पूचाँकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप: -

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्थब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

 (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बावत उक्त अधि-िनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी अरने या उससे बचने में सविधा के लिए; आर/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अभिनियम, विश्वासीय जिल्हा प्राप्त अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि सं. प्लाट सं. 17, कोयम्बेडुगांव, चेन्गलपेट जिला (वस्सावेज सं. 2736/83)।

> आर. पी. पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, सद्वास

अतः अब , उयत अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकिक क्लिक्त्यों, अर्थात :---

सारो**स**ः 6-3-1984

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निऱ्रीक्षण) अर्जन रोज-।, मन्नास

मग्रास, विनांक 6 मार्च 1984

निर्देश सं 99/अगस्त/83--यतः, मुभ्ते,

आर. पी. पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृद्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट सं 4158 है, जो अरिग्नर अन्ता नगर, मन्नास-40 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, अन्ता नगर, मद्रास दस्तावेष सं 2762/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

1983 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, विस्निनिक्त उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्हा में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) वंतरण है हुई किसी जान की वानतः, उनतः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के निए; स्रोद/वा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्- :--

1. श्री इ. एस. मनी

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा देवी पहारिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में अकासन की पारांख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यास में हित- बहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

अम्सूची

भूमी और निर्माण प्लाट सं 4158, अरिग्नर अन्ता नगर, मद्रास-40 (दस्तावेज सं 2762/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मद्रास

तारीख: 6-3-1984

प्ररूप बाइ", टी. एन. एवं.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च 1984

निदर्भे सं. 100/अगस्त/83--यतः, मूक्ते, आर. पी. पिल्लै,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसको इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 112, 'डबिल्यू' ब्लाक सं. 1 प्लाट सं. सी-15 है, जो तीसरा मेन राड, अरिजन अन्ता नगर, मद्रास में स्थित है (और इसके उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, अन्ता नगर, मद्रास वस्तावंज सं. 2807/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंबरण से हुव् किसी अाथ की बाबत, उक्त अधिन्यत्र के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ा_र श्री ए_ं वसन्ता

(अन्तरक)

2 श्रीपी रिवक्नार

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप . ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि सं. 112, 'डबिल्यू' ब्लाक सं.1, प्लाट सं. सी-15, तीसरा मेन रोड, अरिजन् अन्ना नगर, मद्रास (दस्तावेज सं. 2/887/83)

आर. पी. पिल्लें सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, मन्नस

तारीख : 6-3-1984

प्ररूप आई. टी. एव. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, मन्नास

मन्नास, विनांक 6 मार्च 1984

निद^{रं}क सं. 101/अगस्त/83—स्यतः, म्रेके, आर. पी. पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट सं 31, स्टेज ।, चिन्मया नगर है, जो कोयम्बेड गांव मग्नास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के काार्यालय, अन्ता नगर, मद्रास दस्तावज सं, 2843/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्वक रूप से किशा नहीं किया गया है ...-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ड) पुंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितां, अर्थत्:—

1. श्री आर. अरुण

(अन्तरक)

2. श्रीभी वेलुस्वामी

(अन्तरिती)

का बहु स्वना जारी करके पृत्रों कर सम्परित के मुर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसभी

भूमी प्लाट सं. 31, चिन्मया नगर, स्टेज ।, कोयम्बेड् गांव, मद्रास (दस्तायेज सं. 2843/83)।

> आर. •पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जु-।, मग्रस

तारीख : 6-3-1984

प्रकार बार्च . दी . एवं . एवं . -----------

आएकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{*}ज़-।, मन्नास मद्रास, दिनांक 6 मार्च 1984

निवर्षा मं. 103/अगस्त/83--यतः, मुक्ते, अगर. पी. पिल्ले,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. ब्लाक सं. 18, है, जो सद्वास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जन्ना नगर, मद्वास वस्तावेज सं. 2888,2889/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार

मृत्य. उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बितिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिचित उद्धदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक

क्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तर्भ सं हुन्दे किसी बाद की कावंद, उद्युष्ट् अभिनियन की ज्योग कर देने के जन्तरक के वाजित्य में कमी कड़ने या उत्तरों अपने में स्विधा के विष्ट्र सार/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धर्न या अन्य अधिस्त्रयों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने धें स्विभा के लिए;

अत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-र्व के अनुसरण भौ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीएम. ए. देवप्रियम

(अन्तरक)

2 श्रीमती निर्मला वेबी बनराज

(अन्त (रती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुर्व्योक्त के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंबे।

स्थक्ष्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उश्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

<u>मन्स्चीं</u>

भूमि और निर्माण सं. ब्लाक सं. 18, मदास। (दस्तावेषु सं. 2888, 2889/83)

आर. पी. पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।¹,₁ मग्रास

तारी**ख**ः 6-3-1984

मोहरः ः

प्रकप् बार्डं ही एन एस् -----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मद्रास

मद्रारा, दिनांक 6 मार्च 1984

निदांश सं. 114/अगस्त/83--युतः, मुक्ते, आर. पी. पिल्लै,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. सं. 7463, पेंदुनायकनपेंट हैं, जो मिन्ट स्ट्रीट आर्ज टान, मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-। दस्तावेज सं. 3203/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण ते हुई किसी माय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः 1. श्रीमती पी. एस. एस. रहमा भीवी

(अन्सरक)

2. श्रीमती के. सूशीला और वी. कन्दस्वामी (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाओर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन की अविभाग तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकने।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम, के सभ्याय 20-वः में परिभावितः है, वही अर्थ होगा को उस सभ्याय में विधा गया है।

अमुसुची

भूमि और निर्माण आर. एस. सं. 7463, पेवानास्कनपेट, मिन्ट स्ट्रीट, जार्ज टीन संद्रास (वस्सायज सं. 3203/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, मृद्रास

ता्रीबः 6-3-1984

प्ररूप माइ .टी.एम.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्दोध सं. 115/अगस्त/83--यतः म्भे, आर. पी. पिल्ली,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजाए मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं। और जिसकी सं. प्लाट सं. 1, नयी सं. 9 स्पर टान्क रोड, हैं, जो चेटपट महास-31 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, पेरियमेंट दस्तावेज सं. 1098/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम इश्लाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार

बुल्या, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल

भें वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है :--

गन्द्रह प्रतिका**त से अ**धिक **है औ**र अन्तरक (अन्तरकारें) और

कंत^ररती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दाजित्य में कमी करने या उससे बचने में सबिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्भरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भविष्य के लिए।

शतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीय किमनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. थी रमेषमाल दगार

(अन्तरक)

2. श्रीपी, एम्. दुगार

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से किस की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा भकेंग।

स्पस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का , जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

नगुसुनी

भूमी और निर्माण प्लाट सं. 1, नयी सं. 9, स्पर टान्क रोड, चेटपट, मन्नास-31 (वस्तावेज मं. 1098/83)

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मन्द्रस

. तारी**ल** : 6-3-1984

प्ररूप बाई, दी, एम. एस. -----

1. भीए. वी. सम्पत और अन्यों

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (भ) (1) के अधीन मूमना

2. श्रीआर.ए.पान्ड्रगम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

अर्जन गंजान।, महास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च 1984

निदर्भेश सं . 116/अगस्त/83--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ले, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं . नयी सं . 34 , टी . एच . रोड ही , जो मदास-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण कृप से अर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-।। दस्तावेज सं. 3537/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निक्रित मों बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण स्केटिंड्र किसी जाय की बाबत, उकत अधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों कार, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्परित के अर्जन के गम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभ, और भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हुँ , वहीं अर्थ होंगा जो एस अध्याय मा दिया गया हुँ।

अनुसुची

भूमी और निर्माण नयी सं. 34, टी. एच. रोड. मक्रास-21 (वस्तावेज सं. 3537/83)

आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मद्रास

अतः अवः, उक्त वैधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसितित व्यक्तियों, अर्थातः—— 39—46 GI/84

ना्रीस : 6-3-1984

प्रकृष वाही, टी. एन. एस. ----

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, मद्रारा

मदास, दिनांक 6 मार्च 1984

निद^रश सं. 118/अगस्त/83--यतः मूर्फे, आर. पी. पिल्ली,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं. रथी सं. 17, जो स्ट्रिन्डरेस स्ट्रीट, मद्रास-। में स्थित है (और इससे उपानव्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-। वस्तावेज सं. 2784/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य में कमी करने मा उससं बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सर्विधा के रितार ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

1. श्रीमन्श्क्लाल पी. शा

(अन्सरक)

2. श्री एम. मोहमद मुसा

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन् के शिर्ण कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम निष्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्वी

भूमी और निर्माण नयी सं. 17, स्ट्रिन्जेसं स्ट्रीट, मद्रास-। (दस्तावेज सं. 2784/83)

आर. पी. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मद्रास.

तारीख: 6-3-1984

प्रकप. बाह्र . टी. एत्. एस. -----

ा. श्री एल. सी. जी. मुस्तैय्या और अन्यों

(अन्तरक)

नायकर मीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सुचना

2 श्रीपी एन विकटरामन

(अन्सरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, मधास

मग्रास, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्दोश सं. 117/अगस्त/83--यतः मुक्ते, आर. फ़िल्लै,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 15 ; एग्मोर हाई रोड है, जो मद्रास-8 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल दस्तावेज सं. 104/83 में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (:) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, नर्भात् :--

कां यह सचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनस ची

भूमी और निर्माण सं. 15, एग्मोर हाई गेड, भदास-8 (दस्तायेज सं 104/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, मद्रास

जामी**व**ः 6-3-**1984**

प्रक्य बाह्र . टी . एन . एस . ------

प्रायक्तर अधिनियम 1981 (1981 का 43)की धारा 289•च (1) के घर्चीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्वोश सं. 19/37-ई.ई./नवम्बर/83--यतः म्फे, आर.पी. पिल्ली,

भागकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ,25;000/- क्यमें से प्रक्षिक है और जिसकी सं. 813, पूनमल्ली हाई रांड है, जो मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूण रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दश्यमान प्रतिकत का पन्दह प्रतिकत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निज्नलिखित उदेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बाक्तिक करा से कथिन नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- मूं(ख) ऐसी किमी प्राय या किसी धन या क्रन्य व्यक्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रक्रित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षित्यम, या धन-कर अधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

भ्यः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम भो धारा 269-य की अधिकारर (1) को अभीन, निक्तिसिक्त स्वीक्तमों, अभीत् क्ष- 1. श्री एम. एल. पटवारी और अन्या

(अन्तरक)

2. श्री रियासत अली मिर्सा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की भवित्र या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवित्र, जो भी भवित्र वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास विकास में किये जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण ।—न्द्रसमें प्रयुक्त सम्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के अध्याय 20-त में परिभाषित है, वही सब होगा, जो उन ग्रध्यात में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट सं. 813, प्नमल्ली हार्इ रोड, महास-600010 ।

आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज-।, मद्वास

तारांख: 6-3-1984 मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 5th November 1983

No. A.19014 183-Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. M. V. Narayanan, Indian Postal Service 1974 as Deputy Secretary, Union Public Service Commission, w.e.f. 2-11-83 until further orders.

The 26th November 1983

No. A.32013.1183-Admn.I.—The President is pleased to a point the following permanent Section Officers of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on ad hoc basis for the period from 12-9-83 to 30-9-83.

S. No. Name

- 1. Shri R. Sahai.
- 2. Shri S. S. Nagad.
- 3. Shri M. P. Jain-IL

S. K. F. KUJUR, Dy. Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

New Delhi-110 011, the 13th March 1984

No. A.32011/1/83-Admn.l.—The President is pleased to an-point the following permanent Section Officers of the CSS Cadre of Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries in Grade I of CSS on ad hoc basis for a

period of 45 days with effect from 14-2-1984 to 29-3-1984, or until further orders, whichever is earlier.

St. No. Name of Officer S/Shri

B. N. Arera.
 I. P. Tuli.
 K. L. Suri.
 B. D. Sharma.

A. J. BAJAJ. Dy. Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 1st March 1984

No. A-19011|2|77-Admn.I,---Consequent to his appointment as Chairman, Industrial Promotion and Investment Corporation of Orissa Limited., Bhubaneswar, vide Government of Orissa, General Administration Department, Office Order No. 1439 AIS.I., dated 16-2-1984, the services of Shri B. R. Patel, I.A.S., who relinquished charge of the office of Secretary, Union Public Service Commission, with effect from 13-10-1983 (A.N.), and was granted leave upto 29-2-1984, are placed at the disposal of the Government of Orissa with effect from 1-3-84 (FN), so as to enable him to join his new assignment, after availing himself of the joining time admissible under the rules,

> M. P. JAIN. Under Secy. (Admn.)
> Union Public Service Commission

New D. Ihi-110011, the 29th March 1984

No. A. 32014/1/84-Admn. III:—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Sevice Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of U.P.S.C. for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier:-

		 	 								 	·····
S. No.	Name											Period
		 	 					·			 	
1. Shri Sude	sh Kumar			-		•	-					1-3-84 to 29-3-84
2. Shri N. P	. S. Gujral			-	٠			-	•	٠.	-	Do.
			_	_	_				_			

The above officers shall draw Special Pay @ Rs. 75/- p.m. in terms of D.O.P. & A.R.O. M. No. 12/1/74-CS I dt. December, 1975.

No. A.32014/1/84-Admn.Hl.(1).—The President is pleased to appoint Shri Bhagirathi Kumar, a premament Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on ad hoc basis for the period w.c.f. 16-2-84 to 1-4-84 or until further orders, whichever is carlier.

The 30th March 1984

No. A. 32013 184-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri D. R. Madan, a permanent Section Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Under Secretary on ad-hoc basis for the period from 12-3-84 to to 11-4-84 or until further orders, whichever is earlier.

> S. BANERJEE Under Secy. Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 11th April 1984

No. A[19036]3[75]AD. V.—On his repatriation from Central Detective Training School BPR&D Hyderabad, Shri D. M. Rao, Dy. Supdt. of Police, CBI joined CBI in the same capacity in the forenoon of 6th April, 1984.

> P. N. ARY \ Administrative Officer (A) CBI

· OFFICE OF HE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delh, the 10th April 1984

No. 10|6|82-Ad. 1.—In continuation of this office Notification of even number dated 6-9-1983, the President is pleased to extend ad-hoc appointment of Shri Pradeep Mehra, Assistant Director (Programme) as Deputy Director (Programme) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi for a further period upto the 30th April 1984 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier, under the existing terms and conditions.

2. The headquarters of Shri Mehra will be at New Delhi.

V, S, VERMA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE (DEPT. OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangbad-461 005, the 22nd Murch 1984

Ref. No AD/83/Link/13227,--WHEREAS Shri Arun Kumar Kaje, Lower Division Clerk was remaining absent from duty unauthorisedly without prior intimation/sanction of leave and without informing the Security Paper Mill of his whereabouts from 14-5-83:

AND WHEREAS a memo bearing No. AD 83 2604 dated 3 4-6-83 was issued to his permanent residential address at Block No. 26|4, C.T.O. Quarter, Bairagarh, Bhopal (M. P.) directing him to report for duty immediately;

AND WHEREAS the said Shri Arun Kumar Kaje did not regume duty and continued to remain absent un-authorisedly and thus committed an act of misconduct in terms of rule 3(1) (iii) of CCS (Conduct) Rules, 1964;

AND WHEREAS a Charge-sheet bearing No. AD[83|Link] 281 dated 14-9-1983, was issued to the said Shri Arun Kumar Kaje to his above permanent residential address at Bhopal by registered A. D. Post;

AND WHEREAS no reply to the above charge-sheet was received from the said Shri Arun Kumar Kaje.

AND WHEREAS it was considered that an inquiry should be held into the charge framed against the said Shri Arun Kumar Kaje, and accordingly an inquiry Officer and Presenting Officer were appointed vide order No. AD[83]Link[562] dated 7th December, 1983;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated 22-2-84 stating that it has been practically impossible to get the presence of the accused Govt. Servant, Shri Arun Kumar Kaje, to the inquiry and as such the proceedings were concluded ex-parte, and held the charge as proved;

AND WHEREAS the undesigned after carefully going through the records of the case including the inquiry report dated 22-2-84 (copy enclosed) held the charge as proved and came to the conclusion that the said Shri Arun Kumar Kaje was not a fit person to be retained in service and that the penalty of removal from service should be imposed on him:

NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of powers conferred on him under rule 19(ii) of the C.S.S. (CC&A)

Rules, 1965 hereby removes the said Shri Arun Kumar Kajo, from service with immediate effect.

S. R. PATHAK General Manager

Encl: 1
Regd. A. D. Shri Arun Kumar Kaje,
Block No. 26/4,
C. T. O. Quarter,
Bairagarh,
BHOPAL (M.P.)

Hoshangabad-461 005, the 6th April, 1984.

No. 7(57)|368.—In continuation of this Office Notification No. 7(57)|11950 dated 5-2-1982, the appointment of Shri M. No. Shreeranganathan, as Administrative Officer on deputation basis is extended upto 31st March, 1984.

S. R. PATHAK General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 9th April 1984

No. CA. I | 9-81.—On his attaining the age of superannuation Shri M. Venkata Rao, Audit officer (Commercial) serving in the office of the Accountant General-II, Andhra Pradesh Hydedabad retired from service with effect from 29-2-1984 (A.N.).

The 11th April 1984

No. CAl/107-83;—Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Comml.) and appoint them to officiate as Audit Officer (Comml.) and post them as such in the Offices noted against each name in Column 4 below w.e.f. the dates mentioned in Co. 5 below until further delay.

S. No.	Name of the S. O. (C	5)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as AO(C)	Date of promotion a A.O.(C)
1.	2.		3.	4.	5,
1. Si	nri M. R. Kulkarnı	, -	Member Audit'Board & Ex-Officio, Director of Commercial Audit, Bombay.	Member Audit Board & Ex-Officio, Director of Commercial Audit, Bombay.	13-12 83
2. S1	hri Babu Lal Verma		Accountant General (Audit), Rajasthan, Jaipur.	Do.	28-12-83
3. Si	hr _t J. M. Vats .	٠	Comptroller & Auditor Gen. of India, New Delhi.	Member Audit Board & Ex-Officio, Director of Commercial Audit, New Delhi.	22-12-83
4. Sh	ri H. Bhattacharjee		Member Audit Board & Ex-Officio, Director of Commercial Audit, Ranchi.	Member Audit Board & Ex-Officio. Director of Commercial Audit, Calcutta.	31-12-83
5. Si	hri S. L. Aggarwal		Accountant General, (Audit), Rajasthan, Jajpur.	Member Audit Board & Ex-Officio, Director of Commercial Audit, Bombay.	28-12-83
6. Si	hri B. K. Kapoor		Accountant General, (Punjab), Chandigarh.	Accountant General. (Jammu & Kashmir). Srinagar.	28-12-83

K. P. LAKSHMANA RAO, Asstt. Comptroller & Ar. Gen. (C)

OFFICE OF THE D.A.C.R.

New Delhi, the 17th April 1984

No. Admn.IO.O.No.11.—Consequent upon his attaining the age of superannuation. Shri Radhey Shyam Gupta, an Assistant Audit Officer of this office will be retiring from the service of the Govt. of India with effect from the afternoon of 30-4-84. His date of birth is 11th April 1926.

(Sd|-) ILLEGIBLE Dy.Director of Audit (Admn.I.).

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 10th April 1984

No. A.19011(333) 83-Estt.A. Shri C. S. Rao, Assistant Mineral Economist (Statistics), Indian Bureau of Mines as appointed to officiate as Deputy Mineral Economist (Statistics)

a Grade III post of Indian Statistical Services with effect from the forenoon of 4th February, 1984.

A. R. KASHAV, Senior Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 10th April 1984

No. 29/12/83-SII.—Director General, AIR is pleased to appoint Sh. Vinod Kumar Singh to officiate as Farm Radio Officer at AIR, Kurscong w.c.f. 19-3-84 (FN).

SMT. RUKMINI DAS GUPTA.

Dy. Director (Admn.)

for Director General.

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DTE, OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 24th March 1984

No. A.19023|5|82|A-III.—The ad hoc appointment of Shri S. S. Bimbra to the post of Marketing Officer (Group III) in this Directorate at Nagpur has been extended upto 30-6-84 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A.19024|1|84|A-III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B') Shri V. A. Tandulkar, Sr. Chemist has been promoted to the post of Junior Scientific Officer on officiating basis in C.A.L. Nagpur with effect from 19-12-83 (F.N.), till the post is filled on regular basis.

The 5th April 1984

No. A-31014|3|81-A.I.—Shri A. K. Singla is hereby appoint ed substantively to the permanent post of Assistant Marketing Officer (Group II) in the Directorate of Marketing and Inspection with effect from 11-12-1982.

The lien of Shri Singla in the lower post, if any stands terminated with effect from the date of his substantive appointment in the post of Asstt. Marketing Officer (Group II).

No. A. 19025|9|84. A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Provash Das has been appointed to Officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Gauhati with effect from 2193-84 (F.N.), until further orders,

The 9th April 1984

No. A. 19025|4|84. A.-III.—The resignation tendered by Shri Charan Singh from the post of Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate has been accepted with effect from 13-3-1984 (A.N.).

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 5th April 1984

No. Ref. DPS'2|1(26)|83-Adm.|7657.—In continuation of this Directorate Notification No. DPS|41'1|83-Adm.|26264 dated 12-8-83, the Director Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. L. Ahluvalia, a permanent Purchase Assistant, to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad hoc basis from 5-3-84 (FN) to 2-4-84 (FN) and on a regular basis with effect from April 2, 1984 (FN) until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-10-1200! in the same Directorate.

The 10th April 1984

No. Ref. DPS[41]3[83-Adm.|8605.—The Director, Directorate of Purchase and Stores. Department of Atomic Energy appoints Shri Jagannath Gopal Sathe a permanent Asstt. Accountant Officiating as Accountant (ad hoc) to officiate as an Asstt. Accounts Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960]- from 1-3-84 (FN) to 31-3-84 (AN) in the same Directorate vice Shri T. M. Alexander, Assistant Accounts Officer, granted leave.

The 11th April 1984

No. Ref. DPS|41|1|83-Adm.|8704.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Krishnan I.al Ahluwalia, a permanent Purchase Assistant of officiate as an Assistant Purchase Officer on and hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB —35—880—40—1000—EB —40—1200/—from 1-12-1983 (FN) to 18-2-1984 (AN) in the same Directorate vice Shri K. V. Nair, Assistant Purchase Officer promoted as Purchase Officer, (ad hoc).

P. GOPALAN Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

SHAR CENTRE

Sriharikota Range-524 124, the 9th April 1984

No. SCF-P&GA-ESTT-I-1.72.—The Director, SHAR Centre is pleased to appoint the following personnel to the post of Sci|Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota Range on a purely temporary and provisional basis from the dates shown gainst their names:—

- 1. Shri D. Rajeshwar Reddy-28-10-1983.
- 2. Shri P. Prabhakara Chowdhary-24-1-1984.

RAJAN V. GEORGE Head, P&GA DIVN. for Director, SHAR Centre

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110066, the 20th March 1984

No. A-32013/5/82-EA(PT. III)—The President has been pleased to sanction the continuance of ad-hoc appointment of the following officers to the grade of Deputy Director/Controller of Aerodromes with effect from the date mentioned against their names to 26th May, 1983:—

SI. No.	Name	 	 		 					 Period of extension of adhoc appointment approved	Station
1	2	 	 		 					 3	4
2.	S/Shri V. V. Bagga R. J. Yuraj M. K. Das			- -		<u>.</u>	•	-	•	 27-1-1983 20-1-1983 8-5-1983	Retired Bombay. Bombay.

1	2									3	4
4,	M. S. G. K. Wa	rrier	- <i>,</i> ,				 	·		14-1-1983	DD(O), Uqrs.
5.	P. K. Biswas	,								12-1-1983	Palam Airport
6.	D. N. Gupta			,						5-5-1983	Lucknow.
7.	P. I. C. Vidvasa	gar		,	,					30-1-1983	Madras.
	G. Sarkar					_	,			26-1-1983	Calcutta.
9.	R. S. Slddhu							,		14-1-1983	Varanasi.
10.	Panna Lal									12-1-1983	Trivandrum,

G. B. LAL, Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT,

CUSTOMS & CENTRAL FXCISE

New Delhi, the 10th April 1984

No. 4|84.—Shri Satinder Singh, lately posted as Assistant Director, Directorate of Revenue Intelligence, New Delhi, on transfer to the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise, New Delhi vide Ministry of Finance, Department of Revenue's Order No. 41|84 dated 8-3-1984 issued vide letter F. No. A. 22012|16|84-Ad. II, took over charge of the post of Assistant Director on 29-3-84 (F.N.).

A. C. SALDANHA Director of Inspection

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS-

Bhubaneswar, the 11th April 1984

No. 3|84.—Shri Sukadev Nayak, Administrative Officer of the Collectorate of Central Excise and Customs, Bhubaneswar has retired from Government Service on 31 transfer. 1984 on superannuation.

C. SATAPATHY
Deputy Collector (P&E)
Central Fxcise and Customs
Bhubaneswar

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING TOWN AND COUNTRY PLANNING ORGANISATION New Delhi-110002, the 12th April 1984

No. A. 12026(2) 83-TCPO Admn.—The Chairman, Town & Country Planning Organisation is pleased to appoint Shri M. K. Vishwanath, Research Assistant to the post of

Assistant Economist (GCS Group B Gazetted) on ad hoc basis w.c.f. 31st March, 1984 (A.N.) until further orders.

H. K. GHOSH Administrative Officer

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 21st March 1984

No. 2-SH(3)|83.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri P. K. Roy Chowdhury, Engineer & Ship Surveyor in the Mercantile Marine Department, Madras in a temporary capacity with effect from 31-10-83 (F.N.) until further orders.

Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mrs. Harayani Investments Private Limited

Gwalior, the 9th April 1984

No. 1544|PS|CP|3202.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Agt. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. Harayani Investments Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 9|8; B.J.B. NAGAR, BHUBANFSWAR-751 014 ORISSA

Orissa, the 7th April 1984

Ref. No. IAC|ACO|84-85|56-57,—Whereas, I. R. C. SETHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3110 — 3111 situated at Berhampur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at Berhampur on 3-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-40-46GJ/84

(1) Smt. G. Chandrabati wo G. Raghunath Rao, Patra Sahi, Berhampur, (Ganjam) Orissa.

(Transferor)

(2) Shri Prafulla Ku, Panigrahi Slo Late Harihar Panigrahi, Plo Bejpur (Patrapur) Berhampur, Dist. Ganjam, Orissa.

(Transferce)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building, measuring $165^{\circ} \times 10^{\circ} - 6^{\circ} = 1732.50$ sft. (Double storied building) at Daula Street, Berhampur (Ganjam) (Ward No. 15 Berhampur-Municipality House No. 136/15).

> R. C. SETHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax Acquisition Range, Orissa

Date: 7-4-84

Seal:

(1) 1. Shri Devi Prasad Bora 2. Shri Pankai Bora

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Rashida Parveen

(Transferee)

(3) Above vendee (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. 57. RAM TIRTH MARG,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Lucknow, the 2nd February 1984

Ref. No. G.I.R. No. R-208/Acq.—Whereas, 1. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinaffer referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khasra No. I-B of 469 situated at Sheikhapur Aliganj,

Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1905 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Lucknow on 6-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the law market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land Khasra No. 1-B of 469, measuring 12000 sq. ft, situated at Sheikhapur Aliganj, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9425, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar. I neknow, on 6-8-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 2-2-1984 Seal :

Now, therefor in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid acoperty by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the followwhoms namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
57. RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 2nd February 1984

Ref. No. G.I.R. No. Z-4/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khasra No. 1-B of 469 situated at Sheikhapui Aliganj, Lucknow

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Lucknow on 6-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Devi Prasad Bora 2. Shri Pankaj Bora

(Transferor)

(2) 1. Smt. Zarina Qaiser 2. Smt. Rashida Parveen

(Transferce)

(3) Above vendee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land Khasra No. 1-B of 469, measuring 12000 sq. ft. situated at Sheikhapur Aliganj, Lucknow, and all that description of the property which is ment and in the sale deed and form 37G No. 9424, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar. Lucknow, on 6-8-1983.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 2-2-1984

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th April 1984

Ref. No. III-921|Acq|84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Thana No. 7, Tauzi No. 388|18858, Khata No. 97, Khesara No. 1873, Ward No. 37, Circle No. 263, Holding No. 81|75, 206|81 situated at Gardanibagh (Babu Bazar), Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Patna on 13-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Saroj Kumar Chandra S/o Late Bipin Bihari Chandra, At—Chandra Kutir, Gardanibagh,
 P. S. Gardanibagh,
 P. O. Patna,
 G. P. O. Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Indrawati Devi W/o Shri Prabhu Nath Singh, At—P. O. and P. S. and Village Mirganj, Dist. Gopalganj.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Katha 16 Dhur with a Double storeyed building situated at Gardanibagh (Babu Bazar) Patna and morefully described in Deed No. 6919 dated 13-8-83 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 6-4-84 Seal :

NOICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 10th February 1984

Ref. No. 11I-919|Acq|83-84.--Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vlaue exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Holding No. (49Λ(old) 418/307(New), Sheet No. 20, Circle No. 6, Ward No. 2 situated at New Dak Bungalow

Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 13-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Bikram Keshri Das S/o Late Shri Gajendra Prasad Das, 35-Satya Nagar, Bhubneshwar, Orissa.

(Transferor)

(2) Smt. Onika Ahluwalia W/o Shri Brij Mohan Singh Ahluwalia, C/o Ahluwalia Trading Corporation, Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan, Town and Dist. Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2676 Sq. ft. with house situated at New Dak Bungalow Road P.S. Kotwali, Town and Dist. Patna and morefully discribed in Deed No. 6927 dated 13-8-83 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10 2-1984

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 10th February 1984

Ref. No. III-918|Acq.|83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Holding No. 149A(old), 418/307(New), Sheet No. 20, Circle No. 6, Ward No. 2 situated at New Dak Bungalow

Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 13-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings fo rthe acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Shri Bikram Keshri Das S/o Late Shri Gajendra Prasad Das, 35-Satya Nagar, Bhubneshwar, Orissa.

(Transferor)

(2) Shri Brij Mohan Singh Ahluwalia S/o Late Shri Harjang Singh Ahluwalia C/o Ahluwalia Trading Corporation, Exhibition Road P. S. Gandhi Maidan, Town and Dist. Patna,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2676 Sq. ft. with house situated at New Dak Bungalow Road P.S. Kotwali, Town and Dist. Patna and morefully described in Deed No. 6927 dated 13-8-83 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date: 10-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1984

Ref. No. AC-59 ACQ.R-II | CA1 | 83-84. Wherein, 1, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

284 situated at Calcutta Jessore Road, P. S. LAKE TOWN

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

under the Registration Act 1908 (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Cossipore Dum Dum on 12-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as moreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) 1. Tarit Kumar Ballav,

2. Sachindra Nath Ballav,

3. Samir Kumar Ballav,

4. Sukumar Ballav,

5. Subal Chandra Ballay, All of 26B, Galifl Street, Calcutta

(Transferor)

(2) 1. Kantilal Roy, 2. Mihir Kanti Roy,

3. Ashoke Kumar Roy,

4. Sisir Kumar Roy, All of 64, Maharsi Debendra Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 Bigha 13 Cottah, land with Building situated at Mouja-Kaliadaha, P. S. Lake Town, Municipal holding No. 284, Caliutta Jessore Road, More particularly described in Deed No. 8484 of S. R. Cossipore Dum Dum of 1983,

> ' S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax) Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmad Kidwai Road. Calcutta

Date: 30-3-1984

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1984

Ref. No. AC-60|ACQ.R-II|CAL|83-84.—Whereas, I.S. K. BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

No. 26 situated at Chanditala Main Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S. R. Alipore on 16-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, c⁻ the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Madhuri Sarkar,

2. Sri Suvankar Sarkar,

 Sri Dipankar Sarkar, All of 32, Pasupati Bhattacharjee Road, Calcutta-41.

(Transferor)

(2) M/s. Reliance Rubber Industries of 26, Chanditala Main Road, Calcutta-41.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other perspn interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

18 Cottahs 6 Chittacks 40 square feet of land with factory shed situated at 26, Chanditala Main Road, P. S. Behala. Calcutta. More particularly described in Deed No. 4212 of S. R. Alipore of 1983.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax) Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 30-3-1984

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Smr. Madhur. Saikar.

2. In Suvankar Barka. 3 Bil Dipankar Sarkar,

All of 32, Pasupati Bhattacharjee Road Calcutta-41.

(Transferor)

(2) M/s. Weld Equip. of 26, Chanditala Main Road, Cal.-53.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1984

Ref. No. AC-61|ACQ.R-II-CAL.83-84.~Whereas, I, S. K. BANERJEF.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearns

No. 26 situated at Chanditala Main Road, Behara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Alipore on 16-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tay Act, 1957 (27 of 1957) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

18 Kathas 12 Chittaks 10 Sft land with factory shed situated at 26 Chauditala Main Road, Calcutta P. S.-Behala. More particularly described in deed no. 4213 of S.R. Ahpore of 1983.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax).
Acquisition Range-II.
54, Rafi Ahmad Kidwal Road.
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date - 30-3-1904

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA

Calcutta, the 30th March 1984

Ref. No. AC-54 ACO.R-II | CAL | 83:84,---Whereas, 1. S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 61/1 situated at Sarat Bose Road, Calcutta-65, P. S. Dum Dum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. CossiPore, Dum Dum on 10-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Maya Rani Devi of 61/1, Sarat Bose Road, Calcutta-65,

(Transferor)

(2) J. Rasaraj Pal,

- 2. Prokash Ch. Pal, 3. Bikash Ch. Pal,
- 4. Sribas Ch. Pal 5. Ta Pas Ch, Pal, All of 14/11, Asgar Mistry Lane, Calcutta-46.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Cottah 13 Chittacks 4 square feet land with Building situated at 61/1, Sarat Bose Road, Calcutta-65, P. S. Dum Dum. More Particularly described in deed No. 8350 of 1983 of S.R. Cossipore. Dum Dum.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax Acquisition Range-II, 54. Rafi Ahmad Kidwai Road. ₹ alcuna

Date: 30-3-1984

Seal:

FORM NO. ITNS-

(1) Shri Narayan Shamrao Ambekar, Buty Plots, Amravati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Dharamdas Bhuttomal Saloni, Dhande Plots, Rajapeth, Amravati.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 6th February 1984

Ref. No. IAC|ACQ|32|14|83-84.—Whereas, I. M. C. JOSHI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land of Mimbora Survey No. 4|15 acres and 16 Gunthas Distt. Amravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 25-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Survey No. 4|1, Nimbhora, Distt. Armavati. Total area 5 acres and 16 Gunthas.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
Nagpur.

Date: 6-2-1984

Seal:

(1) Smt. Chandrabhagobai Wlo Shamraoji Kumar Sheran.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhakti Traders Partner-Shri Dazabhai Kakkal Amaravati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 6th February 1984

Ref. No. IAc₁ACQ₁33₁14₁83-84.—Whereas, 1, M. C. JOSHI,

M. C. JOSH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land of Navsati bearing Survey No. 25|2. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amarwati on 11-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pathes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ∘and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .-- The terms and expressions used berein as Are shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land of Navsari bearing Survey No. 25/2.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Nagpur.

Date: 6-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur the 28th February 1984

Ref. No. IAC | ACQ | 35 | 14 | 83-84..... Whereas, I, M. C. JOSHI.

being the Competent Authorsty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No.

Two Plots In Survey No. 49 at Mouza Rajapeth, Amravati, admeasuring 764.75 sq. ms plus 815.43 Sq. ms. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amaravati on 11-8-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly statied in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Narendrakumar Krushnaraoji Nawathe.
 Shri Purushottam Krushnaraoji
 Nawathe., Both are residents of Nawathe
 Bagicha, Badnera Road, Amravati. Tq and
 Distt. Amravati.
- (2) Shri Rameshwar Chainsukhadas Agarwal, resident of 168, Vidya-Nagari Marg, Kalina, Santacruz, Bombay 400 098.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two Plots in Survey Number 49 at Mouza Rajapeth, Paragane, Badnera, Tq and District, Amravati.

Plot No. 1:—Area 764.75 Sq. ms.

Plot No. 2:—Area. 815.43 Sq.ms.

1580.18 Sq.ms.—17009 Sq.ft.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Nagpur.

Date: 28-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 23rd February 1984

Ref. No. IAC|ACQ|34|14|83-84.--Whereas, I,

M. C. JOSHI,

M. C. JOSH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Municipal House No. 30 in ward No. 16 at Wardha—

admeasuring 30'x10')

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Regstration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wardha on 10-8-1983.

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri Mansukhlal Jayantilal Parekh, Malgujaripura Wardha.

(Transferor)

(2) Sri Rambilas Dwarkadas Khoria, Ward No. 16, Vital Mandir Road, Wardha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 30 in wd No. 16, at Wardhaadmeasuring 30'x19'.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range Nacour.

Date: 23-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

ROHTAK

D. L. F. COLONY

Rohtak, the 5th April 1984

Ref. No. SRS[1]83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 36 K 4 M, with structure situated at Sirsa.

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in Aug., 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) familitating the reduction or evaples of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which count to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M|s. Padmawati Raje Cotton Mills Ltd.
 India Exchange Palace, Calcutta-700001
 through Shri Stia Ram Aggarwal S|o Bhali Ram Aggarwal Pardhan of firm.

(Transferor)

(2) Shri Malok Chand So Sh. Chhitar Mal

(Transferce)

(4) Shri Dawarka Parshad Slo Shri Shiv Dayal Mal Slo Rattan Lal rlo Sirsø.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 36K 4 marla with structure situated at Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2565 dated 4-8-83 with the S. R. Sirsa.

R, K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-4-1984.

Seal.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 5th April 1984

Ref. No. SRS[3]83-84.—Whereas, I,

R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land measuring 6 kanals with structure situated at Sirsa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in Aug., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concement of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mis. Primawan Rap Court Willis Ltd. 18 India Exchange Pather, Calcutt, through Shri Sita Ram Aggarwal Sjo Bhali Ram Aggarwal Pardhan of firm.

(Transferce)

(2) Shri Subhash Chander Goel Soo Dwarka Parshad rlo Sirsa, Soo Sh. Shiv Dayal Mal (Transferor)

(4) Shri Dawarka Parshad S|o Shri Shiv Dayal Mal S|o Rattan Lal r|o Sirsa.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 kanals with structure situated at Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No 2579 dated 5-8-1983 with S. R. Sirsa.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Dave : 5-4-1984.

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ROFITAK

Rohtak, the 5th April 1984

Ref. No. SRS|4|83-84,—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land measuring 7 kanals with structure situated at Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 04 1908) in the Office of the Registering Officer

at Sirsa in Aug., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mla. Padmiwati Raje Cotton Mills Ltd. 15, India Lachange Palace, Calcutta through Shri Sita Ram Aggarwal Sjo Bhali Ram Aggarwal Pardhan of firm.

(Transferor)

(2) Shri Kirpa Ram Soo Sh. Pyare Lal roo Ahmadabad. Soo Sh. Ram Richpal

(Transferce)

(4) Shri Dawarka Parshad Slo Shri Shiv Dayal Mal Slo Rattan Lal

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 kanals with super structure situated at Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2580 dated 5-8-83 with the S. R. Sirsa.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak,

Date: 5-4-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ROHTAK D. I., F. COLONY

Rohtak, the 5th April 1984

Ref. No. SRS|5|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

CARLO COLLEGIO DE LA COMPANSIONA DEL COMPANSIONA DE LA COMPANSIONA DE LA COMPANSIONA DEL COMPANSIONA DE LA COMPANSIONA DEL COMPANSIONA DEL COMPANSIONA DE LA COMPANSIONA DEL COMPANSIONA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 4 kanals with structure situated at Sirsa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tansferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirsa in Aug., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

The state of the s (1) M/s. Padmawati Raje Cotton Mills Ltd. 15, India Exchange Palace, Calcutta through Shri Sita Ram Aggarwal So Bhali Ram Aggarwal Pardhen of firm.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi Wo Sh. Subhash Chander Goel So Dwarka Parshad Goel rlo Sirsa.

(Transferce)

(4) Shri Dawarka Parshad So Shri Shiv Dayal Mal Slo Rattan Lal r o Sirsa.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 kanals with structure situated at Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2581 with the S. R. Sirsa.

> R. K. BHAYANA Competent Authorn Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak.

Date: 5-4-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE ROHTAK D. L. F. COLONY

Robtak, the 5th April 1984

Ref. No. SRS 6 83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 3 kanals with structure situated at Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registernig Officer at

at Sirsa in Aug., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ms. Padmawati Raje Cotton Mills Ltd. 15, India Exchange Palace, Calcutta through Shri Sita Kam Aggarwai So Bhail Ram Aggarwal Pardhan of firm. (Transferor) (2) Smt. Koshlaya Devi Wdo Sh. Sat Pal Goel

So Shri Dwarka Parshad Goel, ro Sirsa.

(Transferee) (4) Shri Dawarka Parshad Slo Shri Shiv Dayal Mal Slo Rattan Lal rlo Sirsa.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 kanals with structure situated at Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2582 dated 5-8-1983 with S. R. Sirsa.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-4-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 5th April 1984

Ref. No. SRS/7/83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 8 kanals 8 marla with structure situated at Sirsa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Sirsa in Aug., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- M|s. Padmawati Raje Cotton Mills Ltd.
 India Exchange Palace, Calcutta through Shri Stia Ram Aggarwal S|o Bhali Ram Aggarwal Pardhan of firm.
- (2) Shri Arjan Singh S|o Sh. Natha Singh r|o Mohhamadpur Salar Teh. Sirsa.
- (Transferee)

 (4) Shri Dawarka Parshad So Shri Shiv Dayal Mal So Rattan Lal rio Sirsa.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 kanals 8 marla with structure situated at Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2584 dated 5-8-1983 with the S. R. Sirsa.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak.

Date : 5-4-1984.

FORM ITNS----

(1) M/s Padmawati Cotton Mills Ltd. 15 India Exchange Palace, Calcutta through Shri Sita Ram Aggarwal Slo Shri Bhali Ram Aggarwal, Pardham of the

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGF, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohlak, the 5th April 1984

Ref. No. SRS|8|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Officer at Sirsa in August, 1984, bearing No. Land measuring 7 kansl 8 maria situated at

Sirsa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration has not been study to the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Smt. Necrii Jam Wis Sh. Narinder Kumar Slo Shii Kailash Chand rlo Hissar.

(Transferee)

(3) Shri Dawarka Parshad So Shri Shiv Dayal Mal Slo Shii Rattan Lal Rlo Sirsa. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the acte of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 YELVSAMON :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 7 kanals 8 marla with structure situated at Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2585 dated 5-8-1983 with S. R. Sirsa,

> R. K. BHAYANA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Rohtak

Date: 5-4-1984.

 $\gamma^{\perp -1}$

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. J., F. COLONY

Rohtak, the 5th April 1984

Ref. No. SKS|9||83-84,—Whereas, J, R, K, BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Land measuring 7 kanal 8 marla situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Sirsa in August, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Ms Padmawati Cotton Mills Ltd. 15 India Exchange Palace, Calcutta through Shri Sita Ram Aggarwal So Shri Bhali Ram Aggarwal, Pardham of the
- (2) Smt. Shashi Bala Uraf Shashi Ben Wjo Shri Kirpa Ram Sjo Piara Lal rlo Ahmadabad.

(Transferce)

(Transferor)

(3) Shri Dawarka Parshad So Shri Shiv Dayal Mal Slo Shri Rattan Lal Rlo Sirsa. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 7 kanals, 8 marls situated at Sirsa situated at Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2586 dated 5-8-1983 with S. R. Sirsa.

> R. K. BHAYANA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Date: 5-4-1984,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 5th April 1984

Rcf. No. SRS[10]83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and

bearing No. Land measuring 7 kanal 8 marla situated at Sirsa.

Officer at Sirsa in August, 1984.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192?

 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M₂ Padmawati Cotton Mills Ltd. 15 India Exchange Palace, Calcutta through Shri Sita Ram Aggarwal S o Shri Bhali Ram Aggarwal, Pandham of the hira

(Transferor)

(2) Smt. Chando Devi Wlo Dawarka Parshad Goel Slo Shiv Dayal Mal Goel rlo 10 Dawarka Puri, Sirea

(Transferee)

(3) Shri Dawarka Parshad Slo Shri Shiv Dayal Mal Slo Shri Rattan Lal Rlo Sirsa. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 7 kanals 8 marla with structure situated at Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2587 dated 5-8-1983 with S.R. Sirsa.

R. K. BHAYA.S.A.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquesition Range,
Robtak

Date: 5-4-1984.

Scal:

 Shri Sanjay Kumai Sio Sh. Parjan Kumai through Shri Parjan Kumar Sio Panna Lal, Rio Rewari.

(Transferor)

(2) Sant. Laxmi Devi Wo Sh. Paras Ram Slo Shri Thambu Ram Bansal Clo Mls Bansal Trading Anaj Mandi, Rewari.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ANCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
ROHTAK
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 4th April 1984

Ref. No. RWR|22|83-84|.—Whereas, I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

bearing No. 4th share in building situated at Rewari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering

Officer at Rewari in August, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1|4th share in building situated at Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1103 dated 3-8-1983 with the S. R. Rewari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak.

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-4-1984.

Seal

FORM ITN9-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Sanjay Kumar 3|5 Sh. Parjan Kumar through Shri Parjan Kumar Sio Panna Lal, Rio Rewari.

(Transferor)

(2) Shri Paras Ram So Sh. Thambu Ram So Shri Bhola Ram Bansal Co M's Bansal Trading Co. Anaj Mandi, Rewari.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTA D. J. F. COLONY

Rohtak the 4th April 1984

Ref. No. RWR/23/83-84.--Whereas, 1, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. 18th share in building situated at Rewari. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the regiserting

Officer at Reari in August, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1 8th share in building situated at Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at No 1479 dated 20-9-1983 with the S. R. Rewarl.

> R. K. BHAYANA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

43-46GI|84

Date:: 4-4-1984.

FORM ITN9---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Sanjay Kumar
 Sho Sh. Parjan Kumar
 through Shri Parjan Kumar Slo Panna Lal,
 Rlo Rewari.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE,

ROHTAK

D. L. F. COLONY

Rohtak, the 4th April 1984

Ref. No. RWR|24|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as t'se 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. 1/8th share in building situated at Rewari. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Rewari in August, 1948.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice upder subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(2) Shri Bajrang Dass S|o Sh. Paras Ram S|o Shri Thambu Ram C|o M|s Bausal Trading Co., Anaj Mandi, Rewari.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and texpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1|8th share in building situated at Rewarn and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1478 dated 20-9-1983 with the S. R. Rewari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 4-4-1984. Seal:

(1) Mrs. Mrinalini Sabharwal

(Transferor)

(2) Sunanda Auddy & Miss Subhra Auddy

(Transfere

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st March 1984

Ref. No. AR-II|37EE,2061|83-84.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Flat No. 8, 2nd floor, Trümurti Co. Op. Hsgn. Society Ltd. North Avenuc, Santacruz (W), Bombay, situated at Santacruz (W) Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax, Act 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 5-9-1983.

for an apparen consideration which is less han the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No.8, 2nd floor, Trimurti Co. Op. Housing Society Ltd., North Avenue Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II|37EE.2061[83-84 dated 5-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Navbharat Devlp. Corporation.

(Transferor)

(2) Bajaj Electrical Ltd. Employees Housing Welfare Fund.

(Transferoe)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th March 1984

Ref. No. AR-II|37EE.3186|83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 201-B, 2nd floor, Kalpana Apts. Sherly Rajan Rd. Bandra-50. situated at Bandra.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authoryt at Bombay on 2-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201-B, 2nd floor Kalpana Apts. Sherly Rajan Rd., Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE.3211 83-84 dated 2-8-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Anthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date: 7-3-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th March 1984

Ref. No. AR-II|37EE.3186|83-84.—Wheeras, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Shop No. 5, Ground floor, Bharat Apartments-B, Sherly Rajan Rd., Bandra, Bombay-50, situated at Bandra.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act 1961, in the Office of the Competent Authority.

Officer at Bombay on 1-8-1983.

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Navbharat Devlp. Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Bikis Abdulla Kazi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Bharat Apartments-B, Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-400 050. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II]37EE.3186[83-84, dated 1-8-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-3-1984.

- (1) M|s. Navbharat Development Corporation
 (Transferor)
- (2) M/s. Bajaj Electricals Ltd. Hsg. Welfare Fund.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

9FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th March 1984

Ref. No. AR-II|3212[83-84,—Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 302-B, 3rd floor, Sherly Rajan Road, Bandra, Kalpana Apartments, Bombay-50, situated Bandra.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 2-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 302-B, 3rd floor, Sherly Rajan Rd., Bandra, Kalpana Apartments, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE.3212]83-84 dated 2-8-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Duto: 8-3-1984.

(1) M/s. Navbharat Development Corporation, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Renu Saluja & Mr. Vindo Chopta, (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Bmbay, the 8th March 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

Ref. No. AR-II|37EE,3184|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Flat No. 301-B, 3rd floor, Kalpana Apartments, Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at 1-8-1983

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301-B, 3rd floor, Kalpana Apartments, Sherly Rajan Road. Bandra, Bombay-50. The agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-11|37FE.3184|83-84 dated 1-8-1983.

> S. H. ABBAS IBIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-3-1984

(i) Mr. Shirley B Meneger

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 6th March 1984

Ref. No. AR-II|37EE.2479|82-83.-Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. 31, 3rd floor, 'Rock Dale'. St.

Bandra-50 situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

at Bombay on 29-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Mr. Ismail A. Mukadam & Mrs. Faiza Ismail Mukadam. (Transferee)

(3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor, 'Rock Dale', St. Sebastion Rd., Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II: 37FF1261'83-84 dated 29-8-1983.

S. H. ABBAS IBIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

'Pune, the 8th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|83-84|532.--Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 3 at S. No. 47|6-B-2 Erandawana. Plot No. I situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at IAC, Acqn. Range, Pune on October, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-44-46GI/84

(1) Shri K. K. Mehta, Radhika Apartments, 47|6-B-2, Plot No. 1, Erandawana, Punc-29.

(Transferor)

(2) Shri R. V. Kondalkar, at & Post Mazegaon Tal. Mulshi, Dist. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULB

Shop No. 3, ground floor in Radhika Apartments, Surety No. 47 Erandawana, Poud Road, Pune-4, (Area—433 sq. ft. carpet area (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Runge. Pune under document No. 1817 83-84 in the mouth of October 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 8-3-1984

 Mls. C. L. Shirole, 1216/6, Deccan Gymkhana, Pune-411 004.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Ganesh Karnik, (Karta of HUF) 1141, Shriban Soclety, Fergusson College Rd., Shivaji Nagar, Punc-411 016.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th December 1983

Rof. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|83-84|530.—Whereau, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office bld. No. 5, 1120, Shivajanagar situated at Pune-411 016

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC. Acqqn. Range, Pune, on Sept. 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propety as afoesaid exceeds the apparent consideration theefor by more than consideration for such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisitinn of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 5, 1120 Shivaji Nagar, Pune-411 016, (Area-200 sqq. ft. carpet) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 37EE 1832 838-4 in the month of Sept. 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-12-1983, Seal

(1) M/s. Deccan Co-operative Spinning Mills Ltd., Ichalkaran, 1. Dist. Kolhapur.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Kailas Pocessors (Regd, firm) partner Shri Vithal Raghunath Dake,

GOVERNMENT OF INDIA

Ichalkaranji. (Trancferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Pune, the 25th February 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|83-84|1091.-Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

> Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Gat No. 72, R.S. No. 31 1, Plot No. 7A and 7B, Ichalkaran

il, situated at Dist. Kolhapur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Ichalkaranji on August, 83

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

THE SCHEDULE

Gat No. 72, R. S. No. 31 1, Plot No. 7A and 7B, Ichalkaranji, Land area—18900 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ichalkaranji under document No. 2605 in the month of August, 1983.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

may be been a

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Date: 25-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th December 1983

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|83-84|513.--Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing Shop. Nos. 3 and 4 at 1216 6, Shivaji Nagar, situated at Punc-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Act, 1906 (16 of 1906). It is of the Registering Officer at IAC. Acqq Range, Pune on Sept. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason that the fair market value of the property are to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. C. L. Shirole, 1216/6, F. C. Deccan Gymkhana, Punc-411 004.

(Transferor)

(2) (1) Shri Hari Udhavdas Lulla, (2) Shri Purushottam Udhavdas Lulla and

(3) Shri Ramesh Udhavdas Lulla, Clo Hare Rama Hare Krishna Print, Shah Indusrial Estate. Saki Vihar Road, Andheri East, Bmbay-400 072.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 3 and 4, at 1216|6, Shivajinagar, Pune-411004. (Area—carpet area of shops 30.00 sq. mtrs cach) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Punc under document No. 2894 83-84 in the month of Sept. 1983.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Daee: 9-12-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th December 1983

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 'as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 3 at 1120 Shivajinagar, situated at Pune 411 016, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

at IAC Acqn. Range Pune, on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M|s. C. L. Shirole 1216|6 Deccan Gymkhana,

(Transferee)

(2) Shri Vijay Ganpat Kokane, M.S.S.B. Quarters, Senapati Bapat Rd. Pune-411 016.

(Traneferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice; in the Official Gazette or a period of 30 days; from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immiovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 Shivaji Nagar, Pune-16 (Area-51. eq. meter) (Property as described in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C. Acquisition Range Pune under docment No. 1823 in the month of August, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date: 9-12-1983. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th February 1984

Ref. No. I.A.C. ACQ|CA-5|37EE|83-84|515.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Rlat No. 4, Gr. floor S. No. 379, Hissa, No. IA, Thakurli Raluka, Kalyan Dist. Thanc. situated at Thanc. and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune, on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) concealment of any income or any per assets which have not been or o be disclosed by the transferee for of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 123/ (4/0) of 1957);

 M|s Raj Construction Co.
 Paravati Bhavan, Agra Road Khatkopar, Bombay

(Transferor)

(2) Shri Snbramaniam Rajamani, RS-5-17|5, N. R. C. Colony Mohane (Post) Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 4, Gr floor, R S. No 379, H. No. 1A, 1A, 1A of village Thakurli, Tilak Road, Tal. Kalyan, Dombivali (East) (Area—610 sq. ft)
Dist. Thane.
(Property as described in the agreement to sale registered in

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the .A.C. Acquisition Range Pune under document No. 2428 in the month of August, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-2-1984

(2) M|s. Jyoti Builders, 319|19, Hresh Chamber, Samuel Street, Bombay-9.

(Transferor)

(2) Shri B. V. Natu and Smt. J. B. Natu P. Dindayal Road, Panchali Building, Dombiyali (West) Dist. Thane.

(Traneferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th Februaray 1984

Ref. No. IAC. ACQ|CA-5|37EE|83-84|516.--Whereas, I; SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 308, Swamini Jyot CTS No. 391 Vishnu Nagar,

Dombivali (West) situated at Dist. Thane. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on August, 1983

and/or;

IAC. Acqn. Kange, Pune on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Flat No. 308, 3rd floor, Swamini Jyot,, C.T.S. No. 391, Vishnu Nagar, Dombivali Dist. Thane. (Area-390 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the Office of the LA.C. Acquisition Range Pune under document No. 1876 83-84 Thane in the month of August, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 27-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, FUNE

Pune, the 24th February 1984

Ref. No. IAC ACCCA-\$37EE 83-84 518.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act), have reason to believe that the immovable property, havinb a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rlat in Plot No. 17 (G.F.) Sheetal Industrial Estate Navghar village, Vasai, Rd., situated at Thane Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acquiition Range, Pune on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M]s. Swastik Developments,
 Dubash Lane
 P. Road, Bombay-4.

(Transferor)

(2) M|s. E. L. Mech. Industries, Sainath Estate, B-Unit, Gala No 9-10
B.P. Road, No. 4, Bhyander (E) Thane Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication if this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat in Ploa No. 17 (G. F.) Cheetal Industries Estate, Navghar village Vasai Road, Thane Dist. (Area-38.55 sq. meters) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the A.C. Acquisition Range Pune under documen tNo. 1750|83-84 m the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 24-2-1984. Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th January 1984

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|37EE|519|83-84.—Whereas, I, SHAHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Immovable property bearing Flat No. 201, 2nd floor Rukmini Co-operative housing society, Plot No. 421 O.T. Section 3-B situated at Ulhasnagar-4, Dist. Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

IAC Acqn. Range, Pune, on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--The same

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Manesha A. Dharmpal Ulhasnagar Municipal council. Ulhasnagar-3,

(Transferor)

(2) Shri Ram M. Chotrani, Flat No. 210, Rukmini Co-operative Housing Society Section 3-B. O. T. Section, Ulhasnagar-4. Distt. Thane.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used Herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 421, O T. Section-3-B Ulhasnagar-4 (Area-57.4 sq. meters) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquidion Range Pune under document No 2200'83-84 in the month of November, 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th February 1984

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|37EE|521|83-84.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 2 6th floor, KPT. I. Pot No. 2, Hissa No. 8 S. No. 17A, Wanowarie situated at Pune.
Rajeshwar Aptt., Fla No. 909, Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer. at IAC. Acqn. Range, pune on Nov. 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more

transfer with the object of :---

fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

(1) M|s Parmar Constructions, 321|3, New Timber Market Rd., Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Mr. Dady Kaikobad Surty and Mrs. Hilla D. Surty, Clo Mr. II. D. Choksey, Bldg. No. 1, Bund Garden Rd., Flat 11, 3rd floor, Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that 'Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 6th floor, KPT.I. Pot No. 2, Hissa No. 8, S. No.4 (Area-790 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range Pune undre docu-

ment No. 2689|83-84 in the month of November, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspectig Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 27-2-1984

FORM I.T.N.S.---

- Ms. Vaibhav Builders, 101, 102, Kamla Chambers, 687, Budhawar Path, Pune-2. (Transferor)
- (2) Shri Srikrishna Salchandra Sadhale, State Bank of Irmia, Head Office, Aurangabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th January 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|522|37EE|83-84.--Whereas, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immeveble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 49, S. No. 26[1, 2, 3, 4, & 27] (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 1908) In the Office of the Registering Officer at 27/5, 6, 9, 8 Dharmkar colony Kothrud Punse-4 at IAC Acqn. Range, Pune on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 7, Plot No. 49, S. No. 26 1, 2, 3, 4 & 27 5, 6, 7, 8 Dahanukar Colony Kothrud, Pune-4 (570 sq. ft. area) (Property as described in the agreement to sale registerered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2730 83-84 in the month of November, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 27-1-1984

(1) Mls. Jyoti Builders, 319 19, Samual Street, Vadagadi, Bombay-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrn P. S. Banwali, Shlta Bhai Niwas R. No. 2, Dindayal Road, Dombivali (W) Dist. Thane. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Poons-4, the 27th March 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|523-83-84.--Whereas, I,

Ref. No. IACIACQICA-3/3/EE/323-83-84.—Whereas, I, SHASHIKNT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Be 25000/- and Rs. 25,000/- and

No. Flat No. 107, Swamini Jyoti Bldg., Gupta Road, Vishnu Nagar, Dombivli (W) situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the offiffice of the Registerding Officer

at IAC. Acqn. Range, Pune on August, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Flat No. 107, Swamini Jyoti Bldg., Road, Vishnu Nagar Dombivali (W) Dist. Thane,

(Area - 38.4 sq. mt.)

(Property as described in the agreement to sale registered in he office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune document No 1877 in the month of August, 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poons

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-4, the 16th March 1984

"Ref No. IAC| ACQ|CA-5|37EE|526|83-84 —Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 101, A-Wing, Versha Apt., 52, Anand Nagar Vasai Road, situated at Thane Dist, and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registered officer at IAC Acqn. Range, Pune on October-83 at IAC Acqn. Range. Pune on occoper-as for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such tronsfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri K. M. Vasudeva, 101, Vasha Apartments. 52, Anand Nagar, Vasai Road (W), Thane Dist. (Transferor)
- (2) Shri C. M. P.P.V. Kumar, (Cheruseri Madathil Padmanabha Panicker Vijayy Kumar) Room No. 2, Miranda Building, Chulna Rd., Bassein Rd. Thane

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other reason interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, A-Wing, Varsha Apatments, 52, Anand Naga, Vasni Road, Thane Dist.
(Area—59.62 sq. meters)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1711 83-84 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 16-1-1984.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28h January 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|525|83-84.—Whereas, 1 SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. undeveloped open plot at Aundh CTS. No. 1156|2 situated at Aundh Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acc. Range, Pune on Sept. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Mohini Mohanlal PJain, Allentown, U.S.A. Though her constituted Attorney Mr. C. S. Kering, 'Suraj' Shantinagar, 321|22, Timber Market Rd., Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Mr. Anand Vipinchandra Sanghvi, Lake Street Houghton Michigaon U.S.A. Through his constituted Attorney Mrs. Vipinchandra Sanghvi 55/2, Ganesh Khind Road, Punc-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undeveloped open plot as Aundh CTS No. 1156[2, Area 5771 sq. ft.

Area—5771 sq. ft.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2239 83-84 in the month of Sept., 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 28-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 16th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|524|83-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 7, 2nd floor, Dembani Apartments situated at Ulhasnagar, 3 Dist. Thene (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IA, Acqn Range, Pune on October 1983

IA, Acqn Range, Pune on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. S. J. Dembani 776, Dembani Apartments, Ulhasnagar-3.

(Transferoi)

(2) Shri M. A. Techchandan, Bhagat Kanwariam Society, Flat No. 8, 1st floor, Ulhasnagar-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Flat No. 7, 2nd floor, Dembani Apartments. Ulhasnagar-3 (Area-69.14 sq. meters).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, acquisition Range, Pune under document No. 1723|83-84 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 15-1-1984

FORM ITNS----

(1) Mit. J. M. Mascaranhae and Co. Sadnwani Bhuvan Nan-Roid, Nasik.

(Transferor)

(2) Shri John Lobo, Clo. British Bank of the Middle East, P.O. Box, 57, Doha, Qutar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60|6, PRANDAVANE, POONA-4.

Pune-4, the 11th January 1984

Ref. No. IAC|ACO|CA-5|37EE|83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 9, 2nd floor, Plot No. 4, S. No. 117A vialige Deolali Nasik Road, situated at Nasik. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULA

Flat No. 8 admeasuring 748 sq. ft. 2nd floor Plot No. 4, S. No. 117-A of village Deolali, Nasik Road, Nasik. (Area-748 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 88/83-84 in the month of Sept. 1983)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPUTAK SADAN.
60|6, PRANDAVANE, POONA-4.

Pune, the 2nd March 1984

Rcf. o. JAC ACQ|CA-5|37EE|506|83-84.---Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immobavle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 7, 1st floor, Plot No. 81, situated at Sector No. 30-8, Ulhasnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at IAC Acqn. Range Pune on Oct 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remains, namely:—
46—46G184

(1) Shri Madhus H. Manyar, Block No 831 1-2 Sector-17 Ulhasnagar-3 Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita R. Vanwani, Block No .1488|1, Sector-30 B, Ulhasnagar-4 Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, Plot No. 81, Street No. 30 Sector No. 30-B, Ulhasnagar, Dist. Thane.

(Area—58.1 sq. meter)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1897/83-84 in the month of October 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date: 2-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, PRAPUTAK SADAN. 60/6, PRANDAVANE, POONA-4.

> > Pune-4, the 3rd March 1984

Ref, No. IAC ACQ|CA-5|37EE|83-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 8-2, Madhubam Co-operative Housing Society Ltd. Opp. Murphy Radio situated at Thans.

Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering

Officer at IAC. Acqn. Range, Pune, on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M/s Building Construction & Finance Co, Hingorani House, Dr. Annie Beasaut Rd, Worli, Bombay-400018.

(Transferor)

12) Mr. Ravi Ranganathan Iyer, 16, Shree Anant, Opp. Petrol Pump, Thane-400602.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bessin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8-2, Madhuban Co-operative housing society Ltd Opp. Murphy Radio Thane. (aren—490 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Puneunder document No. 2538 in the month of December, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date . 3-3-1984 Seal :

 Mis. Deosthale Karandikar and Associates, 720/2, Jagannath, Navi Peth, Pune-30

(Transferor)

(Transferce) ...

NOTICE UNDER SECTION 269-D(b) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. S. Gore, 559, Sadashiv Path. Pune-30.

GOVERNMENT OF INDIA

Pune-30.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PRAPUTAK SADAN.
60/6, PRANDAVANE, POONA-4.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

Pune, the 3rd March 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period, of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Rcf. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|508|83-84.-Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.0001- and

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. Flat No. A-4, 2nd floor, Sadashiv apt., CTS No. 1145 F.P. No. 530|1, Fergusson colloge Rd., Shivajinagar, situated at Pune-16⁺.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office or the Registering

Officer at IAC. Acqu. Range, Pune on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. A-4, 2nd floor, 'Sadashiv Apartments' C.T.S. No. 1145 F. P. No. 530 1, Fergusson college Rd., Shivaji Nagar, Pune-16.

(Area-600 sq. ft. + 120 sq. ft. Bal)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1935/83-84 in the month of November, 1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dat: 3-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPUTAK SADAN. 60|6, PRANDAVANE, POONA-4

Pune, 31st March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|509|83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 2. Rahul Co-operative Housing society Sub-Plot No. 7 Final plot No. 348, TPS. 1. Panchpakhadi situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908 1908 of 16) in the office of the Registering

Officer at Acqn. Range, Pune on Sept. -1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Sunita Anil Inamdar, 17, Mangalmurti, Vishnunagar, Naupada, Thane.

Transferor(s)

(2) Shri Sudhir Narayan Patki, Clo. C-45, ghantali Sahaniwas, Ghantali colony, Thane-2.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Rahul Co-operative Housing society, Sub-Plot No. 7 T.P.S.I, F.P. No. 348, Thane. (Area—57.72 sq. mts.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2801|Thane|83-84 in the month of Spt. 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Kange, Pune.

Date . 31-3-1984

(1) M[s. Jyoti Builders, 319|19, Samuel street, Haresh chamber, Bombay- 9

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri A.K. Phatak and Mrs. A. Λ. Phatak, P. Dindayal Road, Panchali Bldg., Dombivali (West P. Dist Thune.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPUTAK SADAN. 60|6, PRANDAVANE, POONA-4.

Pune, the 27 February 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|510|83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 307, 3rd floor, Swamini Jyota CTS No. 391, Vishnu Nagar, Dombivali (West) situated at Dist. Thane. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LAC Acap. Runge. Pune on August 1983.

Officer at IAC Acqn. Range, Pune on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307, 3rd floor, Swamini Jyot, CTS No. 391, Vishnu Nagar, Dombivli (West) District, Thane. (Area--360 sq.ft.)

(property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1876 83-84 in the month of August, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date: 27-2-1984

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS- *
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPUTAK SADAN. 60|6, PRANDAVANE, POONA 4.

Pune, the 27the February 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|511|83-84.--Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sheetal industrial Estate, Plot No. 17, S. No. 30,31(t) and 35 (Pt3 village Navghar, Tal Vasai, Situated at Dist Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC Acqn. Range Pune, on August 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

M|s. Swastik Developments,
 Dubash Lane, V. P. Road,
 Bombay-400004.

Transferor(s)

(2)M|s. Mayank Engineering works, 25-B, Parmanand Wadi, Thakurdwar Road, Bombay-2

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5, Ground floor, 425 sq. ft. sheetal Industrial Estate, situated at Plot No. 17, S. No. 30, 31, (Pt) and 35 (Pt) at village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thana.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1748|83-84 in the month of August, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date: 27-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PRAPUTAK SADAN.
60/6, PRANDAVANE, POONA-4.

Pune, the 27the February 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|512|83-84.--Whereas, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Plot No. 17, H. No. 30,31, Pt. & 35 (Pt) Industrial Estate. Village-Navghar, Tal. Vasai, situated at Dist Thane. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at AIC. Acqn. Range, Pune on August 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) M/s. Swastik Developments, 12, Dubash Lane, V. P. Road, Bombay-400004,

(Transferor)

(2) Smt. Madhavi Manohar Shinde,42|44, 1st floor, Pathan Street,Premila Niwas, 3rd floor, Bombay-1

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1, on ground floor, admeasuring 575 sq. ft. Sheetal Industrial Estate situated at Plot No. 17, H. No. 30, 31 (Part) & 35 (Part) village Navghar Vasai, Dist Thana

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 1749|83-84 in the month of August, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune.

Date: 27-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PRAPUTAK SADAN. 60|6, PRANDAVANE, POONA-4.

Pune, the 27th December 1983

Ref. No. IAC-ACQ|CA-5|37EE|396|83-84 --- Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4|6th share in CTS No. 126|2, Kothrud, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

10038

Officer at ACQN Pune on Oct. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

.i., Mrs. 7.8 Rephpande CR CFTS N. Deshpande Air Force station, Thans.

(Transferor)

(2) S. S. Banhatti 61 45 Erandwane Pune-4

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4|6th share of C.T.S. No. 126|2 Kothrud, Pune, Area-519 sg.m. (Property as described in the agrrement to sale registered in the office of the IAC Acqn. Range, Punc under Doc. No. 37FE|1750|Punc in th month of Oct. 1983

> SHASHIKAN'I KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date 27-12-1983 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, PRAPUTAK SADAN. 6|6 ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 27th December 1983

Ref. No. IAC ACQN.|CA-5|37EE|400|83-84.-Whereas, -I SHASHIKANT KULKARNI

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Baldeo Apis. Plot No. 9, Room No. 302 3rd floor,

Valsa (W) situated at Thane.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC ACON Pune on Oct 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---47-46GI|84

(1) Mls. Bhagyoday Builders Station_road, Bhayander (W) Dist. Thane

(Transferor)

(2) Shri Vijay N. Iyer. 99 Sindha Society, Chambur, Bombay-71.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Baldeo Apartment, Plot No. 9, Room No. 302,, 3rd floor, Village Navgha, Vaisai (W) Dist. Thane. Area-540 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office o tfhe IAC Acqn. Range Func, under Doc. No. 37EE|1885|83-84 in the month of Oct. 83)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Date: 12-12-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.—

(1) Ms. Purnada Associates, 1225 E. Deccan Gymkhana, Punefl z (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. V. Damodare Block No. 12/7, Kallbhor Nagar, Chinchwad, Pune-411 019.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th September 1983

Ref. No. IAC ACO|CA-5.37EE|83-84.--Whereas, I.

Rel. No. IAC ACQICA-5.3/EE 83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. ACQN PUNE on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 Plot No. 3, S. No. 248, Hissa No. 8. (as described in the sales deed, registered in the office of the I.A.C. ACQU RANGE PUNE, under Doc. No. 124[37EE] 83-84, dated 15-6-1983)

> SHASHIKANT KULKARNI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 3rd December 1983

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|83-84.—Whereas, 1 SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. 5, Ground floor, C.T.S. No. 745, situated at Bhavani Pc th, Pune-2.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. ACqn. Range Pune on August, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incom earising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ms. Kumar & Gaikwad, 783, Bhavani Peth, Punc-411 002.

(Transferor)

(2) Mrs. Sharifa Ismail and Mr. Ismailkikabhai 777/69 Bhavani Peth, Punc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, C.T.S. No. 745, Bhavani Peth, Pune-2.

(Area-315 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1298 in the month of August, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 3-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 3rd December 1983

Re. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. A-5, C. T. S. No. 451, Plot No. 1&2 Gultedi, Punc 1 situated at Punc 1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range Pune on August 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M|s. Kumar Enterprises, 1682, R. S. Kedari Road, Pune-1.

(Transferor)

(2) Shri Nagindersing Purshottamsingh Bagga, Samoli Apartment, Salisbury Park, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A15 C.T.S. No. 451, Plot No. 1&2 Gultevadi, Pune-1 (Area-860 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1297 in the month of August, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date: 3-12-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, FUNE

Pune, the 3rd December 1983

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|83-84|452.--Whereas, 1,

SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 20, C.T.S. No. 19-21, Shukrawar peth situated at Pune-411 002.

(and more fully described in the Schedule annual hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acqn. Range Pune on August 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s Kumar Constructions, 1628, R. S. Kedari Road, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Balkrishna Gupta, 19-21, Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 20, C.S. No. 19-21, Shukrawar pethi, Pune 411 002 (Area 458 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1679 in the month of Aug. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date: 3-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 31st December 1983

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|83-84|453.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing shop No| 6, C.T.S. No. 745. Bhavcani Peth, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereo), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s Kumar & Gaikwad, 783, Bhavani Peth, Pune-2.

(2) Mr. Zoheri Sakirhusani Rampurwala and Mr. Hashim T. Gheewala, 2344, New Modikhana, Pune-411 001.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by anyy other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, C.T.S. No. 745, Bhavan Peth Pune-2, (Area 335 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 1853 in the month of August, 1983.)

SHASHIKAN'T KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Punc

Date: 31-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, POONA-4

Poona, the 3rd December 1983

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37-EE|454|83-84.---Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C.S.T. 1986, convent street, Flat No. 605, 6th floor situated at Pune-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at

IAC. Acqn. Range Pune on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Kumar Promotors. 783, Bhavani Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Mr. Tayabali Hassanalli Nagri 370, Raviwar Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 605, 6th floor, survey No. 1986, Convent street, Pune-1.

(Area-540 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1680 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 3-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Kumar Promotors, 783, Bhavani Peth, Pune-411002.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Suraiya Hasmat Lambe, D-7, Laldeval Society, Pune-411 001.

(Transferee)

INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, POONA

Poona, the 3rd December 1983

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|455|83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 412, 4th floor, C.T.S. No. 1986, convent street situated at Pune-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

IAC. Acqn. Range Pune on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 412, 4th floor, C.T.S. No. 1986, convent street, Pune-1.

(Area—810 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under under document No. 1780 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 3-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 14th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|465|83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. Flat No. 304, 3rd floor, Gurukripa Apts. S. No. 215, H. No. 2, Panchapakhadi, situated at Thana(W)—2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering IAC. ACQN. PUNE on October 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—
48—46GI|84

M|s. Gurukripa Builders,
 New Manju Sevaram Lalwani Rd.,
 Mulund (W),
 Bombay-80.

(Transferor)

(2) Shri Toshkumar Warma, B-33|1. Ganesh Niwas, Thana (W)—1.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fiat No. 308, 3rd floor, Gurukripa Apts., S. No. 215, H. No. 2, Panchapakhadi, Thana(W)—2.

Area—762 sq. ft.

(Property as described in an agreement to said registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range Punc, under document No. 37EE/Thana/2426/83-84 in the month of October 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 14-3-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN,
60/6, ERANDAVANE,
POONA-4

Poona-4, the 16th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|504|83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 102, 1st floor, Girnar Mahal, Plot No. 20 & 21, S. No. 19, 25, 26 & 30, Vishal scheme, Village Dewanman, Vasai (West) situated at Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Sept. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Girnar Builders, K.T. Chambers, 1st floor, Station Road, Vasai (West) Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri T. B. Krishnaraja, (Sujata' S. V. Road, Bandra, Bombay-400 050.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netter in the Official Canette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, admeasuring 660 sq. ft. 'Girnar Mahai' on plot No. 20 & 21, S. No. 19, 25, 26 & 30, Vishal Scheme, village Dewanman, Vasai (West) Dist. Thane.

(Property as described in an agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range Pune, under document No. 1725|83-84 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 16-3-1984

ነ ነና ነግሃላት ገፅ

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 196F (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 14th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|538|83-84.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. 1/7th property at C.T.S. No. 402 Ghorpade Peth(New)
C.T.S. No. 673 Ganj Peth(Old) Shankarshet Rd. situated at
Pune

, and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at IAC. Acqn. Range, Pune. on Oct. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

 Shri Ramakant Uddhavrao Somvanshi (Karta of HUF),
 402, Ghorpade Peth,
 Shankarshet Road,
 Pune-411 009,

(Transferor)

(2) M/s. Makwana Construction Co. (s.s.w.) Divine Terrace—911-914, Synagogue Street, Pune-411 001.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|7th undivided interest out of the property bearing C.T.S. No. 402 Ghorpade Peth (New) being C.T.S. No. 673 Ganj Peth (old) Shankarshet Road, Pune City totally admeasuring about 19,490|- sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1711 83-84 in the month of October 1983).

SHASHIKANT KUI KARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 14-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN,
60/6. ERANDAVANE,
POONA-4

Poona-4, the 14th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|539|83-84,—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 1]7th undivided property at C.T.S. No. 402 Ghorpade Peth (New) being C.T.S. No. 673 Ganj Peth (Old) Shankarshet Rd. situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on Oct. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Chandrakant Uddhavrao Somvanshi, (Karta of HUF),
 402, Ghorpade Peth,
 Shankarshet Road,
 Pune-411 009.

(Transferor)

(2) M/s. Makwana Construction Co. (s.s.w.) Divine Terrace—911-914, Synagogue Street, Pune-411 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/7th undivided interest out of the property bearing C.T.S. No. 402 Ghorpade Peth (New) being C.T.S. No. 673 Ganj Peth (old) Shankarshet Road, Pune City totally admeasuring about 19,490/- sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1731|83-84 in the month of October, 1983).

SHASHIKANI KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 14-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

POVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN,
60/6, ERANDAVANE,
POONA-4

Poona-4, the 14th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|537|83-84,---Whereas ,I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/7th property at C.T.S. No. 402 Ghorpade Peth(New) C.T.S. No. 673 (Old) Shankar shet Rd. situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on Oct. 83

transfer with the object of :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, it respect of any income arising from the transfer, and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prakash Uddhavrao Somvanshi, (Karta of HUF), 402, Ghorpade Peth, Shankarshet Road, Pune-411 009.

(Transferor)

(2) M/s. Makwana Construction Co. (6.5.w.)
Divine Terrance—911-914,
Synagogue Street,
Pune-411 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|7th undivided interest out of the property bearing C.T.S. No. 402 Khorpade Peth (New) being C.T.S. No. 673 (old) Shankarshet Road, Pune City totally admacsuring: about 19,490|- sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1712 83-84 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 14-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 14th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|536|83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing No. exceeding

No. 1/7th interest No. 516/C, C.T.S. No. 402 (New) Shankar Property at shet Road., situated at Pune-9.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

IAC, Acqn. Range, Pune on Oct. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(1) Smt. Malanbai Uddhavrao Somvanshi, 402, Ghorpade Peth, Shankarshet Road, Pune-411 009.

(Transferor)

(2) Ms. Makwana Construction Co. (s.s.w.) Divine Terrance-911-914, Synagogue Street, Pune-411 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the samt meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1|7th part.—Survey No. 516|C, C.T.S. No. 402, Shanker shet Road, Opp. S.T. Depot. Pune-9. (Area—19,490 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1731 in the month of October, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said /Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 14th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|535|83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
No. 1/7th part—Survey No. 516|C, C.T.S. No. 402, Shankar shet Road., Opp. S.T. Depot. situated at Pune-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Oct. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-fax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shobha Suresh Somvanshi (for self and a Minor's guardian of her children, 1-Mahesh Suresh Somvanshi and 2 Bharat Suresh Somvanshi), 402, Ghorpade Peth, Shankarshet Road, Pune-411 009.

(Transferor)

(2) M/s. Makwana Construction Co. (s.s.w.) Divine Terrance—911-914, Synagogue Street, Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imparaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|7th part—Survey No. 516|C C.T.S. No. 402, Shankar shet Road, Opp. S.T. Depot. Punc-9. (Area—19,490 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the l.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1714 83-84 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date: 14-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN,
60/6, ERANDAVANE,
POONA-4

Poona-4, the 14th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|534|83-84.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and

No. 17th part—Survey No. 516|C, C.T.S. No. 402, Shankar shet Road., Opp. S.T. Depot. situated at Pune-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Oct. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sessets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Shri Shivajirao Uddhavrao Somvanshi, (Karta of HUF), 402, Ghorpade Peth, Shankarshet Road, Pune-411 009.

(Transferor)

(2) MJs. Makwana Construction Co. (s.s.w.) Divine Terrace—911-914, Synagogue Street, Pune-411 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|7th part—Survey No. 516|C, C.T.S. No. 402, Shankar shet Road, Opp. S.T. Depot. Pune-9. (Area—19,490 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1732 83-84 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 14-3-1984

Soal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 14th March 1984

Ref. No. JAC ACQ|CA-5|37EE|533|83-84.--Whereis. J. SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ind bearing

No. 17th part—Survey No. 516 C. C.T.S. No. 402. Shankar shet Road., Opp. S.T. Depot. situated at Pune-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) 1908) in the Office of the Registering Officer at has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer IAC. Acqn. Range, Pune on Oct. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—49—46GI'84

 Shri Ashok Uddhevrao Somvanshi, (Kexte of HUF),
 Ghorpade Feth,
 Shankarshet Road,
 Punc-411 009.

(Transferor)

(2) Mjs. Makwana Construction Co. (s.s.w.) Divine Terrace—911-914, Synagogue Street. Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAINATION 8—The terms an dexpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17th part—Survey No. 516/C, C.T.S. No. 402 Shankar shet Road, Opp. S.T. Depot. Pane-9.
(Property as described in the agreement to sale registered (Area—19,490 sq. ft.).
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1733/83-84 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 14-3-1984

SenI:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 15th March 1984

Ref. No. IAC ACO CA-5 37EE 531 83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A-202, 'Vrindavan' Plot No. 43, S. No. situated at Anand Nagar, Navghar, Tal. Vasai, Distt. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Cffice of the Registering Officer at IAC. Acqn Range, Pune on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M[s. Antika Builders,7, Shan Kuni, 11th Road,Santaeruz (E) Bombay-400 055.

(Transferor)

(2) Mr. Sharad Dinkar Joshi, Clo. Bank of Baroda, S.V. Road, & Turner Road, Bandra, Bombay-400 030.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHI'DULE

Flat No. A202, (Vrindavan) Plot No. 43, Anand Na Nayahar, Tal. Vasai Dist. Thane. (Area—49.86 sq. mtrs.)

(Peroperty as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2838[83-84 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Poona

Date: 15-3-1984

(1) M[s. Nutan Enterprises, 1379, Bhavani Peth, Pune-411 002.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 14th March 1984

Ref. No. JAC ACQ|CA-5|37EE|83-84|529.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. F-18, 4th floor, 'Nutan Enterprises' C.S.T. No. 418, Narayan Peth, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acqn. Range, Pune on October 1983

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (2) Shri Pradip Vishnupant Gadekar, 2-B Achal Co-op. Housing Society, Ghag Prabhadevi, Bomuay-400 025.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F 18, 4th floor, 'Nutan Enterprises' C.S.T. No. 418, Narayan Peth, Pune-411 030. (Area 368 sq. ft.)

(roperty as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2345|83-84 dated 11-10-1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date: 14-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th March 1984

Ref. No.1AC ACQ|CR-5|37EE|83-84|527.--Whereas, I, SHASH|KANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 307, 3rd floor, H. No. 2416, East street General Thimmaya Road, situated at Pune-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

JAC Acqn. Range, Pune on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excens the apparent consideration therefor by more man fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s. Makwana Bros., & Co., 441, Somwar Peth, Pune-411 001.

(Transferor)

(2) Mr. Joe Fernandez. 698, Taboot Stree. Pune-411 001

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLANATION: -- The terms and expression used herein 38 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 307, 3rd floor, H. No. 2416, East Street, General Thimmaya Road, Pune-1, (Area-1065 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2441 83-84 in the month of October, 1983)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range: Poona

Date: 19-3-1984

(1) M|s. Makwana Bros., & Co., 441, Somwan Peth, Punc-411 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Katie Marzban Mehta, 37, Tata Blocks Parel Tank Road, Parel, Bombay-400 012

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|83-84|528.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 510, 5th floor, H. No. 2416, East street, situated at Pune-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1AC Acqn. Range, Pune on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to-believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PARLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 510, situated on 5th floor, in the property H. No. 2416 East Street, Pune-411 001. (Area-1026 sq.ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3438 83-84 in the month of January, 1984.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 19-3-1984

Seaf :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX SIONER OF INCOME-TAX,

Pune, the 13th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA5-[37G|83-84|1095.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Survey No. 321 4B, Fakirwada, Bhingar village

situated at Ahmednagur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Ahmednagar on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:——

M|s. Govindpura Investors
 Partner Shri Sharad M. Mutha,
 83, Maniknagar, Nagar Punc Road,
 Ahmednagar.

(Transferor)

(2) M/s. Gajanan Co-operative Housing Society Ltd., Chairman: Shri Sharad M. Mutha, Manik nagar, Nagar Pune Road, Ahmednagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tand at Survey No. 321|4B, Fakirwada, Bhingar village Ahmeduagar, (Δrea---61.009 sq. ft.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 2330 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKAR
Competent Authorny
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 13-3-1984

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|83-84|1094.—Whereas, I. SHAS!HKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land at S. No. 321|3 Fakirwada, Bhingar village situated at Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmednagar on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. Shri Nivritti Kisan Pawar,
 2. Shri Machhindra Kisan Pawar,
 3. Shri Bhausahib Kisan Pawar All are residing at Fakirwada, Ahmednagar.

(Transferor)

 M|s. Govindpura Investors, Partner Shri Sharad M. Mutha, 83, Manik Nagar, Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Survey No. 321/3, At Fakirwada, at Bhingar village, Ahmednagar, (Area—67,788 sq. ft.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 2873 in the month of August 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 13-3-1984

(1) Sh. Ramesh Govindrao Wable, Portner of M/s. Rachane Homes, Sarjepura-Ahmednagar,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|83-84|1093.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No. 346|1A, Bhingar Fakirwada, Village situated at Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmednagar on Sept. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(2) M.s. Rachna Co-operative Housing Society, Chairman Sh. Ramesh G. Wable, Fakir-Wada-Bhingar, Ahmednogar.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the saree meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 346/1A (Part) Fakirwada, Bhingar, village-Ahmednagar. (Area—62,559 sq. ft.)
(Propedty as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 3056 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KUI.KARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 13-3-1984 Scal :

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th January 1984

.No .IAC ACQ|CA-5|37EE|83-84|520,-Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7, 3rd floor KPT 1 Plot No. 2, Hissa No. 8, S. No. 17-A Wanawarie,

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at IAC Acqn. Range, Pune on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of he liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:----50-46GI[84

(1) M|s Parmar Constructions, 321|3, New Timber Market Rd., Shantinagar Society, Pune-2.

(Transferor)

 (2) Md. Sham R. Hemrajani and Mrs. Kavita
 (2) Mr. Sham R. Hemrajanijiji alnid jimrisi, Kavita
 S. Hemrajani, 702, Gjnj Peth, Timber Market Rd., (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 on 3rd floor in K.F.T. 1, Plot No. 2 Hissa No. 8, S. No. 17A Wanowaries, Pune-411 013 (Area-1000 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 2691 in the month of November, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Acquisition Range, Poona

Date: 27-1-1984

Scal:

(1) M|s. A. V. Mulay and Co., 1141, Shivajinagar, F.C. Road, Punc-16. (Tiansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Prakash Vasudeo Auti and Mr. Vishnu Vasudeo Auti, 1205|5, Saikripa, Apte Road., Pune-4.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th February 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|83-84|540,—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authorify under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Office Nos. 11, 12, 13 & 13, 5, Plot No. 12, C.S. No. 14, Karve Rd., situated at Punc-4. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune, on August 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer;

and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 11, 12, 13 & 5 at plot No. 12, C.S. No. 14, Karve Road, Punc.

(Area-Carpet area-1000 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2017 83-84 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Poone

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the 'ollowing persons, namely;

Date 29-2-1984. Seal:

(1) M|s. Radhika Apartment, S. No. 47, Erandawana, Poud Rd., Pune-4. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. V. S. Atre, 469, Raviwar Peth, Pune-2.

(Fransferce)'

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 3rd March 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE]83-84[541.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 4, 2nd floor, Radhika
Apartments, Survey No. 47, Erandawana, Poud Road
situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer
Officer at IAC Acqn. Range Pune on Oct. 1983

Officer at IAC Acqn. Range Pune on Oct. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, Radhika apartments, survey No. 47 Erandawana, Poud Rd., Pune-4.

(Area-828 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 1967 83-84 in the month of October, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poone

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secton 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Ashwini Builders, 1488, Sadashiv Peth, Pune-411 030.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Daniel Manoharan, 343 Rasta Peth, Pune-411 011.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th March 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

Ref. No. JAC ACQ|CA-5|37EE|83-84|542.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing Flat No. 9, Ashwini apartments, Plot No. 5 Happy colony. Kothrud situated at Pune-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering

Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or Wat & your Miles
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Ashwini Apartments, Plot No. 5, Happy Colony Kothrud Pune-29. (Area—1020 sq. ft).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3618|83-84 in the month of anuary, 1984).

12.4Ashwniiy,o, 12345 7890 1234 7890 1234 1234 1234 1234

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-3-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th March 1984

Ref. No. IAC ACQ CA-5|37EE|543|83-84.--Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. Flat Building 'C' Flat No. 4, S. No. 686|2A×2B, Bibavewadi, Pune-411 037 situated at Pune-37

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acqn. Range, Pune on Oct. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of he aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Sarla Kiran Bamb, 252, Nana Peth, Pune-2.

(Transferor)

Sh. N. P. Achuthan,
 Shri Shankar Society,
 Gultekadi, Pune-411 037.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, ground floor, Building No. C, Shivganga Coop. Housing Society, Bibvewadi, Pune-411 0037.

(Area—730 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1715 dated 7-10-1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN,
60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 20th March 1984

Ref. No. IAC. ACQ./CA-5/37EE/83-84/544.— Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1, 1st 'floor, Plot No. 21B, F. P. No. 473 situated at Gultekadi, Pune-37

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer IAC. Acqn. Range, Pune on Sept., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Girnar Construction, 321/9, Shantinagar Society, M. Phule Peth, Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Shri Ramvilas Zumbarlal Boob, Laxmi Stores, Modi Mansion, 37/2, Off Shankar Shet Road, Pune-37.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Plot No. 21B, F. P. No. 473, Gultekadi, Pune-37.

(Area—821 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1440/83-84 in the month of Sept., 83.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date: 20-3-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 8th March 1984

Ref. No. IAC. ACQ./CA-5/37EE/83-84/545.— Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

property bearing survey No. 238, H. No. 13, Tikka No. 8, C. S. No. 147/3, F. P. No. 262, TPS. 1 situated at Panchpa-

khadi, Thanc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Oncer are IAC. Acqn. Range, Pune on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Radheshyam Jodhraj Bhatia,
 S. M. Constructions,
 (Building Contractors),
 Pahlarai Building, Lohar Ali,
 Mehta House, Thane-400 601.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Narayan Kamath, 3rd floor, D. P. Wadi, Ghodapdeo Road, Bombay-400 033.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing survey No. 238, H. No. 13, Tikka No. 8, C. S. No. 147/3, F. P. No. 262, TPS. 1, Panchpakhadi, Thane.

(Area-44.15 sq. mts.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1989/Thane/83-84 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 9-3-1984

Seal 1

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 9th March 1984

Ref. No. IAC. ACQ./CA-5/37EE/83-84/546.— Whereas, I, SHASHIKANT KUI.KARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 4, 1st floor, Building No. A. S. No. 36 CTS No. 159, Erandawana, situated at Pune-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQN. RANGE, Pune on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) M/s. Gayatri Constructions, 1262/2, J. M. Road, Pune-4.

(Transferor)

(2) Mrs. Seema S. Datar, 678, Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Building No. A at S. No. 36, CTS No. 159, Erandawana, Pune-4.

(Area-465 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1271/83-84 in the month of Sept., 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-3-1984

Scal:

(1) M/a. Bhaichandra Land Developers, 1951. Sudashit, Path. Pune-30.

(liausferor)

(2) Shri M. V. Ghole, 'Sita Smruti', 83/2. Vrindawan Society, Pune-9.

nsferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60 6. ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 29th February 1984

Ref. No. IAC. ACQ. (CA-5/37EE/83-84/547.— Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 18. 2nd floor, C.T.S. No. 47/30C, Aranyeshwar Road, Parvati, Pune-9 situated at Pune-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, Second floor, situated at Plot No. 8, S. No. 47/30C, Aranyeshwar Road, Parvati, Pune-9.

(Area-520 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1558 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : 51—46GI84

Date: 29-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th April 1984

Rcf. No. C. R. No. 62/38889/83-84/ACQ/B.—Where: S. I. MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No.

Site No. 74, admeasuring 60% × 72%

situated at Kempapura Agrahara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Srirampuram, Bangalore under Document No. 1315/83-84 on 15-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Mrs. V. R. Rukmini W/o Mr. V. R. Santhanam, R/o 22, 11 Block, Rujajinagar, Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Mrs. Nirmala Berigae Ramanath W/o Mr. B. P. Ramanath, R/o National Rayon Corpn. Colony, Mohone Post, Thane Dist,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1315/83-84 Dated 15-8-83.) Vacant Site No. 74, measuring 60: × 72: situated at Kempapura Agrahara, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 1: 4-4-1984 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th April 1984

Ref. No. C. R. No. 62/41029/83-84/ACO/B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Corporation No. 682/2

situated at E. No. 17th Cross, II Stage Indiranagar (Binnamangala) Bangalore, Dvn. No. 50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajungar, Bangalore under Document No. 1199/83-81

on August 1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mr. B. S. Venkat Reddy, Rio 101, Brigade Road, Bangalore-560 001.

(Transferor)

(2) Mr. Ying Hsiang Chang alias Edward Chang, R|o 51|17-A-II floor, Osborne Road, Bangalore-42,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as arr defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the rame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document Iso, 1199/83-84 Dated 15th Aug., 83.) portion of Land bearing Corporation No. 682/2, situated at E. No. 17th Cross II Stage, Indiranagar. (Binnamangala), Bangalore Division 50.

> MANJU MADHAV Competent Auth Inspecting Assistant Commissioner of Income Acquisition Range, Bangalote

Date : 4-4-1984 -

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th April 1984

Ref. No. C. R. No. 62, 39020/83-84/ACQ/B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Site No. 537/A
situated at IV Block, Koramangala, Bangalore

situated at IV Block, Koramangala, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk under Document No. 4007/83-84 on 31-8-1983

on 31-3-1935 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen reason of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mrs. Y. Vijayalakshmi W/o K. G. Lakshmana, C/o Mr. Thimmappa, No. 40, Hosur Road, Adugodi, Bangalore-30.

(Transferor)

(2) Mrs. K. G. Nagarathna W/o K. Gopalakrishna Gupta, No. 438, 7th Cross, Ist Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4007/83-84 Dated 31-8-1983.) Site No. 537/A admensuring 439.00 sq. mtrs. situated at IV Block, Koramangala, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usua of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely (----

Date: 4-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th April 1984

Ref. No. C. R. No. 62/41310/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1852, B. S. K. II Stage situated at 11th Main Road, 33rd Cross, B. S. K. II Stage,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registring Authority at Jayanagar, Bangalore under Document No. 1736/83-84 on

20-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftee, per ser' of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating use concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

(1) Mr. Pandya Rejendra and Mr. Jeetendia, No. 41/3, 14th Cross Road, Jayanagar, 7th Block (West), Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. T. Venkatesh, No. 1853, 11th Main Road, 33rd Cross, B. S. K. II Stage, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1736/83-84 Dated 20-8-1983.) Corner plot admeasuring 54 × 60 Sq. ft. or 301 Sq. m bearing Site No. 1852 (Bldg. ONE Square) situated at 11th Main Road, 33rd Cross, B. S. K. II Stage, Bangalore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-4-1984 Seal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th April 1984

Ref. No. C. R. No. 62/38971/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. 73, Kaneshumari No. 506

situated at Vijayyagapura at Kothur Grama, K. R. Puram,

Hobli, Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Bangalote South (7k) Bangalote under Document No. 2859/83-84 on 20-8-1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Mrs. Dharmambal,

Mr. N. S. Man.
 Mr. N. S. Vijayakumar,
 Mr. N. S. Shekar,
 Mr. N. S. Bhaskar and
 Mr. N. Dhurwas (Mr. N. D. Vasu), No. 145, Kamaraj Road, Bangalore-560 042.

(Transferors)

(2) 1. Mr. Narayan Lakku Patel,

Mr. Devasi L. Patel and
 Shri Shamji L. Patel,

Rajupathpet, Hoskose Town,

Bangalore (Dist),

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2859/83-84 Dated 20th Aug. 83.) Property Survey No. 83, measuring 43: × 74: including Margin Land Built area Godown 40: × 45: open area 25: × 43: at Vijayapura Kothu Grama, K. R. Pura Hobli, Bangalore South Tk.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition -Range, Bangalore

Date: 4-4-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th April 1984

Rcf. No. C. R. No. 62/38979/83-84/ACQ/B.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

HAS K. No. 943 +943/A measuring 5893 Sq. ft. situated at Thippasandra, K. R. Puram, Bangalore South (Tk) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Bangalore South Tk under Document No. 2872/83-84 on 5th August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- th) facilitating the concedenant of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

(i) Mr. U. Nuni Reddy, 2453, BSK, II Stage, Bangalore,

(Transferor)

(2) 1. Shri Sundaramma, Suttur, Nanjangud Tk.

Nanjangud Tk.,

2. Mr. K. N. Shivanandaswamy, Kalanahalli,
Nanjangud Tk. and

3. Mr. Basapna, Kalanahalli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2872/83-84 Dated 5th Aug, 83) An Ac sheet Building bearing No. HAS K. No. 943 + 943 A in Thippusandna. K. R. Puram, Bangalore South Tk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-4-1984

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th April 1984

Ref. No. C. R. No. 62|39595|83-84|ACQ|B.- Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable processing the said Act. 1961 (43 of 1961) property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Sy. No. 444 of 251.30 acres Sy. No. 444 of 251.50 acres situated at Karike Village, Madikeri Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mercara under Document No. 780/83-84 on 31-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) 1. Mr. P. Ayamad,

Mr. P. Mohamed,

4. Mr. K. Athuraman,
5. Mr. P. Moideen Kutty,
6. Mr. P. K. Abdul Razak,
Puthur Amsom, Kadagathur Desom,

Kerala.

(Transferors)

(2) 1. Mr. V. Ahmed, 2. Mr. T. Abobackar, 3. Mr. T. Ummer,

5. Mr. P. Ohmler, 5. Mr. P. Abdul Haje, 6. Mr. T. V. Usman, 7. Mr. K. Radhakrishna Raju,

Thrupangotoor Amsom, Tellichery Taluk. Kerala.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 780/83-84 Dated 31-8-1983) Coffee Estate Sy. No. 444 of 251.30 acres situated at Kar'ke Village, Modikeri Taluk,

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-4-1984 Seal:

LOLM LINE ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. P. Kunpuswamy, Mg 21 Karin Lar out Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mrs. Girija John, No. 26/1 Lavelb Road, Bangalore-560001,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORF

Bangalore-560001, the 4th April 1984

C. R. No. 62|41|32|83-84|ACO|B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant site No. 555 situated at Block III Koramangake lav

out, Bangalore,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk Under Document No. 7416 83-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of he publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 7416|83-84 Dated 15-8-83) Vacant Building site bearing B.D.A. No. 555 situated at Block No. III Koramangala Lay out Bangalore-34,

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Date :4-4-198*

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 30th March 1984

C. R. No. 62|Notice No. 743|83-84|ACO|B.—Whereas. I. MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Notice No. 743 situated at Panaji Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas Under document No. 542|83-84 on 8-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M]s Alcon Constructions, Velho Building, Panaji Goa.

(Transferor)

(2) Kadamba Co. Operative Housnig Society Ltd. Dr Atmaram Borkar Road, Panaii Gon.

(Transferee)

(3) Kadamba Co. Operative Housing Society Ltd. Dr. Atmaram Borkar Road, Panaji Goa.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 542|83-84 Dated 8-8-1983)
The Property called 'KADAMBA APARTMENTS' situated at Dr. Atmaram Borkar Road, Panaji, Goa within the Panaji Municipal area and registered at the office of the fund Registrar of II has under No. 14725 at Page 200 of Book B. 38 new and Survey Chalta No. 101 and 102 of P.T. Shew No. 61,

MRS, MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 30-3-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrimati Janak Murthy, No. 6, I Main Road, Jayamahal Extn., B'lore.

 Shrimati N. P. Kalpakavalli, Eswar Nivas, Payappa Garden, Blore. (Transferor)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 29th March 1984

C. R. No. 62|390, 8|83-84|ACQ|B.—Whereas, f, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. 21 situated at Defence Colony, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar in Aug. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by niore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1332|83-84 Dated Aug., 83)
Proptrty beraing No. 21, Defence Colony, HAL II Stage,
Indiranagar, Bangalore.

MRS. MANJU , MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 29-3-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrimati Gowramma, No. 700, HAL Hnd Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferor)

(2) Shri S. Syed Aleem, No. 18, Kunnigham Road, B'lore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, htc 19th March 1984

C. R. No. 62|39009|83-84|ACQ|B.—Whereus, I, MRS. MANJU MADHAVAN, peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- ad bearing

No. 704, situated at VII Main, HAL II Stage, Indiranagar

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar on 1-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be ween the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objectious, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1120/83-84 Dated 1-8-83)

Property bearing No. 704, situated at VII Main, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore.

> MRS. MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Bangalote

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Date: 19-3-1984

Scal:

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE

Bangalore-560001, the 21st March 1984

C. R. No. 62/39026/83-84/ACQ/B.—Whereas, I. MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Sy. No. 9 & 72, situated at Bhaktharahalli, Holuvauhalli Hobli, Koratagere Taluk, Tunkur Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Koratageri, on 20-8-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seasts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri C. N. Ashwathanarayana Shetty, No. 1784, III Block, Bhashyam Circle. Rajajinagar. B'lore-10.

(Transferor)

(2) Shri B. K. Radhakrishna, slo Bandimane Kare Rangappa, Thirumanahai, Chickanayte Kanatiathi Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 527/83-84 Dated 20-8-83) Property bearing Sy. No. 9 & 72, situated at Bhaktharhal, Holavanahathi Hobli, Koratagere Taluk, Tumkur Distt.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge, Bangalore

Date :21-3-84 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th Morch 1984

C. R. No. 62|38967|83-84|ACQ|B.—Whereas, 1, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 16, 17, 18 & 18/1, situated at IV Cross, Gandhinagar, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 22-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri H. R. Iyengar, No. 18, IV Cross Road, Gandhinagar, B'lore-9.

(Transferor)

 (2) M/s. Swarup Rani Foundations P. Ltd., Swarup Bhavan, S. 1718, HI Stage, Rajajinagar.
 B'lore-10, repd. by its president Shri K, V. Narayan, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1499]83-84 Dated 22-8-83)

Property bearing No. 16, $\,$ 17, 18 and $\,$ 18|1, IV Cross-Gandhinagar, Bangalore.

MRS. MANJU MADHAVAN
Gompetent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range, Bangalo

Duie : 26-3-1984

(1) Shrimati S. P. Sharadamma, 165, Domlur. B'lore.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Dr. Mohd. Abraham Joseph Valis, repd. by R. D. Grunz. Koranangalar, B'lore.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th March 1984

C. R. No. 62[39011]83-84[ACQ]B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'eald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 8 & 9 in 139 1, situated at Domlur Layout (Bhagath Singh Nagar) B'lore Div. 51, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer

at Shivajinagar on 8-8-83 of Shivaningar on 8-8-8.5 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of tals notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1177/83-84 Dated 8-8-83).

Property bearing No. 8 & 9 in 13911, situated at Domlur Layout, Bangalore.

> MRS. MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-43--36 GI 84

Date: 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th March 1984

C. R. No. 62|38966|83-84|ACQ|B.- Whereas, 1, MRS. MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15/5 situated at I Main road Gangenahalli, Bangalore-32. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhinagar under document No. 1511|83-84 on 31-8-83, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason by

market value of the aforesaid property and I have reason by believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri J. Victor, \lor Late Sri Joseph, No. 15/5, I Main, Gangenahalle, Hebbal, B'lore-32.

(Transferor)

(2) Shrimati Grace Kamala Pandian, No. 28|489, Bangatore road. Ananthapura (A. P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. We whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

(Registered Document No. 1511|83-84 Dated 31-8-83) All that property bearing No. 15|5 situated at I majn read, Gangenahalli Hebbal. Bangalore.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Bangalore

Date: 26-3-84.

Scal:

(1) Shri R. N. Krishna Murthy, No. 49|21, Govindappa road, Basawangadi, Bangalore,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri T. K. Prasunna Kumar 2. Shri T. K. Vinod Kumar, No. 47, Cubbon road, Mun Dn No. 59. Bangalore,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th March 1984

C. R. No. 62|39040|83-84|\(\Lambda\)\(\text{O}|\)B.\(\text{--Whereas}\), I, MRS. MANJU MADH\(\lambda\)\(\text{V}\(\Lambda\)\(\text{N})

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 47, situated at Cubbon road Cross, Civil Station Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Shivajinagar under document No. 1356183-84 on 31-8-83, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—53—46 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1350;83-84 Dated 31-8-83),

All that property bearing No. 47 situated at Cubbon road. Municipal division 59, Bangalore.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge. Bangalore

Date: 26-3-1984

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th March 1984

C. R. No. 62|41218|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing

Rs. 25,000|- and bearing No. 1025, situated at HAI. II Stage Indianagar Bangalore-38 (and more fully described in the schedule annexed

hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering officer, 1248 110 (1738) in the Const

at Shivajinagar, under document No. 1236|83-84 on Aug., 83, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) ractitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of an income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. K. Subramanyam s Vadivel, No. 125, 6th Cross, H Stage, Indiranagar, Bangalore.

 Shrimati Vasanthu Nanjappa wlo A, P. Nanjappa, No. 552, 16th Cross H Stage, Indiranagar, Bangalore. (Transferor)

(Transièree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1236|83-84 Dated Aug. 83) All that property bearing No. 1025 situated at HAL II Stage, Bangalore.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Pangalore-560001, the 26th March 1984

Notice No. 735|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MRS. MANIU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 138/1 situated at Ganjihal village, Taluk ungund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hungund on 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightlity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Appa-aheb Krishnarao Jahagirdar.
 At & Post: Ganjihal, Tal: Hungund,
 Dist. Bijapur.

(Transferor)

(2) Shri Channarpa Chanamallappa Gollappanavar, rlo Ganjihal, Taluka Hungund, Dist. Bijapur,

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 628|83-84 Dated 22-8-1983)

Agricultural land bearing R. S. No. 138|1 of Ganiihal village measuring 4. Acres & 5 Gunthus.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalore

Date: 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th March 1984

Ref. No. C.R. No. 62 Notife No. 73 Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, 736|83-84|ACQ|B. being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R. S. No. 633/2B-1-2A, situated at Jamakhandi, Dist. Bijapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamakhandi on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which quent to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Shamsuddin Shedusaheeb Awati rio Jamkhandi, Dis. Bliapur.

(Transferor)

(2) Shri Gurunath Purushottam Watawe, rlo Watwe Wada, Main Road, Jemkhandi, Dist. Bijapur-587301.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice; in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1148|83-84 Dated 2-9-1983) Agricultural land bearing R. S. No. 633/2B+2A measuring 5 Acres & 6 Gunthas situated within the municipal limits of Jamakhandi.

> MRS. MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Date: 26-3-1984

' FORM ITNS.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OME-

(1) Shri Kailas So Devappa Dahihande ro WADI (Jn) Tal: Chittapur, Dist: Gulbarga.

(2) Master Pandit minor by guardian Shri Mahadev so Shivaraya, ro WADI (Jn), Tal: Chittapur. Dist. Gulbarga.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 26th March 1984

Ref. No. C. R. No. 62 Notice No. 737|83-84.—Wherean, I, MRS. MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 434|2 situated at Halakatta village. To Chittapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chittapur on 30-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Ast, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 897/83-84 dated 30-8-1983)
Agricultural land bearing Sy. No. 434/2 situated in Hala-katta, Tq: Chittapur, Dist. Gulbarga.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 26th March 1984

Ref. No. C.R. No. 62 738|83-84|ACQ|B,-Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. No. 434|2 situated at Halakatta village, Tq:

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Chittapur on 30-8-1983

officer at Childapur on 30-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apply ent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kailas Slo Dévappa Dahihande, rlo WADI (Jn) Tq: Chittapur, Dist. Gulbarga.

(Transferoi)

(2) Master Shivaputra minor by guardian Shri Mahadev, so Shivaraya, ro WADI (Jn) Tq: Chittapur, Dist. Gulbarga,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered document No. 896|83-84 dated 30-8-1983) Agricultural land bearing Sy. No. 434|2 situated in Hala-katta, Tq: Chittapur, Dist, Gulbarga.

MRS. MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following melv :--

Date: 26-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 26th March 1984

Ref. No. 739|83-84.—Whereas, 1 MANJU MADHAVAN bicing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

situated at Santa Inez, Panaji

(and more fully described in the Scheduled amexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the registering officer at Ilhas Goa on 10-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferer to pay tan under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I here'by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Jose Diniz, 2. Smt. Maria Joana Diniz, 3. Shri Pedro Diniz, 4. Sow Rosa Piedade Dmiz through their power of attorney Smt. Maria Joana Diniz, 5. Shri Luis Gonsalo Diniz, 6. Sow Florentina Diniz, 7. Sow Joaquina Camil Teixcira, 8. Shri Camilo Teixcira, All residents of Benaulin, Tal: Dist. Goa.
- (2) Shri Shaik Liyakat Ali, residing at Santa Inez, Panaii- Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 519|187 dated 10-8-1983) Property known as 'Predio Denominado Urbano' situated at Santa Inez, Panaji. Taluka: Tiswadi, Sub-Dist, Ilhas-Goa.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-3-1984

(1) Mr. Necessidade Afonso and Mrs. Alexandrina Viegas,
Both residing at Bondorim of Dramapur, Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sofia Bi Wo Shaik Abdul Karim, Mr. Shaik Abdul Karim, Both residing at Margao Goa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th March 1984

Ref. No. C.R. No. 62|740|83-84|ACQ|B.-Whereas, 1, MRS, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and situated at Dayorlim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salcete on 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income prising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1199|83-84 Dated 22-8-1983) Plot No. 5 of the property Morodda situated at Village Davorlim.

> MRS. MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bangalor

Date: 26-3-1984

FORM ITNS . --- ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560 001, the 26th March 1984

Ref. No. C.R. No. 62/714/83-84/ACQ/B.—Whereas, I. MRS, MANIU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

situated at Santa Inez, Panaji, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ilhas, Goa on 8-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or (a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the nequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely (-54-46 GI/84) (1) 1. Shri Jose Diniz,

Sow Maria Joana Diniz,
3 Shii Pedro Diniz,
4 Sow Rosa Piedade Diniz

4. SOW KOSA FIGURED DIFFER THROUGH their power of attorney Sow Maria Jaona Diniz,
5. Shri Luis Gonsalo Diniz,
6. Sow Florentina Diniz,
7. Sow Joaquina Camil Teixeira,
8. Comillo Tairaira

8.Camilo Teixeira

All Resident of Benaulim, Tal: Salcete, Dist: Goa.

(Transferors)

(2) Shri Shaik Liyakat Ali, residing at Santa Inez, Panaji, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 518|187 Dated 8-8-1983)

The property known as "Predio denominado Urbano de Casas" situated at Santa Inez, Panaji Taluka : Tiswadi, Sub-Dist. : Ilhas, Goa.

> MRS. MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-3-1984

Soal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th March 1984

Ref. No. C.R. No. 62 Notice No. 742|83-84|ACQ|B,-. Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S.Y. No. 27 situated at Brahmapur Gulbarga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gulbarga under document No. 1639/83-84 on 2-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thanfifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) Soit, Mallamma Wio Devendrappo Alias Gopal Rao Dappal, Rlo Brahmapur Gulbarga.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ashokkumar Slo Tukaram Manokar. Rio Bhoi Gaili, Gulbarga. 2. Shri Arunkumar Sio Tukaram Manokar

 - Rio Bhoi Galii, Gulbarga. 3. Shri Tukaram So Lalji Manokar,

R|o Bhoi Galli Gulbarga.

- Smt. Narasamma Wjo Tukaram Manokar, Rjo Bhoi Galli, Gulbarga.
- R|o Bhoi Galli, Gulbarga.

 5. Kumari Bangaramma D|o Ashokkumar Manokar M|g Shri Ashok Kumar Tukaram Mauokar, R|o Bhoi Galli, Gulbarga.

 6. Chi. Laxmikanth S|o Ashok Kumar Manokar, M|g Shri Ashok Kumar Tukaram Manokar, M|g Shri Ashok Kumar Tukaram Manokar, R|o Bhoi Galli, Gulbarga.

 7. Smt. Tulajamma W|o Arunkumar Manokar, R|o Bhoi Galli, Gulbarga.

 8. Smt. Jeeiabai Wlo Ashok Kumar Manokar.
- Smt. Jeejabai Wo Ashok Kumar Manokar, Ro Bhoi Galli Guibargo.
- 9. Shri Saibanna Slo Devendrappa Alias Gopal Rao Dappal, Rlo Brahmpur, Gulbarga,
- 10. Shri Hanmantha Slo Devendrappa Alias Gopal Rao Dappal, Rlo Brahmpur Gulbarga.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per some, whichever period expires ister:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1639]83-84 Dated 2-8-1983) Open land measuring 4 Acres and 33 Gunthas bearing SY No. 27 situated at Brahmpur Gulbarga.

> MRS, MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th March 1984

Notice No. 734|83-84.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R. S. No. 192 situated at Gadag-Betageri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gadag on 19-8-1983

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Sharnappa Virupakshappa Mudengudi, Cotton Market Road, Post: Gadag.

(Transferor)

(2) 1. Fakecrappa Hanumappa Talwar, at present Betageri, Masuri near Meternity Hospital Tal: Gadag.

2. Shri Suresh Shivappa Naregal, Shahapur Peth, Gadag.

3. Hanumappa Fakeerappa Tahwar alias Naik, at present Betageri, Kuratti Pethe,

Tal: Gadag.

4. Fakcerappa Hanumappa Talwar, alias Naik at present Betageri, Kuratti Pethe, Tal: Gadag.

(Transferees)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 991/83-84 Dated 19-8-1983). Agricultural lands situated in Gadag Retageri Kosaba Gadak, Kalasapur Road, bearing No. R. No. 192 to the extent of 3 Acres and 38 Gunthas

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

Date: 20-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Morto Keshav Bhandare, and Laxmi M. Bhandare, Both Ro Dona Paula, Ilhas Goa.

(Transferor)

(2) St. Mathew's club of Azzossim, President: Mr. P. F. Fernandes, Axossim Ilhas, Goa.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th March 1984

Notice No.728|83-84,—Whereas, 1, MRS. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Vacant land bearing SY No. 2/2 situated at Axossim Village Ilhas Goa

(and more fully described in the Schedule annexed accepts), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Ilhas on 24-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used berein as me defined at Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 627/83-84 Dated 24-8-1983). Vacant land bearing Sy. No. 2/2 of Village Axossim situated on Old Goa--Augussium Road, at Azzossim Ilhas Goa.

MRS. MANJU MADIJAVAN
Competent Authority
Itispecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1984

Senl :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th March 1984

Notice No. 729 83-84.—Whereas, I MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

"Sonar Batta" Chalta No. 1 to 7

situated at Atmaram Road, Panaji, Gon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ilhas on 6-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than threen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. Damodar Vinayak Mahatme and
 2. Smt. Kunda Damodar Mahatme Both R|o Panaji.

(Transferor)

(2) Kamat Real Estate Developers, Partnership firm having its Office at Indira Apartments, Caetano Albuquerque Road, Panaji

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 517/83-84 Dated 6-8-1983 Proper known as 'Sonar Batta' at Atamaram Borkar Rd., Panaji Goa, (Remaining half portion) bearing Chalta No. 1 to 7.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge, Bangalore

Date: 6-3-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560 001, the 15th March 1984

Notice No. 730.-Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Sy. No. 177 and 178 situated at
Hemakki Village, Kalasa Hobli
tand more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Mudigere on 16-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to harker that the fair market value of the property as afore-balleve that the fair market value of the property as afore-tand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act. 1937 (27 of 1957); (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Gangamma, Coffee Planter Gaddemane Estate, Hemakki Village, Kalasa, Mudigere Taluka Chikkamagalore Taluka.

(Transferor)

(2) Smt. Sarojamma, Coffee Planter, Sulimane Estate Hemakki Village, Kalasa Mudigere Taluka, Chikkamagalore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 363[83-84] Dated 16-8-1983 Coffee lands situated in Hemakki Village, Kalasa Hobli, bearing Survey No. 177 and 178.

> MRS. MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'T COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Mangalore-560 001, the 5th March 1984

Notice No. 731|83-84.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

Agrl. lands Sy. No. 14|1 situated at
Gadikoppa Village, Kasaba Hobli, Shimoga Taluka
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Shimoga on 3-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of the said instrument of th

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely term

(1) 1. Shri K. Y. Pawar, alias K. Yashwanta Rao Pawar

2. Shri Ashoka Rao Pawar3. Eswara Rao Pawar

Kumari Pushpabai
 Chillren of Shri K. Y. Pawar at Sl. No. 1
 R]o First Cross Road, Tank Mohalla,
 Shimoga City.

(Transferor)

(2) "Shanthi Niketan Society" M.C.B.S. Shram, Bangalore Honnavar Road, Shimoga City, Represented by its President Father Joseph Poopiliil.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1816[83-84 Dated 3-9-1983 Agrl, land situated in Gadikoppa Village Kusaba Hobli. Shimoga Taluka in all measuring 8 Acres and 28 Gunthas comprised in R.S. No. 14[I.

MRS, MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Mangalore-560 001, the 15th March 1984

Notice No. 732|83-84.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Plot No. 33 Cts. No. 1277 situated at

Nagashettyhop, Hubli property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli on 5-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. N. B. Naregal, Vidyagiri, Dharwar.

(Transferor)

(2) I. Shri Mukeshkumar Dhirajlal Shaha2. Shri Deepak Kumar Dhirajlal Shaha

Lalitkumar Pramodrai Shaha
 Rajeshkumar Pramodrai Shaha

 Girishkumar Pramodrai Shaha Rlo Mehaboob Nagar, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ΓΧΡΙ ANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXΛ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1063 83-84 Dated 5-8-1983 The property being Plot No. 33 bearing CTS, No. 1277 situated in Nagesbettykop, Hubli.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge, Bangulore

Date: 15-3-1984 Seal:

DONE

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferor) (2) Shri Arun Sjo Sankappa Annigeri,

(1) Smit Imtanabi Wio Budansan footgere,

Old Hubn, Krismapur Hubi

(2) Shri Arun S|o Sankappa Annigeri, M|g Father Sankappa Tavanappa Annigeri, R|o Vidya Nagar, Hubli,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGI ORE--560001

Banglore-560001, the 15% March 1984

Hubli on 19-8-1983, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open site SY. No. 516119 & R.S. No. 86 2/2 situated at m + fullage. Hudbi Taluka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hubli on 19-8-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
55—46GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites latter;
- (b) by any other person interested in the said immovvble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1169|83-84 Dated 19-8-1983.

Open site bearing SY. No. 5161|9 and CY. No. 862|2 situated at Ayodhya Gram, Hubli Taluka.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Banglore

Date: 15-3-1984,

Seal;

(1) Shri Nascem, No. 219, VIII cross. Sangayapuram Bangalore-560001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Hastimal 2. Smt. Chandra Bai, No. 5, Franger Town, Bangalore-560001.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGLORE-560001

Bangalore-560 001, the 29th March 1984

C. R. No. 62|41194|83-84|ACQ|B Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. 275 A, Corporation No. 15, situated at 1st Main Sagaya

puram Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Shivajiagar on 27-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1390/83-84 Dated 27-8-83.

Property bearing No. 275 A, Corporation No. 15 situated at 1st main road Sagayapuram.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inpecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Banglore

Date: 29-3-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri K. Radhakrishna Sri K. Alageshan, No. 294|20, 12th Cross, Wilson Garden, Bangalore-27.

(Transferee)

(2) Shrimati S. Nagi, No. 5, Shivaji Circle, Bangalore, W|o Sri R. Sarday, Bangalore-560001.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTITON RANGE BANGLORE--560001

Bangalore-560001, the 21st August 1984

C. R. No. 62/39081/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bering

and bering No. 296 (294|20), situated at XIIth Cross, Wilson Garden

Bangalore-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Jayanagar on 25-8-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1885[83-84 Dated 25-8-83.

Property bearing No. 296 (294|20), situated at 12th Cross, Wilson Garden, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 21-8-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGLORE--560001

Bangalore-560001, the 19th March 1984

C. R. 62|39036|83-84|ACQ|B.—Whereas. J, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 716, situated at VIII Main HAL II stage, Indiranagar, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 20-8-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the eaid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri T. A. Surayanarayana Rao, No. 264, VII ist Block, Jayanagar, Bangalore-II.

(Transferor)

(2) Louis Dominic Gonsalves, Mrs. Cynthia Leouiu Gonsalves, P.A. Holder A. J. Losrado, No. 22, Magrath Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1278|83-84 Dated: 20-8-83) Property bearing No. 716, situated at VIII Main HAL stage, Indiranagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-1

Date: 19-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shr Ti. N. Narendra Reddy, No. 1|11 , Ulsoor road Bangalore-42.

(Transferor)

Edua Moras,
 No. 12 Benson Cross Road,
 B'lore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 19th March 1984

C. R. 62,39004|83-84|ACQ|B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

341 situated at Binnamangala I stage, Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at

Shviajinagar on 8-8-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art I hereby initiate proceedings for the exquisition of the aforesaid property by the issue of this ntice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1163|83-84 Dated 8-8-83)

Property bearing No. 341, situated at Binnawangala stage, Indrianagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalore

Deta: 19-3-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st March 1984

C. R. No. 62|38965|83-84|ACQ|B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16|15, situated at BBenson Cross road, Bangalore, under Muncl. Corpn., Bilaspur (and more fully described in schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, on 18-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hereto by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) R. Jayaraman, No. 2-2-6407|115, Central, Excise Colony, Bagh Amberpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) K. Kurian, Clo Mls. S. Janaidhan & Co. (Bangalore) No. 5 Rudha Prasad Nehru Nagar, Nehru Circle, Bangalore-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1449|83-84 Dated 18-8-83) Property hearing No. 16|15, situated at Benson Cross road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date; 21-3-84.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 412, 4th FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 20th March 1984

Ref. No. IAC|Acq-IV|S.R. III|9-83|302.--Whereas, 1, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-3 situated at N.D.S.E. Part II New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Delhi on September 1983 for an apparent consideration 23.5I

which is less than the fair market value of the aforesaid pro-perty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Har Sinigh & Gin Shamsher, Singh village & P.O. Dabra, Tehsil & Distt. Hissar. (Transferor)

(2) Shri Pradeep Kumar Jain Rio 41, Green Park New Delhi & Smt. Uma Aggarwal B-47, N.D.S.E. Part I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1|2 of the Plot No. M-3, admersuring 1122 sq. yds. N.D.S.E. Part II, New Delhi.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Dote: 20-3-1984

Senl:

TORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Enri Flori Singh & Enri Shamsher Singh Bjö village & FO Dabta Telest & Distr. Hissan

(Transferor)

(2) M|s Hancimp Properties Pvi Ltd G-12, N.D.S.E. Part I New Delhi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 412, 4th FLOOR CR BUILDING, I, P, ESTATE NEW DFLHI

New Delhi, the 20th March 1984

Ref. No. IAC|Acq-III|SR-III|9-83|303.—Whereas, I, B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

M-3, situated at N.D.S.E. Part II New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeraiton Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Delhi in September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor -by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- th) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one half of the Plot No. M-3 admeasuring 1122 sq. yds. situated in New Delhi South Extension Part II New Delhi

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, DelhilNew Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-3-1984

(1) Shri Brij Lal so Sh. Ganpat Rai R o 8 14 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

2. (1) Smt. Kanta Kapoor woo Shri R. P. Kapoor

(2) Sh. Yogendra Kapoor (3) Sh. Baldev Kapoor (4) Sh. Kuldeep Kapoor (5) Akash Kapoor sons of Shri R. P. Kapoor Rlo 8 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II 4 14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|8-83|377.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearith No.

Plot No. 8 Punjabi Bagh situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or eyasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937). 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 56—46 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storeyed house, on Plot No. 8 on mg. 275.4 sq. yds. situated at Punjabi Bagh area of vill. Bassai Darapur Delhi state, Delhi,

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 2-4-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4A[14 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. AR-I|37EE|338|83-84.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 71 Bl. B, Rana Pratap Bagh, situated at Delhl (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

1. Shri Jaswant Singh Saini Shri Hem Chander Saini R|o 8|301 Mohalla Kambu Katra, Saharanpur (U. P.) (Transferor)

2. (1) Sh. Om Parkash (2) Hari Parkash (3) Sh. Satish Kumar all sons of Sh. Panna Lal (4) Smt. Bimla Devi woo Sh. Om Parkash (6) Smt. Shashi Rani woo Sh. Satish Kumar Roo Book C.C. Colony, Opp; Rana Partap Bagh Delhi-7

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring about 220 sq. yds. bearing Plot No. 71 block B situated in the Colony sponsored by the Delhi State Government Employees' Cooperative House Building Society Ltd. Delhi Opp. Rana Partap Bagh G. T. Road, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1984

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.1|8-83|380,---Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

3136 Darya Ganj situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Authority

New Delhi on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

Shri Jawala Prasad s|o Mahadev Parsad
 Badri Prasad
 Mukandi Devi W|o Shri Badri Parsad
 R|o 1652 Phatak Mufti Walan,
 Daryyaganj Tiraya Barmakha,
 Delbi.

(Trans

(2) Shri Ashok Seni S|o Ratan Lal Seni R|o 716 Chandni Mahal, Delhi.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Shop Ground Floor Property No. 3136 mg. 18.37 square yards Chabutra Tirya Bermakha, Ilaqa No. 11, Darya Ganj, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-128
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THB-INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|8-83|381.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

B|22 Adarsh Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the puutposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kamla Gupta
Wo Rattan Lal Gupta
Ro D-13 Rajan Babu Road,
Adarsh Nagar, Delhi-33
formerly ro B-4A 10 R. P. Bagh,
Delhi-110007.

(Transfror)

(2) Mrs. Uma Rani Wo Shri Mohinder Singh Ro 12D Hakikat Rai Road, Adarsh Nagar, Delhi-33.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pulication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B|22 on Moti Lal Road, Adarsh Nagar, Delhi-33—Area 215 sq. yards.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 2-4-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.1|8.83|382.--Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-27 Kirti Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the schedule appeared beauty)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of the Registering Officer at New Delhi on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Parkash Wati Wo Shri H. P. Dhawan Ro Tower House Old Vijay Nagar, Agra, Originally residing at E-38 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transfror)

(2) Smt. Ram Piari Wo Late Shri Kosar Mal Sachdeva and 2. Shri Prem Parkash Sachdeva Son of late Shri Kesar Mal Sachdeva Ro E-27, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this, notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House built on plot No. E-27 Kirti Nagar area of village Bassai Darapur Delhi State Delhi,

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1984

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|8.83|383.-Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Shop No. 4120 Ajmeri Gate Bazar

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) 1. Shri Ruj Kumar Kapoor 2. Shri Ram Mohan Kapoor 3. Smt. Toto Devi All Ro 57 Babar Road, Bengali Market, New Delhi.

(Transfror)

(2) Shri Rajeshwar Kumar Gupta, R-34 N.D.S.E. II, New Delhi.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticein the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4120 Ajmeri Gate Bazar Delhi (without first floor and second floor) along with land underneath measuring approx. 40 sq yards.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|8,83|384.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. B-257 Majlis Park situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration $Act\ 1908\ (16\ of\ 1908)$ in the office of registering officer at

New Delhi on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shiv Charan
S|o Shri Banai Lal and
Shri Bir Singh alias Vir Singh
S|o Shri Tek Ram
Both R|o House No. 7340|1 Prem Nagar,
Subzi Mandi,
Delhi.

(Transferor)

(2) S|Shri Surinder Kumar, Raj Mohan Sons of Shri S. K. Chauhan, All r|o House No. B-257

Majlis Park, Near Azadpur, Delhi-33.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. B-257 out of Khasra No. 19 situated in the area of Village Bharola in the abadi of Majlis Park near Azadpur Delhi-33.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|8.83|392.—Whereas, I. B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4348 B-1 at 4C Madan Mohan Street, situated at Darya Ganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

"fine been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said not, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Şantosh Kumari Aggarwal Wo Shri B. S. Aggarwal Ro 116 State Bank Colony Near Rana Pratap Bagh, Delhi-110007.

(Transferor)

(2) M|s. G. L. Rohatgi & Sons (HUF) Through its Karta Shri G. L. Rohatgi S|o (Late) Shri Mannu Mal Rohatgi R|o CI|56 Safdarjung Development Area, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of a 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 2 with common W|C on the ground floor measuring 492 sq. ft. out of property No. 4348|B-1 at 4C Madan Mohan Street, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi-110002 (Khasra No. 58).

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 2-4-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|8.83|393.—Whereas, I, B, L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4348|B-1 at 4-C Madan Mohan Street situated at Darya Ganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1983

for en apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the line of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said fact. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtraction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

57—46 GI 84

 Smt. Santosh Kumari Agarwal Wio Shij B. S. Agarwal Rio 116 State Bank Colony, Near Rana Partap Bagh, Delhi-110007.

(Transferor)

(2) Shri Pankaj V, Sheth and 2. Decpak V. Sheth Sons of Shri V. G. Sheth R|o 5A|24 Darya Ganj, New Delhi-110002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. B-3 with common W|C on the Ground Floor measuring 588 qs. ft. out of Property No. 4348|B-1 at 4-C Madan Mohan Street, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi (Khasra No. 58).

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 2-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|8-83|394.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-17 Northern City Extension Scheme

situated at Jawahar Nagar, Delhi-110007

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

(1) Shri Raj Kumar Jai Narain. 89A Kamla Nagar, Delhi-110007.

(Transferor)

(2) Smt. Savita Rani Jain, 8357|2 Model Basti, New Delhi-110005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. G-17 Northern City Extension Scheme No. 1 Jawahar Nagar Chandrawal Road, Delhl-110007.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|8.83|396.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 196! (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing No. 98-A Chawri Bazar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the registration Act, 1908 (17 of 1908) in the office of

the registering officer at New Delhi on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Sita Ram Mukut Rai Wale
 S|o Shri Sishan Dass Mukut Rai Wale
 R|o A-17 Swashtya Vihar, Vikas Marg, Delhi-2
 Anil Kumar Gupta
 S|o Shri Sita Ram Gupta HUF
 98-A Mukut Rao Niwas,
 Bodh Shah Bosla,
 Chawri Bazar
 Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sunder Gupta and Shri Lajpat Rai Gupta Mukut Rai Wale S|o Sri Ram R|o F-52 Green Park New Delhi and Smt. Usha Gupta W|o Shri P. K. Gupta Mukut Rai Wale, 96 Chawri Bazar, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Portion of Three Storey Building Property No. 98-A Mukut Rai Badh Shah Boola, Chawri Bazar, Delhi measuring about 42 sq. yards.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissions of Jucome-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1984

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.1|8.83|397.—Whereas, I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvement having a fair rearrest value over the latter of the competence of the competen property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

98-B Chawri Bazar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Anil Kumar Gupta Mukut Rai So Sita Ram Gupta R|o A|17 Swashtya Vihar Vikas Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hem Chand Gupta Mukunt Rao Wale So Lal Sri Ram Gupta R|o E-542 Greater Kailash IInd New Delhi Mrs. Sudha Rastogi Wo Shri Bhupendra Partap Rastogi Rio F-52 Green Park New Delhi 3. Pranesh Kumar Gupta So Shri Jagdish Prasad Gupta Ro 96 Chawri Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property t may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Three Storeyed Building Property No. Muku Rai Niwas Barh Shah Boola, Chawri Bazar, Dolhi measuring 41 sq. yards.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :--

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.|II|SR.1|8-83|398.--Whereas, I, B. L. DHAWAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 99, Mansarover Garden situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Yogendra Kumar slo Sh. Banai Lal Rlo Medical Quarters, Vill. & P.O. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)
(2) Smt. Necia Aroia wo Sh. S. K. Arora Row WZ-46,
Rattan Park, New Delhi-15, Permanent Address 402,
Jai Kalpna Cooperative Housing Society, Ram Dass
Peth, Nagpur.

(Trasnferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fice hold Plot bearing Plot No. 99 measuring 288 sq. yds. part of Ithasia No. 2362, situated at Mansrover Garden, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 2-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|8.83|400.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

Shop No. 6 Ramesh Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or tvasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Leena woo Sh. Charanjit Singh Roo M-64, Kirti Nagar, New Delbi.
- (2) Sh. Madan Lal Malik so Sh. Bal Mukand Ro 53A, Ramesh Nagar, New Delhi.

Ramesh Nagar, New Delhi. (Trasnferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 mg. 451.5 sq. ft. situated at Municipal Market, Ramesh Nagar, New Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 2-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Bhagwanti Katiyal Wdo Shri Duni Chand Katiyal Rlo 11|2349, Gali Ambiya Kucha Cholan, Darya Ganj, New Delhi-2.

(Transferor) (2) Shri Samat Parsad Jain soo Bishamber Nath Jain, Rlo 2282, Kucha Cholan, Darya Ganj New Delhi-2. (Trasnferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|8.83|493,—Whereas, I, B. L. DHAWAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. 3017 Darya Ganj situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Delhi on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this tion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One house bearing previous No. 3017 and New No. 2349 with land underneath measuring about 242.77 sq. yds. situated at Kucha Cholan, Darya Ganj, New Delhi-2.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 2-4-1984.

FORM ITNS----

- (1) Shri Aftab Ahmed s|o Altar-ul-Rehman R|o 1104, Baltimran, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) M|s. M. S. Wire Industries, 5938, Ballimran, Delhi.

(Trasnferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.1|8.83|407.—Whereas, I, B. L.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Shop No 825 mg. 18.88 sq. yds. situated at Ballimran, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi

on August 1983

on August 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 2-4-1984. Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 825 measuring 18.88 sq. yds. at Katra Bashirgan, Ballimrman, Delhi.

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|8.83|410 —Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

4852|24. Harbans Singh Street situated at Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
58-46 (1) 84

- (1) Smt. Vidya Wati wdlo Late Shri Gopi. Nath. Rlo 4858 Al24 Herbana Singh Street Darva Gani. New Delhi.
- (2) Sh. Prem Nath Arora soo Late Sh. Ganpat Ram Roo D-28, Nizamuddin Fast, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold property built on plot of land measuring 294.5 sq., vds. bearing M.C. No. 4852[24, Harbans Singh Street, Darya Gani, New Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi Naw Delhi

Date : 2-4-1984.

T. TEN MARKET BERNELS BOOK IN THE TOTAL CONTROL OF THE FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 4 14Å ASAF ALI ROAD, NFW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Rcf. No. IAC [Acq.II]SR.I]8.83[411.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M.C. No. 4852|24, Darya Ganj situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908) (16 of (908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi ot

on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Vidya Wati who hate Sh. Gopi Nath Rlo 4858-A|24. Harbans Sweet, Darya Ganj, New Dellii-52.
- (Transferor) (2) Sh. Anil Dhoopar soo Sh. J. C. Dhoopar Roo 12019, Railway Colony, Minto Bridge, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold plot of land measuring 294.5 sq. yds. bearing M.C. No. 4852|24, Harbans Singh Street, Darya Ganj, New Dethi

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi I ew Delhi

Date : 2-4-1984. **S**eal :

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|8,83|412.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

G-17/8A, Rajouri Garden situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at New Delhi on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Deekay Enterprises.

M/s. Deekay Emerprises.
 Smt. Santosh Lala Pal wo Sh. M. D. Pal Rlo D-1/180, Satya Marg, Chanakayapuri, New Delhi.

(Transferor) (2) Sh. Subhash Chander Chopra so Sh. Anant Ram Chopra Rio A-103, Hari Nagar, New Delhi.

(Trasnferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on plot No. G-17/8A mg. 140 sq. yds. Rajourg Garden, New Delhi village Bassai Dagapur, Delhi State, Delhi.

B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 2-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Rew. No. JAC|Acq.II|SR.l|8.83|413.—Whereas, I. B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. K|47, Kirti Nagarsituated of Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (17 of 1908) in the Office of the Registering Offifficer at New Delhi on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or évasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Smt. Shakuntla Devi wo Sh. Sikander Lal Manchanda through her general attorney her son Sh. Raj Kuman Manchanda Ro K-47, Kirti Nagare, New Delhi.
- (2) Dr. Jagdev Singh so Shri Madan Singh Ro J-37, Kirti Nagar, New Delhi.

(Trasnferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. S. House on plot No. K[47 mg, 150 sq. yds. situated at Kirti Nagar area of village Bassai Darapur, Delhi State. Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 2-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Govind Devi Wo Shri Laxmi Narain Mata Ro Bollo Berawala Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bal Kishan Dass Slo Late Shri Raghuvir Singh 2. Smt. Shakuntala Devi Wdlo Shri Raghuvir Singh R|o 309. Kucha Ghasiram, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|8.83|431.—Whereas, I, B. L. DHAWAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. B-5/13 Rama Partap Bagh situated at Delhi-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than inference cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2½ storyed building No. B-5;13 measuring 1178 sq. ft. i.e. 130.88 sq. yds. situated at Rana Partap Bagh, Delhi-7.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:---

Date: 2 1 1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 1/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|883|433.—Whereas, I, B. L. DHAWAŃ,

being the Competent Authority

transfer with the object of :-

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P. No. 380 Chandni Chowk situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269f) of the said Act, to the following persons, namely: --

- (1) Shri Girdhari Lal Sumer Chand Jain Dharmath Chairtable Trust Delhi through 1, Anand Kumar Jain

 - Gautam Kumar Jain . Vinod Kumar Jain Smt. Taramani

 - Wo Late Sumer Chand Jain
 - Smt. Lalita Devi Wo Padam Jain R|o 43 Bagh Diwar, Delhi.

(Transferors

(2) Shri Bal Kishan Bansal Padam Kumar Bansal Sajjan Kumar Bansal Ss|o Shanker Lal Bansal, Smt. Vimla Devi W|o Ganesh Lal Bansal Ro 9084 Katra Roshan Uddala Kinari Bazer Delhi. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. 380 measuring 175 sq. yds. at Haveli Hadar Kuli, Chandni Chowk, Delhi.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi.

Date: 2-4-1984

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|8.83|435.—Whereas, i, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Plot No. 15 in Mansrover Garden situated at Block SCII New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (17 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on August 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Sh. Bhushan Parshad Jain Slo Sh. Ghasi Ram Jain, 117 S.F.S. Municka Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Avtar Singh & Mohinder Singh Ss o S. Kesar Singh Rs o H. No. B-150 Mansrover Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15, in Block SC-II mg. 166.7 sq. yds. Khasra No. 2329 Mansrover Garden New Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi.

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.ff|SR.I|8|83|446.—Whereas, 1, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop No. 4 mg. 131.67 sq. ft. situated at Shakti Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the other of the Registering

Officer et August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Chirag-Ud-Din Qureshi So. Sh. H. Ishlamuddin R o 7144, Qasabrura (Qureshi Nagar) Sadar Bazar, Delhi,

(Transferor)

(2) 1. Sh. Chetan Dass Slo Sh. Moti Ram Rlo H. N. 480, Nimri Colony Delhi & 2 Sh. Darshan Lal Slo Sh. Moti Ram Rlo C-7/127 Lawrence Road, Delhi,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4 mg, 131.67 sq. ft. situated at Shakti Nagar Crossing Delhi.

> B. I., DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi,

Date: 2-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELH

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.1|8.83|448,—Wherens, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No, Shop No. 96 K. Camp

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of Registering

Officer at on Aug. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the norties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Mukand Lal Slo Sh. Sohan Lal Rlo 26 Mall Road, K. Comp Delhi. (Transfetor)

(2) Sh. Bhola Ram Sio Sant Ram & Sh. Ramji Dass Sio Sh. Sohan Lal Rio 96 Mall Road, K. Camp Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30' days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 96 area 62 sq. vds. situated at Mall Road, K. Camp, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

59-46GI/84

Date: 2-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|8-83|449.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C-25 Kh. No. 35 Adarsh Nagar

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering

Officer at

on Aug. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the collect of i---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Station 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under substitution (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Smt. Vidya Wunti Wlo Sh. Updesh Lai Rlo House No. 632 Qadar Bldg. Malka Ganj Delhi.

TTransferor)

(2) Sh. Sat Parkash Gupta Sjo Sh. Kishori Lal & Smt. Pushap Lata Wlo Sh. Sat Parkash Gupta & both Rjo II. No. 4829, Aryapura, Roshanara Road, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of 'this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE ...

Plot No. C-25 out of Khasia No. 35, 36, 38, 263|258|217| 0 && 262|258|217|4|3 measuring 200 sq yds. Acharya Kirplani Road, Adarsh Nagar, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometex.
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi.

Date: 2-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC]Acq.IISR[.1[8.83]451.—Whereas, 1, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. Plot No. 5 Bl. No. 'D'-I Model Towr situated at Delhi

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Gurbachan Singh Sachdeva and Kuldip Singh Sachdeva both sons of Sh. Kartar Singh of F-11|13, Model Town Town Delhi.

(2) Sh. Mam Chand Jain and Sh. Rakesh Kumar Jain both sons of Sh. Rajinder Kumar Jain of C-I|21 Model Fown, Delhi.

(Transferce)

(Tiunsferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A vacant plot of land No. 5 in block No. 'D-1 situated in Model Town, Delhi measuring 450 sq. yds. (384.62 sq. mts.).

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi.

Date: 2-4-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq,II|SR.I|8.83|454.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

823 Kidar Building Subzi Mandi

situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
Officer at on August 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen proceed to consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Tirth Ram Slo Sh. Basant Ram Rlo D-213 Phase-I, Ashok Vihar Delhi-52.

(Transferoi)

(2) Smt. Raj Rani Aggarwal Wo Ashok Kumar Aggarwal Ro 6020 Geli Arya Samaj, Naya Bans Khari Boaill, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter

THE SCHEDULE

24 storeyed Building mg. 100 sq. yds. property No. 823 Private No. 5, Block-K Kidar Building Subzi Mandi, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delht.

Date: 2 4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.i1|SR-I|8.83|457.—Whereas, 1, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 808 Main Bazar Subzi Mandi

situated at Delhi

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering on August 83 Officer at

off August 63 of August 64 of August 65 of A fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Behari Lal Jhunjhunwala Charitable Trust.

(Transferor)

(2) M/s General Sales Subhash Road Nagpur (P) Ltd. through Sh. R. B. Sharma Director.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Godown at Ground Floor bearing No. 808 situated at Main Bazar, Subzi Mandi Delhi measuring 872.55 sq. yds.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delbi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesold property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-4-84

Scal .

Sh. Inder Singh So Sh. Gurdit Singh
 Sh. Jagmohan Singh So Sh. Satnam Singh
 Sh. Amarjitt Singh & 4. Sh. Gurdip Singh sons of Sh. Satnam Singh Ro
 J[203 Rojouri Garden New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Roshan Lal Goel Sjo Sh. Chandi Lal Rjo 10|42. Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Dolhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC Acq.II SR.I 8.83 465.—Whereas, I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J 203 Rejouri Garden situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

. Old single storeved House on Plot No. J|203 measuring 303 sq. yds. situated at Rajouri Garden area of vill, Bassai Darapur Delhi state Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Røjinder Kumar Gupta S|o Ram Bhaj Ram Bhaj Gupta S|o Sh. Ram Chander Gupta R|o B-78 Greater Kailash New Delhi:

(Transferor)

(2) M|s Priti Enterprises partner Shashi Bala Aggarwal W|o P-O Aggarwal S-139 Greater Kailash New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.1|8-83|473.—Whereas, I, B. L. DHAWAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. A-22 Community Centre Dr. situated at Mukherjee Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at on Aug. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed; the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lineome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-22 Community Centre Dr. Mukherjee Nagar Kingsway North New Delhi Area 181.44 sq. Metres.

B. I., DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Dellui New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi,

(1) T. M. Apartments (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Hatjeet Kaur, & Kanwar Vijay Clo Flt. Lt. R. S. Sakhan A-94 Detence Colony, New Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|8.83|44.—Whereas, 1, B. L. DHAWAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
G-3 Azadpur situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq.II, New Delhi on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property : may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

FXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and_or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No.*G-3 at Plot No. A-1 Azadpur, Distt, Centre New Delhi Area 504 sq. ft.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi|New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 214-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Jaina Properties (P) Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Lata Gupta M|s. Rati Ram Gupta & Co. 3616 Chawri Bazar, Delhi-6.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE, 4]14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. JAC|Acq. II|37EE|8.83|45.--Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

129 Darya Ganj situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (17 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC(Acq.) R. II on August, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 129 at Jaina's Electronics Market 2 Main Netaji Subhash Marg, Darya Ganj, New Delhi.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II,
> Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—60—46 GI|84

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4,14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE|8.83|46,-Whereas I. B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

F-101 Darya Ganj, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

has been transferred in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq.II, New Delhi, in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objet of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Jaina Properties Pvt. Ltd. Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor) (2) Smt. Kanta Rani 3/9 Roop Nagar,

Delhi-110007.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

F-101 on First Floor, Jaina Air Conditioned Market Daryagenj, New Delhi-110002, Area 67.6 sq. ft.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref No. IAC|Acq. 11|37EE|8.83|47.—Whereas I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

rand bearing Flat No.
F-132 & 133 Darya Ganj, situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred in the Office of the Registering Officer

IAC (Acq.) R. II in August, 1983 fac (Acq.) R. If in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been transfer as agreed to be transfer as agreed. parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Jaina Properties Pvt Ltd. Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Cannaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Sanai, 3|9, Roop Nagar, Delhi-110007.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garatte on a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F-132 and 133 First Floor, Jaina Air Conditioned Market Darya Ganj, New Delhi. Area: 67.6 sq. ft. each.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Jaina Properties Pvt Itd. Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Cannaught Circus, New Delhi.

(2) Kamal Kumar, 3|9 Roop Nagar, Delhi-110007. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37 EE|8.83|48.--Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

F-135 Darya Ganj, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC' (Acq.) R. II in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F-135 on 1st Floor, Jaina Air Conditioned Market Darya Ganj, New Delhi. Area: 67.6 sq. ft.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi New Delhi

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16-K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

 M|s. Garg & Company, 10 Community Centre, No. II, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi-52.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 4)14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC Acq. 11 37 EE 8.83 49.—Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. CFF-6, Adadpur, situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. CFF-6, Dilkhush Industrial Estate G.T. Road, Near Azadpur, Delhi. Area: 350 sq. ft.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incode-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 2-4-1984

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.115 Ansal Bhawan,16 K. G. Marg, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Garg & Company, 10 Community Centre No. II, Ashok Vihar Phase-II, Delhi-110052.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE|8.83|50.—Whereas I, B. L. DHAWAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing No.

Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. CFF-S8, Azadpur, situated at Delhl

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq) R. II in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. CFF-5 Dilkhush Industrial Estate, G. T. Road, Near Azadpur, Delhi. Area:, 540 sq. ft.

THE SCHEDULE

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC. Acq. II 37 EE [8.83] 52.—Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 16, Jain Park situated at Delhi

Road, Kandivili (West), Bombay-400 067 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Usha Sharma wlo Sh. Shyam Sunder Sharma, (ii) Sh. Nukal Sharma slo Sh. Inder Sain Sharma, rlo 2321 Bagichi Raghunath, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Harbans Kaur Virdee wo Sh. Kartar Singh Virdee, ro 38/4 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 16, Khasra No. 851, Jain Park Block-B Delhi.

B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi Nev Delhi

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) B. K. Loamba, F-18, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Bhanwar Lai Jain

Manmal Jain
 Pukhraj Jain,
 B-191, Man Sarover Garden,
 New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

No. 1AC Acq. II 37 EE 8.83 53.—Whereas I. B. L. Ref.

DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. C-6, Man Sarover Garden

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

may be made in writing to the undersigned: ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days to from the servcie of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitatin gthe reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. C-6, Man Sarover Garden, New Delhi.

B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 2-4-1984

FORM ITN9----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37 EE|8.83|54.—Whereas I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. UG-28 Shakti Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subservious. namely:—
61—46 GI|84

(i) T. M. Apartments Pvs. Ltd.
Additath Three House, Opp. Super Bazar.
Connaught Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Madan Mohan Sethi B-160, Gujaranwala Town, Delhi-110009.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

U/G-28, Upper Ground Floor, Jaina Cloth (A.C.) Market Shakti Nagar Chowk, Roop Nagar, Delhi. Area: 65 sq. ft.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 2-4-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37 EE|8.83|55.—Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 122, 123, 124 Darya Ganj, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jaina Properties Pvt. Ltd.
Addinath Shree House, Opp. Super Bazar,
Connaught Cheus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Vij, Clo Shilpa Electrical Trader, 327/1, D. B. Gupta Road, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space|Shop|Flat No. 122, 123, 124 of Jaina's Electrical Market 2, Main Netaji Subhash Marg, Daryaganj, Deihi, New Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date : 24-1984 Seal :

(1) M|s. Jaina Propertics Pvt. Ltd., Addinath Shree House Opp. Super naught Circus, New Delhi.

Bazar, Con-(Transferor)

(2) Shri Amit Garg, N-7, Malivia Nagar, New Delhi-110007.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUIUSITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|Acq.11[37-EE|8-83|56.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G-34, Darya Ganj situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.H on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

G-34 Jaina's Airconditioned Market, 2 Main Netail Subhash Marg, Darya Ganj, Delhi. Area 12 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. 1.. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the assessed property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-84

(1) P. S. Arvind, 24A, Cathedral Road. Madras-86.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) U. Shantha Kumari, 22, Rajaram Mehta Nagar, Madras-29 Vivekananda Royal Farm, AC 66, Shanthi Colony, Madras-40.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUIUSITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th March 1984

Ref. No. 19048.-Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing S. Nos. 19[1A, 19]2, 19[3, 19,4, situated at 19]6, 19[7, Nazerathpet, Poonamallee (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1909) in the office of the Registering Officer at Poonamalice (Doc. 4127, 4128 83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer an agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if eny, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. Nos.19|3, 19|7, 19|2 19|6,19|1A, Nazerathpet, Poonamaliee. (Doc. 4127, 4128|83).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Date: 7-3-84

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
-ACQUIUSITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1984 Ref. No. 19016.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15 14. Velacherry Road. Guindy situated at Madras, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras South (Doc. 2513, 2488, 2489|83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—69—36GI/84

- (1) Mrs. V. Shantha, 36, Mahalakshmi St., Madras-17. Mrs. Padma, 603, Mount Road, Madras-6, P. Eswar, 28 11, Pantheon Road, Madras-8. (Transferor)
- (2) Raja Charity Trust, Gandhi Kalai Mandram Road, Rajapalayam-626117 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15 14, Velacherry Road, Guindy, Madras.
(Doc. 2513, 2488, 2489|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 5-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) G. Saroja, 23, Venkatakrishna Iyer Road, Madras-28. (Transferor)

(2) S. Rajan, 24|2, 25th Cross St., Madras-90. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1984

Ref. No. 18944.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat 67A, VII Avenue situated at Velanganni Church Road, Besant Nagar, Madras-90

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 2181/83) on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 67A VII Avenue Velanganni Church Road, Madras-90. (Doc. 2181/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-3-84

- (1) P. Unnikrishnan, 28, Jayaram St., Madras-15. (Transferor)
- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. Radhakrishnan, 17, Raja St., Madras-17. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUIUSITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1984

Ref. No. 19014.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/1., Madley Road, Madras-17 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 2540 83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

THE SCHEDULE

Land at 81, Madley Road, Madras-17. (Doc. 2540|83).

R. P. PILLAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-3-84

 Raghuram Reddy, Flat C1,
 10th Avenue, Harrington Road, Madrat-30

(Transferot)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Osman Ali Khan Javid Pasha, 102, Harrington Road, Madras-31.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUIUSITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1984

Ref. No. 19015.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 210|2, situated at Thiruvanmiyur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras South (Doc. 2554|83) on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

I and at S. No. 210|2, Thiruvanmiyur. (Doc. 2554|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons namely:—

Date: 5-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADRAS-600 006

Medias-600 006, the 5th March 1984

Ref. No. 19026.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

24. Venkataenala Mudali St., shuated at Madras-5 tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tripheane (Doc. 569/83) on August, 1983

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trule stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

62—46 Gt 84

(1) Meenakshi Ammal, V. Kanagam, 11, Nagoji Rao St., Madras-5.

Transferor(s)

(2) R. Vajravathi, 12, Ayyapillai St., Madras-5, K. Vijayalakshmi, 30, Big St., Madras-5, R. Anuradha, 49, Lal Begam St., Madras-5.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 24, Venkatachala Mudali St., Madras-5. (Doc. 569|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 5-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS-600 006 NEW DELHI

Madras-600 006, the 5th March 1984

Ref. No. 19031.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

97, Dr. Besant Road, situated at Madras-14 (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred has been transferred under the Registration Act. 19

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 605|83) on August, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Hayath Basha, M. Sulthau, Khaja Hussain, Chand Basha, 97, Dr. Besant Road, Mirsahibpet, Madras-14.

(Transferor)

(2) Dhanraj B. 2, Pycrofts Road II St., Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 97, Dr. Besant Road, Madras-14. (Doc. 605|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 5-3-84

FORM ITNS----

 M. Ganesa Chetty & others
 H. St., Mettukuppam, Kathivakkam, Madaga 87.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX.ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION KANGE, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1983

Ref. No. 19033.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing S. No. 161, Pooneri situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 2643 83), on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or (2) VGP Foundation, Madras-15.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undesrigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at S. No. 161, Ponnerl. (Doc. 2643/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-11
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-3-84

(1) Shri P. Kasinathan, 29, 16th St., Madras-83.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFTAX ACT, 1961 (43 OI 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. Rajcevulochani, Plot 165, 94th St., 15th Sector, K. K. Nagar, Madras.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19284.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 165, 94th St., 15th Sector, situated at K. K. Nagar, Madras-78. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 2710|83) on October, 1983,

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 2710|83) on October, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 165, 94th St., 15th Sector, K. K. Nagar, Madras.

(Doc. 2710|83).

R. P. PILLAI.
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras 600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely-:---

Date: 2-4-84

Scal;

(1) Shri T. S. Gunapandian, C-41 (New No. 1) 92nd St., Madras-83.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri G. Sigamani, 1, 92nd St., Madras-83.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19296.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, 92nd St. Madras-83.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Kodambakkam (Doc. 2472|83- on September, 83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said enstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1, 92nd St., Madras-83. (Doc. 2472|83).

R. P. PILLAT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madins-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-84

 Shri N. Vecraswamy, 46|2, Cathedral Road. Madras-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 2nd April 1984

Ref. No. 18974.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 11, Cathedral Road, Madras-6. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Madras North (Doc. 3161|83) on September, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) SiShir R. Nagarajan, N. Ramani, N. Raman, N. Kumar, N. Sekar,

64, Cathedral Road,

Madrus 6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot 11, RS 1223|4, Cathedral Road, Madras-6. Doc. 3161|83-.

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19220.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 2098 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 15. Bharathi Road, Madras-11 situated at Perambur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Purasawalakam (Doc. 1826]83) on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S|Shri Hatim Bhai, Saifuddin, Taheer Bhai, Trustees of MESSRS Millwala Trust. 24, Broadway, Madras-1.

(Transferor)

 Shri I, Sivasubramanian, 42, Paper Mills Road, Madras-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used forcer as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15, Bharathi Road, Perambur, Madras-11. (Doc. 1826|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 2-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19198.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. 79, Dr. Rangachari Road, situated at Madras-4

No. 79, Dr. Rangachari Road, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Mylapore (Doc. 1148,83) on September 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—63—46 GI[84]

- (1) Shri V. Narasimhan, 79, Dr. Rangachari Road, Madras-4; Shri V. Raghavan, 15, 18h Cross, Malleswaram, Bangalore; Shri V. Vasudevan, 18, A. P.'s Auarters. III Campus, Hauzkhas, New Delhi-110016; Shri V. Venugopal, 36-05, 29th St., Apartment No. B|4, Astoria, New York; A|4, Avas Vikas Colony, Mall Avenue, Lucknow-220061: Shri R. Srinivasan 51, 18h Cross Malleswaram, Bangalore; Shri V. Venugopal, 18, AP's Quarters, III Campus, Hauzkhas, New Delhi-110016; Shri V. Pankaj, 36, 05, 29th St. Apartment No. 84, Astoria, New Delhi-11106 USA; Shri S. Bhuvan, A|4, Avas Vikas Colony, Mall Avenue Lucknow-1. (Transferor)
- (2) Mrs. R. Ram, 28. Poes Gardens, Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable peroperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 79, Dr. Rangachari Road, Madras-4. (Doc. 1148|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometux
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 2-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Sanjay K. Patel, Plot 1584, Anna Nagar, Madras-40 M. Kumbesalu Chetty, 12, Gandhi Avenue, Gangadeeswarar Koil St. Madras-84.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19195 .-- Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred_to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 2|49, Edward Flliots Road, situated at Madras-4. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908). in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1108/83) on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri S. Krishnan,Karpaga Villa,7. Noron I St Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 2|49, Edward Elliots Road, Madras-4, (Doc. 1108|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, pamely:—

Date: 2-4-84

Seal;

FORM TINS-

(1) Shri C. V. Narasimhan, 11, Bishon Avenue, Greenways Road, Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Geetha Raghavan,
 Justice Sundaram Road,
 Madras-4.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS

Madras-600006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19222.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot 16, Besant Avenue Road situated at Urur, Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 2586|83) on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot 16, Besant Avenue Road, Urur, Madras. (Doc. 2586|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE IT ADDRAS

Madras-600006, the 2nd pril 1984

Ref. No. 19194.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19 I Main Road, CII Colony situated at Madars-4. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Mylapore (Doc. 1107/83) on September, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. D. Subbalakshmi, 19, I Main Road, CIT Colony, Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri N. Sathappan. 10, Leith Castle St., Madras-28.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 19, I Main Road, CIT Colony, Madras-4, (Doc. 1107/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 2-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19268.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 12, Waddels Road, Madras-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. 1602/83) on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

S/Shri R. Atmaram,
 R. Viswanathan,
 P. V. Atmaram,
 Waddels Road,
 Madras-10.

(Transferor)

(2) S|Shri Rajna Nayar, Prem Kundra,6, Wuthucattan St., Periamet, Madras-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 12, Waddels Road, Madras-10. (Doc. 1602/83).

R. F. PILAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 2-4-84

 Shri T. A. Venkataraman 20, Venkatanarayana Road, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mls. Bhuvaneswari Corporation. 14|15, Old Trunk Road, Madras-43.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 2nd April, 1984

Ref. No. 19236.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

85, 85A, MKN Road, situated at Madras-32, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Saidapet (Doc. 1575/83) on September, 83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of évasion of the limbility of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 85, 85A, MKN Road, Madras-32, (Doc. 1575|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date ; 2-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19233.-Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RS 2-2-A, situated at Uthandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 2697|83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) V. V. Venkatanarayanan, 144, Kodambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) T. K. Varadhanathan,

Mrs. Lakshmi, C. M. Prasannan, C. M. Sobhanan,

C. M. Sugadhan, T. P. Unnikrishnan,

T. P. Saleem,

T. S. Kishore,

T. S. Gilsu, T. K. Sajeevan,

L-30, Flat No. G, I floor,

K. K. Nagar,

Madras-78.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 2-2-A, Uthandi. (Doc. 2697|83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Leela Selvaraj For Balagopal, 20, Il Main Road, Kasturbai Nagar, Madras-20.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(2) D. S. Mannan, 36, Kamdhar Nagar, Madras-34.

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19225.-Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 15, Kasturbai Nagar, situated at Kottur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 2651|83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land and building at Kasturbai Nagar, Madras. (Doc. 2651|83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tux Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-4-1984

(1) S. Sridhar, 65, Luz Avenue Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Padma Ramanujam, 24. I St Abiramapuram, Madras-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19193.—Whereas. I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property7 having a fair marnet value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. RS 3595 51, Luz Avenue, situated at Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1106|83) on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 3595 16, 51, Luz Avenue, Madras 14. (Doc. 1106/83),

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---64-46 GI 84

Date: 2-4-1984

P. V. Narayanaswamy,
 JII Main Road, U. I. Colony.
 Madras-24.

(Transferor)

(2) T. Subbulakshmi, 48, Sarangapani St., Madras-600 017.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19179.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing
No. 3, III Main Road, UI Colony situated at Madras-24. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 2830|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlib-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 3, III Main Road, U. I. Colony, Madras-24.

(Doc. 2830|83),

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19218.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster 1eferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 59, Pillayar Koil St., situated at Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 676|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (-of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Braganayaki,
 Pillayar Koil St.,
 Madras-5.

(Transferor)

(2) U. Mokka Mayan, 1, Lal Begum St., Madras-5.

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 59, Pillayar Koil St., Madras-5. (Doc. 676|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date . 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19342.—Whereas 1, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 24 3, 26 1, 27 1, 35 1, 35 2, 27 2, 27 3, 35 3, 36 1, 36 2, situated at Ayanallur, Gummidipundi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transerred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 154 to 156, 159 to 161|83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 T. V. T. Nanjappan, Gandhinagar, Lahi Bazar, Salem-9.

(Transferor)

(2) P. Subramaniam, 269, T. H. Road, Madras-21,

> P. J. Guruvappa. 6, Ratnasabapathy Mudali St., Madras-21.

G. Subramaniam, 3A, Kothandarama Iyer St., Madras-21.

Nasika Neclakantam, 4, Arani Gangan St., Madras-21.

Neeli Nageswara Rao, 4, Arani Gangan St., Madras-21.

(Transferee)

Objections, if anyy to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein; as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 24|3, 26|1, 27|1, 35|1, 35|2, 27|2, 27|3, 35|3, 36|1, 36|2, Ayanallur, Gummidipundi. (Doc. 154 to 156, 159 to 161|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Madras-600 006

Date: 2-4-1984

FORM ITNS----

Vimal D. Ranka, Mrs. Chandra Ranka, Nungambakkam High Road, Madras-34. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harikishandas Bimal Kumar Jalan Bimal Kumar Jalan, Kanak Jalan, Bimal Kumar Jalan, Prasant Kumar Jalan, 9, Wallace Garden, Madras-6. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-!!, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19286.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 147 situated at Greames Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transerred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Thousandlights (Doc. 97/83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Secton (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 147, Greames Road, Madras (Doc. 97[83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 2-4-1984.

(1) Sivaboosanammal, 67, Vellalar St, Madras-84. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) N. R. Jagannathan, 4, Venkatachala Achari St., Komaleeswarapet, Madras-2. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19259.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 2, situated at Burkit Road, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1210|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 2, Burkit Road, Madras-17. (Doc. 1210|83)

THE SCHEDULE

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19202.—Whereas I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 4, Srinivasa Avenue, situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1182|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Chandrarajan, 17, Karpagambal Nagar, Madras-4. (Transferor)

(2) B. V. Meenakshisundaram, 12, Anandapuram, Dr. Rangachari Road, Madras-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4. Srinivasa Avenue, Madras-28. (Doc. 1182]83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madres-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1984

(1) Rohini Dairy Farming, 45, Millers Road, Madras 10.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) .

(2) Empee Distilleries (P) Ltd. 693, Mount Road, Madras-6.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19224.—Whereas, J. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing S. No. 79|2A situated at Neclankarai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 2641/83) on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 79 2A, Neelankarai (Doc. 2641 83)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-4-1984

 Gopichand Idandas, Gordhardas Idandas, 10, George Avenue, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Bharati M. Mahtani, 62, Sterling Road, Madras-34.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19251.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, Kasturi Estate situated at Madras-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 114/83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

65-46 GI/84

and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 8, Kasturi Estate, Madras-86. (Doc. 114/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19082.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Kalmanda, 108, Nugambakkam High Road, situated at Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Thousandlights (Doc. 69[83) on September 1983 for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

 V. Nallendram Pillai, 10, Tank Bund Road, Madras-12.

(Transferor

(2) P. Gangalah Naidu, Kamma St. Madanapallee, Chittoor Dt. *

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalmanda, 108, Nungambakkam High Road, Madras-34. (Doc. 69|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date: 2-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19078.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Plot No. 82 & a house contrusted thereon No. Kalmanda, 107, Nungambakkani High Road, situated at Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer

at Thousandlights (Doc. 64|83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mis. Century Flour Mills Indian Chamber Building, Esplanade, Madras-1. (Transferor)
- (2) M. C. Padmanabha Reddy, Kamma St., Madanallee, Chittoor St. AP.

('Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalmanda, 107, Nungambakkam High Road, Madras-34 (Doc. 64[83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006. the 2nd April 1984

Ref. No. 19303.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority Under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 242. Peters Road, situated at Madras-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 139/83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Syed Khaleel Ahmed, Rakheebunnissa Begam, 20, Raza Hyder St., Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

(2) V. l. Fareeda Parveen, 1|2, Masilamani Mudaliar Hostel Road, Vellore-632 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 242, Peters Road, Madras-14. (Doc. 139|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Dae: 2-4-8-4 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19307.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 67, Mc Nichols Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 165|83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 C. Murali Krishna, C. Mohnaakrishna, C. Venkateswaralu, 17, Reddy Raman St., Madras-1.

(Transferor)

(2) T. Amudha, C. Padma, R. Radha, R. Andal, R. Arundathi, 25, Sir C. V. Raman Road, Madras-18. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 67, Mc Nichols Road, Chetput, Madras. (Doc. 165|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IL Nadras

Dae: 2-4-84

Seel:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19305.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing

No. 98|38, Mowbrays Road, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madras Central (Doc. 146|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Rama Enterprises,
 Raghava Veera Road, Poes Garden,
 Madras-86.

(Transferor)

(2) Ashok Asrani 41|10 Ritherdon Road, Madras-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 98|38 Mowbrays Road, Madras-18 (Doc. 146|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date: 2-4-1984

(1) Rama Enterprises, 5, Raghava Veera Avenue, Poes Garden, Madras-86.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramana Musvee, 131, Greames Road, Madras-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19304.—Whereas, I, R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. 98|3-B, Mowbrays Road, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 145|83) on Sepember 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 98|3B, Mowbrays Road, adras (Doc. 145|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1984

(1) R. Rajagopalan, MIG Flat No. E3, T. B. Road, Madras-35.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

• (2) R. Shantha, 12, I St., Madras-35.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19306.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. Flat M 3, situated at T. B. Road, Madras-35
(and more fully described in the Schedule annexed here(a) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 149/83) on September 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat M3, T.B. Road, Madras-35 (Doc. 149/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref No. 19343.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. Plot C, 5, Mowbrays I Cross St, stuated at Sri Ramnagar, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Madras Central (Doc. 59|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lakshmi Ramachandran, 5, Mowbrays 1 Cross St. Sriramnagar Madras-18.

(Transferor)

 Dr. S. Muthurajan, 6, Srinivasa Avenue Road, Madras-28.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot C. 5, Mowbrays I Cross St. Sri Ram Nagar, Madras-18 (Doc. 131/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Rcf. No. 19355.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 20, Basant Nagar, situated at Oorur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, '1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 1.1112/83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

()) V. Lakshmanan, 1/2, 4th St., Abiramapuram, Madras-18.

(Transferor)

(2) Atchuyut R. Chundur, 32, Sreeman Srinivasan Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I'nnd at TS 20, Besant Nagar, Oorur (Doc. J.1112/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date: 2-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 19201.—Whereas, I R. P. Pillai being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, Kamaraj Salai Madras-28 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1181|83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chandrarajan, 17, Karpagambal Nagar, Madras-4.

(Transferor)

(2) G. Vaidyaumun, 19, West Circular Road, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4, Kamaraj Salal, Madras28 (Doc. 1181|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income lax
Acquisition Range-II, Madras

Dae: 2-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 6th April 1984

Ref. No. 19258.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 113, Usman Road, Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1064, 1065, 1066, 1067|83) on September 1983

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the timesfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mrs. M. Seethalakshmi, M. Venkatesan, Mrs. Uma Devi 3, Radhakrishnan St., Madrus-17. (Transferor)
- (2) S. G. Chellappa, 57, Pinjala Subramaniam St Madras-17, K. Krishuamachari, K. Rajagopal, 113, Usman Road, Madras-17 K. R. Chockalingam, 46, Perumal Koil St Madras-15 R. Santhanaraman, 14, Damodaran St., Madras-17.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 113, Usman Road, Madras-17 (Doc. 1064, 1065, 1066, 1067|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition range-II, Madaas-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th April 1984

Ref. No. 19081.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a air market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

and bearing No. No. 27 Veerabadra St., situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 73/83) on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°C of the said Act, to the following persons, na nely:—

(1) T. C. Dorairangam, 27, Veerabadra St., Madras-34.

(Transferor)

(2) P. S. Madhavan, 10, 1 St., Bharathi Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the motice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 27, Veerabadra St., Madras-34. (Doc. 73|83).

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax
Aquisition Range-11
Madras-600 006

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th April 1984

Ref. No. 19241.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to beleive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing.

No. 28, V Main Road, RA Purang situated at Madras-28, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Mylapore (Doc 1195/83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said -Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. Jambunathan, 473, New Somwar St., Poona, Maharashtra.

(Transferor)

(2) Dr. S. R. Ramamurthy Thayagam, 345, K. K. Nagar, Madurai-20.

(Transferce)

Objections if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 28, 5th Main Road, RA purath, Madras-28.

(Doc. 1195[83)

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Madras-600 006

Date : 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Karthik Chander, M6, IV Main Road, Besant Nagar, Madras-20.

(Transferor)

 K. S. Rajan and Mrs. Lakshmi Rajan 19, Warren Road, Madras-4.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th April 1984

Ref. No. 19246.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS 3991|22, 59, II Main Road, situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylapore (Doc. 1221/83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 59, Second Main Road, Madras-28. (Doc. 1221/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assissant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Lalitha, 21, III Main Road, Srinagar, Colony, Madras-15.

1, Hindi Prachar Sabha Road,

(2) Jayaprada,

Raja Babu

Madras-17

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th April 1984

Ref. No. 19288.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. 64, Nungambakkam High Road, situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thousandlights (Doc. 92|83) on September 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

And and building at 64, Nungambakkam High Road, Madras-34.
(Doc. 92|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assissant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1984

Industries, 4, Moores

4, Moores Road, Madras-6. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th April 1984

Ref. No. 19252.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

RS 1415, Vijayaraghavachari Road, situated at

Teynampet, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras Central (Doc. 116/83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mohammed Asgar Jan, Trustees Jansons Investments, 75-76, Commercial Road, Bangalore-560001.

(2) Mohammed Azam Jan &

(1) East Coast Constructions &

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 1415, Vijaya Raghavachari Road, Teynampet Madras.
(Doc. 116|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assissant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
67—46 [II]84

Date: 6-4-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) R. Damodaran, 411, Vysial St. Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sree Katteri Textiles, 259A, D. B. Road, RS Puram, Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th April 1984

Ref. No. 13186.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 15|10-4-Bharathi Park Road, situated at Telungupalayam,

Coimbatore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3327/83) on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15/10-4, Bharathi Park Road, Telungupalayam, Coimbatore. (Doc. 3327/83).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-4-84.

(1) Muthammal, 23, Rajaji Road, Ramnagar, Coimbatore.

(Transferor)

(2) K. Puranachandran, 21, Light House Road, Coimbatore.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th March 1984

Ref. No. 13155.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a faiir market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Rs. 26,000|- and bearing Rs. 2

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS No. 9123, Anupperpalayam, Coimbatore. (Doc. 3448[83).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-3-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th March 1984

Ref. No. 19080.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Kalmanda, situated at RS. No. 106|2, 105, Nungambak-kam High Road, Madras-34

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 71/83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) Siyabagyam, G. Neclambigai, . Mrs. C. Sakuntala, T. Sivakumar, T. Ravichandran, 7, Brahadambal St., Madras-34, N. Chockalingam, 33 5, Gajapathy Naidu St., Madras-30.
- (Transferor) (2) T. T. Visuvasam, 28, Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalmanda, 105, Nungambakkam High Road. Madras-34. (Doc. 71|83).

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 24-3-84.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1984

Ref. No. 19197.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 36, Sir C. P. Ramaswamy Road, situated at Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bylapore (Doc. 1118 83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the (fability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afontsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dr. E. Rajeswaran,
 Sir C. P. Ramaswamy Road,
 Madras-18.

(Transferor)

(2) L. S. Gopalakrishna, L. S. Lakshminarayanan, L. Dharmambal, 233A, R. K. Mutt Road, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 36, Sir C. P. Ramaswamy Road, Madras-18. (Doc. 1118|83).

R. P. PILLAI,
Competent Anthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 19-3-1984. Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sanjay K. Patel, Plot 1584, Anna Nagar, Madras-40, M. Kumbesulu Chetty, 12, Gaudhi Avenue, Madras-84.

(Transferor)

(2) R. Sankaran, 47, Muthiah Mudali St. IInd St. Madras 14.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th March 1984

Ref. No. 19196.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. RS 1075 4, situated at Edward Elliots Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 114|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 1075|4, Edward Elliots Road, Madras. (Doc. 1114|83).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1984.

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1984

Ref. No. 19234.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

TS 14, 15, Plot No. 27 situated at Saidapet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 1554|83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition for the aforesaid property by the issue of this notice under subsection, (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) E. Santhanagopalan, 7, 24th St., Nanganallur, Madras-61,

(Transferor)

(2) P. A. Namasivayam, 116, Bazaar Road, Madras-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter,

THE SCHEDULE

Land at TS 14, 15, Plot No. 27, Saldapet, Madras. (Doc. 1554|83).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 19-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) G. Leoladharan, 52|2, MIG Flats, Madras-83.

(Transferor)

(2) T. M. Muthukasim, 74, Usman Road, Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th March 1984

Ref. No. 19300.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
MIG Flat 2, Ashok Nagar, situated at Madras-83 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 2508|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at MIG Flat 52|2, Ashok Nagar, Madras-83. (Doc. 2508|83).

R. P. PILLAI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-3-1984.

FORM ITNS ----

(1) P. Govindaswamy, Brahadambal St., Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Krishnamohan, Kolakpet, Hyderabad A.P.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF, THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600006, the 24th March 1984

Ref. No. 19079.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000]- and bearing No.

106, Nungambakkam High Road, situated at Madrus-34

situated at Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 65/83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Kalmanda, 106, Nungambakkam High Road, Madras-34. (Doc. 65|83)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--68-46 GI 84

Date: 24-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 23rd March 1984

Ref. No. 19211.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, South Mada St., Srinagar situated at Colony, Venkatapuram, Madras-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 2492|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lakshmi Shankar K. Shamder, M2, Sudarsana Garden, 102, Velacherri Road, Madras-32.

(Transferor)

(2) Jayalakshmi,
K. Asokan,
K. Vasudevan,
K. Padmanabhan,
11, Bishop Garden,
Greenways Road,
Madras-28.

.(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 12, South Mada St., Srinagar Colony, Venkatapuram, Madras-15.

(Doc. 2492|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-60006

Date: 23-3-1984

1) R. Shaffi Ahmed, 8, IV St., Thirumurthy Nagar, Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. Sreedevi, 1, Bishop Wallers
Avenue South CIT Colony, Madras-4.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 19th March 1984

Ref. No. 19151.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market Rs. 25,000|- and bearing value exceeding

No. 2, Hanumantha Rao Road, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 862|83) on August 1983

and /or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 2, Hanumauthi Rao Road, Madras-(Doc. 862|83)

> R. P. PILLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

. Date: 19-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 19th March 1984

Ref. No. 10488.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reas n to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. RS[1, 77]2, 3, 5, 6, 7, 8, 9, sotuated at 10, 11, 12, 14, Madampalayam, Sathy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Punjaipulampatti (Doc. 1049|83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Periamuthuswamy Gr. M. Sivaswamy, Arukkanthottam, Madampalayam.

(Transferor)

(2) Ramaswamy, Muthu, Balasubramanan, A. Rangaswamy, Arukkanthottam, Madamalayam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS. No. 77]2, 3, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 14 Madampulayam.
(Doc. 1049[83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-3-84

-- -

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

AX AC1, 1901 (45 OF 1901)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 20th March 1984

Ref. No. 19035.—Whereas, t, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No.

Plot No. 102, S. No. 58|1, 58|3, situated at Thirukkazhu-kundram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 2661/83) on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chinnammal, 23|20, Luz Avenue, Madras-4.

(Transferor)

(2) Subhadra Golada, 42, Venkatnarayana Road, Madras-17.

(Tansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein assare defined in Chapter XXA of the said Actionall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 102, S. No. 58|1, 58|3, Thirukkazhu-kundram.
(Doc. 2661|83)

R. P. PILLAI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II

Madras-600 006

Date : 20-3 84 Scal :

(1) K. Savithri, 10, Sivaprakasam St., Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) S. Jayalakshmi 15 North St., West CIT Nagar, Madras-35.

(Tansferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras, the 13th March 1984

Ref. No. 19149.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No.6, Ramanathan St., situated at Madras-18 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 855 | 83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 6, Ramanathan St., Madras-17. (Doc. 855|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-84

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

B. Sambandam,
 Arasappa Mudali St., Madras-7.

(Tansferor)

(2) V. Balasubramanian, Sannadhi St. Thiruverkadu.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 19th March 1984

Ref. No. 19169.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing
No. 19, Somasundaram Mudali St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 886|83 on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) be any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at 19, Somasundaram Mudali St. Madras-17. (Doc. 886|83)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-3-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS-600 006

Madras, the 19th March 1984

Ref. No. 19154.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 8 Dr. Thirumurthy Nagar, 4th situated at St., Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of Thousandlights (Doc. 39[83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. Sundaresan, 194. Rajaji Road,
 Block 12, Neyveli 607 803
 G. Subramanian, 2/6, Platform Road,
 Bangalore-20.
 N. Sankar, 20, Arcot Mudali St. Madras-17.

(2) R. Shafi Ahmed, Mrs. Farida Safi Ahmed, 2, Hanumantha St., Madras-17.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person imterested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 8, Dr. Thirumurthy Nagar, 4th St., Madras-34. (Doc. 39'83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-3-84

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II. MADRAS 600 006

Madras, the 22nd March 1984

Ref. No. 19106.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Plot No. A 53, Thelakkancherri situated at

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under

the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Alandur (Doc. 2743/83) on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

(1) S. V. L. Narayanan, 42. State Bank Colony, Nanganailur Madras-61. (Transferor)

(2) P. 1. Saraswathi, 27. Hindu Colony, Madras-61.

(Tansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and at Plot A 53, Thalakkancherri. (Doc. 2743/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 22-3-84 Seal:

69 --46GI|84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 17th March 1984

Ref. No. 19099.-Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS 3671, Bawa Rowther Road, situated at Madras-18 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 78|83) on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) V. Sudhakar, 15, Bawa Rowther Road, Madras-18.
- (Tansferor) (2) Mohanlal C. Sanghvi, Susheela M. Sanghvi, 18, Rundalls Road, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 3671, Bawa Rowther Road, Madrae-18. (Doc. 78|83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inklate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :--

Date: 17-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 19th March 1984

Ref. No. 10457.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2271 1A38, situated at Coonoor

(and more fully described in the Schedule annexed heroto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Octy (Doc. 1063/83) on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fear market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mahendra Kumar Kirthilal Ahamsal Wood Art, Coonoor.

(Transferor)

(2) Susheela M. Jain Vald, 315/9, Samrat Bhavan, 1715, Cross Jawahar Nagar, Goregaon, West Bombay. (Transferee(s))

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the resupertive persons, whichever period expires later:
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereiv as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 2271/1A38, Coonoor. (Doc. 1063/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 19-3-84

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 19th March 1984

Ref. No. 10483.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

No. 143, S. No. 566, 568|2, 569, situated at Bilichi, Coimbatore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a Perianaickenpalayam (Doc. 1686|83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

 N. Jogi, N. Andi, N. Sevanan, N. Mathan, N. Ajjan, J. N. Raman, N. Dharma Rajan, Ralammal, Kuppiammal, Jakkanarai, Kotagiri, Nilgiris.

(Tansferor)

(2) M. Chendrasekaran, M. Gopalakrishnan, M. Thiagarajan, M. Balasundaram, M. Gurumurthy, Co-Operative Colony, Mettupalayam.

(Transferor(8))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires rater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 2|143, S. No. 566, 568|2, 569, Bilichi. (Doc. 1686|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 19-3-84

Soal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 20th March 1984

kef. N 18979.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

40, Dhanapal Chetty St., situated at Madras-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Pointration Act 1908 (16 at 1908) in the

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at

Madras South (Doc. 2559)83) in August 1983 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Rukmani, 40, Dhanapul Chetty st., Madras-33.

(Transferor)

N. Sundarababu & Usharani,
 Office Venkatachala Mudali St.,
 Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 40, Dhanapal Chetty St., Madras-33. (Doc. 2559[83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-60006

Date: 20-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600006 the 19th March 1984

Ref. No. 13179.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

TS 12 104 2, Sanganur, Coimbatore situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the

Office of the

Registering Officer at TS/12/164/2, Sanganus, Coimbatore, situated at Gandhipuram, Coimbatore (Doc. 3075/83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) C. A. Rajadurai, 8, R. R. Lay out, Mettupalayam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. Subramaniam, 11, Thiruvenkataswamy Road, R. S. uram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land at TS No. 12|104|2, Coimbatore. (Doc. 3072|83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006 the 15th March 1984

Ref. No. 13190.—Whereas, I, R. P PILLAI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding TS. No. 1277, 193|2, Ganapathy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act; 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 3573, 3574, 3576, 3577/83) on August 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- K. Dhamodaraswamy, C. N. Dorairaj,
 S. Dheenadayalan, Ananthanarayanan,
 V. Kannan, R. Rangaswamy and S. Rajendron,
 12A, Arokiaswamy Road,
 R.S. Puram, Coimbatore.
- (2) S. Meenakshisundaram, S. Ganapathy, S. Sornam, M. Shanmughasundaram, 11|63, Mecrigan Road, R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 193|2, 11|1277, Ganapathy. (Doc. 3573, 3574, 3576, 3577|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-60006

Date: 15-3-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) V. S. Shanmugham, V. S. Kulandaivelu, V. S. Chianaswamy, V. C. S. House, Granambika Mills, Fort, Coimbatore-29

(?) M₁5 Sayaldas Madhaydas, 250, Subbiah Mudaliar St., Coimbatore-64001.

(Transfr**ec**)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006 the 26th March 1984

Ref. No. 13158.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing House in Plot No. 12 situated at 16|280, 281, 282, 283, 283A, (Rangei Gowder St.) situated at Mettupalayam Road, Colmbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3525 to 3527|83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 16/280, 281, 282, 283, 283A, Rangai Gowder S., Mettupalayam Road, Colmbatore. (Doc. 3525, 3526, 3527|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: ?6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 26th March 1984

Ref. No. 13152.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 264, 267, situated at Singanallur, Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act 1961, in the Office of the Registering Officer at

Pollachi (Doc. 1870, 1871|73) on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
70—46G184

(1) R. Subramania Boyan, Vijayan, Sindhilan, Doraiyan, Ramaswamy, Ramathal, Kottampatti, Pellachi.

(Transfror)

(2) S. Kurshidkhan, 5. Vaniyar St., Coimbatore.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land a S. No. 264, 267, Singanallur Pollachi. (Doc. 1870, 1871/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-60006

Date: 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE, INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 19th March 1984

Ref. No. 19146.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, Co-operative Colony, situated at Alwarpet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc 95, 96|83) on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Nadumaran, Soundaravalli,
 Co-operative Colony,
 Alwarpet, Madras.

Sumathi,
 Co-operative Colony,
 Madras.

('Fransferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 9, Co-operative Colony, Madras. (Doc. 95, 96|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600006

Date: 19-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th March 1984

Ref. No. 19097.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

4A, 4B, Crescent St, ABM Avenue situated at Adyar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras Central (Doc. 71, 72|83) on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, pamely:—

 C. G. Ramanathan, C. G. Gopalan, 15, Adyar Club Gate Road, Madras-28

(Transferor)

 Di. A. Natesan, Mrs. Saraswathi Natesan, 15, 8th St., Gopalapuram, Mdaras-86.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 4A, 4B Crescent St., ABM Avenue Adyar, Madras. (Doc. 7, 72[83])

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range II
Madras-600006

Date: 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006 the 26th March 1984

Ref. No. 19161.—Whereas, R. P. PILLAl being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

RS 34 Adyar situated at Injambakkam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 2474, 2475[83) on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

K. S. Krishnamurthy,
 Rutland Gate IV St.,
 Madras-6.

Mrs. Akkamma Krishnamurthy,
 Rutland Gate IV St.,
 Madras-6.

(Transferor)

(Transferce)

4, Rutland Gate IV St., Madras-6.

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 19, Saidapet, Injambakkan (Doc. 2474, 2475]83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600006

Date: 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madias-600006, the 26th March 1984

Ref. No. 19176.—Whereas, I. R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 18|2, 32|2, 33, 26|28, 21|7, situated at 21|8, 21|4, 21|3A, Penneri Tk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 2896, 2757, 2819, 1820|83 on August 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightlity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. G. Kannubai, M.K.G. Amarbabu, Hariprasad, M. K. G. Selvaraj, Hari Kumar, 7. Arimuthu St., Madras-5, Sridevi Ammal, Kadamanjeri, Velur, Ponneri M. K. Subramania Reddiar, Athipattu, Ponneri Tk. Chingleput.
- (2) V. G. P. Golden Farm, V.G.P. Square, Saidapet, Madras-15.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 18[2, 32[2, 33, 26]28, 21[7, 21]8, 21[4, 21]3A, Puzbuthiyakkam, Ponneri.

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600006

Date : 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madras-600006, the 23rd March 1984

Ref. No. 19177.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing RS. No. 3762[3, Parsan Complex, situated at Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred. has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 2960, 2961|83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); (1) Persn Foundation and Engineering Construction, 601, Mount Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Dr. D. Arulselvi, Arulagam 133, Chamiers Road, Madras-35.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 3762|3, Parsn Complex, Madras-6.

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 23-3-1984

- (1) A, Sulochana, 81, Thilainagar VII Cross, Sundarampillainagar, Trichy.
 - (Transferor)
- (2) Chinna Alagappa Chettiar. 16, Thillainagar Extn. Swaminatha Shastri Road, Trichy

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600-006, the 13th March 1984

Ref. No. 10485.—Whereas 1, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and

No. 81, Thillainagar VII Cross situated at Sundarampillar Nagar, Trichy,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Woraiyur (Doc. 2062|83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in pespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Thillainagar VII Cross Trichy (Doc. 2062 83)

> R. P.PILLAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-3-84

D. C.C. 7 . 1000

FORM, ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOM! -TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th March \$4

Ref. No. 10545.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 15 to 18, Jawaharlal Nehru Road, situated at Villpuram (and more fully described in the schedule annexed herto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908—in the office of the Registering Officer at Villupuram (Doc. 1479|83) on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Perundevi, Dharman, Kasturirangan Suryakumar, Maithili, Nehruji Road, Villunuram

(Transferor)

(2) P. Natarajan, 4, Thodi St. Vettavalam, R. Govindaraj, East Hanumar Koil St., Villupuram, A. Shanmugham, 2, Thirukural St., Villupuram, T. R. Seethakrishnan, Chidambaram St West Shanmughapuram, Villupuram, S. Ravindran 23, Thiruppanazhavar St, East Shanmughapuram Villupuram, S. Arumugham, 16, Ranganathan Road, Poonthotam, Villupuram, Subramanian, 4A, Chokkalinga Murali St East Shanmughapuram Villupuram

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at ,15 to 18. Jawaharlal Road Villupuram,

(Doc. 1479|83)

R. P.PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600006, the 14th March 1984

Ref. No. 10544.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 21, EVS St., Ranganathupuram, situated

at Satanfiam Gandhi Road, Trichy
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act., 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirangam (Doc. 2587|83— in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer winth object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) T.P. Dorairaj, 21, EVS St. Ranganathapuram, Srirangam, Trichy T. P. Ramakrishnan, 296, Olavakode, Railway Colony Palghat, Kerala

(Transferor)

S. Anthoni Udayar, Nuthangammai Siyagangai, Ramnad Chinnappan, 65, Chunnambukara St. Trichy. Nalayini and Kamaraj, 8, Kasipalayam, Trichy (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 21, EVS St., Ranganathapuram, Srirangam, Trichcy. (Doc. 2587 83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 14-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX_

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600-006, the 13th March 84

Ref. No. 10459.—Whereas, , I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Thivruvarur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Acc. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

Thiruvarur (Doc. 1805|83) on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mohammed Hussain, Main Road, Porulvathacheri, Nagapattinam.

(2) G. Kumar, 1.62 Main Road, Andipalayam, Nagapattinam, (Transferor)
(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Thiruvarur, Nagapattinam (Doc. 1805|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Joseph Prabhu Executor, Law Chambers Ooty

(Transferor)

(2) P. Sankaran S|s. Kunjunni, Relillys Compound, Coonoor

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT - COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600006, the 14th March 84

Ref. No. 13148.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. RS 1179, Coonoor situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Couty (Doc. 1064 83)

in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made, in writing to the undersigned:—

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at RS 1179 Coonoor (Doc. 1064|83)

R. P. PH LAU
Consistent Authority
Impecting Asst. Commissioner of Income (ex.,
Acquisition Range-II, Madras-609 00)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600006, the 14th March 1984

Ref. No. 13146.-Whereas, I. R. P. PILLAI,

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. S. No. 843 R9, situated at Shickadasampalayam,

Mettupalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mettupalayam (Doc, 1656|83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nod/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) K. K. Ramaswamy, Kutharipalayam, Chickadasampalayam, Mettupalayam Tk

(Transferor)

(2) R. Vijayakumar So. P. R. Ramaswamy Lakshana Cotton Spinning & Processing (P). Ltd. 7/8, Nehru Stadium, Coimbatore

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 843 R9, Chickadasampalayam, Mettupalalyam (Doc. 1656[83)

> R. P.PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 14-3-84

(1) S. M. Farook, West St. Devipattinam, Ramanathapuram Dt.

([ransferor)

(2) Alagu Meenal, 6, Hensman Road, Madras-17.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 14th March 1984

Ref. No. 19011,—Whereas, I

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

6, Hensman Road, Madras-17

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Atc 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar

(Doc. 899[83) on Aug. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 6, Hensman Road, Madras-17. (Doc. 899|83),

> R. P. PILLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 19th March 1984

Ref. No. 19111.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 23, Judge Jambulingam situated at

Mudaliar Road, Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mylapore (Doc. 1049|83)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. K. V. Ramanathan, K. V. Viswonatha K. V. Ananthanarayanan, K. V. Mahadevun, K. V. Venkatraman, 23, Judge Jambulinga Mudaliar Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) Smt. Jaya Srinivasan, 59, Cathedral Road, Madras-86,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the aervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 23, Judge Jambulingam Mudaliar Road, Madres-4. (Doc. 1049|83).

R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600-006.

Date: 19-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 17th March 1984

Ref. No. 5 Aug. 83.—Whereas, I, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000|- and bearing No. S. No. 356|1, situated at

Muthugapatty village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Sendamangalam, (Doc. No. 962|83)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value o fine property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ramasamy Gounder, Power Agent, Slo Sellamba Gounder, Karuppa Gounder, Slo Perianna Gounder, Reddipatty & P.O., Namakkal T.K.

(Transferor)

(2) Kaliapimal, Wlo Kumaresan, Muthugapatty & P.O., Namakkal T.K.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural land at No. S. No. 356|1, Muthugapatty village, Doc. No. 962|83).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 17-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGENII, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 17th March 1984

Ref. No. 8|Aug.|83.—Whereas, I,

R. P. PILLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

bearing No. Old T.S. No. 5, situated at Andipatty village, Annathanapatty Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

Under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadagopatty, (Doc. Nos. 2498, 2527 83)

In August 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sivagami Ammal, Wo Govindasamy Pillai, M. G. Rangasamy, G. Kandasamy, G. Arumugam, M. G. Ramakrishnan, R. Vijayalakshmi, Bala Thirupurasundari, Srinivasan, Sangagiri Main Road, Tadagapatty village, Salem Town.

(Fransferor)

(2) G. Panneerselvam, P. Susila, So Gopal. Mettu Street, Tadagaptiy, Salem Town. S. A. P. Varadarajan, K. Krishnaraj, A. Periasamy. Sivanar Chetty Street, Kugai, Salem Town.

(Tiansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at Old T.S. No. 5, Andipatty village, Annathanapatty Madurai, (Doc. Nos. 2498, 2527|83),

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 17-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th March 1984

Ref. No. 24|Aug.|63.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 314,

situated at Manalur village, Manamadurai T.K., (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, (Doc. No. 450|83) on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
72—46GI|84

(1) A. M. Pandi, Manalur village, Manamadurai T.K. Madurai Dist,

(Transferor)

(2) Shri V. Swaminathan, 3|3, Kumara Koil Street Cuddalore O.T., S.A. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at R.S. No. 314, Manalur village, Mana-madurai T.K., Madurai Distt.
Doc. No. 450[83].

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i|0)
Madras-6000 006

Date: 17-3-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th March 1984

Ref. No. 36/Aug. 83.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 412, situated at K. K. Nagar Tallebular Market No.

situated at K. K. Nagar, Tallakulam, Madural North T.K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officeer at

the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Tallakulam (Doc. Nos. 3505, 3506|83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) J. N. Thattha, s|o J. C. Thattha, Shanthi village, Madurai Dist.

(Transferor)

(2) Mr. Mohammed Marzock, slo Mohammed Shaik Alavuddin, 26-A, Mela Avani Mula Veethi, Madurai Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid presons within a period of 45 days from the date of publications of this motion in the Official Gazette or a period of 39 slays from the service of notice on the respective sportages whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said interested and the said interested and the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Plot No. 412, K. K. Nagar, Tallakulam, Doc. Nos. 3505 3506 83),

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i|c)
Madras-600006

Date: 17-3-1984

 O. S. Olimuthu Pillai, 17, 3rd Street, Perumal Puram, Palayankottai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Androo Joseph, 10, Korenga Shala Nainar Street, Palayankottal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th March 1984

Ref. No. 51 Aug. 83.—Whereas I, R. P. PILLAI, feing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

S. No. 456 2, Door No. 17, Kulavanigarpuram village, situated at Co-operative Building Society, 3rd Street, Plot No. 48 (and more fully described in the Schedule appared hereto)

S. No. 456|2, Door No. 17, Kulavanigarpuram village, situated at Co-operative Building Society, 3rd Street, Plot No. 48, (and more fully described in the Schedule annered hereto), believe that the fair market value of the property as afore-tender the Registration: Act, 1908 (16 of 1908) in the office section (1) of Section 269D of the said Act, to the following of the Registering officer at

of the Registering officer at
Melapalaym, (I. No. 116/83) on August 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforetaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the subject of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section ?69D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 17, Plot No. 48, 3rd Street, Co-operative Building Society, Kulavanikar Puram. I. No. 116/83).

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax,
Acquisition Range-I (i|c)
Madras-600 006

Date: 17-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 T. V. Appuswamy, slo Venkatachalamaiyer, 5|5, Thirumalai Kolundupuram, Melapalayam.

(Transferor)

 R. Subbaraman, s|o S. Rajagopal,
 Mata Mela Street, Tirunelveli-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th March 1984

Ref. No. 52 Aug. 83.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. situated at Kulavanigapuram village, Palayamkottai (and more fully described in the Schedule annered hereteo), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Melapalayam (I. No. 131/83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at No. 19, Ward No. 29, Kulavaniga Puram, Palayankottai, I. No. 131[83].

THE SCHEDULE

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-I (i|c)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely

Date: 17-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

SIONER OF INCOME-TAX,

Madras-600 006, the 1.3th March 1984

Ref. No. 82 Aug. 83.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269 D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 13 situated at Venugopal Avenue, Chetput, Egmore T. K. Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at
Pariamet, (Doc. No. 980[83] on August, 1983
has been transferred Bangalore on 8th July 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaidi property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as signed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income sarising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs Annamma Verghese
13, Venugopal Avenue, Chetput, Madras-31.

(Transferor)

(2) Mrs. Rani Sundara Raj Venugopal Avenue, Chetput, Madras-31,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Oficial Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 13, Venugopal Avenue. Chetput, Egmore T. K. Madras.

(Doc. No. 890|83)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-L Madras-600 006

Date: 17-3-1984

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri J. Natarajan, 97, Kalava Chetty St., Chintadripet, Madras-2.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar Dhanuka 97-A, Lakshmaña Swamy Road, K. K. Nagar, Madras.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th March 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. 19134.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Plot No. 115, K. K. Nagar situated at (and more fully described in the Statistical actions of the statistica

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. No. 2305) in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the Morcaid persons within a period of +3 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sind Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at plot No. 115, K. K. Nagar, Madrae, (Doc. 2305|93)

R. F. FILLAI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sall Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th March 1984

Ref. No. 19162.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50, Ganga Nagar, Madras-24 situated at—
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 2682/83) in August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) C. Sambamurthy, Mrs. C. Umamaheswari 50, Ganga Nagar, Madras-24.

(2) K. Murali Prasada Rao, Mrs. K. Jamala, 41, Pudupet Garden Street, Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days, from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 50, Ganga Nagar, Madras-24. (Doc. 2682|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 14-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th March 1984

has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at T. Nagar (Doc. 824/83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Manohar P. Baaj, Girdhari M. Dusija, 18, Dr. Alagappa Chettiar Road, Madras-84.
 Govind C. Karnani, Moti C. Karnani, Aarti Apartments, I Lane, Haddows Road, Madras-6.
- (2) East Cost Construction and Industries, 4 Moores Road, Madras-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building at 92, G. N. Chetty Road, Madras 17. (Doc. 824|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1984.

(1) R. V. Raghavan, 12, 43rd St. VIth Revenue, Madras-83.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Sabapathi, M7, 19th Avenue Madras-83.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Madras-600 006, the 14th March 1984

Ref. No. 19165.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, 43rd St., 6th Avenue

situated at Ashok Nagar Madras-83

Officer at Kodambakkam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

(Doc. 2227|83) on August 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPALANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 12, 43rd St., VIth Avenue, Madras-83. (Doc. 2227|83).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-84

Seal :

73-46GI|84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) K. Sullindrammal, K. Venkatarambabu 69, Ormes Road, Madras-10,

(Transferor)

(2) S. Srinivasan & others
11, Sir C. V. Raman Road, Madras-18.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th March 1984

Ref. No. 19118.—Whereas, I. R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 11. Hindi Prachar Sabha Road, situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 826/83) on August 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11, Hindi Prachar Sabha Road, Madras-17.

(Doc. 826/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-84

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 12th March 1984

Ref. No. 19172.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 16, 6th Cross St., situated at New Colony, Madras-44 (and more fully described in the Schedule annexed has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Pallavaram (Doc. 3788|83) on August, 1983.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri L. M. Jagdish, D1|92, Bon Avenue III Campus, Madras-36.

(2) Shri S. Vijayalakshmi, 44, Pudhu Amman Koil St., Virudhunagar. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 16, 6th Cross St., New Colony, Madras-44, (Doc. 3788|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 12-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 15th March 1984

Ref. No. 19155 .-- Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 8, Lake Area Rajaji II St., Situated at Madras-34. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 33|83) on August, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

wansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Subbamma, 16, Subba Reddy St., Madras-33.

(Transferor)

(2) Shri R .Sagannathan, 4, Rajaji North St., Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 8, Rajaji II St., Lake Area, Madras-34. (Doc. 33|83).

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 15-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 15th March 1984

Ref. No. 19253.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 63, Prasanna Vinayagar Koil St., situated at Madras-14, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 115/83 on August, 1983.

at Madras Central (Doc. 112)83 on August. 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

52--36GI|84

- Shri Kanniammal K. Chandran, Sivaprakasam, Mallika, Raniammal, Rajeswari, 63, Prasanna Vinayagar Koil St., Madras-14.
- (2) Dr. Shiv Bhushan Sharma, 23, Balamuthu St., Ellis Road, Madras-2.

(Transferee)

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 63, Prasanna Vinayagar Koil St., Madras-14. (Doc. 115/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 15-3-84

FORM I.T.N.S.—-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 15th March 1984

Ref. No. 19166.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the tincome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot 19, Usman Road,

situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 887, 881|83) on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Padmavathi Ammal Kanyakumari, V. Girija Kanyakumari, 23, VOC St., Madras-7.

(Transferor)

(2) P. N. Srinivasan, Padma Srinivasan 160, Usman Road, Madras-17.

(Transferce)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot 19, Usman Road, Madras-17. (Doc. 881, 887|83).

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 15-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 15th March 1984

Ref. No. 19010.—Whereas, I, R. P. PILLAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing No. 104, to 106, Nungambakkam High Road, situated at Madres-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 70|83)

on August 1983

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any incom eor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sridevamma, 3|17, Nungambakkam High Road, Madras-34 P. Govindaswamy, 7, Brahadambal St. Madras-34.

(Transferor)

(2) N. Ramesh, 17, Thirumalai Pillai Road, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 104 to 106, Nungambakkam High Road, Madras-34. (Doc. 70|83).

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-3-84 Seal:

(1) Aftab Begam, Aziz Mulk St., Madras-6.

(Transferor)

K. Amudha, 3, Play ground view St., Nandanam Extn. Madras-35.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th March 1984

Ref. No. 19101.-Whereas, I, R. P. PILLAI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. RS 3884|96, Nandanam Extn. situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc, 87[83)

on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the contribution has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at RS 3884 96, Nandanam Exto., Madras. (Doc. 87|83).

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-3-84

(i) N. Kolemmal,

Abiromophism H Sr., Mauras-18

(Transferor)

(2) Dr. A. Vasantha

14. Sriman Srinivasan St., Madras-18.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th March 1984

Ref. No. 19108.--Whereas, f, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. $25,000^{\circ}$ and

bearing No. 72. Abhiramapuram II St., situated at Madras-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

(Doc. 1078 83)

on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the 'vansfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said properfy may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 72, Abiramapuram Hnd St. Madras-(Doc. 1078|83).

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the filtering persons, namely:--74 -- 46(11/84

Date: 9-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600006, the 9th March 1984

Ref. No. 19029.—Whereas, I, R. P. PHLLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 2. Dr. Rangachari Road, situated at Madras-4. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto).

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 2. Dr. Rangachari Road, situated at Madras-4.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1002/83) on August, 1983 for an apparent considedation which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. Ratnam, 27/220, Panchavati Sion East, Bembay-22.

(Transferor)

(2) Shri S. Beena, Shri S. Raiesh, Rep. by R. Srinivasan, 26, Hubibullah Road, Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ladn and building at 2, Dr. Rangachari Road, Madras-4. (Doc. 1002/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 9-3-84

5cal

17, III Main Road, Madras-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri M. A. Srinivásan, Shri Rukmini. 70, III Main Road, Madras-20.

(1) Shii V. Srinivasan.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 9th March 1984

Ref. No. 18942.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 17, III Main Road, situated at Madras-20.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Adyor (Doc. 2144|83) on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I.and at 17, III Main Road, Madras-20, (Doc. 2144|83),

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-3-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 9th March 1984

Ref. No. 19059.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 217/2, situated at Konnur Villivakkam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ambattur (Doc. 3852|83) on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Madras-112.

(2) Mrs. Revathi,

32, Audiappa Naicken St.,

(1) Shri M. Subramaniam Pillai, 47, Vedagiri Maistry St., Madras-2.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 217/2, Konnur Villivakkam. (Doc. 3852/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) K. V. Sriramulu, 2, Crescent Avenue, RA Puram, Madras-28.

(Transferor)

(2) Hussain Amina Beevi. 238, Nethaji Road, Madurai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th March 1984

Ref. No. 19094.-Whereas, I. R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000[-

No. 7, Ayyah Pillai St., situated at Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 60|83) on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore. able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXAs of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 7, Ayyah Pillai St., Madras-5. (Doc. 60[83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-3-1984

(1) Hermeck K. Pallan, K 11, Anna Nagar, Madras-102,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

 Growth Investment and Property Co. (P) Ltd. 278, J. J. Road, Madras-18.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th March 1984

Ref. No. 19095.—Whereas, I, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 80, Vengadamangalam situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras Central (Doc. 61|83) on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parametry:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the arcressid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 80, Vengadamangalam. (Doc. 61|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 9-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th March 1984

Ref. No. 19103.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 53|2A, 53|2B situated at Thalakkanancheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alandur (Doc. 2807/83) on August. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) V. Padmanabhan, Plot 65, SBI Extn. Colony, Madras-61.

(Transferor)

 S. Ragunathan, Plot B 115, Hindu Colony, Madras-61.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot 65, Thalakkannancheri, (Doc. 2807/83).

R. P. PHI AI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Mndras-600 006

Date: 9-3-1984

(1) Inex Mary Lobo, 1. Nommo Rond Stanhome, Madiased.

(Transferor)

 V. M. G. Ramakannan, D7, MIG Flat Raja Annamalaipuram, Modras-28.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th March 1984

Ref. No. 19114.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS 2588/2, situated at Nimmo Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1059/83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of vansier with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ((11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 2588|2, Nimmo Road, Madras-4, (Doc. 1059|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Eange-II
Madras-600 006

Date: 9-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th March 1984

Ref. No. 19153.-Whereas, I, R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3, Rutland Gate 5th St., situated at Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registerede under under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thousandlights (Doc. 46|83) on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 75-46GI/84

(1) Sweeker Builders (P) Ltd. 29, 16th Avenue Harrington Road, Madras-31.

(Transferor)

(2) Indo Tech Electric Co. 11, Victoria Crescent Road. Madras-105.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 58130, 3. Rutland Gate 5th St., Madras-6, (Doc. 46|83).

> R. P. PILLA! Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-500 00**£**

Date: 9-3-1934

FORM ITNS----

(1) Babu Bhai T. Suchede. 50, Sachinadanandam Octory, Madras-12,

(fransferor)

(2) Oriental Hotels Ltd 17, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Fransieree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th March 1984

Ref. No. 19129.—Whereas, I, R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|-

No. RS 38, 39, Pallavaram situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at Madras Norh (Doc 341|83) in August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pdoperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at RS No. 38, 39, No. 6, Officers Lines. Pallavaram. (Doc. 3419[83).

> R P PILIAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rance-II. Madaas-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 9-3-1564

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 43|Aug.|83.—Whereas, 1, 'R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

transfer with the object of :-

No. S. No. 67 1 situated at Periyur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

Chatrapatty, (Doc. Nos. 546, 547, 548[83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aioresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri P. R. K. Pajus, Slo P. R. Karuppaiah Nadar, Pattiveeranpatty P. O., Sevukkampatty Village, Nilakottai T. K.

(Transferor)

(2) A. Vasundara, Wlo K. R. Ananthaswaroon, K. R. Ramanujam, Guardian of Minor R. Vanishree. 283, Small Bazar Street, Salcm-636 001. P. Vasantha, Wo Shri R. P. Sarathi, 14, Sivasamy Street, Salem-636 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural land at S. No. 67/1, Periyar Village. Doc. Nos. 546, 547, 548 83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 61 & 62|Aug.|83.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and 'bearing

S. No. 162|1, 162|2, 168|2, situated at Peria Varikkam Village, Vaniyampadi T. K. N. A. Dist.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tunsterred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras North-I, (Doc. Nos. 2671 & 2672|83) on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely:

 K. Mohamed Imaduddin, Ambur Town, Vaniyampadi T. K. North Arcot Dist.

(Transferor)

(2) Shri U. Azmath Sharif Flat No. 27, 7th Avenue, Ashok Nagar, Madras-83. U. Nusrath Sharif, 90, Moore Street, 'Sharif Chambers', Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural land at S. Nos. 162[1, 162[2, 168[2, perial Varikkam Village, Vaniyampadi T. K. North Arcot Dist Doc. Nos. 2671, 2672[83].

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 64/Aug. 83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing New No. 69 situated at Thandayaraya Gramani Street, Tondiarpet, Madras-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred under the Registering Officer at Madras North-II (Doc. No. 2605/83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) fuclitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. M. Zackriya,
 S. M. Yahiya,
 S. M. Elias,
 S. M. Esa,
 Sabira Ismail,
 Sayeeda Masood,
 Angappa Naicken Street,
 Madras-1.

(Transferor)

(2) Mohamed Shamim, No. 10, II Somu Chetty Lane, Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. New No. 69, Thandavaraya Gramani Street, Tondiarpet, Madras-81, Doc. No. 2605[83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 68 Aug (83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing New No. 102 situated at N. S. C. Bose Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet, (Doc. No. 364 [83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the

following persons, namely :---

 Prem Kumbhat, 142, Govindappa Naicken Street, Madras.

(Transferor)

(2) S. Maina Bai, 14, Thulasingam Street, Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propermay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at New No. 102, N. S. C. Bose Road, Madras. Doc. No. 364|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range-II
Madras-600 006

Date: 6-3-1984

(1) Mr. Babulal Bhaichand, Soni. So. Bhaichand Soni, 405, Mint Street, Madras-79.

(Tansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Jetmal DalichandJi, S'o Daliohand Bhai Kaji, 411 Mint Street. Madras-79.

(Transfree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 70|Aug.|83.-Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
New No. 405, situated at Mint Street, Madras-79. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowearpet, (Doc. No. 384|83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Land and building at No. New No. 405, Mint Street, Madras-79.

THE SCHEDULE

(Doc. No. 384|83)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (Ilc) Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following actrons, namely :---

Date: 6-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 78|August|1983... Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R. S. No. 1624, situated at Pantheon Road, Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Periamet, (Doc. No. 857/83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Jyotene Manda & Mrs. Tillottama Misra, No. 209, I Loyds Road, Madras-86.

(Tansferor)

(2) Mrs. L. T. Halima, 53-A, New Bazar Street, Kayalpattinam, Firunclycli Dist.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. R.S. No. 1624 B, Pantheon Rd., Madras. (Doc. No. 857 83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 (i|c)
Madras 600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follownamely:—

Date: 6-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 86 August. 1983.—Whe eas, I, R. P. PILLAI,

being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 4, situated at Harrington Road, Chetput, Madras, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Periament, (Doc. No. 911|83) on August 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

76-46GI/84

 East Coast Constructions and Industries.
 Moores Road, Madras-6, represented its partner Mr. A. M. Syed Abdul Cader, 8, Habibullah Avenue, Anderson Road, Madras-6.

(Tansferor)

(2) Dr. N. Iqbal Ahmed, 23, II Cross Street, R. K. Nagar, Madras-600 028.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at No. 4, Harrington Road, Chetput, Madrae Doc. No. 911[83].

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assett, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i|c)
Madras-600 006.

Date: 6-3-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 89|August.|83.—Whereas, 1, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 1, situated at Dr. T. V. Naidu Road, Chetput Madras-31. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Perlamet, (Doc. No. 948|83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) H. Gopalakrishnan,
Mrs. Chellam Subramaniam,
H. Narayanasamy, Mrs. Anna Poorani,
Mrs. Jayam Jayaraman,
No. T. Dr. T. V. Naidu Road,
Chetput,
Madras-31.

(Transferor)

(2) G. Tara, No. 1, Corporation High School Road, 1st Street Nunbambakkam Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 1, Dr. T. V. Naidu Road, Chetput, Madras-31. (Doc. No. 948|83).

R. P. PILLAI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i|c)

Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 6-3-1984.

(1) Shri Vangala Srinivasan, F-154, Plot No. 305, Anna Nagar East Madras-102.

(Tansferor)

(2) Mrs. Soma Mammen, T Block No. 43, Anna Nagar, Madras-102.

(Transfree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No 96|Aug|83-Whereas, I.

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F-154, Plot No 305, situated at Anna Nagar, East, Madras-102,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2735183) on

August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. F-154, Plot No. 305, Anna Nagar East, Madras-102. (Doc. No. 2735|83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i|c) Madras-600 006,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act is the following persons, namely :-- 77-46GI/84

Date: 6-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 97|Aug.|1983.-Whereas, I, R. P. PILLAL,

being the Competent Authority under Section 369B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 17, situated at Koyambedu village, Chingleput Dist. (and more fully described in the Schedule annexed herto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Officer at Anna Nagar, (Doc. No. 2736|83). on August 1983, for an apparent consideration

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid prowhich is less than the lair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri K. Narayana Achari, No. 54-A, Gangu Reddy Street, Egmore. Madras-8.

(Tansferor)

(2) Mrs. Ambika Ramakrishnan Nair, No. 5, Ranganathapuram Street, Chetput, Madras-31.

(Transferce) ·

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereings as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant Land No. Plot No. 17 Koyambedu village, cningieput District. Doc. No. 2736 83).

> R. P. PILLAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I (i|c) Madras-600 005

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2690 of the said Act to the following persons, namely :---

Dato: 6-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 99|August|1983.—Whereas, I, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4158, situated at Arignar Anna Nagar, Madras-40. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2762|83) on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri E. S. Mani, S|o. Somu Pillai, 18, Deivanayaga Mudali Street, Nungambakkam, Madras-34.

(Tansferor)

(2) Mrs. Pushpa Devi Paharia, No. 1|11|1, Madho Seth Lane, Calcutta-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. Plot No. 4158, Arignar Anna Nagar, Madras-40. Doc. No. 2762[83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (ilc)
Madras-600 006.

Date: 6-3-1984.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 100[Aug.|83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

112, "W" Block No. 1 situated at Plot No. C-15, 3rd Main Road, A. A. Nagar, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. 2807|83) on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, is
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) A. Vasantha, 145, Santhi Colony, Madras-40.

(Tansferor)

(2)P. Ravikumar, 123, Mettu Street, Ayanavaram, Madras-23.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at No. 112, "W" Block No. 1, Plot No. C-15, 3rd Main Road, A. A. Nagar, Madras. (Doc. No. 2887|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i|c)
Madras-600 006.

Date: 6-3-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ÁCQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 101/Aug./83.---Whereas, f, R. P. PILI AI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 31, Stage-I, situated at Chinmaya Nagar, Koyembodu village, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. 2843|83) on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—78—46GI/84

(1) Thirn R. Arun, So. T. Rajasabai, 42, Nungambukkary High Road, Madras-34.

(Tansferor)

(2) Thirn B. Veluswami, Slo, Late S. A. Birmaboyar, 155/26, Jayanth Colony, Anna Nagar, Madras-600 040,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at Plot No. 31, Chinmaya Nagar, Stage-I, Koyembedu village, Madras, D v. 140, 2843[83].

R. P. PILIAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Range-I (i|c)
M. datas-600 006.

Date: 6.3-19°4, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M. A. Devapiriam, 19, Dorasamy Street, Ayanavaram, Madras.

Madras.
(2) Mrs. Nirmala Devi Dhanaraj, 58, Ormes Road, Madras-10.

(Tansferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 103|August.|83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 18 situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at
Anna Nagar, Mdras (Doc. 2888, 2889 83) on August 1983
for an apparent consideration which is less than the falr
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Land and building at No. Block No. 18, Madras, Doc. Nos. 2888, 2889 83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (lle)
Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the said Act, to the

Date: 6-3-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 114|Aug.|83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beading No. R.S. No. 7463 situated at Peddunaickenpet, Mint Street, George Town, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Madras North-I, (Doc. No. 3203|83) on Aug. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. P. S. L. Rahma Beevi, 26, Wallace Garden Third Street, Thousandlights, Madras.

(Transferor)

 Mrs. K. Sushecla, Mr. V. Kandaswamy, 16, Vankier Street, Kondithope, Madras.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

^t (Land and building at No. R.S. No. 7463, Peddungickenpet, Mint Street, George Town, Madras, (Doc. No. 3203/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i]c) Madras-600 005

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER ACTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Rameshmal Dugar, No. 8, Elephant Gate Street, Sowcarpet, Madras-600 079.

(Transferor)

(2) P. M. Dugar, No. 9, Spur Tank Road, Egmore-Chetpet, Madras-31.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF A.B. ASPECTING ASSISTANT COMMISSES $\mathbb{R}_{+} \to \mathbb{R}$ OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006

Madray-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 115, Aug., 83. Whereas, 1, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said A.C) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Prot No. 1. New 1819. 9, situated at Star Tarit Road, Chelpet, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1098[33]) on Aug. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and /or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

(Land and building at No. Plot No. 1, New No. 9, Sput Tank Road, Chetpet, Madras-31. (Doc. No. 1098 83),

> R. P. PILLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-J (i|c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-060 006

Madras-600 006, the 6th March 1284

Ref. No. 116/Aug./83,—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and beating No.

New No. 34 situated at

T.H. Road, Madras-21

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908-16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North-II,

(Doc. No. 3537[83) on Aug. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 A. V. Sampath, S. Mohan, A. C. Khan, 257. Ungfir Chetty Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Sh. R. A. Pandurangam, 8, Golla Amman Koil Street, Madras-21.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. New No. 34, T. H. Road, Madras-20 (Doc. No. 3537[83]).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-1 (i|c) Madras-600 006

Date: 6.3-1984

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 118 Aug. 83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. New No. 17, situated at

Stringers Street, Madras-I (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras

(Doc. No. 2784|83) on Aug. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or 'he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mansukhlal P. Shah. No. 9, Venkatroyar Lane, Park Town, Madras-3.

(Transferor)

(2) M. Mohamed Moosa, No. 3, Perianna Maistry, Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(and and building at No. New No. 17, Stringers Street, Madras-1. (Doc. No. 2784[83).

> R. P. PIJ LAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i|c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, * mely :--

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 117/Aug./83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelnafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing No.

15 situated at

Egmore High Road, Madras-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Madras Central,

(Doc. No. 104|83) on Aug. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

L. C. G. Muthlah,
 L. M. Sivaprakasam,
 L. M. Jeeva Manohar,
 L. M. Lajapathi,
 Egmore High Road,
 Madras-8.

(Transferor)

(2) Sh. P. N. Venkata Raman, 13, Veeraswamy Pillai Street, Egmore, Madras-8.

(Iranslave)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 15, Egmore High Road, Madras-8, (Doc. No. 104/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i|c) Madras-600 006

Date: 6-3-1984 Seul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME: TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1984

Ref. No. 19|37-EE|Nov.|83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market when the immovable property have a fair market when the immovable property had a fair market when the immovable property had a fai property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 813 situated at

Poonamalle High Road, Madras-600 010

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Madras

on November, 1983 for an apparent consideration which is less, than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than the fair market of such apparent consideration, and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1) Mr. M. L. Patwari, Miss Rahsha Shah, Mr. Rewat Chand, Sua Devi, No. 82, Natayan, Street, Madras-1:00 001.

(Transferor)

(2) Mr. Riasath Ali Mirza, 58, Montieth Aoad, Egmore; Madras-600 008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as - are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Flat at No. 813, Poonamellee High Road, Madras-600 010,

R. P. PII.LAI Competent Authority Inepecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i|c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-3-1984